जिनमणिमालायाः चतुर्थो मणिः ४

प्रतिष्ठा लेख संग्रहः

प्रथमो विभागः



उपाध्याय-विनयसागरेण, साहित्याचार्य,
जैनदर्शनशास्त्री, साहित्यरत्न, काव्यतीर्थ,
शास्त्रविशारदप्रभृत्युपाधिधारकेण
नेमिदूतम् अरजिनस्तवादीनाञ्च सम्पादकेन सम्पादितः



डा० श्रीवासुदेवशरण-अग्रवालेन
एम० ए० डी० लिट् इत्युपाधिभूषितेन
काशी विश्वविद्यालय-अध्यापकेन लिखितया
भूमिकया समलङ्कृतम् ।



वि० सं० २०१० } मूल्यम् ५) { सन् १९५३

प्रकाशक:—

मुनि-विनयसागर साहित्याचार्य

अध्यक्ष-सुमतिसदन

कोटा (राजस्थान)



मुद्रक:—

जैन प्रिंटिंग प्रेस,

कोटा.

समर्पण

अगरचन्दजी नाहटा

को

सप्रेम

अपनी बात



वि० सं० २००० का चातुर्मास मेरे शिरच्छत्र पूज्येश्वर आचार्य देव श्रीजिनमणिसागरसूरिजी महाराज का बीकानेर में श्री नाहटाजी के शुभ प्रासाद शुभविलास में हुआ। उस समय मेरी अवस्था १६ वर्ष की थी। पूज्येश्वर गुरुदेव ने अध्ययन के लिये व्यवस्था कर रखी थी। शिक्षक व्याकरण-काव्य आदि का अभ्यास करवाता था। उस समय मैं सिद्धान्त-कौमुदी का दूसरा खण्ड पढ़ रहा था; पर बाल्यावस्था के कारण अध्ययन में तनिक भी रुचि नहीं थी और व्याकरण जैसा शुष्क विषय होने के कारण मैं अध्ययन से घबड़ाता था तथा बहाने किया करता था। ऐसी मेरी मानसिक स्थिति और पढ़ाई चोर भावना को देखकर श्री अगरचन्दजी नाहटा ने (जो पूज्येश्वर गुरुदेव के भक्त होने के साथ साथ मुझे विद्वान और क्रियापात्र साधु देखना चाहते थे) गुरु महाराज की आज्ञा प्राप्त कर साहित्य की तरफ मेरी रुचि को बढ़ाना प्रारंभ किया। उन्होंने सर्वप्रथम हस्तलिखित ग्रन्थों की लिपि के अभ्यास की ओर मुझे प्रवृत्त किया। मैं भी उस समय 'पढ़ाई' से विरक्तमना सा था। अतः मुझे भी यह मार्ग रुचिकर प्रतीत हुआ और मैं इस प्रयत्न में अग्रसर हुआ। बड़ों के आशीर्वाद से इसमें मैं सफल भी हुआ। उन्हीं दिनों मैंने नाहटा जी के संग्रह के लगभग ३००० हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची भी तैयार की।

इन्हीं दिनों चातुर्मास में ही गुरुदेव भक्तवर्ग को 'उपधानतप' की तपश्चर्या करवा रहे थे। इसी समय बीकानेर के प्रमुख मन्दिर (चिन्तामणिजी) के भण्डारस्थ लगभग ११०० प्रतिमाएँ, जो विशिष्ट समय पर भण्डार से बाहर निकाली जाती थी और अष्टाह्निका महोत्सव, शान्तिस्नात्र, रथयात्रादि महोत्सव के साथ पुनः भूमिगृह में विराजमान करदी जाती थी, इस 'उपधानतप' महोत्सव के उपलक्ष में बाहर निकाली गईं। वहाँ के दूसरे प्रधान मन्दिर महावीरस्वामी जी के भण्डारस्थ प्रतिमाएँ भी इस समय प्रयत्नपूर्वक निकाली गई थीं।

श्री नाहटाजी का कई वर्षों से विचार और प्रयत्न था कि 'बीकानेर जैन लेख संग्रह' निकाला जाय। वे बीकानेर नगर और उस राज्य के समस्त स्थित मन्दिरों के लेख ले चुके थे। पर चिन्तामणिजी के भण्डारस्थ मूर्तियों के लेख जो उन्होंने पूर्व लिये थे, वे गुम हो गये थे। अतः इनकी पुनः आवश्यकता थी। इस प्रसंग को लेकर लेखों की लिपि-वाचन के उद्देश्य से उन्होंने मुझे भी इस कार्य में लगाया। मैं उत्साह पूर्वक तैयार था ही, जुट गया। श्री अगरचन्दजी एवं श्री भँवरलालजी नाहटा के सहयोग से उस समय लगभग २००—२५० लेख मैंने लिये थे। उस समय से मेरा लेखों की लिपि वांचने का भी अभ्यास हो गया।

सं० २००२ में बीकानेर से विचरण करते हुए गुरुश्री एवं मैं नागोर आये। इस कार्य में मेरी रुचि भी थी और अब तो अभ्यास भी हो चला था; साथ ही नाहटाजी की तरफ से समय समय पर प्रोत्साहन मिलता रहता था। अतः मैंने नागोर के सब मन्दिरों के पाषाण और धातु दोनों के लेख लेना प्रारम्भ किया। तदनन्तर तो हम जहाँ कहीं भी गये, वहाँ के मन्दिरों के दर्शन करना और मूर्तियों के लेख लेना, यह एक ध्येय सा बन गया था। इस प्रकार नागोर से चलने के बाद, कुचेरा, खजवाना, मेड़तारोड, जड़ाउ, गोविन्दगढ़, अजमेर, किशनगढ़ आदि स्थानों से मैंने लगभग ८०० लेख एकत्र कर लिये।

सं० २००२ का चातुर्मास जयपुर में हुआ। इस चातुर्मास में भी मैंने वहाँ के श्वे० जैन मन्दिरों के लेख लेने का क्रम चालू रखा। शहर के सब मन्दिर और गृहदेरासरों के लेख मैं ले चुका था। इस चातुर्मास में नाहटाजी गुरुदेव के दर्शनार्थ जयपुर आये। उस समय उन्होंने मुझे प्रोत्साहित किया कि—"जिस प्रकार हमने 'बीकानेर लेख संग्रह' तैयार किया है; उसी प्रकार आप भी 'जयपुर लेख संग्रह' तैयार करलें तो बहुत अच्छा रहेगा। शहर के तो सारे लेख आपने ले ही लिए हैं; जयपुर राज्य के अन्य स्थानों में भ्रमण कर अवशिष्ट लेख भी ले लें, फिर इन्हें स्वतन्त्र ग्रन्थ रूप में प्रकाशित कर दिए जायँ।" राजस्थान-मान्य प्रसिद्ध श्री गुलाबचन्दजी ढढ्ढा की भी यही भावना थी कि यह कार्य मैं पूर्ण कर दूं। इसमें जितने भी सहयोग या सहायता की आवश्यकता थी, उसको भी उन्होंने देना स्वीकार किया और यह भी कहा कि जयपुर जैन समाज की तरफ से ही इसको प्रकाशित भी करवा दिया जायगा।

अस्तु, मैं भी नामलिप्सा से अभिभूत होकर इस कार्य में संलग्न हो गया। पूज्येश्वर गुरुदेव की आज्ञा और आशीर्वाद को प्राप्त कर फाल्गुन मास में श्रीसंघ के, विशेषतः श्री गुलाबचन्दजी सा० ढड्ढा और श्री सोहनमलजी गोलेछा, सा० श्री हमीरमलजी गोलेछा के सहयोग से विहार के लिये जयपुर से चल पड़ा। दोसा, बसवा, मण्डावर, महावीर जी, हिण्डोन, वजीरपुर, गंगापुर, मलारणा का डूंगर, सवाई माधोपुर, टोंक, चाटसू, सांगानेर होकर मैंने प्रथम दौरा १५ दिवस में २२५ मील चलकर पूर्ण किया और पुनः गुरुदेव की सेवा में जयपुर आ पहुँचा। दूसरे दौरे में जोबनेर, फुलेरा सांभर, नरेना, दूधु, पचेवर, मालपुरा, टोडारायसिंह, पनवाड़ होकर मैं कोटा पहुँच गया। इस प्रकार लगभग ४० गाँवों के लेख संग्रह कर चुका था केवल शेखावाटी प्रदेशस्थ ग्राम ही अवशिष्ट रहे थे।

दोसा महावीरजी तथासवाई माधोपुर वाले प्रथम प्रवास में मुझे वहाँ के दि० जैन मन्दिरों के व्यवस्थापकों की साम्प्रदायिक मनोवृत्ति का अवांछनीय परिचय मिला। सर्व प्रथम महावीरजी का ही लीजिये। यह तीर्थ वस्तुतः श्वेताम्बरों का ही है। इसके निर्माता और प्रतिष्ठाता श्वेताम्बर ही थे। लगभग इसी एक शती से इसकी व्यवस्था दिगम्बर जैनों के हाथ में गई। व्यवस्था दिगम्बर जैनों के हाथों में होते हुए भी कई विशिष्ट अधिकार पल्लीवाल श्वेताम्बर जैनों को प्राप्त थे। पर जो देवालय और देवमूर्तियाँ आदर्श की, सन्मार्ग की और आध्यात्मिकता की प्रतीक थीं, उनको अहम्मन्यता की भावना से साम्प्रदायिक कर्दम के दल-दल में फँसाकर सारे 'आदर्श' समाप्त कर दिये थे। यहां तक कि श्वेताम्बर जैनों का पूजन दर्शन आदि व्यवहार भी बन्द कर दिया गया। फलतः 'कानून' की उपासना में दोनों दलों ने अपने रक्तसिञ्चित द्रव्य को न्योछावर करना प्रारंभ कर दिया। वस्तुतः इन साम्प्रदायिक तत्त्वों ने जैनत्व क्या मानवता को ही कलंकित किया है।

प्रवास में भ्रमण करता हुआ, म महावीरजी के दर्शन करने और वहाँ के लेख लेने की भावना से लगभग १२ बजे पहुंचा। द्वार पर ही द्वारपाल ने श्वेताम्बर जैन साधु का वेष देखकर मुझे रोका और कहा—"आप श्वे० साधु हैं, इसलिये आप अन्दर नहीं आ सकते।" खैर वहाँ के आफिस से इजाजत प्राप्त करने पर मैं भीतर गया, पर मन्दिर के प्रवेश द्वार पर फिर द्वितीय द्वारपाल ने मेरे 'रजोहरण' (धर्म-चिह्न, जो प्रत्येक श्वेताम्बर साधु के पास रहता है) को देखकर प्रश्न किया कि,

"क्या यह ऊन का है ?" मैंने कहा—"हाँ।" तो उस द्वारपाल ने कहा—"तो आप भीतर नहीं जा सकते ?" मैंने कहा—"क्यों ?" उत्तर—"पहिले तो आप श्वे० साधु हैं दूसरे आपके पास ऊन है !" जब पुनः आफिस से इजाजत प्राप्त कर मन्दिर के सभामण्डप में पहुँचा, तो आफिस की तरफ से एक कर्मचारी मेरे साथ साथ जासूस की तरह लगा रहा, मानों मैं कोई भेदू मन्दिर के भेद लेने आया हूँ। अस्तु, मेरी दर्शन करने की भावना भी कुण्ठित हो गई और इस साम्प्रदायिक मनोवृत्ति पर कुछ क्षोभ भी हुआ। मैं ऐसी परिस्थिति में दर्शन भी ठीक तरह से नहीं कर सका अतः वहां से चलकर मैंने 'हिण्डोन' आकर विश्राम किया।

इस प्रकार की तथा इससे कुछ भिन्न प्रकार की कई घटनाएं इस प्रवास में अन्यत्र भी हुई। उनका यहाँ उल्लेख करना भी अनवश्यक सा प्रतीत होता है।

इस प्रकार केवल जयपुर राज्य के लगभग १००० लेख मैंने संगृहीत कर लिये, किन्तु ८—१० ग्रामों के लेख अवशिष्ट रहने के कारण इसको मुद्रण के लिए प्रेस में न दे सका। विचार था कि भविष्य में इधर का एक दौरा और करके इस कार्य को पूर्ण कर लूंगा, पर विचार विचार ही रहा और वह आज तक ७ वर्ष पूर्ण होने पर भी पूर्ण नहीं हो सका और अब तो आशा भी नहीं रही।

हाँ, तो दूसरा प्रवास पूर्ण कर कोटा आगए थे। यहाँ आने के कुछ समय पश्चात् अर्थात् सं० २००४ में मेरी मानसिक वृत्तियाँ बदली। अब मुझे अपनी अपूर्णता का अनुभव हुआ। इस समय 'पढ़ाई-चोर' जीवन पर हृदय में पश्चाताप भी हुआ। अतः अन्य सारी प्रवृत्तियों को (चाहे वे साहित्यिक भी क्यों न हों) त्याग कर विद्याभ्यास में ही मैं एकनिष्ठ हुआ। कुछ समय पश्चात् मेरे विद्यागुरु डा० फतहसिंहजी के संरक्षण व प्रयत्न और परिश्रम से मैंने साहित्याचार्य, जैन दर्शनशास्त्री, साहित्यरत्न, काव्यतीर्थ आदि उपाधियाँ सं० २००७ के अन्त तक प्राप्त कीं। तदनन्तर सम्पादन कार्य में व्यस्त हो गया।

मेरा गत चातुर्मास अहमदाबाद था। उस समय मैं 'सहस्रदलकमलभय अरजिनस्तव' के सम्पादन और 'वल्लभ-भारती' के ग्रन्थों की प्रेसकापी करने में व्यस्त था। इन्हीं दिनों सुहृदों ने मुझ से कहा कि "आपने जो मूर्तियों के लेख संग्रह किए हैं उनको प्रकाशित क्यों नहीं करवा देते ? प्रकाशित हो जाय तो पुरातत्त्वज्ञ उसका उपयोग करेंगे अन्यथा परिश्रम पूर्वक

की गई उनकी प्रेस कोपी वैसे ही नष्ट हो जायेंगी।" मैंने भी विचार किया कि वस्तुतः यह कथन युक्तियुक्त है। मुझे इन लगभग २००० लेखों को लिए हुए सात वर्ष व्यतीत हो गए। प्रेस कापी के कागज भी जीर्ण हो रहे हैं और स्याही फीकी पड़ जाने के कारण लिपि भी अस्पष्ट होती जा रही है अतएव ग्रह का प्रकाशन कर देना ही उचित प्रतीत हुआ।

उस समय मेरे लेख संग्रह की कापी कोटा में थी। अतः तत्काल कार्य प्रारम्भ न कर सका। संयोगवश चातुर्मास पश्चात् मेरा अहमदाबाद से कोटा आना हुआ और पूर्व विचारों के अनुसार लेख संग्रह का प्रकाशित कराना निश्चित कर लिया। उसके लिये प्रेस कोपी का पुनर्निरीक्षण किया। पूर्ववर्ती क्रम (जो प्रत्येक मन्दिर के पाषाण, धातु आदि के आधार पर था) उपयुक्त नहीं जँचा। अतः उनका संवतानुसार वर्गीकरण किया गया। वर्गीकरण करते समय यह विचार आया कि—"लेख तो लगभग २२०० है। यदि सम्पूर्ण एक साथ प्रकाशित करेंगे- तो पुस्तक बहुत बड़ी हो जायगी। अतः १७ वीं शती तक के ही लेखों का इस प्रथम भाग में समावेश में किया जाय, अवशिष्ट १८ वीं शती से २० वीं शती तक के लेख द्वितीय भाग में रखे जायँ।"

इसी विचारानुसार इस प्रथम भाग में ११ वीं शती से लेकर १७ वीं शती तक के १२०० लेख संकलित किये गये हैं। मूर्ति किस स्थान पर और किस मन्दिर में है, इसका उल्लेख लेखांक नम्बर के अनुसार ही नीचे टिप्पणी में सूचित कर दिया है। साथ ही मूर्ति पाषाण की है अथवा धातु की, इसका स्पष्टीकरण लेखांक नम्बर के साथ ही हो जाता है यदि नम्बर के साथ 'आदिनाथपंचतीर्थी:' अथवा 'पार्श्वनाथचतुर्विंशतिपट्ट:' अथवा 'शान्तिनाथ एकतीर्थी:' है—तो धातु की मूर्ति समझनी चाहिये और यदि केवल 'नमिनाथ:' आदि भगवान का ही नाम है तो पाषाण की मूर्ति समझनी चाहिये।

लेखों के प्रारम्भ में जहाँ "॥ ई० ॥" यह चिह्न आता है, उसके स्थान पर मैंने सब ही जगह ॥ ॐ ॥ का प्रयोग किया है।

ये सारे लेख मेरे बाल्यकाल के ही लिये हुये हैं। अतः लिपिवाचन आदि में भ्रम रह जाने से कई जगह अस्पष्ट से रह गये हैं उनपर प्रश्नवाचक चिह्न रख दिया है।

श्वेताम्बर मन्दिरों में स्थित दिगम्बर लेखों को भी इसमें स्थान दिया गया है जोकि लगभग ५० होंगे।

अन्त में मैं मान्यवर डा० श्री वासुदेवशरण अग्रवाल एम० ए० पी० एच० डी० का बहुत ही आभारी हूँ कि जिन्होंने मेरे आग्रह को स्वीकार कर अत्यन्त व्यस्त रहने पर भी भूमिका लिखकर भेजने की की कृपा की। डा० श्री फतहसिंहजी का भी मैं कम कृतज्ञ नहीं हूँ जिनके तत्वावधान में यह ग्रन्थ प्रकाशित हो रहा है। साथ ही श्राद्धवर्य श्री उम्मेद-मलजी नाहटा को भी धन्यवाद दिये बिना नहीं रह सकता, जिन्होंने इसका मुद्रण करवाकर आप लोगों के सन्मुख रखा है।

श्रा० शु० ५
कोटा.

उपाध्याय विनयसागर



भूमिका



उपाध्याय श्री विनयसागर जी ने अपने प्रवासकाल में नागौर मेड़ता, अजमेर, किसनगढ़, जयपुर, कोटा और रतलाम आदि स्थानों, के जैन मंदिरों में सुरक्षित मूर्तियों के लेखों का संग्रह किया था। वही इस संग्रह के रूप में प्रस्तुत है। इस संग्रह में बारह सौ लेख हैं। श्री विनय सागर जी साहित्यक अभिरुचि के व्यक्ति हैं। धर्म प्रचार के साथ साथ अपनी यात्रा को उन्होंने इस प्रकार के सुन्दर और उपयोगी साहित्यिक यज्ञ में परिणत कर दिया, इसके लिये मैं ऐतिहासिक जगत् की ओर से उनका विशेष अभिनन्दन करता हूँ। सचमुच जहाँ कुछ नहीं था वहाँ से भी उन्होने ऐतिहासिक सामग्री का यह बड़ा सुमेरु खड़ा कर दिया है। अपने देश में यदि उचित रीति से ऐतिहासिक अनुसंधान का कार्य किया जाय तो कितनी अपरिमित सामग्री संकलित की जा सकती है, इसका सुन्दर दृष्टान्त विनय सागर जी का यह प्रयत्न है। मेरा अनुभव है कि उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, मध्यप्रदेश, मालवा, गुजरात आदि विस्तृत भूभाग के सब मंदिरों की छानबीन की जाय तो ऐसे मूर्ति-लेखों की संख्या बारह सौ क्या, बारह सहस्र तक पहुंच सकती है। जैन इतिहास और साहित्य के समृद्ध भण्डार का सचमुच कोई अन्त नहीं जान पड़ता। जैन-भण्डारों से जैन ग्रन्थराशि हाल में ही प्रकाश में आई है उसने देश के विद्वानों को आश्चर्य में डाल दिया है। अभी तो इन भण्डारों की कुञ्जियाँ खुलने का आरम्भमात्र ही हुआ है। इन भण्डारों में मानों प्राकृत, अपभ्रंश प्राचीन हिन्दी, राजस्थानी, गुजराती आदि देश्य भाषाओं के सहस्रों ग्रन्थों की पर्वताकार-राशि ही भारतीय-साहित्य के गोप्ता किसी अधिदेवता ने हमारे सामने लाकर पुञ्जीभूत कर दी है। इस प्रकार साहित्य और इतिहास के क्षेत्रों में काम करने वाले भारतीय विद्वानों के सामने बीसवीं शती के उत्तरार्ध भर करते रहने के लिये कार्य का पुष्कल अंश सामने आगया है। कलकत्ते से जैसलमेर तक एवं अमृतसर अम्बाला से दक्षिण के

मूड़विद्री तक जैन मंदिरों में कितने सरस्वती भण्डार हैं और इन भण्डारों में कितनी ग्रन्थ-सामग्री है यह प्रश्न राष्ट्रीय महत्व का है एवं उसी धरातल पर अनुसंधान चाहता है। यहाँ न धर्म भेद का प्रश्न है, न जाति का। यह तो भारत के अतीत इतिहास साहित्य और संस्कृति का ऐसा वैश्रवण-कोश है जिसकी सार-सँभाल होनी ही चाहिए। क्योंकि काल के विस्मृत गर्भ से बची हुई इस सामग्री में देश और विदेश के सभी विद्वानों में रुचि है। विशेषतः भारत की मध्यकालीन संस्कृति के परिचय के लिये तो इस साहित्य का अत्यधिक महत्व है। दूसरा लाभ यह है कि हिन्दी, राजस्थानी, गुजराती आदि भाषाओं के विकास और इतिहास के शोधन की भी अपरिमित सामग्री इस साहित्य में मिलने की आशा है।

प्राचीन हस्तलिखित ग्रन्थों के अन्त में लिखी हुई प्रशस्तियों में धार्मिक, राजनैतिक और सांस्कृतिक इतिहास के कितने ही महत्व पूर्ण उल्लेख पाए जाते हैं। उसी प्रकार मूर्तियों की चरण चौकी पर या उनके पृष्ठभाग में खुदे हुए प्रतिष्ठा लेखों में भी इस प्रकार की सामग्री पाई जाती है। श्री मुनि जिनविजय जी ने 'जैन पुस्तक प्रशस्ति संग्रह' नाम से पाँच सौ से अधिक ग्रन्थ प्रशस्तियों का एक संग्रह सिंघी जैन ग्रन्थ माला में प्रकाशित किया था। उसमें सं० ११०६ से संवत् १५०८ तक के बीच में लिखे हुए ताडपत्रीय-ग्रन्थों की पुष्पिकाओं का संग्रह है। इसी प्रकार दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी जयपुर की ओर से श्री कस्तूरचंद कासलीवाल ने आमेर शास्त्र भण्डार के संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश और हिन्दी भाषा के उपलब्ध ग्रन्थों की प्रशस्तियों का संकलन करके 'प्रशस्ति संग्रह' नाम ग्रन्थ प्रकाशित किया। प्रशस्ति लेख और मूर्ति लेखों की इस बढ़ती हुई सामग्री को देख कर भविष्य के लिये नई आशा का उदय होता है कि इनके द्वारा साहित्य और इतिहास की कितनी अपूर्व जानकारी हमारे ज्ञान-क्षेत्र में आ-जायगी। इन लेखों में अनेक जैनाचार्य ग्रन्थकार विद्वान् साधु- एवं साध्वियों के नाम, अनेक गण, गच्छ, जाति एवं कुलों के नाम, अनेक स्थान (ग्राम, नगर, दुर्ग आदि) और तत्कालीन नृपति तथा अन्यान्य राज्याधिकारियों के नाम एवं कई सौ श्रावक श्राविकों के नाम आए हैं। मुनि जिन विजय द्वारा संपादित 'जैन पुस्तक प्रशस्ति संग्रह' की भाँति उपाध्याय विनय सागर जी ने भी नामों की इन सूचियों का कई परिशिष्टों में संग्रह किया है। सांस्कृतिक इतिहास निर्माण के लिये

ये मूल्यवान हैं। भाषाशास्त्र की दृष्टि से श्रावक-श्राविकों के नामों का कम महत्व नहीं है, क्योंकि अधिकांश नाम अपभ्रंश और तत्कालीन लोक भाषा के रूप को प्रकट करते हैं। मध्यकालीन भारतीय नाम अपभ्रंश के सांचे में ढल गए थे। भाषाशास्त्र की दृष्टि से इन नामों का अध्ययन करने की आवश्यकता है। उदाहरण के लिये चौदहवीं शती के लेखों में आल्हण, माहण, गोलण, झाँझण, चाहड़, कल्हण, धीसल, कडुआ, वाहड़, लूणग, राजड़, आहड़, देदा, गोगा, माल्हण, उजोअण, तिहुण, गोसल, दाहड़, आदि नाम मिलते हैं। इनमें से कुछ नामों की व्युत्पत्ति तो समझ में आती है। जैसे—वाहड़, वाग्भट्ट का रूप है।' चाहड—त्यागभट्ट, वीसल—विश्वमल्ल, लूणग—लावण्य-प्रसाद, तिहुण—त्रिभुवन, उजोअण—उद्योतन, कल्हण—कल्यदेव, कडुआ—कटुक से लोक भाषाओं में बने हुए रूप हैं। गोगा, गोगाक, गोगिल ये तीन नाम जैन पुस्तक प्रशस्ति संग्रह में भी आए हैं। 'पाइय सद्द महण्णवो' के अनुसार गोग्गह (सं० गोमह) नाम का शब्दार्थ गौओं को आक्रमणकारियों से छीनने वाला, ऐसा विदित होता है। गोग्गह से देश भाषा में गोगा नाम विकसित हुआ जान पड़ता है। गोसल (प्रश० संख्या १०७) और उससे सम्बन्धित गोसली, गोसा जैन पुस्तक प्रशस्ति संग्रह में भी आए हैं (पृ० १७१) हेमचन्द्र की देशी नाममाला के अनुसार गोस=प्रभात। अतएव गोसल उस बच्चे का नाम हुआ जिसका जन्म ब्राह्ममुहूर्त में हुआ हो। माल्हण (प्रशस्ति संख्या १०३) से मिलते जुलते अन्य नाम मल्हना, मल्हा, मल्हादे मुनि जिन विजय जी की सूचियों में हैं। इन नामों का सम्बन्ध लीला वाचक अपभ्रंश मल्ह धातु से है। भविस्सयत्त कहा (दलाल पृष्ठ १५३) मे मल्हते=लीलायमाना। देशीनाममाला ६। ११६ में मल्हण= लीला। अथवा महापुराण २६। २४। ५ वैद्य संस्करण के अनुसार मल्हण= मदयुक्त। इस प्रकार अपभ्रंश, देशी और लोक भाषाओं में कई शताब्दियों की सामग्री हमारे सामने भाषा शास्त्र के अनुसंधान का नया क्षेत्र प्रस्तुत करती है। नामों के इस प्रकार के रूप प्रस्तुत संग्रह के बारह सौ लेखों में से यदि सब एकत्र किये जाँय तो उनके अध्ययन में एक स्वतंत्र पुस्तक ही लिखी जा सकती है। रोचक होते हुए भी इस विषय को यहाँ आगे बढाना उचित नहीं जान पड़ता। देदा नाम देद्दक से भी और आगे घिस कर बना हुआ जान पड़ता है। भण्डारकर लेख सूची सं० १३७८ के अनुसार देद्दक एक शिल्पी का नाम था मूल में संस्कृत देवदत्त से देद्दक रूप का विकास संभव ज्ञात होता है।

इन्हीं नामों में प्रवृत्ति यह भी ज्ञात होती है कि विवाह के उपरांत स्त्रियों के नाम पति के नाम के अनुसार परिवर्तित हो जाते थे। पितृ गृह में कन्या का जो नाम होता था वह 'पैतृक नाम' कहलाता था और वह नाम पति के घर में आकर बदल दिया जाता था। जैन पुस्तक प्रशस्ति संग्रह के सं० १२९८ की एक प्रशस्ति में इसका पक्का प्रमाण इस प्रकार उपलब्ध होता है—

"श्रेष्ठि वीरदेव पत्नी वीरमति मोल्ही इति पैतृक नाम।"

(जैन पु० प्रश० सं० पृ० ६८)

प्रतिष्ठा लेख संग्रह में भी चौदहवीं शती के कई लेखों से यही बात प्रकट होती है। जैसे सं० १३६४ के एक लेख में श्रे० (श्रेष्ठि) महणा भार्या महणादे (ले० सं० ११०)। अथवा संवत १३६२ के दूसरे लेख में श्रे० खीमसीह भार्या खीमसरि अथवा लेख सं० १६५ में श्रेष्ठिसुत नागसीह अपने पिता का नाम राजा और माता का राजदेवि लिखता है। लेख १६८ में साहु ललता की भार्या ललतादे, उसके पुत्र लखमा की भार्या लाखणादे, लेख २०२ में आसाक की भार्या आसलदे इसी प्रथा के कुछ अन्य उदाहरण हैं। इस प्रकार यह बात विचारने योग्य हो जाती है कि पति के नाम के अनुसार पत्नी के नाम के परिवर्तन की प्रथा भारतीय व्यक्तिगत नामों के इतिहास में कब से प्रारम्भ हुई और कब तक जारी रही। हरिषेण कृत बृहत्कथाकोष में भी इसका उदाहरण आया है, जहाँ सोमशर्मा की पत्नी का नाम सोमश्री रखा गया है (पृ० ३१७)। वस्तुतः नामों के अनुसंधान का यह एक ऐसा विषय है जिसमें साहित्य ग्रन्थों की प्रशस्तियाँ शिलालेख और तांबे पीतल की मूर्तियों पर खुदे हुए लेख इन सबकी सामग्री एक ही सांस्कृतिक पृष्ठ भूमि का चित्र हमारे सम्मुख रखती है। अतएव एक से दूसरे का समर्थन होता है। अध्ययन के ये नए नए दृष्टिकोण तभी संभव हैं जब मुनि जिन विजय जी एवं उपाध्याय श्री विनय सागर के सदृश मौलिक संग्रह का कार्य हमारे सम्मुख इतने सुंदर और सुविधा जनक रूप में किया गया हो। जैन धार्मिक संघ का सांगोपांग इतिहास अनेक आचार्य और उनकी गुरु शिष्य परम्परा एवं नई नई गद्दियों के इतिहास निर्माण के लिये प्रशस्ति और मूर्ति इन दोनों की सामग्री अनमोल कही जा सकती है। किसी दिन इस विषय का भी पर्याप्त अनुसंधान किया जायगा ऐसी आशा है।

इन लेखों में कुछ संक्षिप्त चिह्न भी बार बार प्रयुक्त हुए हैं, जैसे व्यव० (व्यवहारिक), सा० (साहु), श्रे० (श्रेष्ठि) ठा० (ठक्कुर), सु० (सुत), पु० (पुत्र), भा० (भार्या), श्रे० सु० (श्रेष्ठि सुत), प्र० (प्रतिष्ठापितं) इत्यादि। संक्षेप चिह्नों के सामने बिन्दी लगाने की प्रथा लेखक की इच्छा पर निर्भर थी, क्योंकि कितनी ही बार बिन्दी के बिना भी वे लिखे गए हैं।

भारतीय स्थापत्य शास्त्र की दृष्टि से इन लेखों में उत्तानपट्ट (लेख ३०), नागमयूरपटिका (लेख १६८), नवपदयंत्र (लेख १०१६), चन्द्रक (लेख २६) आदि कई पारिभाषिक शब्द प्रयुक्त हुए हैं जिनको चित्रों द्वारा समझा जा सकता है।

काशी विश्वविद्यालय

७-१०-५३ वासुदेव शरण



* अर्हम् *

श्रीमज्जिनमणिसागरसूरिपादपद्मेभ्यो नमः

प्रतिष्ठा-लेख-संग्रहः ।



(१)

श्रीसुरसेनोपदे नेनसिंहैक यशोराज नोन्नैकैः सहोदरैः संसार रूपसीहैः येनहि······कारितमिति जयति श्रीचाराटरूप्यः॥ संवत् १०५१ कृष्ण··पणो न······ ।

(२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थी:

[१] ॐ संवतु सु १०६६ फाल्गुन वदि २
[२] मंडलिक वसती प । हरि श्रा-
[३] वकेण सन्तड सुतेन नित्य-
[४] स्नात्रार्थं कारितः ॥

(३) कुन्थुनाथः

ॐ गच्छे प्र० गुरुभिः । कुन्थुनाथबिंबं कारितम् ॥

(४)

ॐ सं० ११११ वैशाख सु० ३ स्फारकतनये चंदूक माणिभद्र सह देवादिभिः कारिता ॥

(५) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थी:

नीज सो व कारिता सं० ११२० फा०सु०३ प्रद्युम्नाचार्य महेरालह प(?)

---

१ अजमेर म्युजियम (मेग्जिन)
२ नागोर बड़ा मन्दिर
३ पापड़दा शान्तिनाथ मंदिर. पाषाण
४ सिरोही आदिनाथ मन्दिर
५ सांगानेर महावीर मंदिर

(६)

ॐ संवत् ११३० फाल्गुन सुदि ११ सोम दिने पुनर्वसुनक्षत्रे नाप्म-वर्षे (?) सुव्रतिसुत भारती ... प्रति० ॥

(७)

श्रीवायटगच्छे पासु-सुत नेवेन कारितो । र० सं० ११३५ गंभू भार्या

(८)

चन्दन-सुत वीआ प्रतिमा-कारापितं प्रलंमां संवतु ११३७ वैशाख सुदि ५ वा० शुक्र विसोडीयादा आमल

(९)

ॐ सं० ११३८ मार्ग० सु० १० धारा० गच्छे मडाहडजस्थाने वर्द्ध-मानश्रेयोर्थं देवचन्द्र सुतेन धरणदेवेन कारितं ॥

(१०)

सं० ११४६ ज्येष्ठ सुदि ६ सुहव कारितम् ।

(११)

ॐ संवत् ११५५ वर्षे माह वदि ५ शनौ श्रा० हेमसेन संग ग्र ... ॥

(१२) सप्तफणा-पार्श्वनाथः

ॐ संवत् ११६१ कार्तिके श्रीवायटीयगच्छे वीरणाग सुत नेमिकुमारेण आत्मश्रेयोर्थं कारितः ॥

(१३) आदिनाथः

संवत् ११६३ चैत्र सुदि १० श्रीसहने प्रतिष्ठति लीपप्युटी ग प ।

---

६ अजमेर म्युजियम
७ सिरोही अजितनाथ मन्दिर
८ अजमेर म्युजियम (मेग्जिन)
९ सिरोही अजितनाथ मन्दिर
१० मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर
११ किशनगढ़ यति स्वरूपचन्दजी का उपाश्रय
१२ सिरोही अजितनाथ मन्दिर
१३ नागोर चोसठियाजी का मन्दिर. मूलनायक

(१४)

A. ॐ सं० ११८१ मा० सुदि १ शनौ सुराणा गोत्रे मेस...... ...।

B. ॐ संवत् १२०३ आ० सुदि ३ गुरौ वीरदेव सुतेन कोट्टा कारापितमिति ॥

(१५)

ॐ सं० ११८५ वलहा सुत जिणदत्तेन मातुनिमित्तं कारितं देमति श्राविकायाः

(१६) चतुर्विंशतिपट्टः

ॐ संवत् ११८६ वैशाख सुदि ११ वणिग्पुत्र पत्री आला सुत दामोदर-गोविंद-महोर्वचादिभि [:] कर्मक्षयार्थे ···त् वसतिकाप्रतिष्ठापिता ॥

(१७)

ॐ सं० ११९१ वैशाख सलदेव भार्या सलखण आ० श्रीशान्तिनाथ प्रतिमा कारिता ॥

(१८) शान्तिनाथः

ॐ सं० ११९५ वैशा० सुदि ३ आचार्यनन्दीकृते पंडित-गुणचन्द्रेण शान्तिनाथ-प्रतिमा-कारिता

(१९) महावीरः

सं० ११९५ फागुण वदि ४ श्रे० भानवेन महावीरप्रतिमा कारापिता

(२०) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० ११९७ आषाढ़ सुदि ६ सं० धाधा भार्या सुलमति उदयमति निमित्तं प्रतिमा कारिता

१४ जयपुर पार्श्वचन्द्रग० उपाश्रय
१५ सिरोही आदिनाथ मन्दिर
१६ नागोर यति मुकनसुन्दरजी का उपाश्रय
१७ सिरोही अजितनाथ मन्दिर
१८ अजमेर म्युजियम
१९ सिरोही अजितनाथ मंदिर
२० सिरोही अजितनाथ मंदिर

(३६)

ॐ श्रीधारा० गच्छे मडाहडे श्रा० ब्रह्मा पुत्र आसल भार्या राजमति उभयश्रेयोर्थं श्रीवीरनाथ प्रतिमा-कारितः ॥ ॐ सं० १२३४ माघ सु० १० वुध ।

(३७) पार्श्वनाथ-एकतीर्थीः

श्रीमूलसंघे भ० श्रीभुवनकीर्त्यादेशात् १२३४

(३८) सरस्वती मूर्तिः

संवतु १२३६ वैशाख सुदि ४ माथुर संघे आचार्य-चारुकीर्ति भक्त गहिल भार्या सोनल तयो [:] पुत्रो वोग (?) प्रणमति नित्यः॥ कुणं विणी । (मस्तक के आस पास) केला वेला

(३६)

संवत् १२३६ चैत्र सुदि १५ वुधे श्रीलांडवागड संघे सा कमानस साधु लखम लाडण लाला सुत सुकिक भार्या यामणि सुत वाहडसोमे भार्या माणिक सुत क सुत राम······सुनित्य न ·····सुत कान्हा महीपाल··· चांप······सीरुंडगामे नामनागदे यशःकीर्त्याचार्य नणवण समुत्पन्न विपुल सुद्रव्येण सतल पल्ही सूल्हा चूल्हेरायं तालीसुत ······· ।

(४०) पार्श्वनाथ-पंचतीर्थीः

ॐ संवत् १२३७ ज्येष्ठ सुदि १३ गुरौ राहड तद्भार्या गुणदेवि तत्पुत्र जिनचन्द्रादिभिः गुणदेवि श्रीपास प्रतिमाकारिता प्रतिष्ठा पं० अभयभद्रेण ।

(४१) महावीर-पंचतीर्थीः

सं० १२३७ पोष सु० १३ आ संवर भार्या राणी स्वश्रेयसे श्रीमहावीर प्रति । कारिता ।

---

३६ सिरोही आदिनाथ मन्दिर
३७ वेंतेड विमलनाथ मन्दिर
३८ अजमेर म्युजियम
३६ अजमेर म्युजियम
४० जयपुर स्टेशन पर पुगलियों का मन्दिर
४१ पापड़दा शांतिनाथ मन्दिर

(४२) ऋषभदेव-पञ्चतीर्थीः

व्यव० कुलिचन्द्र पुत्र व्यव० वीरेण स्वश्रेयोर्थं श्रीऋषभदेव प्रतिमा कारिता ॥ ॐ सम्वत १२३६ वैशाख सुदि ६ शुक्रे प्रतिष्ठिता श्रीसूरिभिः

(४३) पार्श्वनाथ-पंचतीर्थीः

सं० १२४२ श्रे० महणसीह भा० सहिणी पु० महीपालेन पित्रोः श्रेयसे श्रीपार्श्व बिंबं कारितं प्र० श्रीसोम···वर्द्धन······।

(४४) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १२४४ वर्षे माघ सुदि १३ गुरौ पितामह ठ० देयसा नामके मातृ श्रियादेव्या वाचाऊ आम्यणाय च सुत ठ. मगागेन श्रीपार्श्वनाथाय प्रतिमा कारापिता ॥

(४५) सरस्वती मूर्तिः

१ संवत् १२४४ वर्षे फागुण सुदि ११ गुरौ साह उधरण श्रीनाथ पितुरु सर्व्वेये नागभट्ट जातीय नानकराज श्रीपद सुत नाय० वोजुत······ भार्या हिता मीता नायघी सुत आसा दकू सुत राज वयजल स्वस्य सुत···रत्न सुत शुभ मूर्ति प्रणमति सुत भोज जय श्रेयोर्थं सरस्वती प्रणमति······ विविधनाय० दादूसहिता सलखमते प्रणमति (मस्तक के आस पास) मूलसंघे पांडित्याचार्ये दाननन्दिशिष्य आचार्य उमहचन्द्र आभितु सरस्वती श्रीनमिवाद्य प्रतिवय।

(४६) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १२६० वर्षे फागुण सुदि २ बुधौ श्रे० सोहिय भार्या सलखणदे पुत्र ·· श्रेयोर्थं प्रतिमा कारिता प्रतिष्ठिता श्रीअकलंकसूरिभिः।

(४७) महावीर-पञ्चतीर्थीः

सं० १२६१ ज्येष्ठ सुदि ७ गुरौ जिदा भार्या चंददेयि पुत्र रोयत··· मसा सुत सा० देवस···श्रीमहावीर प्रतिमा कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीदेवचन्द्रसूरिभिः।

---

४२ सिरोही आदिनाथ मन्दिर
४३ सांगानेर महावीर मन्दिर
४४ सिरोही अजितनाथ मन्दिर
४५ अजमेर म्युजियम
४६ भिनाय महावीर मन्दिर
४७ जयपुर पंचायती मन्दिर

(६१) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० १३०२ वर्षे श्रावण सुदि ८ शनौ श्रीऋषभबिंबं···श्रावक श्रे० साजण श्रेयसे साहारन साह । सोहल । राजा लूण कारापितं ।

(६२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३०५ पोष सुदि ११ सोमे सं० दं० पार्श्वनाथ बिंबं कारितं ।

(६३) आदिनाथ-पंचतीर्थीः

सं० १३०६ फागुण वदि ३ सा० व्य० राता भार्या लखमसिरि सुत थाहरु भार्या करणदेवि श्रीआदिनाथबिंबं प्र० श्रीश्रीभद्रसूरिशिष्यैः श्री-वर्द्धमानसूरिभिः ॥

(६४) शान्तिनाथ-पंचतीर्थीः

सं० १३०८ वर्षे मि० वै० सु० ५ लूणियागोत्रे सा० छोपा । श्री-शान्तिनाथबिं० का० प्र० खरतरगच्छे ।

(६५)

॥ सं० १३११ फा० सु० १२ श्रेष्ठि-महानंदश्रेयोर्थं माणिकचंदेन कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमुनिचन्द्रसूरिभिः ।

(६६)

सं० १३१३ वर्षे मा सु० ६ नालग्रामवा० चो० ब्रह्मकीर्त्तिमुपदेशेन ·······महं० जाल्हणेन कारितं ॥

(६७) पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० १३१४ वर्षे फा० सुदि ११ शनौ श्रे० साजण भार्या जाली पु० कर्सण-माहण-पूनसीहैः श्रे० देल्हा भार्या साचू मातृपितृश्रेयोर्थं बिंबं कारितं प्र० श्रीदेवेन्द्रसूरिसन्ताने श्रीअमरचन्द्रसूरिभिः ॥

---

६१ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर
६२ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर
६३ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर
६४ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर
६५ टोडा रायसिंह नेमिनाथ मन्दिर. पाषाण
६६ जयपुर पार्श्वनाथ मन्दिर. श्रीमालों की दादावाड़ी
६७ मेड़तासिटी उपकेशग० शान्तिनाथ मन्दिर

(६८) पार्श्वनाथ-पंचतीर्थीः

सं० १३१४ फागुण सुदि १४ श्रीनाणकीयगच्छे श्रे० जोगडेन पितृ वाहीथ श्रेयोर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठापितं श्रीधनेश्वरसूरिभिः ॥

(६९) पार्श्वनाथः

[१] सं० १३१५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ६ सोमे सा० केल्हण पुत्र । सा० सलखण पुत्र हेमा लोहडेन श्रीपार्श्वनाथ-बिंबं

[२] कारापितं श्रीधर्मघोषसूरिपट्टे श्रीदेवप्रभसूरिः तत्पट्टे श्रीपद्मप्रभसूरिः तत्पट्टालंकार श्रीमुनिचन्द्रसूरिशि-

[३] ष्यः प्रतिष्ठितं श्रीपूर्णचन्द्रसूरिभिः ॥

(७०) महावीर-पंचतीर्थीः

ॐ श्रे० शुभंकर भार्या देवुः तयोः पुत्रेण श्रे० सोमदेवेन भार्या पूनादेवि पुत्र वच्छ नागदेवादियुतेन आत्मश्रेयोर्थं श्रीवीरजिनबिंबं कारितं ॥ संवत १३१६ चैत्र वदि ६ भौमे श्रीबृहद्गच्छीय श्रीउद्योतनसूरिशिष्यैः श्रीहरिभद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

(७१) पार्श्वनाथ-पंचतीर्थीः

सं १३१८ चैत्र सुदि ४ सोमे लंबकरा वा । जयसीहे ·······।

(७२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० १३१९ वर्षे पोष वदि ५ सोमे निज पितुः महं० उदयसिंह श्रेयोर्थं पुत्र जगपालेन बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीजिनेन्द्रप्रभसूरिभिः ॥

(७३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

१ संवत् १३१६ वर्षे माघ सुदि ६ बुधे काष्ठासंघे हुं. चाहड श्री ऋषभनाथबिंबं कारापितं । प्रणमति ॥

---

६८ कोटा खरतरग० आदिनाथ मन्दिर
६९ भानपुरा पार्श्वनाथ मन्दिर पाषाण, परिकरसह
७० नागोर शान्तिनाथ मन्दिर
७१ हिण्डौन श्रेयांसनाथ मन्दिर
७२ सांगानेर महावीर मन्दिर
७३ रतलाम मोतीसा० का मन्दिर

(७४) आदिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

संवत् १३२० वर्षे । माघ सु० १३ श्रीमूलसंघे सा० गोलण भा० जसाविति । सुत जासू प्रणमति नित्यं ॥

(७५) पार्श्वनाथ-पंचतीर्थीः

सं० १३२५ उकेशज्ञातीय व्यव० चन्द्र······भा० पूनि पुत्र हरिचर भा० वीरिकया स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथ-बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं सू० श्रीश्री-चन्द्रसूरिभिः ॥

(७६) पार्श्वनाथ-पंचतीर्थीः

सं० १३२८ फागुण···साह लाटहृदीय गो० वरदेव पु० वीसल लखमणेनार्थे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं। श्रीभावदेवसूरिभिः ॥

(७७) चतुर्विंशतिपट्टः

संवत् १३२६ वैशाख सु० ८ बुधदिने सा० पीपा सु० देउ भार्या दूदा प्रणमति नित्यं

(७८)

सं० १३३० ज्येष्ठ व० ५ शनौ······प्राग्वाटज्ञातीय कुंभा सुत सा० कडुआ देदा······

(७६) आदिनाथ-पंचतीर्थीः

सं० १३३० ज्येष्ट वदि ५ श्रीसंडेरगच्छे श्रे० माणिक माता साऊ श्रे० चाप पुत्र पुण्या० श्रीआदिनाथबिंबं प्र० श्रीशालिसूरिभिः

(८०) नेमिनाथ-पंचतीर्थीः

ॐ॥ सं० १३३१ ज्येष्ठ सु० ११ श्रीबृहद्गच्छे प्राग्वाटवंशे सा० धणदेव संताने श्रे० छूंहदेव पुत्र श्रे० सांति पुत्र श्रे० सालिग पुत्र श्रे० आसकुमार पुत्र श्रे० संकर पुत्र श्रे० चाहड भार्या रीठी पुत्र श्रे० झांझण-जगडाभ्यां सकलनिजकुटुम्बश्रेयसे श्रीनेमिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीपरमानन्दसूरिभिः ॥

---

७४ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर
७५ नागोर वड़ा मन्दिर
७६ जयपुर पार्श्वचन्द्रग० उपाश्रय
७७ जयपुर पंचायती मन्दिर
७८ सिरोही भैंरूपोल
७६ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर
८० बूंदी पार्श्वनाथ मन्दिर

(८१) शान्तिनाथः

संवत् १३३१ आषाढ़ वद ६ रायणस्तपह ना जा वा प ह्या (?) श्रीशान्तिनाथ प्रतिमा ॥

(८२) अजितनाथः

सं० १३३१ माघ सुदि १३ सो० श्रे० धरण-कल्हण-श्रेयसे अजित-नाथबिंबं का० प्र० प्रागल…श्रीप्रभानन्द (? चन्द्र) सूरिभिः ॥

(८३) अजितनाथः

सं० १३३१ माघ सुदि १३……श्रीअजितनाथ बिंबं का० प्र० श्री-हरिभद्रसूरिशिष्यैः श्रीगुणचन्द्रसूरिभिः ॥

(८४) नेमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३३१ वर्षे ४ सोमे………श्रीनमिनाथ बिंबं कारितं प्रति० श्रीचैत्रगच्छे श्रीजिनेन्द्रसूरिशि० श्रीधर्ममूर्तिसूरिभिः ॥

(८५) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३३२ वर्षे ज्येष्ठ वदि १ गुरौ व्य० महीधर सुत झांझणेन आत्म-श्रेयोर्थे श्रीपार्श्वनाथ-बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं सूरिभिः ॥

(८६) पञ्चतीर्थीः

ॐ ॥ संवत् १३३४ वैशाख सुदि ५ गुरौ ठ० साजा सुतेन ठ० तिहुणाकेन निजपूर्वजानां श्रेयसे बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं चित्रापल्लीय श्रीभद्रेश्वरसूरिशिष्य श्रीनरचन्द्रसूरिभिः ॥

(८७) पञ्चतीर्थीः

संवत १३३५ वर्षे मार्ग० १३ सा० महीपाल भार्यया मिहसिरिश्राविकया प्रति श्रेयसे……। प्राग्वाटान्वये।

---

८१ पापड़दा शान्तिनाथ मन्दिर. मूलनायक
८२ टोडारायसिंह नेमिनाथ मन्दिर. पाषाण
८३ टोडारायसिंह नेमिनाथ मन्दिर. पाषाण
८४ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
८५ जयपुर पंचायती मन्दिर
८६ जयपुर पंचायती मन्दिर
८७ सांगानेर महावीर मन्दिर

(८८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १३३८ माघ सु० १ सोमे सं० लूणगदेव पुत्र वाल्हदेव यामाहि ·········श्रीशान्तिनाथ-बिंबं कारितं प्र० श्रीधर्मघोषसूरिपट्टे श्रीशील-प्रभसूरिभिः ।

(८९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १३३९ फागुण सुदि ८ श्रीनाणकीयगच्छे श्रे० गुणधर भार्या गुण-सिरि पुत्र मना भा०कपूरदे पुत्र कर्मण श ··राणा कुंवरसीह सहितेन स्वपूर्वज श्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीमहेन्द्रसूरिभिः ।

(९०) महावीर-पञ्चतीर्थी:

ॐ संवत १३४० वर्षे वैशाख वदि ११ शुक्रे निज-पितृ-मातृ श्रेयोर्थं गा० मलवसीहेन श्रीमहावीरबिंबं कारितं प्रतिष्टितं सूरिभिः ।

(९१) शान्तिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १३४० वर्षे ज्येष्ट सुदि ११ शनौ सिभडज्ञातीय पूना सुत श्रे० धरणाकेन श्रीशान्तिनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितं ।

(९२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थी:

ॐ।। सं० १३४० वर्षे ज्येष्ट सुदि १३ रवौ गुर्जरज्ञातीय ठ० राजड सुत महं० देल्हणेन पितृव्य व्यव० वीरमश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्टितं श्रीचैत्रगच्छीय श्रीदेवभद्रसूरिसन्ताने श्रीअमरचन्द्रसूरिशिष्यैः श्रीअजित-देवसूरिभिः ।।

(९३) पार्श्वनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

ॐ संवत् १३४२ वर्षे वैशाख सुदि [ ] बुधे देवश्रीपार्श्वनाथः मंडलाचार्य श्रीकुमुदकीर्ति प्रतिष्टितं साद्राण भार्या जाल्हणदेविश्रेयसे सुत सा···कारापितं प्रणमति नित्यं ।।

---

८८ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर
८९ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर
९० सिरोही अजितनाथ मन्दिर
९१ कोटा खरतरग० आदिनाथ मन्दिर
९२ जयपुर पंचायती मन्दिर
९३ जयपुर पंचायती मन्दिर

(९४) महावीर-पञ्चतीर्थीः

सं० १३४४ फा० सु० १० उपसगच्छे सिद्धसूरिसन्ताने श्रीमहावीर-विं० का० प्रति० श्री············ ।

(९५) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

स० १३४६ वैशाख सु० ७ सोमे प्राग्वाटज्ञातीय व्यव० गजाकेन आत्मपितृ व्यव० जसकुमार सुतस्य व्यव० कल्हण······श्रीशान्तिनाथ विंबं प्रतिष्ठितं श्री प्रज्ञातिलकसूरीणामुपदेशे [न] कारापितं ॥

(९६) पञ्चतीर्थीः

सं० १३४४ वदि (र्षे) ज्येष्ठ वाहडंगराग्ये······लतीप महं० रानीग भार्या सहजलदेवी सुतेन मदनमानिकेन····· शुभंभूयात् ॥ शुभंभवतु ॥छ॥ प्रतिष्ठितं··· ···श्रीरत्नप्रभसूरिशिष्यैः···भोजपुत्र··· ।

(९७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३४६ ज्येष्ठ शुदि १२ श्रीखंडेरगच्छेश-यशोभद्रसूरिसन्ताने सा० आस्वच (? मूला) भार्या केल्ह पु० रतना-गोगा-करमा-भीमादिभिः पितृ श्रे० श्रीआदिनाथबिंबं कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीसुमतिसूरिभिः ॥

(९८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३५१ वर्षे······१ बुधे श्रीखंडेरकीयगच्छे सा०···सई सिंह-देव आत्मश्रे यसे आदिनाथबिंबं कारा० प्र० श्रीस······

(९९)

सं० १३५२ वर्षे माह सुदि ६ गुरौ पोरवाटान्वये सा० आहड सुत देदा दाधा······

(१००) पार्श्वनाथः

ॐ संवत् १३५२ वर्षे फागुण सु। ११ गुरौ छोहरियान्वये सा० पोपा पु० ······पु० सा० केनूकेन निजभ्रातृ सा० मेतू मूर्ति-कारिता ॥ शुभंभवतु

---

९४ हरसूली पार्श्वनाथ मन्दिर
९५ रतलाम शांतिनाथ मन्दिर
९६ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर
९७ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर
९८ सांगानेर महावीर मन्दिर
९९ सिरोही भैरुपोल
१०० कोटा खरतरग० आदिनाथ मन्दिर पाषाण- परिकरसह

(११५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १३७० वर्षे फाल्गुण सुदि २ रवौ श्रे० वायडसंतानीय सा० पजून सु० सा० कुलधरात्मज कुउडि तोल्हा सा० समरा प्रति० श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीधर्मसूरिक्रम-श्रीज्ञानचन्द्रसूरिभिः ॥

(११६) नेमिनाथ-एकतीर्थी:

संवत् १३७२ ज्ये० वदि ३ भौम स······(?)······

(११७) पंचतीर्थी:

॥ सं० १३७३ वर्षे वैशाख शुदि ११ शुक्रे मूलसंघे भ।···श्रीपदमनंदि गुरूपदेशेन हुंबडज्ञातीय व्य० सीलण भार्या माल्हणदे व्या पु० व्य० देवाकेन प्रतिष्टापितं ॥

(११८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १३७८ वर्षे वैशाख वदि ५ गुरौ प्राग्वाटज्ञातीय पट्टक भार्या संसारदेवि पुत्र पाल्हाकेन पितृ-श्रे० श्रीशान्तिनाथबिं० का० प्र० श्रीमहेन्द्र सूरि कूपचैत्यं ॥

(११९) आदिनाथ-पंचतीर्थी:

सं० १३८० वर्षे ज्येष्ठ सुदि १० खाहडगोत्रे सा० वहुचंद सुत झाझाकेन पितृमातृश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे भ०-श्रीगुणप्रभसूरिः ॥

(१२०) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

संवत् १३८० वर्षे माघ शुदि ११ शनौ श्रीमूलसंघे राउल श्रीमाघनँदि देवौ पादाकेन वोरासिद्धिवास्तव्य सिंहपरज्ञातीय······आदिनाथस्य प्रतिमा कारापिता ।

---

११५ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर
११६ महुवा नेमिनाथ मन्दिर
११७ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर
११८ अजमेर संभवनाथ मन्दिर
११९ रतलाम चन्द्रप्रभ देरासर, महात्मा कन्हैयालालजी का
१२० मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(१२१) महावीर-पंचतीर्थी:

सं० १३८१ वैशाख शुदि १५ सोमे सा० पदम भा० भेदाश्रि आत्मश्रेयसे श्रीमहावीरबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवयरसेणसूरिभिः ॥

(१२२) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १३८२ ज्येष्ठ शुदि ७ रवौ डांगरूआ ग्रामे श्रीमालज्ञातीय पितृव्य लाखा श्रेयसे व्य० झांझणेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिरुपदेशेन ॥ छ ॥

(१२३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १३८२ ज्येष्ठ सु० १५ गुरौ श्रे० मदन भार्या लक्ष्मी श्रेयसे पुत्र हरिपालेन आदिनाथबिंबं कारितं ॥

(१२४) अम्बिकामूर्तिः

ॐ ॥ सं० १३८४ माघ सु० ५ श्रीजिनकुशलसूरिभिः प्रतिष्ठितं कारितं च···सा० उ···पाली स ॥

(१२५) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थी:

ॐ ॥ सं १३८६······श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥ पूर्णिमापक्षे ॥

(१२६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १३८६ वैशा० सु० १३ श्रीउएसगच्छे श्रीककुदाचार्यसंताने देल्हाशाखायां सा० साहड भार्या सुहडटी सुत सा० तीडा थीपा भा० तेजू पूर्वजश्रे० श्रीऋषभबिंबं कारितं प्रति० श्रीककसूरिभिः ।······।

(१२७) महावीर-पञ्चतीर्थी:

सं० १३८६······पूनसिंह भा० नायकदे श्रीमहावीरबिंबं का० प्र० श्रीकमलाकरसूरिभिः ॥

---

१२१ पापड्दा शान्तिनाथ मन्दिर
१२२ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर
१२३ रतलाम मोतीसा मन्दिर
१२४ जयपुर पार्श्वनाथ मन्दिर श्रीमालों की दादाबाड़ी
१२५ जयपुर पंचायती मन्दिर
१२६ गागरड़ु आदिनाथ मन्दिर
१२७ सांगानेर महावीर मन्दिर

(१२८) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३८८ वर्षे वैशाख व० १५…श्रे० सिरिपाल भा० गउर पितृ चांपसिंह…श्रीपार्श्वनाथबिंबं… ।

(१२९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३८८ वर्षे । वैशाख सुदि ११ श्रीगुर्जरवासी सा० पूनपाल पुत्र खेतू । पुत्र भीता बिंबं कारापितं श्रेयोर्थं प्रतिष्टितं श्रीश्रीचन्द्रसूरिभिः ॥

(१३०) शांतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३८८ वैशाख शु० १५ श्रीमालज्ञा. पितृ साल्हा मातृ पोखी श्रेयसे सुत लादाकेन श्रीशांतिबिंबं का० प्र० ब्रह्माणगच्छे श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः ॥

(१३१) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३८९ ज्येष्ठ वदि ११ सोमे श्रीउपकेशगच्छे श्रे० लष्मा भा० पूजल पु० खीदा पितृश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

(१३२) पार्श्वनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १३९०……श्री…शुभवस्ता भार्या राजलश्रेयोर्थं श्रे० रतना भार्या वीझल प्रणमंति नित्यं शुभमस्तु…… …

(१३३) चतुर्विंशतिपट्टः

संवत् १३९० वर्षे माघ सुदि १२ सोमे श्रीकाष्ठासंघे श्रीलाडवागडगणे श्रीमत् आचार्ये श्रीतिहुणकीर्ति उपदेशेन हुंबडज्ञातीय व्य० वाहड भार्या लाछी सु० व्य० खीमाभार्या राजुलदेवि श्रेयोर्थं सु० का० देवाभार्या रामलदेवि नित्यं नमति ॥

(१३४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३९२ वर्षे ज्येष्ठ वदि ८ श्रीकोरंटगच्छे श्रे० देदा भा० खिमसिरि पुत्र……आत्मश्रेयोर्थं श्रीआदिबिंबं कारितं प्र० श्रीकक्कसूरिभिः

---

१२८ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर
१२९ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर
१३० रतलाम मोतीसा का मन्दिर
१३१ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर
१३२ जयपुर पँचायती मन्दिर
१३३ जयपुर पँचायती मन्दिर
१३४ सांगानेर महावीर मन्दिर

(१३५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

स० १३६२ वर्षे फागुणवदि ... सा० लखमण पु० पालकेन मातृ-पितृ श्रेयोर्थं श्रीआदिनाथविंबं प्र० श्रीकक्कसूरिभिः ॥

(१३६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३६२ व० फागुण व० ११ जावडागोत्रे ... श्रीशान्तिनाथविंबं का० प्र० श्रीबृहद्गच्छे श्रीरामचन्द्रसूरिविनेयैः श्रीपासभद्रसूरिभिः ॥

(१३७) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३६३ ज्येष्ठ वदि १ शुक्रे श्रीऊकेशगच्छे सिद्धाचार्यसन्ताने ओसवालज्ञातीय श्रे० खीमसीह भा० खीमसिरि मातापिताश्रे० महणसीहेन कारापितं श्रीपार्श्वनाथबिंबं प्रतिष्ठितं श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

(१३८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३६३ वर्षे माघ सुदि १५ शुक्रे वस्तु भार्या पूनम तत्सु० हेमा गदा भ्रातृ सहडा संघ निमित्तं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं बृह० प्रतिष्ठितं श्रीपद्मदेवसूरिभिः ॥

(१३९) पञ्चतीर्थीः

सं० १३६४ चै० शु० ३ श्रा० नाणकीयगच्छे सा० जयता भा० भायणि पु० वसताकेन भ्रातृ आसकरणनिमित्तं बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसिद्धसेनसूरिभिः ... ॥

(१४०) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३६४ वर्षे ... उपकेशज्ञातीय भूरागोत्रे सा० मगन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं संडेरगच्छे श्रीसाल (? लि) सूरिभिः ।

(१४१) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३६५ ...... वदि २ सोमे श्रीकाष्ठा ... सुत पहूँड श्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथ-प्रतिमा ॥

---

१३५ सांगानेर महावीर मन्दिर
१३६ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर
१३७ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर
१३८ नागोर यति मुकनसुन्दरजी का उपाश्रय
१३९ किसनगढ़ खरतरगच्छीय उपाश्रय
१४० जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
१४१ जयपुर पँचायती मन्दिर

(१४२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १३६७ वै० सु० १ पाल्हणसन्ताने श्रे० केल्हण भा० भावलदे पुत्र धणपाल मेघपाल सहितेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीधर्मदेवसूरिभिः

(१४३) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १३६६ वर्षे माघ व० ५ गुरौ प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० देदा भार्या जेसल श्रे० बूंटा पुत्र नणाभ्यां श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० गुरुभिः ॥

(१४४) पञ्चतीर्थीः

सं० १३... वैशाख सुदि ११ गुरौ श्रे० धिणा पुत्र जयताकेन सा० महं० उदा श्रेयसे बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीदेवेन्द्रसूरिभिः ॥

(१४५) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४०३ वैशाख सुदि ३ शनौ... ज्ञा० साजण भार्या सहजलदे पुत्र जगपाल भा० धरणी पुत्र कर्मपालेन पित्रोः श्रेयसे श्रीपद्मप्रभबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

(१४६) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४०८ वैशाख सुदि ५ प्राग्वाट श्रे० थिरपाल भाया तेजलदे पुत्र जगसीहेन पित्रोः श्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्रति० डेकात्रीय श्रीपद्मप्रभसूरिभिः ॥

(१४७) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४१० वर्षे माघ सुदि १ डीसावालज्ञातीय श्रे० सजालदेव भा० कालणदे श्रे० पु० कडूयाकेन श्रीनेमिचन्द्रसूरीणामुपदे० ॥

(१४८) पार्श्वनाथ-एकतीर्थीः

सं० १४११ ज्ये० सु० १२ श्रीदेवचन्द्रसूरिभिः आत्मश्रे० श्रीण...रि।

(१४९) पार्श्वनाथः

॥ सं० १४१३ वर्षे माघ सुदि ६ श्री पारस्व (? पार्श्व) नाथ हेमल ।

---

१४२ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर
१४३ मेडतासिटी धर्मनाथ मन्दिर
१४४ किसनगढ़ यति स्वरूपचन्दजी का उपाश्रय
१४५ वामणवास सुमतिनाथ मन्दिर
१४६ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर
१४७ बून्दी पार्श्वनाथ मन्दिर
१४८ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर
१४९ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(१५०)

। सं० १४१४ वैशाख सुदि ... जयता भा० जयतलदे पु० नंदनकेन भ्रातृ वाला निमित्तं का० ... अंबडचैत्ये श्रीमाणिक्यसूरिपट्टे श्रीवयरसेण-सूरिभिः ॥

(१५१) पञ्चतीर्थीः

ॐ ॥ सं० १४१५ श्रीश्रीमालज्ञातीय सादाथी सोमा भा० अणयसदे पु० थिरपालेन भ्रा० लूणसिंह सा० तेजा भार्या २, १-नानगदे २-कपूरी पुत्रेण सीहा निमित्तं श्रीपञ्चतीर्थी का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीपद्मचंद्रसू-रिपट्टे श्रीरत्नाकरसूरिभिः ॥

(१५२) महावीर-पञ्चतीर्थीः

सं० १४२० वर्षे आषाढ शुदि १० शुक्रे प्राग्वाटज्ञा० श्रे० वीजा भा० वयजलदे सुत सहसाकेन पितृश्रेयोर्थे श्रीमहावीरबिंबं कारितं ॥

(१५३) शीतलनाथः

सं० १४२२ फा० शु० ६ ऊकेश ज्ञा० सा० विजपाल सुत वंगाकेन स्वमातृ-राजुल-श्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रति० श्रीतपाग० श्रीसोम-सुन्दरसूरिभिः ॥

(१५४) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४२४ माघ शुदि ...... श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीजिन-चन्द्रसूरीणामुपदेशेन ।

(१५५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४२५ वर्षे वैशाख सु० १ ... मं० श्रीधर पुत्र देवयाकेन भ्रातृ पय-लणदे (?) श्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं खरतरगच्छीय श्रीजिनचन्द्रसूरिशिष्यैः श्रीजिनेश्वरसूरिभिः ॥

(१५६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४२६ वैशाख सु० ६ रवौ श्रीकोरंटकगच्छे श्रे० खीमसी भा० धांधलदे पु० महीपाल मेहा। नाहड कडरसिंह पितृ-मातृ-भ्रातृ जाणा पुनपाल निमित्तं श्रीशान्तिनाथ पञ्चतीर्थी का० प्र० श्रीकक्कसूरिभिः ॥

---

१५० मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर
१५१ नागोर चोसठियाजी का मन्दिर
१५२ रतलाम मोतीसा का मन्दिर
१५३ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर. पाषाण
१५४ जयपुर पंचायती मन्दिर
१५५ नागोर चोसठियाजी का मन्दिर
१५६ घोयका बरवाड़ा महावीर मन्दिर

(१५७) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ ॥ संवत् १४३० वर्षे वैशाख सुदि ३ सा० महीपाल पुत्र भीमा सुश्रावकेण स्वपुण्यार्थं श्रीशान्तिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं खरतरभट्टारक श्रीजिनोदयसूरिभिः ॥

(१५८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४३२ वर्षे फागुण सुदि २ शुक्रे महं० आमसीह भार्या मोहिणि पुत्र अरसिंहेन पित्रोः श्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० साधुपू० श्रीधर्मतिलकसूरीणां··· ।

(१५९) अनन्तनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४३३ वर्षे वैशाख सुदि ५ शनौ श्रीमालज्ञा० आ······ममी भार्या लीलादे श्रेयोर्थं पितृव्य मेहाकेन श्रीअनन्तनाथबिंबं कारितं प्र० पूर्णिमाप० श्रीविद्याकरसूरीणामुपदेशेन ।

(१६०) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४३३ वर्षे वैशाख सुदि ६ शनौ अंचलगच्छे उपकेशज्ञातीय महं० वीकम पुत्र मेघाकेन आत्मश्रेयोर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः । श्रीः ॥

(१६१) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४३४ वर्षे वैशाख वदि २ गोठुडगोत्रे सा० जयपाल गजणी धणसिंह भार्या तील्ही पु० जीवराज-हालादिभिः स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वपञ्चतीर्थी कारिता प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीवीरभद्रसूरिभिः ॥

(१६२) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४३५ फागुण सुदि २ शुक्रे उपकेशज्ञातीय सा० खीमा भा० खीमसिरि पु० आल्हाकेन आत्मश्रेयोर्थं श्रीचन्द्रप्रभबिंबं कारितं प्र० श्रीपल्लिगच्छे श्रीअभदेवसूरिपट्टे श्रीआमदेवसूरिभिः ॥

(१६३) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४३७ वर्षे द्वि० वैशाख वदि ११ सोमे प्राग्वाटज्ञातीय श्रेष्ठि गोहा भार्या ललतादे पुत्र मूजाकेन । पितृ-मातृ-श्रेयसे श्रीपार्श्वनाथ का० प्र० श्रीरत्नप्रभसूरीणामुपदेशेन ॥

---

१५७ कोटा आदिनाथ मन्दिर
१५८ जयपुर सुमतिनथा मन्दिर
१५९ रतलाम मोतीसा का मन्दिर
१६० किशनगढ़ खरतरगच्छीय उपाश्रय
१६१ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर
१६२ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर
१६३ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

(१६४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४३८ वर्षे ज्येष्ठ वदि ४ शनौ श्रीश्रीमालज्ञा० सं० नयणसी भा० तेलनी पुत्र सामंतेन पित्रोः श्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० ब्रह्माणीय श्रीहेमतिलकसूरिभिः ॥

(१६५) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४३६ पौष वदि ६ सोमे श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमा० पितृ मातृ सीमा मोखलदे श्रे० सुत सामलेन श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः ॥ श्रीः ।

(१६६) संभवनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

। सं० १४४० वर्षे पौष शुदि १२ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० पितृ महं० पाल्हणसिंह मातृ पद्मलदेवि पितृव्य वंसल पितृव्य लाख······श्रेयोर्थं महं० प्रतापमल्लेन श्रीसंभवनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः कारितः । वृद्धथारापद्रीय श्रीसीलभद्रसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ।

(१६७) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४४१ वर्षे फागुन सुदि १० सोमे श्रीमालज्ञा० पितृ मेधा मातृ पाल्हणदे श्रेयसे सुत तेजाकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्र० नागेन्द्रग० श्रीगुणाकरसूरिभिः ॥

(१६८) नागमयूरपट्टिका

॥ सं० १४४३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि २ शुक्रे श्रीनागमयूरपट्टिका श्रीआदिनाथ राजादेव······

(१६९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४४४ वर्षे ज्येष्ठ वदि ६ शनौ श्रीभावडारगच्छे उपकेशज्ञा० व्य० पासवीर भा० पुनसिरि पुत्र सा० लखणसीह व्य० जगमाल प्रमुख-पितृ-पितृव्य व्य० सा० धरणाकेन श्रीआदिनाथ बिंबं का० प्र० श्री··· ।

(१७०) महावीर-पञ्चतीर्थीः

सं० १४४५ वर्षे फागुण वदि १० रवौ श्रीहारीजग० पल्लीवालज्ञा० सेष्ठि भूभा भा० पाल्हदे पुत्र सुत फलुआ-हापाभ्यां पित्रोः श्रेयसे श्रीमहावीर-बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीशीलभद्रसूरिभिः ।

---

१६४ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर
१६५ जयपुर पंचायती मन्दिर
१६६ रतलाम सुमतिनाथ मन्दिर
१६७ किशनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर
१६८ सेमलिया शान्तिनाथ मन्दिर
१६९ जोमनेर चन्द्रप्रभ मन्दिर
१७० हरमूली पार्श्वनाथ मन्दिर

(१८३) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १४५८ वर्षे फागुण वदि ११ शुक्रे उपकेशज्ञा० हट्टसुरि गंडा सा० पानात्मज सा० सजना भा० श्रीयादे पुत्र सहणकेन श्रीसुमतिविंबं कारितं प्रति० श्रीपल्लीगच्छे श्रीशान्तिसूरिभिः ॥

(१८४) आदिनाथ पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १४६१ वर्षे श्रा० सु० ११ गुरौ प्राग्वाटज्ञा० श्रे० कालू भा० ऊमादेव्याः सु० व्य० लूणाकेन श्रीतपागच्छे श्रीदेवसुन्दरसूरिगुरोपदेशेन, श्रीआदिनाथविंबं कारितं प्रतिष्ठितं । श्रीसूरिभिः ॥

(१८५) महावीर-पञ्चतीर्थी:

संवत् १४६१ वर्षे मार्ग० सुदि १० बुधे । प्राग्वा० ज्ञातीय श्रेष्ठि कडुया सुत नरसिंघेन मातृ श्रेयोर्थं श्रीमहावीरविंबं कारितं । पूर्णिमापक्षीयभट्टारक श्रीसोमतिलकसूरिभिः शुभं०

(१८६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १४६२ वर्षे माघ व० ४ शुक्रे उपकेश सा० चांपधर पु० कडुआ भा० पूरी पु० खररुदेन आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथविंबं कारितं श्रीसीतरगच्छे (?) श्रीसवतसूरिभिः (?) ॥

(१८७) पञ्चतीर्थी:

॥ संवत् १४६२ वर्षे माघ सुदि १३ शुक्रे । श्रीमूलसंघे श्रीपद्मनन्दिदेवाः गोमाराडान्वये सीपव ... तयोः पुत्रास्तु यः स्वपुण्येन महोलिकर्त्सा-साधारः प्रणमतिः

(१८८) अनन्तनाथः

॥ ॐ ॥ सं० १४६४ आषाढ़ सु० १३ प्राग्वाटज्ञातीय सा० जुगा भार्या जसु पु० सा० केल्हा कडुया ...स भार्या समीरदे श्रीअनन्तनाथविंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

---

१८३ नागोर वड़ा मन्दिर

१८४ „ „ „

१८५ मालपुरा ऋषभदेव मंदिर

१८६ सवाई माधोपुर विमलनाथ मंदिर

१८७ जयपुर पंचायती मंदिर

१८८ मालपुरा मुनिसुव्रत मंदिर, पाषाण

(१८६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं १४६५ वर्षे वैशाख शुदि ३ सांपुडागोत्रे सा० वेलाभार्या सा० विल्हणदे पु० साधु खिमराज-पेमाभ्यां पितृ-मातृ-श्रेयसे श्रीशान्तिनाथ-विंबं कारितं ॥ प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीसागरचन्द्रसूरिपट्टे श्रीमलयचन्द्र-सूरिभिः

(१६०) शान्तिनाथः

॥ सं० १४६५ ज्ये० व० प्राग्वाट कमी'''सामंत सा० धारा सुत सा० डूँगरेण भा० देऊती सुत पुणसी ठाकुरसी''''''श्रीशान्तिनाथविंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

(१६१) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६५ ज्ये० व० ११ श्रे० सोमा भा० रुडी सुतेन व्य० भीमाकेन भा० चांपू सुत मंडणपद्युतेन स्वश्रेयसे श्रीसुविधिर्बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपापक्षीय श्रीदेवसुन्दरसूरिभिः ॥ भद्रम् ॥

(१६२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६७ वर्षे ज्येष्ठ वदि पञ्चमी श्रीमालवं । महं । जेसा पुत्र आसा-पूजन श्रीपार्श्वनाथविंबं कारितं प्रतिष्ठितं खरतरगच्छे श्रीजिनवर्द्धन-सूरिभिः ॥

(१६३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६७ माह वदि ५ चंडालियागोत्रे सा० खेहा पुत्रेण सा० रल्हा-केन श्रीआदिनाथविंबं कारितं प्र० श्रीमणिसागरसूरिभिः

(१६४) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६८ काती वदि २ सोमे श्रीअञ्चलगच्छेश श्रीक०''''''' मंडलीक भा० गोल्द माता-पिता-श्रेयोर्थं श्रीपार्श्वनाथविंबं श्रीमेरुतुङ्गसूरि-णा उप० कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ।

(१६५) आदिनाथः

सं० १४६८ प्राग्वाट सा० धारा सुत सा० डूंगरेण स्वमातृ गांगी पुण्यार्थं श्रीआदिनाथविंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥''''' ।

---

१८६ जयपुर श्रीमालों का मन्दिर
१६० मालपुरा मुनिसुव्रत मंदिर, पाषाण
१६१ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर
१६२ ,, मुनिसुव्रत ,,
१६३ सांगानेर महावीर मन्दिर
१६४ नागोर चोसठियाजी का मन्दिर
१६५ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर, पाषाण

(२०८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४७३ वर्षे वैशाख वदि १ दिने ऊकेशवंशे श्रे० पञ्चाडा पुत्र श्रे० केल्हाकेन कुंउरपाल दे(व)पालादियुतेन श्रीशान्तिनाथबिंबं स्वपुण्यार्थं कारितं प्रतिष्ठितं खरतरगच्छे श्रीजिनवर्द्धनसूरिभिः ॥

(२०९) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४७३ चै० व० ८ प्रा० ज्ञा० व्य० कान्हा भा० कानलदे पुत्र भीमाकेन भा० भावलदे पु० केल्हादियुतेन पार्श्वबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥

(२१०) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १४७३ व० चै० शुक्ल १ प्राग्वाटज्ञातीय व्य० साजण भार्या मोडी पुत्र देदा भा० देवलदे सहितेन आत्मश्रेयसे श्रीअभिनन्दनबिंबं का० प्र० मडाहडी श्रीमुनिप्रभसूरिभिः तपागच्छे

(२११) सुपार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४७३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ५ डांगीगोत्रे सा० ईल्हा भार्या ईल्हश्री पु० सा० कालू सा० टीलण खीमसी भ्रातृ कर्मण-श्रेयसे श्रीसुपार्श्वबिंबं कारितं प्र० श्रीकृष्णर्षिगच्छे श्रीपुण्यप्रभसूरिभिः ॥ शुभम् ॥

(२१२) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४७३ वर्षे माह सुदि ६ बुधवासरे उपकेशज्ञातीय व्य० धर्मा भा० रत्नादे पु० गोईंद पितृ-मातृश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीबृहद्गच्छे श्रीकमलचन्द्रसूरिभिः ॥ छ ॥

(२१३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४७४ वर्षे फागुण वदि २ सुराणागोत्रे सं० हेमराज भा० हेमादे पु० सं० देल्हाकेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे मलयचन्द्रसूरिपट्टे श्रीपद्मशेखरसूरिभिः ॥

---

२०८ नागोर बड़ा मन्दिर
२०९ सिरोही आदिनाथ मन्दिर
२१० बून्दी पार्श्वनाथ मन्दिर
२११ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर
२१२ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर
२१३ नागोर बड़ा मन्दिर

(२१४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४७५ वर्षे मागसिर वदि ४ दिने वडाहडा गोत्रे सा० डूंगर पुत्रेण सा० शिखरकेन निजश्रेयसे श्रीआदिनाथ-प्रतिमा कारिता प्र० तपा० श्रीपूर्णचन्द्रसूरिपट्टे भट्टारक श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

(२१५) महावीर-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १४७६ वर्षे चैत्र वदि १ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीय सं० रामा सु० सं० पापा भार्या मेचू श्राविकया स्वश्रेयसे श्रीआगमगच्छे श्रीअमरसिंहसूरीणामुपदेशेन श्रीमहावीरबिंबं कारितं ॥

(२१६) आदिनाथः

ॐ ॥ सं० १४७६ वैशाख सुदि ३ भौमे श्रीउपकेशज्ञातीय श्रेष्ठिगोत्रीय ·· ·····संसारदे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

(२१७) शान्तिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

संवत् १४७६ श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० सांड भार्या रूडी सुताभ्यां पु० आंबा-डूंगराभ्यां श्रेयोर्थं श्रीशान्तिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितं पिप्पलाचार्य-त्रिभवीया श्रीधर्मप्रभसूरिः ॥

(२१८) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४७८ वर्षे चैत्र सुदि ७ सोमे प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० हीरा सुत सोमा भा० मूल्ही आत्मश्रेयसे श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीदेवगुप्तसूरिभिः·········।

(२१९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सम्वत् १४७८ वर्षे चैत्र सुदि १५ सोमे रोयठाणा वा० वेजपाल भा० पूरी पु० सा० पेथा स्वमातृ-पितृश्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं कारापितं श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीमलयचन्द्रसूरिपट्टे प्रतिष्ठितं श्रीपद्मशेखरसूरिभिः ॥

२१४ नागोर चोरडियाजी का मन्दिर
२१५ ऑलरसूवा वासुपूज्य मन्दिर
२१६ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर
२१७ केकड़ी चन्द्रप्रभ मन्दिर
२१८ अलाय शांतिनाथ मन्दिर
२१९ नागोर बड़ा मन्दिर

(२२०) आदिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

ॐ॥ सम्वत् ॥ १४७८ वष पोष वदि १ गुरौ। श्रीउपकेशवंशे चिंचट गोत्रे वेशटाय (?) सा० श्रीसमर सुत सा० संडो नरसिंह पु० सुंवरासा पितृ-मातृ श्रेयसे श्रीयुगादिनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः का० श्रीउपकेशगच्छे ककुदाचार्य-सन्ताने प्र० श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

(२२१) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४७६ वर्षे पोष वदि ५ शुक्रे बुधगोत्रे श्रीफूवड़ज्ञातीय फू० लींबा भा० फतू सुत भाखर-रामसीभ्यां पितृ-मातृ-श्रेयोर्थं श्रीशीतलनाथ-बिंबं कारितं कुलगुरु-श्रीसिंघदत्तसूरिभिः ॥ भावगुरु-श्रीजयशेखरसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥ श्रीः ॥

(२२२) नेमिनाथः

ॐ ॥ सं० १४७६ फागुण १० बुधवारे श्रावकान्वये सांखलेचा गोत्रे साधु वरदेव सुत सा० मोढ भार्या जयतुनासिकया आत्मश्रेयोर्थं श्रीनेमि-नाथ बिंबं कारितं प्र० श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

(२२३) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८० वर्षे ज्ये० सु० ७ भौमे प्राग्वाटज्ञातीय व्य० साढा भा० सादी पु० सहसा भा० सीतादे पु० पाल्हा स्वआत्मश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० पूर्णिमापक्षे श्रीसर्वाणंदसूरिभिः ॥

(२२४) शान्तिनाथः

॥ सं १४८० आ० व० ६ शुक्रे उकेशवं० सं० सहसराज भार्या पासू लीलाई नाम्न्या पु० श्रीधरसुताया सा० कमलराजादि-कुटुम्बयुतया श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्रति० श्रीसूरिभिः ॥

(२२५) शान्तिनाथः

॥ सं० १४८० आषा० व० ८ उकेश सा० परवत भा० सं० प्रथमसिरि दियुतेन स्वमातृश्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीसोमसुंदरसू-रिभिः ॥

---

२२० अलाय शाँतिनाथ मन्दिर
२२१ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
२२२ नागोर हीरावाडी आदिनाथ मन्दिर
२२३ नागोर बड़ा मन्दिर
२२४ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर. पाषाण
२२५ ,, ,, ,, ,,

(२२६) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८० वर्षे माघ वदि ५ गुरु मूलसंघे श्रीसरस्वतीगणे भट्टार० कुन्दाचार्यान्वये भट्टारक ···देवरत्न उपदेशात् ······ सोदागरे सु० पाल्हा-नीदे ऊ भ्रा० सार······महीपा भदू श्रीसंभवनाथबिंबं प्रतिष्ठितं······।

(२२७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८० वर्षे फा० सु० १० बुधे उ० गूँगलीया गोत्रे सा० धीरा पु० सीहाकेन श्रीआदिनाथबिंबं स्वश्रेयसे श्रीसन्डेरगच्छे प्रतिष्ठि० श्रीशान्ति-सूरिभिः ॥

(२२८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

। सं० १४८० वर्षे सुदि १० सोमे श्रीकोरंटकीयगच्छे प्राग्वाटज्ञातौ ठ० मांजा सुत पर्वत भार्या वइजणकु सुत ठ० नाथाकेन पित्रोः श्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीनन्नसूरिपट्टे श्रीककसूरिभिः ॥

(२२९) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

। सं० १४८१ वर्षे वैशाख वदि ११ श्रे··· भ्रा० आल्हा पु० खेता सधारण सारंग । श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० पूर्वजनि० प्र० आत्मश्रे० उपके-शगच्छे कु० दंता० प्रतिष्ठितं श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

(२३०) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८१ वर्षे वैशाख शु० ३ रवौ रेखाणीगोत्रे सा० धीजल भार्या विजयश्री पु० वानु पितृ-मातृ-श्रेयोर्थं श्रीअजितनाथबिंबं प्र० धर्मघोष० प्रतिष्ठित श्रीजयशेखरसूरिभिः ॥

(२३१) पद्मप्रभः

॥ सं० १४८१ वर्षे माघ सुदि ३ सोमे ऊसवालज्ञातीय भरटाणा गोत्रे······सं० पुत्र डालू श्रीपद्मप्रभबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं आत्मश्रेयसे श्रीगुणदेवसूरिभिः ॥

---

२२६ साँगानेर महावीर मन्दिर

२२७ मेड़तासिटी धर्मनाथ मन्दिर

२२८ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

२२९ हिन्डोन श्रेयांसनाथ मन्दिर

२३० अजमेर संभवनाथ मन्दिर

२३१ टोडारायसिंह नेमिनाथ मन्दिर, पाषाण

(२३२) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १४८१ माघ सु० १० प्राग्वाटज्ञा० लाखा भा० सुल्ही सुत सा० सोकलेन स्वश्रेयसे जा० श्रीपद्मप्रभबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः

(२३३) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १४८२ वर्षे वैशाख वदि ८ रवौ उपकेशज्ञातीय नाहर गोत्रे सा० जसद भा० जसमादे सु० रणसीहकेन आत्मपुण्यार्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्मशेखरसूरिभिः ॥

(२३४) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थी:

। सं० १४८२ व० वैशाख वदि ८ रवौ संडोवरागोत्रे सा० गुणराज पु० पाउधा भा० ऊनादे पु० करणीसी समधर साधाकेन आत्मपुण्यार्थं श्रीमुनिसुव्रतनाथबिंबं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्मशेखरसूरिभिः ।

(२३५) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १४८२ ज्येष्ठ वदि ५ ऊकेशज्ञातीय सं० देवराज भ्रातृ हेमराज भा० । हेमादे सुत ऊदा भा । आल्हणदेव्या श्रेयोर्थं कारितं श्रीकुन्थुनाथबिंबं । प्रतिष्ठितं श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः

(२३६) अरनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १४८२ वर्षे फागुण सुदि ३ रवौ लोढागोत्रे सा० सुयश-पुत्रेण सा० खेता……श्रीअरनाथ-कारितं प्र० भट्टारिक श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

(२३७) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १४८२ फा० शु० १५ प्राग्वा० सा० खेता सुत सा० राणा भा० रयणादे सुत सा० जयता भा० वाभणदे पुत्र० सं० मोढाकेन भा० जाणी मांजू सुत सांगा कुंरपाल बांधव सं० कर्मसी सुत नरसिंह भग्नी (भगिनी) नयणू प्रमुखकुटुम्बसहितेन निजपूर्वजस्वश्रेयसे ॥ समाधिप्राप्तये च । सं० १४८२ श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपापक्षे श्रीभट्टारक श्रीदेवसुन्दरसूरि-शिष्य-श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः मंगलमिति ।

---

२३२ अजमेर विमलनाथ मन्दिर. केसरगंज
२३३ सांगानेर महावीर मन्दिर
२३४ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर
२३५ करसदी आदिनाथ मन्दिर
२३६ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर
२३७ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

(२३८) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८३ वर्षे वैशाख वदि ११ बुधे श्रीमालज्ञातीय सा० करणा भार्या करमलदे सुत साह नरवद भा० अमकू सुत भीमसिंह-खेताभ्यां मातृ-पितृ श्रेयोर्थं श्रीचन्द्रप्रभबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीरत्नशेखर-सूरिभिः ॥

(२३९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८३ वर्षे वैशाख शु० ५ गुरौ चंडालियागोत्रे सा० ईसर पुत्र साह ठाकुर पु० शिवरीजन (?) भोजा श्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० मलधारी श्रीविद्यासागरसूरिभिः ॥

(२४०) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४८३ वर्षे वैशाख सुदि ५ गुरुवारे लोढागोत्रे सा० धीरा पुत्र सा० चाउंकेन निजजनकनिमित्तं श्रीशीतलनाथप्रतिमा-कारिता प्र० तपा भ० श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

(२४१) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १४८३ वर्षे वैशाख शुदि ३ भौमदिने ओसवालज्ञातीय डागीयगोत्रे सा० तोल्हा भा० तिहुणश्री पु० सोमा आत्मपुण्यार्थं श्रीआदि-नाथबिंबं का० प्र० कृष्णर्षिगच्छे तपापक्षे पुण्यप्रभसूरिपट्टे श्रीजयसिंह-सूरिभिः ॥

(२४२) अम्बिकामूर्तिः

॥ सं० १४८३ वर्षे वै० शु० ५ दिने प्राग्वाटज्ञाति सा० अभयपाल भा० अहिवदे सु० सा० रामसिंहेन भा० लली पुत्र सा०।आसड अखयराज आम्बदत्तादि-कुटुम्बयुतेन श्रेयसे अम्बिकामूर्तिः का० प्रतिष्ठिता श्रीसोम-सुन्दरसूरिभिः ॥

(२४३) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८३ वर्षे वैशाख सुदि ... उप० सुराणागोत्रे सा० लखमण पु० भोला भा० माणिकदे पु० सा० साढाकेन श्रीशान्तिबिंबं का० प्र० धर्मघोषगच्छे श्रीमलयचन्द्रसूरिप० श्रीपद्मशेखरसूरिभिः

---

२३८ अजबगढ़ बड़ा मन्दिर
२३९ किसनगढ़ चिन्तामणिपार्श्वनाथ मन्दिर
२४० कोटा खरतरग० आदिनाथ मन्दिर
२४१ जयपुर पंचायती मन्दिर
२४२ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर
२४३ सांगानेर महावीर मन्दिर

(२५६) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४८५ वर्षे माघ सुदि १४ बुधे लिगागोत्रे सं० माला सांगू सुतेन सं० जिल्हाकेन निजपित्रोः श्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

(२५७) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४८६ वर्षे वै० शु० १३ सोमे दूगड़गोत्रे मं० डीडा पु० वील्हाकेन निजश्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वृहद्गच्छे श्रीमुनीश्वरसूरिपट्टधरैः श्रीरत्नप्रभसूरिभिः ॥

(२५८) महावीरः

॥ ॐ ॥ सं० १४८६ वर्षे ज्येष्ठ वदि ५ शुक्रे श्रीमालज्ञातीय सा० पदमा सुत गुणराज पुण्यार्थं श्रीमहावीरबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छेश श्रीजिनवर्धनसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(२५९) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८६ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १३ सोमे श्रीनागूणागोत्रे सोमलशाखायां सा० वीरपाल जेसा.........नमिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबृहद्गच्छे श्रीमुनीश्वरसूरिपट्टे श्रीचन्द्रप्रभसूरिभिः ॥

(२६०) आदिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ ॐ ॥ संवत् १४८६ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १३ सोमवासरे जाइलवाल पवित्रगोत्रे सङ्घवी छीहल पुत्र सं० जेजा भा० जसमार्या पु० वाहडसहितेन आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीधर्मघोपगच्छे श्रीमहीतिलकसूरिभिः ॥

(२६१) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८६ वर्षे माह सुदि १ शनौ पल्लीगच्छे उप० ज्ञा० जोजाउरागो० सा० ऊदा पु० गोला भा० गुणसिरि सु० वीजाकेन श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीयशोदेवसूरिभिः ॥

---

२५६ अजमेर संभवनाथ मन्दिर
२५७ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर
२५८ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर. पाषाण
२५९ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर
२६० जयपुर नया मन्दिर
२६१ सांगानेर महावीर मन्दिर

(२६२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८६ वर्षे माघ शु० ५ गुरौ ऊ० ज्ञा० वलाहडीयागो० सा० मनां भा० मावित्री पु० देवण भा० देवश्री पु० समधर-धर्माभ्यां पूर्वजनि० श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीपल्लिगच्छे श्रीयशोदेवसूरिभिः

(२६३) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १४८६ वर्षे माघ सु० ११ शनौ श्रीखंडेरकीयगच्छे उपकेशज्ञा० गूगलियागोत्रे सा० महण पु० पोना पु० नेमा पु० नेनाकेन भा० लखी पु० करमा वाल्हासहितेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीशान्तिसूरिभिः ॥ शुभंभूयात ॥ श्री ।

(२६४) चिन्तामणिपट्टः

सं० १४८६ माघ सु० ११ भण० भादा पु० कान्हाकेन चिंतामणिपट्ट-कारितं प्र० मुनिरत्नसार

(२६५) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४८७ वर्षे वैशाख सुदि ३ भौमे श्रीमाल० श्रेष्ठ साजन भा० रूपिणि सुत अर्जुन भीमा भा० माइ सु० कान्हा सा० ऊ वाल्हा भार्या मनि सुत आल्हण भीमा पितृश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्र० संडेरगच्छे श्रीरत्नप्रभसूरिसुपदेशेन श्रीशुभमस्तु ॥

(२६६) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १४८७ वर्षे मा० वदि ५ रवौ खादहागोत्रे सा० लीला पु० हेमसीह भार्या हेमश्री पु० सा० हेमराजेन पित्रोः श्रे० श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्मशेखरसूरिभिः ।

(२६७) अरनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४८७ वर्षे मार्गसिर सुदि ५ दुसाझगोत्रे सा० रतन भा० रतनसिरि पुत्राभ्यां गोविंद-खीमराजाभ्यां पित्रोः श्रेयसे श्रीअरनाथबिंबं कारितं० प्र० श्रीमलधारिगच्छे श्रीविद्यासागरसूरिभिः ॥

---

२६२ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर
२६३ अजमेर विमलनाथ मन्दिर, केसरगञ्ज
२६४ किसनगढ खरतरगच्छीय उपाश्रय
२६५ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर
२६६ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर
२६७ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(२७९) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १४६० वर्षे वैशाख सुदि ६ शनौ श्रीकाष्ठासंघे नंदीतटगणे श्रीलखमसेन प्र० श्रीनरसिंघज्ञातीय संपडियागोत्रे सा० राणा भा० धरणी पु० हेसा खेता महिमा भा० गांगी भा० खेता भा० राणी युताभ्यां श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं स···यत्महित आचन्द्रार्क नंद्यात् ॥

(२८०) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थी:

सं० १४६० वर्षे माह सुदि पत्ते श्रीउसवंशे कच्छगज्ञातीय सा० अजीआ सुत जेसा भार्या जासू सुत्र पोमा सारंगादिभिः श्रीअंचलगच्छेश श्रीजयकेशरिसूरीणामुपदेशेन श्रीचन्द्रप्रभबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः

(२८१) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ संवत् १४६० वर्षे माह सुदि ५ दिने श्रीउसवंशे सा० पेथा पुत्र सा० वील्हाकेन पितुः श्रेयसे श्रीअंचलगच्छेश श्रीजयकान्तिसूरिणा मुपदेशात् श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं

(२८२) सुविधिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १४६० वर्षे फा० सु० ६ जाइलवालगोत्रे सा० शिखर पुत्राभ्यां सा० संग्रामसी-धनाभ्यां निज मातृ साह्लीश्रेयो० निमित्तं श्रीसुविधिनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः। प्रतिष्ठितः तपा० भ० श्रीपूर्णचन्द्रसूरिपट्टे भट्टारक श्रीहेमहंससूरिभिः ॥ श्रीशुभंभवतु ॥ १

(२८३) सुपार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १४६१ आषा० वदि ७ श्रीश्रीमालवंशे वडलीवास्तव्य सं० सांडा भा० कामलदे पुत्र सं० मन्ना भा० रत्नादे पुत्राभ्यां सं० समधर सं० सालिग आभ्यां भा० राजू सुत साधू सुत सिंघा माणिक रत्ना प्रमुखकुटुम्बसहिताभ्यां श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छाधिराजैः श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः शुभंभवतु कल्याणमस्तु ॥

---

२७९ जयपुर पार्श्वचन्द्रग० उपाश्रय
२८० नागोर बड़ा मन्दिर
२८१ सांगानेर महावीर मंदिर
२८२ नागोर शान्तिनाथ मन्दिर
२८३ जयपुर सुमतिनाथमन्दिर

(२८४) पद्मप्रभः

सं० १४६१ माघ सु० ५ उपकेश ज्ञातीय साधु विजयपाल सुत सा० पाल्हा भा० मीयसा……श्रीपद्मप्रभबिंबं का० प्र० श्रीसोमसुन्दर-सूरिभिः ॥

(२८५) अजितनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १४६१ वर्षे माघ सुदि ५ बुधे ऊकेशवंशे रांकागोत्रे सा० राणा सुत सा० नगराज भार्या सापू तत्पुत्र सा० नरसा धरसाभ्यां। निजपुण्यार्थं श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरिपट्टे श्रीजिनसुन्दरसूरिभिः ॥

(२८६) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ ॐ ॥ संवत् १४६१ वर्षे माघ सुदि ५ बुधवारे ऊकेशवंशे लोढा-गोत्रे सा० सोहसी भार्या भोली पुत्र सा० पर्वतकेन सपरिवारेण निजपितृ-पुण्यार्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसू-रिपट्टे श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥ शुभंभूयात् ॥ छ ।

(२८७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १४६१ वर्षे ज्येष्ठ वदि ५ शुक्रे ऊकेशज्ञातौ लालणगोत्रे श्रे । डूंगर भार्या पूरी पुत्र सोभाकेन भार्या भीमणा युक्तेन श्रीअंचलगच्छेश्वर श्रीजयकीर्त्तिसूरीणामुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन। श्री

(२८८) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १४६२ वर्षे चैत्र वदि ५ शुक्रे सा० पेथा भा० रट्ट पु० नरसिंघ भा० रत्नलदे पितृश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं वृद्ध प्रति० श्रीसर (सूर)-प्रभसूरिभिः ॥

(२८९) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥॥सं० १४६२ वैशा० सुदि ३ शुक्र श्रीकोरं(ट)कीयगच्छे उ० ज्ञातीय पोसालियागोत्रे मा० माला भा० धारी पुत्र लोला मातृ-पितृश्रेयसे श्रीश्रेयां-सबिंबं लोलाकेन कारा० प्र० श्रीसावदेवसूरिभिः ॥

---

२८४ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर, पाषाण
२८५ भूंजीया
२८६ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर
२८७ रतलाम सेठजी का मन्दिर
२८८ पाटन्द्र शान्तिनाथ मन्दिर
२८९ कोटा माणिक्यसागरजी का मन्दिर

(३०३) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १४६४ वर्षे माह सु० ११ गुरौ उ० ज्ञा० नगडियाणा जयता पु० लाखा पु० हरिचन्द भा० भीति ...... पु० गोसल राजा-सहितेन पूर्वजपुण्यार्थं श्रेयसे श्रीश्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीसंडेरगच्छे श्रीयशोभद्रसूरिपट्टे भ० श्रीशान्तिसूरिभिः ॥ शुभंभूयात् ॥

(३०४) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६४ वर्षे माह सुदि ११ गुरौ श्रीसंडेरगच्छे उ० ज्ञा० संलवाडिगोष्ठिक सा० सुरत्राण पु० धर्मा भा० धर्मसिरि पु० वीसलेन भा० कान्हू पु० नापा नाल्हा सपित्रोः श्रेयसे श्रीश्रेयांसबिं० का० प्र० श्रीशान्तिसूरिभिः शुभम् ॥

(३०५) श्रेयांसनाथः

सं० १४६४ फा० व० ५ प्राग्वाट सं० भाखर धरमादे पुत्र नन्दी भा० सरतू पुत्र पद्माकेन निजसावणसादि-कुटुम्बयुतेन श्रीश्रेयांसबिंबं का० प्र० श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(३०६) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६४ वर्षे फागुण वदि ४ ... श० दिने चू० भूणा भा० भावलदे ....रमादे ... भ्रातृ लाला मेघा ठाकुर प्रभृति-सहितेन श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्र० पूर्णिमापक्षीय श्रीजयप्रभसूरिपट्टे श्रीजयभद्रसूरिभिः

(३०७) महावीर-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६४ वर्षे प्रा० व्य० सरवण भा० सिरि सुत व्य० देपाल वीरा द्वयोर्मध्ये व्य० वीराकेन भा० पूरी पुत्र जिनदास देवराज हेमराजादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीवर्द्धमानबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(३०८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६५ वर्षे ज्येष्ठ वदि १४ बुधवारे । श्रीकोरंटकीयगच्छे नन्नाचार्यसंताने उप० ज्ञा० कांकरियागोत्रे साह कुंरा भा० रूडी पुत्र रामाकेन पिता-निमित्तं श्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं प्रति० श्रीसावदेवसूरिभिः ॥

---

३०३ भिनाय केसरियानाथ मन्दिर
३०४ जयपुर पंचायती मन्दिर
३०५ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर, पाषाण
३०६ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
३०७ मेड़तारोड़ पार्श्वनाथ मन्दिर
३०८ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(३०९) शान्तिनाथः

ॐ ॥ सं० १४६५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ११ बुधे खाहरहागोत्रे श्रीमाल-ज्ञातीय सा० भूपर भार्या जसा पुत्र वाडा भार्या० लीलू पुत्र वरसिंघ सा० उदयसिंघ पुण्यार्थं श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीजिनसागर-सूरिभिः ॥

(३१०) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६५ ज्येष्ठ सु० १३ ऊकेश सा० आजा नीति सुत वडुआकेन भा० देवलदे पुत्र हीरायुतेन श्रीसम्भवनाथबिंबं का० प्र० तपा श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥

(३११) संभवनाथ-पञ्चतीर्थी

सं० १४६५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १३ श्रीसंडेरगच्छे उ० ज्ञा० भण्डारी-गोत्रे सा० वयासी भा० वयजलदे पु० रामण पु० पुंजूकेन पित्रोः श्रे० श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० श्रीशान्तिसूरिभिः ॥

(३१२) धर्मनाथः

सं० १४६५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १४ शुक्रवारे ऊकेशवंशे नवलक्खगोत्रे सा० सहसा भार्या श्रा० नारिंगदेव्या निजपुण्यार्थं श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्र० खरतरग० श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

(३१३) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १४ बुधे ऊकेशवंशे साधुशाखामण्डन सा० मंडलिक भा० फदकू सुत सा० डूंगर भार्या दूल्हादे पुत्र सा० सोना जीवण निजमातृपुण्यार्थं श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनवर्धनसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरितत्पट्टे श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

(३१४) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १४६५ वर्षे आषाढ वदि १३ भौम ओसवालज्ञातीय सा० जेल्हा पु० सा० मेघा भार्या राखीनाम्न्या आत्मपुण्यार्थं श्रीपद्मप्रभनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीकोरंटगच्छे श्रीसावदेवसूरिभिः ॥

---

३०९ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर. पाषाण
३१० मेड़तासिटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर
३११ भिनाय
३१२ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर. पाषाण
३१३ नागोर बड़ा मन्दिर
३१४ जयपुर पंचायती मन्दिर

(३१५) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थी:

सं० १४६६ वर्षे फागुण सुदि ८ बुधे उपकेशज्ञा० व्यव० हापा भा० चांपू पुत्र उधरणकेन भार्या देपुसहितेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्र० वोकडीयागच्छे भ० श्रीधर्मतिलकसूरिभिः ॥

(३१६) संभवनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १४६६ वर्षे श्रीमालज्ञाती सं० पोमा भ० सोभाइ सुत सं० देवराज भा० हर्षूस्तयोः स्वभर्तृ युतयोः श्रीसंभवबिंबं कारितं प्र० तपागच्छेश श्रीश्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥

(३१७) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थी:

संवत् १४९७ वर्षे चैत्र सुदि ...... ऊकेशज्ञातीय डागागोत्रे सा० पेथा भार्या पूरी पुत्र गजा आत्मपुण्यार्थं श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारितं प्र० श्रीपूज्य भ० श्रीदेवसुन्दरसूरिपट्टे श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥

(३१८) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १४९७ वर्षे ज्येष्ठ सुदि २ सोमे श्रीसंडेरगच्छे उ० श्रीसाहुलागोत्रे सा० सोहण पु० मग्गा पु० भीसा भा० लाडी पुत्र सेल्हा भा० मोहनी आत्मश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारि० प्रति० श्रीशान्तिसूरिभिः ॥

(३१९) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थी:

सं० १४९७ ज्येष्ठ सु० २ श्रीउपकेशगच्छे । रांकागोत्रे । सा० भूणा पु० रूल्हा भा० रयणादि पु० केल्हाकेन श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० कुक० प्र० श्रीसिद्धसूरिभिः ।

(३२०) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १४९७ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ६ उपकेशज्ञा० सुचितीगोत्रे सा० सलषा भा० लाई पु० कोचर भा० सुखमादे पु० महीराजेन श्रीसुमतिनाथबिंबं स्वपुण्यार्थं श्रीउपकेशगच्छे कुक० प्र० श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

---

३१५ नागोर बड़ा मन्दिर
३१६ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर
३१७ जयपुर पंचायती मन्दिर
३१८ किसनगढ़ आदिनाथ मंदिर
३१९ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर
३२० साथां पार्श्वनाथ मन्दिर

(३२१) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६७ जेठ सुदि २ सोमे उ० सांगण भा० श्रगचे चाहु पु० मं० पासिक पु० लखमा भा० माई पु० केल्हा पोमा केल्हा भा० कोयवादे-व्या······माता माई-केल्हाभ्यां पितृ-मातृ-श्रे० श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे श्रीजयाणंदसूरिपट्टे श्रीमुनितिलकसूरिभिः ॥

(३२२) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६७ ज्येष्ठ शुक्ला ७ सोमे लोढागोत्रे साह पु०······भ्रातृ रूपानिमित्तं श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्र० तपागच्छे श्रीपूर्णचन्द्रसूरिपट्टे भ० श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

(३२३) आदिनाथः

संवत् १४६७ वर्षे माघ सुदि ४ सोमे उपकेशज्ञातीय··········· श्रीऋषभदेवबिंबं कारितं········प्रतिष्ठितं तपागच्छे भ० श्रीसोमसुन्दर-सूरिभिः ।

(३२४) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १४६७ वर्षे प्राग्वाटज्ञातीय व्य० गीगा भार्या माल्हणदे सुत सोनपाल भार्या सुहागदे सुत वनादि कुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीअजितनाथ बिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(३२५) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६८ वर्षे फागुण वदि १० सोमे उपकेशज्ञातीय वरहडीयागोत्रे सा० पदमसीह भार्या पदमश्री पु० अर्जुन निजमातृपुण्यार्थे श्रीवासुपूज्य-बिंबं कारितं प्र० श्रीबृहद्गच्छे भ० मुनीश्वरसूरिपट्टे श्रीरत्नप्रभसूरिभिः ॥

(३२६) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६८ वर्षे फागुण सुदि २ कांकरियागोत्रे सा० मेहण भा० सुन्दरी पुत्र सा० मेहा-कान्हाभ्यां स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीधर्म-घोषगच्छे श्रीपद्मशेखरसूरिपट्टे श्रीविजयचन्द्रसूरिभिः ॥

---

३२१ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर
३२२ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर
३२३ मेमराड़गढ़ केसरियानाथ मन्दिर, मूलनायक
३२४ सिरोही अजितनाथ मन्दिर
३२५ चौपड़ा धरवाड़ा महावीर मन्दिर
३२६ नागोर बड़ा मन्दिर

(३२७) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६८ वर्षे वैशाख सुदि ५ उपकेशज्ञा० कण्णाटगोत्रे। सा० रेहू पुत्र खडसीह भा० फलू पु० सावड। तोलाकेन श्रीपद्मप्रभबिंबं का० श्रीउपकेश० कुकदा० प्र० श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

(३२८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ ॥ संवत् १४६६ वर्षे सावरण वदि २ सनिवारे मूलनक्षत्रे लोढा-गोत्रे सा० सहणसीह पुत्र सा० पन्ना नेना भार्या मुनी तत्पुत्र सा० खीमराज भ्रातृ करससिंह निजमातृ-पितृश्रे० पुण्यार्थं श्रीशान्तिनाथबिंबं कारा० प्रति० वृहद्गच्छे श्रीपद्माणंदसूरिभिः ॥

(३२९) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६६ माघ सु० ५ प्राग्वाट व्य० धीरा धारलदे पुत्र। भीमा भावलदे सुत व्य० वेला पत्न्या वीरणि नाम्न्या श्रीसंभवबिंबं का० प्र० तपा श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(३३०) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६६ माघ सुदि ६ गहिलडागोत्रे सा० फमरु पु० सा० खीमपाल वाजूभ्यां पितुः पुण्यार्थं श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्रति० श्रीमलधारि-गच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(३३१) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६६ वर्षे माघ शुदि १० शुक्रे श्रीमूलसंघे भ० श्रीपद्मनन्दि-न्वये० भ० श्रीसकलकीर्ति त० भवनकीर्ति हुम्बडज्ञातीय सा० डूँगर भा० राणी ढाला भा० कारस्तेषां मध्ये सा० डूंगर श्रीवासुपूज्यं नमति।

(३३२) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६६ वर्षे फागुण वदि २ गुरौ उपकेशज्ञाती० श्रीधरकटगोत्रे सा० हीरराज प्रसिद्धनाम सा० वगुला पुत्रेण सा० लाखा श्रावकेण भार्या गजसीरी पुत्र वलिराज युतेन श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृहद्गच्छे श्रीरत्नप्रभसूरिभिः ॥

---

३२७ जयपुर पंचायती मन्दिर
३२८ वूँदी पार्श्वनाथ मन्दिर
३२९ अजमेर संभवनाथ मन्दिर
३३० नागोर वड़ा मन्दिर
३३१ भैंसरोड़गढ़ केसरियानाथ मन्दिर
३३२ जयपुर नया मन्दिर

(३३३) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १४६६ वर्षे फागुण वदि २ गुरौ उपकेशज्ञातीय वरहडीयागोत्रे सा० गोसल पुत्रेण सा० दुलहत द्वि० नाम राउलेन भा० हर्षमदे पु० अर्जुन सदारङ्ग सहितेन आत्मश्रे० श्रीश्रेयांसबिं० का० प्र० बृहद्ग० श्रीरत्नप्रभसूरिभिः ॥

(३३४) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १४६६ वर्षे फागुण वदि ४ तिथौ शनिवारे धांधगोत्रे सा० अदा पु० देल्हाकेन स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीमलधारिगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(३३५) महावीर-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५०० वर्षे वैशाख सुदि ५ श्रीमालज्ञातीय चिणालीयागोत्रे सा० सेदू भार्या हीरी पुत्र सा० जाटाकेन भार्या प्रा० स्याणी-पुण्यार्थं श्रीमहावीरबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरि-श्रीजिनसागरसूरिभिः चिरनंद्यात् ॥ छ

(३३६) महावीर-पञ्चतीर्थीः

सं० १४··············सोमे वृ०···········लाय ठ० नायक सु० मह० छाडा भा० पुंजल सु० मह० श्रीपालेन स्वश्रेयसे श्रीमहावीरबिंबं का० प्रति० श्रीजयमङ्गलसूरिशिष्यैः अमरचन्द्रसूरिभिः ॥

(३३७)

श्रीअनिलस्वामीमू··········श्रीजिनभद्रसूरिभिः

वेदी पर (सिंहासनस्थ)

अर्पणकरनार नाजिम गुलाबचन्द ढड्ढा की माता सेठाणी रामकंवर बाई कार्तिक शुक्ल १५ संवत् १९६२

(३३८) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०१ वर्षे वैशाख सु० ३ शनौ ठ० इटोदियागोत्रे सा० धाना भा० सीमसिरि पु० कर्माकेन भ्रा० वोल्हा तेजा युतेन पितृमातृश्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं का० श्रीचैत्रगच्छे श्रीलक्ष्मीप्रभसूरिपट्टे प्र० श्रीसीलचंदसूरिभिः

---

३३३ नागरड्ड आदिनाथ मन्दिर
३३४ कोटा खरतरग० आदिनाथ मन्दिर
३३५ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
३३६ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर
३३७ मानपुरा ऋषभदेव मन्दिर० मूलनायक
३३८ हग पद्मप्रभ मन्दिर

(३५०) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०१ वर्षे माह सुदि १० सोमे श्रीसंडेरगच्छे उपकेशज्ञा० साह कालू भार्या वाल्ही पुत्र कान्हा भार्या सारू पितृ-मातृश्रेयोर्थं श्रीनमिनाथबिंबं कारापितं प्रति० प० श्रीशान्तिसूरिभिः श्री ॥

(३५१) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०१ वर्षे माघ सुदि १० सोमे उसवंशे जंडियागोत्रे सा० काला भा० अणमू पुत्र खीमाकेन लीला दुहड वाहडयुतेन श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० कृष्णर्षिग० श्रीनयचन्द्रसूरिभिः।

(३५२) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०१ माघ सुदि १० सोमे नाहरगोत्रे मना पु० पाल्हा भा० भामिणि पु० लाला हेमाभ्यां श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीमहीतिलकसूरिभिः आ० विजयप्रभसूरियुतैः ॥

(३५३) अभिनन्दन-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १५०१ वर्षे फाल्गुन शु० १३ शनौ। वणवटगोत्रे सं०। जयसिंह भा० सं० जसमादे पु० सं० खीदाकेन निजभ्रातृ सं० खेढा पुण्यार्थं श्रीअभिनंदनबिं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्मशेखरसूरिपट्टे। श्रीविजयचन्द्रसूरिभिः ॥

(३५४) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५०१ वर्षे फागु० सुदि १३ शनौ ऊ० ज्ञा० जोजा उराणा सा० कर्म्मा भा० सांगू पु० खेला जइता षेता भा० राणी पु० पञ्चायण जयता भा० मूली पित्रोः श्रे० श्रीशान्तिनाथबिंबं का० श्रीचैत्रगच्छे प्र० श्रीमुनितिलकसूरिभिः।

(३५५) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०१ फागण सुदि १३ उकेशवंशे जावडगोत्रे। सा। वाछा पुत्रेण देवाकेन निजपितृपुण्यार्थं श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारितं प्र। श्रीसूरिभिः।

---

३५० आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर
३५१ पनवाड़ महावीर मन्दिर
३५२ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर
३५३ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर
३५४ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर
३५५ गागरडु आदिनाथ मन्दिर

(३५६) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०१ श्रीनन्नाचार्य सन्ताने। श्रीकोरंटगच्छे। मांडुत्रगोत्रे। सा० हीरा भा० हीरादे पु० चांपा-रूपाभ्यां पित्रोः श्रेयसे श्रीअभिनन्दन का० प्र० श्रीसावदेवसूरि।

(३५७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५०२ वै० सुदि २ सोमवारे। खटवड़गोत्रे सा० सायर पुण्यार्थं सा० कंवरा श्रेयसे आदिनाथबिंबं कारापितं श्रीमलधारगच्छे श्रीगुणकीर्त्ति-सूरिभिः। महा० लक्ष्मीसागरसूरिभिः प्रतिष्ठापितं।

(३५८) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०२ वै० व ५ प्रा० व्य० लाखा लाखणदे पु० सामन्तेन सिंगारदे पु० पाल्हा रतना डीडादियुतेन श्रीकुन्थुनाथबिंबं का० प्र० तपा० श्रीरत्नशेखरसूरिभिः।

(३५९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०२ वर्षे माघ वदि २ रविवारे प्रा० ज्ञा० मांडण भा० मेघादे सुत लाखण भा० फाल्हू पुत्र सांगायुतेन श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं श्रीसाधू पू० ग० प्र० भ० श्रीहीराणंदसूरिभिः।

(३६०) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०२ वर्षे मा० व० ६ प्रा० म० वरना पाल्हणदे पु० नाभाकेन भा० तेजराजि पु० नरसी..............अइतादि कुटुम्बयुतेन श्री-पद्मप्रभबिंबं का० प्र० तपा श्रीजयचन्द्रसूरिभिः ॥

(३६१) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०२ वर्षे माघ सुदि २ रविवारे प्रा० व्य० मांडण भा० मेघादे........पुत्र सांगायुतेन श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्र० साधुपू० गच्छे भ० श्रीहीराणंदसूरिभिः ॥

---

३५६ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर
३५७ मेड़तासिटी
३५८ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर
३५९ सांगानेर चन्द्रप्रभ मन्दिर
३६० करमदी आदिनाथ मन्दिर
३६१ सांगानेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

(३६२) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०२ वर्षे माघ शु० ५ ऊकेशज्ञा० सं० चांपा पु० पूना भा० अचू पु० राजाकेन भ्रातृ मदा रूडा सणायुतेन निजमातृ-पितृश्रेयोर्थं श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं भावडारगच्छे प्र० श्रीवीरसूरिभिः ॥ उएसगच्छे श्रीकक्कसूरिभिः ।

(३६३) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०२ वर्षे फागुण सुदि ५ गुरौ श्रीभावड्डारगच्छे ऊ० ज्ञा० प्राह्लेचागोत्रे सा० वीडा भार्या हीरु पुत्र भीखा-गुणाभ्यां पूर्वजनिमित्तं स्वश्रेयसे च श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीभावदेवसूरिभिः ॥

(३६४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०३ वर्षे वैशाख सु० ५ श० श्रीमालवंशे स्वर्णगिरिया-गोत्रे सा० चाहड भार्या गौरी सुतस्य सं० चन्द्रस्य स्वपितृव्य-भ्रातुः पुण्यार्थं सं० देहड भा० गंगा सुत सं० धनराजेन ल० भ्रातृ सं० खीमराज सं० उदयराजादियुतेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं श्रीखरतरग० श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं नंदतात् ॥

(३६५) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०३ ज्ये० सु० ३ प्रा० व्य० मांडण माल्हण सुत सा० व्य० खीमा श्रीवासुपूज्य का० प्र० तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य श्रीजयचन्द्र-सूरिभिः ॥

(३६६) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ७ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० वजसा भार्या कउतिगदे पितृ-मातृश्रेयोऽर्थं मातृश्रेयसे व्य० चुथा आत्मश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीगुणसागर-सूरिपट्टे श्रीगुणसमुद्रसूरिभिः ॥

(३६७) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ११ शुक्रवारे ओसवालज्ञातीय वहुरा-गोत्रे वा० व० खेता भा० देल्ह पु० देवदत्तेन मातृ-पितृ-निमित्तं श्रीसंभव-नाथबिंबं का० प्र० पूर्णिमापक्षे भ० श्रीजयभद्रसूरिभिः ॥

---

३६२ जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर
३६३ भिनाय महावीर मन्दिर
३६४ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर
३६५ जयपुर पञ्चायती मन्दिर
३६६ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर
३६७ जूनीआ

(३६८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ११ शुक्रे ऊ० ज्ञातीय व्य० राउल भा० रयणादे पुत्र सोढा भार्या सूरमदे सहितेन। स्वश्रे० श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० पू० श्रीधर्मशेखरसूरि उपदेशेन । श्रीः । श्रीः ॥

(३६९) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०३ वर्षे आषाढ वदि ७ सोमे श्रीदेवकुलपाटकवास्तव्य श्रे० पातल भार्या श्रीपालनदे तयोः सुत श्रे० चांदाकेन स्वमातृश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्रति० श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(३७०) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०३ मार्ग० वदि १० ऊ० डींवडडागोत्रे सा० दूदा भा० देल्हणदे पु० पाल्हा भा० चांदूयुतेन नाना पु० संभवनाथबिंबं का० प्र० चित्रावालगच्छे श्रीमुनितिलकसूरिभिः ॥

(३७१) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०३ व० माघ वदि ३ शुक्रे उपकेशगच्छे उ० ज्ञा० श्रे० गोत्रे वैद्यशा० सा० डूंगर पु० अर्जुन उदा अर्जुन पु० संसारचंद-सोभाभ्यां पितृपुण्यश्रें० श्रीसुमतिनाथबिं० का० प्र० श्रीकक्कसूरिभिः ॥

(३७२) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०३ वर्षे माघ शुदि ७ बुधे प्राग्वाटज्ञातीय मह्रं० मण्डलीक भार्या लाडी पुत्र देवसिंहेन भा० देवलदे सुत नासण जयतादियुतेन श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीद्विवन्दनीकगच्छे श्री·········सेनसूरिभिः·············॥

(३७३) महावीर-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०३ वर्षे माह सु०·········म० श्रीधर्मशेखरसूरिशिष्य पु० मित्रदत्त जीवितस्वामिबिंबं कारितं पु० क्षमासुंदरेण प्रतिष्ठितं ।

---

३६८ मंदसौर पोरवालों का मन्दिर
३६९ किसनगढ़ आदिनाथ मन्दिर
३७० रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर
३७१ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर
३७२ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर
३७३ ,,　　,,　　,,　　,,

(३७४) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५०३ वर्षे माल्हूगोत्रे सा० भाखर भरमी श्राविकायाः पुण्यार्थं सा० काच्छाकेन जीदा खीदा भीदा भाखा पुत्रयुतेन कारितं स्वपुण्याय श्रीअजितनाथबिंबं प्रतिष्ठितं श्रीजिनभद्रसूरिभिः श्रीखरतरगच्छे ।

(३७५) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५०३ वर्षे श्रीमालज्ञातीय ठाकुर पुत्र कादा नाल्हा हांसा श्रावकपुण्यार्थं श्रीशान्तिनाथबिं० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

(३७६) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०४ वर्षे वैशाख सुदि ७ दिने बुधे ऊकेशवंशे दरड़ागोत्रे सा० कालू पुत्र सा० छूदा श्रावकेण पुत्र चाचा समन्वितेन श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः ।

(३७७) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १५०४ वर्षे वैशाख सुदि ७ दिने ऊकेशवंशे भांडशालिक गोत्रे भ० वीकम भार्या वउलदे तत्पुत्रौ भ० जोगा गाऊदसिंहो तत्र ठाकुरसिंहेनात्मस्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छेशैः श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

(३७८) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०४ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १० सोमे श्रीओसवालज्ञातीय सो० वरसिंग सुत सो० धनाकेन भार्या वाछू प्रमुख-कुटुम्बयुतेन निजश्रेयोर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं श्रीबृहत्तपागच्छे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

(३७९) कुन्थुनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १५०४ वर्षे आषाढ सुदि २ सोमे उसिवालज्ञातीय । सुराणागोत्रे । सा० लखणा भा० लखणश्री पु० सा० सकर्म्मेण सा० शिवरामेन श्रीकुन्थुनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितं प्रतिष्ठितं श्रीराजगच्छे । भट्टारिक श्रीपद्माणंदसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

---

३७४ नागोर शान्तिनाथ मन्दिर
३७५ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
३७६ जयपुर पंचायती मन्दिर
३७७ सेमलिया शान्तिनाथ मन्दिर
३७८ कोटा खरतरग० आदिनाथ मन्दिर
३७९ जयपुर पंचायती मन्दिर

(३८०) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०४ वर्षे मार्गशीर्ष सुदि. ७ दिने उकेशवंशे साधुशाखायां सा० लखमण सुत सा० महीपाल सा० चील्हाख्य तेत्र (?) सा० महीपा भा० रूपी पुत्र सा० तेजा सा० वस्ताभ्यां .पुत्रादिपरिवारयुताभ्यां स्वश्रेयोर्थ श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं श्रीखरतर-श्रीजिनराजसूरिपट्टे श्रीजिनभद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥ श्रीः ॥

(३८१) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०४ वर्षे माह वदि ६ शनौ श्रीज्ञानकीयगच्छे उ० तेलहरगोत्रे सा० लूणा भा० लूणादे पुत्र० हचिन पाल्हा सोनाभिः पितृ-मातृश्रेयोर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं।

(३८२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०४ फागुण सुदि ११ डूंगरिया श्रीमाल। सा० साधारण पुत्रेण सा० समुधरेण श्रीपार्श्वनाथप्रतिमा कारिता प्रतिष्ठिता तपा० भट्टारक-श्रीपूर्णचन्द्रसूरिपट्टे श्रीहेमहंससरिभिः ॥

(३८३) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०४ वर्षे फागुण शुदि ११ गुरौ श्रीकाष्ठासंघे वागडगच्छे भ० श्रीहमकी (? हेमकीर्त्ति) उपदेशेन भ० धर्मसेन भ० श्रीभीमसेन प्रति॥ हुंबडज्ञातीय कमलेश्वरगोत्रे क० विरूआ भा० करपू सुत नरपाल भा० रल्नू श्रीचन्द्रप्रभबिंबं प्रतिष्ठितं ॥ भ्रातृ गोपाल भ्रातृ कान्हा स्व सम—

(३८४) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०४ वर्षे फागुण शुदि ११ चंडालियागोत्रे सा० पाल्हा पु० सा० साल्हाकेन पित्रोः पुण्यार्थं श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं मलधारिगच्छे श्रीविद्यासागरसूरिपट्टे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(३८५) सुपार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०४ व्य० चील्हा रत्नादे पुत्र लखमण जाल्हणदे पुत्र नायू भा० देदा भ्रातृ सूली नामा वीढा युतया का० श्रीसुपार्श्वः। ॥। तपा-श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

---

३८० नागोर चोसठियाजी का मन्दिर
३८१ जयपुर पार्श्वचन्द्रग० उपाश्रय
३८२ जयपुर पंचायती मन्दिर
३८३ करमदी आदिनाथ मन्दिर
३८४ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर
३८५ नागोर बड़ा मन्दिर

(३६७) मुनिसुव्रत पञ्चतीर्थीः

सं० १५०५ माह वदि ७ उ० ज्ञा० लोढागोत्रे सा० सीहा भा० रांभू पु० पेथा रामा पेथा भा० सीतादे पु० नेमा नाथू जींदा नेमाकेन भा० वालहदे युतेन पितृ-मातृश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतविं० का० प्र० चित्रावालगच्छे श्रीमुनितिलकसूरिभिः । श्रीः

(३६८) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०५ वर्षे फागुण सुदि २ शनौ ऊकेशवंशे श्रे० सांगा भार्या पाल्हू पुत्र अमराकेन भार्या सहजलदे सहितेन निजश्रेयोऽर्थं श्रीमत् श्रीवासुपूज्यविंबं कारितं श्रीसूरिभिः प्रतिष्ठापितं ॥

(३६९) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०५ वर्षे फागुण सुदि २ शनौ ऊकेशवंशे श्रे० सांगा भार्या पाल्हू पुत्र अमराकेन भार्या सहजलदे सहितेन निजश्रेयोर्थं श्रीमत् श्रीवासुपूज्यविंबं कारितं श्रीसूरिभिः प्रतिष्ठापितं ॥

(४००) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०५······प्राग्वाटज्ञातीय । सा० पीचन भार्या केल्ही पु० देल्हाकेन भ्रातृ लखमण निमित्तं श्रीसंभवनाथबिंबं कारापितं प्र०······

(४०१) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०६ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ४ दिने सोनीगोत्रे सा० जीऊसन्ताने सा० खीमा पुत्र सा० करमान्देन महणा-पुण्यार्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं रुद्रपल्लीयगच्छे श्रीजिनहंससूरिपट्टे श्रीजिनराजसूरिभिः ।

(४०२) ·········पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०६ वर्षे कार्त्तिक वदि ७ शुक्रे श्रीभावडारगच्छे । ऊकेश-ज्ञा० आसोलियागोत्रे सा० रामा भार्या लाखू पुण्यार्थं·········

(४०३) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०६ पोष सु० ५ उ० पंचाणेचागोत्रे सा० मेघा भा० माणिकदे पु० गेहा भा० पूंजी पुत्रयुतेन गेहाकेन आत्मश्रेयसे श्रीकुन्थुनाथविं० का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे भ० श्रीमुनितिलकसूरिभिः ॥

---

३६७ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर
३६८ कोटा खरतरग० आदिनाथ मन्दिर
३६९ जयपुर पंचायती मन्दिर
४०० कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर
४०१ भैंसरोड़गढ़ आदिनाथ मन्दिर
४०२ चाडसू आदिनाथ मन्दिर
४०३ सांगानेर महावीर मन्दिर

(४०४) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १५०६ पो० शु० १५ सोमे श्रीसामकठगोत्रे सा० करमा भा० करमादे पुत्र सा० जगसी-रत्नाभ्यां पुत्र देल्हा पौत्र छाजू प्रमुखपरिवारयुताभ्यां श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं खरतर० श्रीजिनभद्रसूरिसर्वप्रवरागमैः ॥

(४०५) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १५०६ पौ० शुद्ध १५ ऊकेशवंशे नाहरशाखायां सा० सरवण भार्या धर्मिणी पुत्र सा० सामल भार्या सामलदे पुत्र सा० श्रीरंगेण भार्या राजलदे पुत्र सा० सधारण प्रमुखपरिवारयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छाधिपति-श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥ शुभंभवतु पूजकानाम् ।

(४०६) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ संवत् १५०६ वर्षे पोष सुदि १५ दिने श्रीऊकेशवंशे अजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे-श्रीजिनभद्रसूरि गुरुराज्ञाविधेयी सं० पूना भा० बिल्ही श्राविकया ।

(४०७) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५०६ माघ वदि ११ तिथौ श्रीमालान्वये ढोरगोत्रे सा० तोल्हा तद्भार्या सरामानी तत्पुत्र सा० महराजी श्रीशान्तिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं । श्रीखरतरगच्छे भ० श्रजिनचन्द्रसूरिभिः ॥ शुभंभवतु ।

(४०८) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५०६ वर्षे माह वदि ६ श्रीकोरंटकीयगच्छे श्रीनन्नाचार्यसन्ताने । ऊ० ती० सुचन्तीगोत्रे सा० आमरसुणया पु० हाता भा० हुति पु० मांडण भार्या माणिक पु० खेतादि श्रीवासुपूज्यबिंबं कारापितं प्र० श्रीसावदेवसूरिभिः ।

(४०९) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०६ वर्षे फाल्गुन वदि ५ सोमवारे ओसवालज्ञातीय नाहरगोत्रे सा० कील्हा पु० सा० महिराज भार्या महणश्री पु० बींजा-पर्वताभ्यां स्वपितृपुण्यार्थं श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीविजयचन्द्रसूरिपट्टे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥ श्री ॥

---

४०४ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर
४०५ रतलाम यति लालचंदजी का मन्दिर
४०६ भिनाय महावीर मन्दिर, पाषाण
४०७ जयपुर पञ्चायती मन्दिर
४०८ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
४०९ कोटा खरतरग० आदिनाथ मन्दिर

(४१०) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०६ फा० व० ८ श्रीउ० ग० ककुदाचा० .... गो० सा० स० .... भा० रत्नादि पु० सुन्दरदास-सदारंगाभ्यां पितुः श्रे० श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं । प्रतिष्ठितं । श्रीककसूरिभिः ।

(४११) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०६ फा० शु० ६ प्रा० सा० अरसी भा० आल्ही पुत्र सा० ऊदाकेन भा० नाडी पुत्र मोहणादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीअजितनाथ-बिंबं का० प्र० तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य-श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(४१२) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ ॥ सं० १५०६ वर्षे श्रीऊकेशज्ञातीय कांकरियागोत्रे सा० महीपाल भार्या वारु पुत्र सा० नरसिंहसुश्रावकेण भ्रातृ आरसी पुत्र पूंजा सहितेन निजश्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्र-सूरिभिः ॥

(४१३) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०७ वर्षे चैत्र वदि ५ शनौ लोढागोत्रे । श्रे० गुणा भार्या गुणश्री पुत्र श्रे० पूंजा-काचरभ्यां पितृव्य धन्ना पुण्यार्थं श्रीधर्मनाथबिं० का० प्र० खरतर० श्रीजिनभद्रसूरि-श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

(४१४) सुपार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०७ ज्येष्ठ व० ६ ऊकेश श्रे० धन्ना भा० वजी सुत लाडउ-लिवासि श्रे० साल्हाकेन भा० वाही प्रमुखकुटुम्बसहितेन श्रीसुपार्श्वबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

(४१५) धर्मनाथः

॥ संवत् १५०७ वर्षे ज्येष्ठ वदि २ दिने सोमवारे ऊकेशवंशे चुहरा-गोत्रे सा० अजु तत्पुत्र सा० महिराज तत्पुत्र नोरा प्रमुखसारपरिवारयुतेन माल्हणदे पुण्यार्थं श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

---

४१० जयपुर पञ्चायती मन्दिर
४११ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर
४१२ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
४१३ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर
४१४ अजमेर संभवनाथ मन्दिर
४१५ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर, पाषाण

(४१६) [illegible]

॥ सं० १५०७ वर्षे ज्येष्ठ सु[illegible] सा० देदा भा० सांपइ । पु० सं० मेला भा० सुहव पु० सा० जाल्हा धणवीर । दसरथ संयुतेन श्रीवासुपूज्यजिनप्रमिते श्रीचतुर्विंशतिजिनपट्टः कारितं श्रीकृष्णर्षिगच्छे तपापक्षे श्रीजयसिंहसूरिपट्टे प्रतिष्ठितं श्रीजयशेखरसूरिभिः शुभंभवतु ॥

(४१७) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०७ वर्षे कार्तिक सु० ११ शुक्रे प्राग्वा० कोठा० लाखा भा० लाखणदे पु० को० परवत भार्या ··············लोला द्दाहा नाना डुंगर युतस्तेन श्रीसंभवनाथबिंबं का० उएसगछे श्रीसिद्धाचार्यसन्ताने प्रति० श्रीकक्कसूरिभिः ॥

(४१८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०७ वर्षे मागसिर सुदि २ नाहरगोत्रे सा० देपाल पु० धनाकेन भा० हरखु पु० मांडा सांडा ऊधायुतेन पितृपुण्यार्थं श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीधर्मतिलकसूरिभिः ॥:॥ शुभंभवतु ॥

(४१९) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १५०७ वर्षे मार्गसिर सुदि ३ शुक्रे उपकेशज्ञातीय जावडगोत्रे सं० धणसीह भार्या दादह वीसल भार्या (भ्राता) महिपाल पु० नगराज सायो आत्मपुण्यार्थं श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृहद्गच्छे श्रीसागरसूरिभिः ।

(४२०) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०७ वर्षे माघ सुदि ५ शुक्रे । श्रीगुर्जरज्ञातीय मं० परवत भा० प्रीमलदे पु० राणा भा० वीरु तयोरात्मश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीआगमगच्छे श्रीसिंहदत्तसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु कल्याणम्व ।

(४२१) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०७ माघ सु० ५ सा० खींवर भा० खेढी पुत्र सा० जिनदत्तेन भा० अर्चू सुत भांभणादिकुटुम्बयुतेन श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य-श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ।

---

४१६ सैलाना ऋषभदेव मन्दिर
४१७ नागोर बड़ा मन्दिर
४१८ किशनगढ खरतरग० उपाश्रय
४१९ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर
४२० जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर, घाट
४२१ वेतेह विमलनाथ मन्दिर,

(४२२) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०७ वर्षे माह सुदि १३ शुक्रे खटवडगोत्रे सा० साल्हा भार्या सोना पुत्र सा० कुशलाकेन भा० कमलश्री पु० धन्नादियुतेन श्रीआदिनाथ-बिंबं का० प्रति० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्मार्णदसूरिभिः ।

(४२३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५०७ वर्षे माघ सुदि ... भणसालीगोत्रे । श्रीकोरंटगच्छे उसवालज्ञा० सा० सादा भा० ...... पु० श्रीधर .... पितृ-मातृश्रेयोर्थं श्रीआदिबिंबं कारितं प्र० श्रीकक्कसूरिपट्टे ....।

(४२४) वासुपूज्यः

॥ संवत् १५०७ वर्षे फागुण वदि ३ दिने श्रीउपकेशगच्छे श्रीककुदा-चार्यसन्ताने श्रीउपकेशज्ञातौ श्रीचिंचटगोत्रे चिं० देसल .... आस द्वयनग भार्या सुनखत पु० सा० श्रीचन्द्र भा० उमादेव्या स्वश्रेयसे श्रीवासु-पूज्यबिंबं का० प्र० श्रीकक्कसूरिभिः (आगे पलांठी पर) श्रीउमादे श्रीवासु-पूज्य सं० १५०७ वर्षे ।

(४२५) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०७ वर्षे फा० व० ३ बुधे ओशवंशे बहुरा हीरा भा० हीरादे पु० व० खेता भा० खेतलदे पुत्र व० महीपति पितृश्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं खरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरि-श्रीजिनसागरसूरिभिः प्रतिष्ठितं ।

(४२६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०७ वर्षे फागुण वदि ३ उस० ज्ञा० सा० महिपा भा० तेजू पु० लोला भा० लीलादे सहितेन पित्रोः श्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० वृत्राणा । श्रीउदयप्रभसूरिभिः ॥

(४२७) अभिनन्दनः

॥ सं० १५०७ वर्षे फागुण वदि ३ ...... श्रीसहजपालेन .... श्रीअभिनन्दनबिंबं कारि० श्रीखरतरगच्छे प्र० श्रीजिनसागरसूरिभिः ।

---

४२२ नागोर बडा मन्दिर
४२३ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर
४२४ भिनाय महावीर मन्दिर. पाषाण
४२५ मेडतासिटी युगादीश्वर मन्दिर
४२६ मेडतासिटी युगादीश्वर मन्दिर
४२७ केकडी चन्द्रप्रभ मन्दिर. पाषाण

(४२८) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०७ वर्षे फागुण वदि ३ गुरौ कोरंटकीयगच्छे चित्रांगच्छरू गोत्रे ··················पूंजा भा० वादू सुहडाहरआदि श्रीसंभवनाथ-विंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसोमदेव० पूर्णिमा··············।

(४२६) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०७ प्राग्वाट् सा० पांचा भार्या सरसू पु० सा० पेथाकेन भा० जीविणी भ्रातृ सा० मूना हांपादिकुटुम्बयुतेन निजश्रेयसे श्रीपद्मप्रभुबिंबं कारितं प्रति० श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य-श्रीरत्नशेखरसूरिभिः । श्री ।

(४३०) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०८ वर्षे वैशाख वदि २ श्रीपल्लिकीयगच्छे ड० छाहडगोत्रे सा० जइता पुत्र हेला भा० करमादे पुत्र मीमड भार्या जायलदे पु० देया सह श्रीसुमतिनाथबिं० का० प्र० श्रीयशोदेवसूरिभिः ॥

(४३१) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०८ व० वै० शु० ५ सोमे ओसवालज्ञा० लोढागोत्रे सा० विजयसी भा० धारू तत्पुत्र सा० पांचू भा० अंपायू आ० पुण्यार्थं श्रीशीतलनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥

(४३२) नेमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०८ वर्षे ज्येष्ठ सुदि २ कुकदाचा० ओसवालज्ञातीय सा० कमला भा० लाघु तत्पु० गातयेन स्वश्रेयसे श्रीनेमिबिंबं का० प्र० श्रीओसवालगच्छे श्रीकक्कसूरिभिः ।

(४३३) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०८ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १० श्रीमालन्याती डींडायतगोत्रे सा० भोजा भा० श्रसू पुत्र तंवाभ श्रीफल श्रीधर्मनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं··· ·········· ···।

---

४२८ जयपुर पार्श्वचन्द्रग० उपाश्रय
४२६ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर
४३० खजवाना धर्मनाथ मन्दिर
४३१ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर
४३२ मैंसरोडगढ आदिनाथ मन्दिर
४३३ जयपुर पार्श्वचन्द्रग० उपाश्रय

(४४६) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०६ वर्षे माघ सुदि १० ओकेशवंशे नहिलडागोत्रे सा० नेना पु० सा० तोल्हा-खिमराजाभ्यां स्वपुण्यार्थं श्रीपद्मप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीमलधारिगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(४४७) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०६ वर्षे माव सुदि १० ऊकेशवंशे अजमेरागोत्रे सा० सधारण पु० सा० लाखा वाल्हा केल्हाकैः स्वपुण्यार्थं श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० मलधारिगच्छे श्रीविद्यासागरसूरिपट्टे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(४४८) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५०६ वर्षे माघ सुदि १० उपकेशज्ञातीय सत्यकीशाखायां सा० सांगा भा० सुहडादे पु० जगमाल भा० जसमादे कान्हा भा० कउतिगदे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० पूर्णिमापक्षीय भ० श्रीजयभद्रसूरिभिः ॥

(४४९) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५०६ वर्षे फाल्गुण वदि १० शनिवारे काकलवाड्यागोत्रे सा० देवराज भार्या लखमा तयोः पुत्रेण सा० पाल्हाकेन आत्मश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं धर्मघोषगच्छे भ० श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ।

(४५०) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५०६ वंशे उसवंशे सा० हउदा भार्या आल्हणदे पुत्र कोल्हाकेन श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेशरीसूरीणां उपदेशेन पितृश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं..................

(४५१) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१० वर्षे चैत्र वदि ४ तिथौ शनौ हिंगडगोत्रे गौइन्द पुत्रेण सा० सिंघाकेन निजश्रेयो० निमित्तं श्रीसु(वि)धिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठि० तपा० भ० श्रीहेमहंससूरिभिः ।

---

४४६ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर
४४७ जयपुर पञ्चायती मन्दिर
४४८ किसनगढ़ खरतरग० उपाश्रय
४४९ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर
४५० जयपुर पार्श्वचन्द्रग० उपाश्रय
४५१ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

(४५२) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१० वर्षे चैत्र व० ८ बुधे श्रीमालज्ञा० काणागोत्रे सा० जयता भा० कान्हू पुत्र । सा० हांसा-चांपाभ्यां स्वश्रेयोर्थं श्रीअभिनन्दनबिं० का० प्र० श्रीबृहद्गच्छे श्रीमतिसुन्दरसूरिभिः ॥

(४५३) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१० चैत्र वदि ८ बुधे श्रीमालज्ञा० चढचहथागोत्रे पं० गोसल भा० गुरादे पुत्र अर्जुनेन स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिं० का० प्र० श्रीबृहद्गच्छे श्रीसांतिसुन्दरसूरिसूरिभिः ॥

(४५४) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१० चैत्र वदि ८ बुधे श्रीमालज्ञा० हरियाणागोत्रे सा० हापा भा० करणू पु० सारंगेन स्वश्रेयसे श्रीकुन्थुना० बिं० का० प्र० श्रीरुद्रपल्लीय श्री··············(देवसुन्दरसूरिभिः ?)

(४५५) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१० चैत्र वदि ८ बुधे श्रीमालज्ञा० थराहरियागो० सा० लाहड भा० मंदोयरी पुत्र राघवेन भा० लाली पु० वालापर्वत हंसादियु० स्वश्रेयसे श्रीकुन्थुबिं० का० प्र० श्रीरुद्रपल्लीयगच्छे श्रीहरिभद्रसूरिभिः ॥

(४५६) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१० वर्षे चैत्र व० ८ बुधे श्रीमालज्ञातीयगोत्रे सा० वीरड भा० भीनी पुत्र पाल्हाकेन भा० पाल्ही पु० पूणायुतेन स्वश्रेयसे श्रीपद्मप्रभ० का० प्र० श्रीरुद्रपल्लीयगच्छे भ० श्रीहरिभद्रसूरिभिः ॥

(४५७) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१० वर्षे वै० व० ५ आ० सा० मना भा० माल्हणदे पुत्र चाम्पाकेन भा० रतनू पुत्र चोजा सोमा रङ्गसादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीचन्द्रबिंबं का० प्र० भ० श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥ श्रीचिरंभूयात् ॥ मालचे ॥

(४५८) महावीरः

-- संवत् १५१० वर्षे वैशाख वदि १२ सोमे आलाग्रामें (?) श्रीसंघ श्रीमहावीरबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीराजगच्छे·········उसूरिभिः ॥

---

४५२ चंदलाई शान्तिनाथ मन्दिर
४५३ रतलाम सुमतिनाथ मन्दिर
४५४ सांगानेर महावीर मन्दिर
४५५ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर
४५६ नागोर बड़ा मन्दिर
४५७ भैंसरोड़गढ़ आदिनाथ मन्दिर
४५८ जयपुर पार्श्वचन्द्रग० उपाश्रय

(४५९) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत १५१० वर्षे ज्येष्ठ सु० ३ गुरौ ऊकेशज्ञातीय छाजहडगोत्रे सा० जगडा भार्या कुंति पु० तिहुणाकेन भार्या वयजलदे पु० गंदा देदा सहितेन मातृ-पितृ-स्वपुण्यार्थं श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं। श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनशेखरसूरिपट्टे । भ० श्रीजिनधर्मसूरिभिः ॥ छ ॥

(४६०) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१० वर्षे ज्येष्ठ सुदि ३ गुरु श्रीश्रीमालज्ञातीय पितृ महिपा मातृ माल्हणदे श्रेयोर्थं सुत मोकलेन श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीसाधुरत्नसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं विधिना।

(४६१) महावीर-पञ्चतीर्थीः

संव० १५१० ज्येष्ठ सु० ३ रवौ प्राग्वाट पींपलियावासी सा० वीरा पुत्र सा० डूंगरसी भ्रातृ खेतसी सहसा समधर देवधर कर्मा भा० जालू तीजू वई जाई कन्यादिकुटुम्बयुतैः श्रीमहावीरबिंबं का० प्र० तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरि भ० मुनिसुन्दरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(४६२) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १५१० वर्षे आषाढ वदि १० सोमे श्रीऊकेशवंशे माल्हूगोत्रे सा० जिणदत्त भा० वणु पु० गांगा भा० गांगादे पुत्र कूमादियुतेन श्रीशान्तिबिंबं कारितं प्रति० श्रीखरतरग० श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

(४६३) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१० वर्षे आषाढ वदि १३ रवौ श्रीभावडारगच्छे उपकेशज्ञातीय वांहीयागोत्रे सा० साचा भा० श्रीआदे पु० वरसिंह भा० जीवादे पु० श्रीमल्ल भ्रातृ सा० होला भा० हीरादे पु० चाहड योधा प्रमुखकुटुम्बेन श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रति० श्रीकालिकाचार्यसन्तानीय श्रीश्रीवीरसूरिभिः ॥

(४६४) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१० वर्षे आषाढ सुदि २ उके० सीसोदियागो० सा० कर्मा भा० कर्मादे पुत्र जागू भा० जसमादे पु० वील्हा चहुवदेवा नेमाभ्यां स्वपुण्यार्थं श्रीधर्मनाथबिं० का० प्र० श्रीसंडेरगच्छे श्रीशान्तिसूरिभिः ॥

---

४५९ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर
४६० सांगानेर महावीर मन्दिर
४६१ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर
४६२ जयपुर पार्श्वचन्द्रग० उपाश्रय
४६३ विलाव शान्तिनाथ मन्दिर
४६४ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

(४६५) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१० माह सु० ५ श्रीमालवंशे नवलगोत्रे। सा० वीना पु० सा० गणपति पुत्र जगमाल। श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं श्रीखरतरगच्छे। श्रीजिनप्रभसूरिश्रन्व। प्र० श्रीजिनतिलकसूरिभिः॥

(४६६) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१० वर्षे माघ सुदि ५ दूगड़गोत्रे सा० सीहा भा० इदी पु० सहदे साऊ सोढा सहजा सलखा तेषु सहदेवं गोरीपुण्यार्थं कुन्थुनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीबृहद्गच्छे श्रीअमरप्रभसूरिपट्टे श्रीरत्नचन्द्रसूरिभिः

(४६७) नमिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १५१० वर्षे माघ सुदि ५ शुक्रे श्रीनाणकीयगच्छे उ० तेलहर-गोत्रे सा० जाला भार्या कपूरदे पुत्र करणा-कालूआभ्यां पितृ-मातृश्रेयोऽर्थं चतुर्विंशतिपट्टकं श्रीनमिनाथबिंबं कारितं। प्रतिष्ठितं श्रीमहेन्द्रसूरिपट्टे श्री-शान्तिसूरिभिः।

(४६८) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ॥ सं० १५१० वर्षे माघ सुद १० उकेशज्ञाती० पीपाडागोत्रे सा० रामराज पुत्र सा० छाजूकेन सोनपाल कुंयरपाल माडादि पुत्र-पौत्र-सहितेन श्रीशीतलबिंबं का० प्र० तपा-भट्टारक श्रीहेमहंससूरिभिः॥

(४६९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१० वर्षे ओसवंशे सं० अर्जुन भा० लूहोला बोहथकेन सं० नाल्हू नींबा भा० नाल्हश्री पु० मेवादि कुटुम्बयुक्ते श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्रति० तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिपट्टे मुनिसुन्दरसूरि चैत्र वदि ४ शनिवासरे।

(४७०) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१० वर्षे देवरवा० ऊ० ज्ञा० पीपाडागोत्रे सं० कमला भा० फील्हणदे सु० कलाकेन भा० कपूरदे पुत्र देल्हा पद्मा कर्मसी धर्मसी भा० देवलदे पोमलदे करमीरदे सोनादे प्रमुखकुटुम्बयुतेन श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रेयसे पल्लीवालगच्छे श्रीनन्नसूरिभिः॥ शुभंभवतु॥

---

४६५ सांगानेर महावीर मन्दिर
४६६ सांगानेर महावीर मन्दिर
४६७ करमदी आदिनाथ मन्दिर
४६८ बूंदी पार्श्व नाथ मन्दिर
४६९ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर
४७० सिरोही अजितनाथ मन्दिर

(४७१) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थी:

॥ संवत् १५११ वर्षे ज्ये० सु० ३ गुरौ श्रीहूंगडगोत्रे सा० श्रीपोपासन्ताने सं० अर्जुन भार्या सणखी पु० सं० सिवराज सु० धनराज भार्या सालिगही सुतेन भावदेवेन भा० वीरी पु० जगमलयुतेन श्रीपद्मप्रभस्वामिविंवं का० प्र० वृ० श्रीमहेन्द्रसूरिपट्टे श्रीरत्नाकरसूरिभिः शुभम्।

(४७२) विमलनाथ-पञ्चतीर्थी:

संवत् १५११ वर्षे ज्ये० शु० ८ प्राग्वाटज्ञातीय व्य० ऊधरण भा० सहजलदे सुत देवाकेन भा० देवलदे वृद्ध भ्रातृ भीमा खीमादिकुटुम्बयुतेन आत्मश्रेयोर्थं श्रीविमलनाथविंवं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः। श्री

(४७३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५११ वर्षे आषाढ वदि ६ घाघगोत्रे सा० महराज भार्या महासिरी पुत्रेण सीहाकेन पित्रोः श्रेयसे श्रीआदिनाथविंवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमलधारिगच्छे श्रीविद्यासागरसूरिपट्टे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः॥

(४७४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५११ वर्षे आषाढ वदि १२ शनि० उस० वातरुणारागोत्रे सा० हाला भा० रत्नु पु० ताउ आत्मश्रे० श्रीआदिनाथविं० का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः॥

(४७५) नमिनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५११ वर्षे आषाढ सुदि ६ प्राग्वाटज्ञा० व्य० सामंत भा० तेली पुत्र व्य० कर्मणेन भा० जनकू पुत्र धीरा भा० आसुप्रमुखयुतेन श्रीनमिनाथविंवं का० प्रतिष्ठितं श्रीजयकेसरसूरिभिः॥ श्रीः॥

(४७६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ संवत १५११ वर्षे मार्गशिर सु० ५ रवौ उपकेशज्ञातीय साह आसा भा० अहविदे पु० सा० हठा कुंरसी भा० जानू सहितेन पितृ-मातृश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथविंवं का० श्रीकोरंटगच्छे प्रति० श्रीसावदेवसूरिभिः॥

---

४७१ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर
४७२ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
४७३ करमदी आदिनाथ मन्दिर
४७४ दाहोद पार्श्वनाथ मन्दिर
४७५ झूंटा पार्श्वनाथ मन्दिर
४७६ नागोर बड़ा मन्दिर

(४७७) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५११ वर्षे पो० व० ५ उकेशवं० थंजन भा० साऊ सु० धरमाकेन सा० माकू पु० भ्रातृ कर्मणश्रेयसे श्रीविमलबिंबं का० प्र० श्रीरस्तु

(४७८) महावीर-पञ्चतीर्थीः

सं० १५११ वर्षे मा० व १ सिद्धपुरे भावसार देवा भा० कीकी पुत्र प्रथमाकेन भा० मानू पुत्र सांगा देपालादिकुटुम्बयुतेन निजश्रेयसे श्रीवर्द्धमानबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं ॥ श्रीश्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्यतपागच्छेश श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(४७९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५११ वर्षे माघ शु० २ शनौ उपकेशज्ञातौ सुचिंतितगोत्रे सा० सादा भा० कन्नुई पु० रंगुकेन पित्रोः श्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्रति० श्रीउपकेशगच्छे श्रीककसूरिभिः ॥ ७४

(४८०) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५११ वर्षे माघ शु० ५ गुरु श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० महुणसी भार्या नाऊ सुत फीकाकेन पितृ-मातृनिमित्तं आत्मश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीमुनिचन्द्रसूरिभिः मेहुणावास्तव्य। श्री।

(४८१) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५११ फागुण सु० ११ सोमे उपकेशज्ञातौ आदित्यनागगोत्रे धांधू शाखा० सं० मांवा भा० मांवश्री पु० सा० धीरा भा० विउलश्री पु० सा० सांगाकेन भा० सुहागश्री पुत्र नरसिंह-भोजाभ्यां युतेन स्वश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं श्रीउपकेशगच्छे ककुदाचार्यसं० प्रतिष्ठितं श्रीककसरिभिः ॥ श्रीः ॥

(४८२) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१२ वर्षे ज्येष्ठ वदि ७ बुधे श्रीउपकेशज्ञातीय श्रे० अमरा सुत सा० गोरआ भार्या रजादकेन श्रीजीवितस्वामि श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे श्रीजिनदेवसूरिपट्टे श्रीरत्नदेवसूरिभिः।

---

४७७ मेड़तासिटी धर्मनाथ मन्दिर
४७८ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर
४७९ महुवा नेमिनाथ मन्दिर
४८० जयपुर श्रीमालों का मन्दिर
४८१ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर
४८२ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(४६४) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संव० १५१२ वर्षे फागुण सुदि ८ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीय व्यव० नरसी सुत काला सुत वर्धमान सुत दो० वालाकेन भा० कुंअरि सुत सारण प्रमुखकुटुम्बयुतेन स्वभ्रातृ जाथाराम निश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीश्रीश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(४६५) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१२ वर्षे फा० शुदि १२ प्रा० सा० समरसी भार्या हपू सुत सा० तोला तील्हा छाडादिभिः भा० हीरू तारादे कुन्तिगदेव्यादिकुटुम्बयुतेन सा० वयरसिंहादिपूर्वजश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपा श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(४६६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१२ फा० सु० १२ दिने थुलगोत्रे सा० मूला पुत्र जेसाकेन पु० पेमा खेता खेमायुतेन स्वपुण्यार्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः श्रीः ॥

(४६७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१२ वर्षे फागुण सुदि १२ श्रीउपकेशगच्छे श्रीककुदाचार्यसन्ताने । श्रीउपकेशज्ञातौ श्रीआदित्यनागगोत्रे सा० आसा भा० जीवू पु० छाजू भा० छाजलदे पितृ-मातृश्रे० श्रीआदिनाथबिं० प्रतिष्ठितं श्रीककसूरिभिः ॥

(४६८) सुमतिनाथः

॥ ॐ ॥ संवत् १५१३ वर्षे षष्ठ्यां तिथौ गुरुवासरे उपकेशवंशे वहुरागोत्रे सा० तापर······सरु पुत्र सा० हा·········श्रीचैत्रगच्छे प्रतिष्ठितं श्रीज(द)याकरसूरिभिः ॥ १ ॥ चैत्रमासवे । ॥ ॐ ॥ श्रीसुमतिनाथबिंबं ॥

(४६९) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१३ वर्षे चैत्र सुदि ६ गुरौ उप० आदित्यनागगोत्रे । सा० करमा भा० कउतिगदे । पु० पामा देदा सुरजा सहितेन मातृ-पितृआत्मश्रेयोर्थं श्रीनमिनाथबिंबं का० उ० प्र० श्रीककसूरिभिः ॥

---

४६४ नागोर वड़ा मन्दिर
४६५ विलाव शान्तिनाथ मन्दिर
४६६ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर
४६७ नागोर बड़ा मन्दिर
४६८ सांगानेर महावीर मन्दिर
४६९ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

(५००) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१३ वर्षे चैत्र सुदि ६ गुरुवारे घाघगोत्रे सा० सिवराल भा० साधू पु० सा० नयणाकेन भा०..................स्वपुण्यार्थ श्रीपासबिं० का० प्रति० श्रीमलधारिगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(५०१) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१३ चैत्रे ओसवाल मं० रत्ना भा० माऊ पु० वाघा-फदाभ्यां क्रमात् भा० रत्नू । धीजलदे । पु० मूं भुच । सोमादिकुटुम्बपरिवृताभ्यां श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं निजमातृश्रेयसे का० प्र० तपा श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥ इलादुर्गे

(५०२) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१३ वर्षे वैशाख वदि ४ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० सादूल भा० संसारदे सु० साजिग भा० रांभू सहितेन निजपुण्यार्थं जीवितस्वामि श्रीकुन्थं (थु) नाथबिंबं कारितं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीकमलप्रभसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

(५०३) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१३ वर्षे वै० व० १२ दिने आम्लाद्विवासि प्राग्वाट सा० मेहा भा० मची सुत सा० धन्नाकेन भा० रूदी पुत्र सा० रामा सा० देवादियुतेन श्रीविमलबिंबं का० । श्रीतपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य-गच्छनायक-श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(५०४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१३ वर्षे वैशाख सुदि २ चण्डालियागोत्रे सा० रत्नसी भाउ पु० सा० चूहा सा० हेमाभ्यां स्वपुण्यार्थ श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीमलधारिगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ।

(५०५) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१३ वर्षे वैशाख सुदि ५ उपकेश० गुन्दोचागोत्रे सा० धीरा भा० धीरलदे पु० देवा भा० सहजलदे पाल्हा भा० पोमादि स्वश्रे० संभवनाथबिंबं का० प्र० श्रीचित्रवालगच्छे भ० श्रीमुनितिलकसूरिपट्टे श्रीगुणाकरसूरिभिः ॥

---

५०० सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर
५०१ सैलाना मुनिसुव्रत मन्दिर
५०२ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर
५०३ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर
५०४ भिनाय महावीर मन्दिर
५०५ नागोर बड़ा मन्दिर

(५०६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१३ वै० शु० ७ श्रीमालज्ञा० सा० वाना भार्या वाल्ही सुत सं० खरहथेन भा० दामा सुत वीरम भ्रातृ नायू प्रमुखकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेश श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(५०७) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१३ वर्षे वैशाख सुदि १० बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० मामट भार्या हीरू सुत पुनसीकेन मातृपितृश्रेयोर्थं विमलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः विधिना ।

(५०८) धर्मनाथः

॥ सं० १५१३ वर्षे ज्येष्ठ वदि ११ गुरौ श्रीमालवंशे आकडूधियागोत्रे श्रे० सा० इरिया भा० वालहदे पुत्र सं० डूंगर सुश्रावकेण श्रे० जेवंत जीदा साधु परिवृतेन भा० लीलादे-श्राविकापुण्यार्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥ (आगे पलांठी पर) सा० डूंगर भा० लीला धर्मनाथं प्रणमति

(५०९) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ६ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय पहिलगोत्रे सा० जगसी भा० ऊमी पुत्र राजा देल्हा कीका प्रमुखसकुटुम्बेन पितृव्य धांधानिमित्तं श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीश्रीभीनमाल । भ० श्रीदेवसूरिपट्टे भ० श्री माघ........................ ।

(५१०) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ११ शुक्रे ऊकेशवंशे सा० नगराज भा० गीगाई पु० भीष्णताप (?) भार्यया सा० केशराज काममणि सुतया रोहिणीनाम्न्या श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० अंचलगच्छे श्रीजयकेशरिसूरीणामुपदेशात् ... - ...।

---

५०६ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर
५०७ सैलाना मुनिसुव्रत मन्दिर
५०८ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर. पाषाण
५०९ भिनाय केसरियानाथ मन्दिर
५१० चाडसू आदिनाथ मन्दिर

(५११) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ११ शनौ उपकेशज्ञातीय सांडगोत्रे सा० मांडण भा० माणिकदे पु० खेताकेन भा० लखमादे सहितेन सूरमदे निमित्तं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं पूर्णिमापक्षी प्रतिष्ठितं श्रीजयभद्रसूरिभिः ॥

(५१२) कुन्थुनाथः

॥ सं० १५१३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ११ गुरौ .... श्रीपारखगोत्रे सा० मोल्हा भा० राजू पुत्र ईसर सुश्रावकेण भा० जादचदे युतेन श्रीकुंथुनाथबिंबं का० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

(५१३) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १५१३ वर्षे आषाढ सु० २ दिने ऊकेशवंसे कूकडागोत्रे । चोपड़ा सा० ईसर भा० राणी सुत सरवणेन भ्रातृ राल्हा कूपा पु० मला रत्ना चांपा धरसिंघ सीमा हर्षा आंबा प्रजांग चाचादिपरिवारसहितेन श्रीशांतिबिंबं कारितं प्र० खरतर० श्रीजिनभद्रसूरिभिः

(५१४) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१३ वर्षे आसाढ सुदि २ गुरु दिने उपकेशज्ञातीय मंडलेचागोत्रे सा० चूहथ भा० चाहिणदे पु० रणमल भा० रतनादे पु० माहा युतेन आत्मश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीवृहद्गच्छे जीनेरावटंके (?) भ० श्रीहेमचन्द्रसूरिपट्टे भ० श्रीकमलप्रभसूरिभिः

(५१५) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१३ वर्षे आषाढ सुदि २ गुरौ उपकेशगच्छे श्रीकुकदाचार्य सन्ताने उप० बलाहिगोत्रे जाणा पु० जेसल भा० जसमादे पु० भादा भा० कुंतगदे पु० सांगा युतेन पूर्वजनिमित्तं श्रीसीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीकक्कसूरिभिः ॥

---

५११ बूंदी पार्श्वनाथ मन्दिर
५१२ केकड़ी चन्द्रप्रभ मन्दिर-पाषाण
५१३ बूंदी पार्श्वनाथ मन्दिर
५१४ नागोर बड़ा मन्दिर
५१५ सांगानेर महावीर मन्दिर

(५२८) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१३ वर्षे फागुण व० १२ सोमे श्रीसंडेरगच्छे उ० ज्ञा० फडीया-उडंके (?) सा० तेजा पु० लूणा भा० देल्ही पु० रेडा-सामाभ्यां भ्रातृ लखमा पुण्यार्थं स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथविं० का० प्र० श्रीयशोभद्रसूरिसन्ताने श्रीश्रीईश्वरसूरिभिः ॥

(५२९) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१३ ओसवाल सं० भारमल्ल भावलदे पुत्र रत्नाकेन भा० अपू भ्रा० टील्हा शिवादिकुटुम्बयुतेन श्रीसुमतिनाथविंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरि-श्रीमुनिसुन्दरसूरि-श्रीजयचन्द्रसूरिशिष्य-श्रीरत्न-शेखरसूरिभिः ।

(५३०) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१५ वैशाख शुक्ल ७ ... श्रे० ...... जा ...... सी ... टी पुत्र। सरसेन आत्मश्रे० श्रीआदिनाथविंबं का० प्र० श्रीमहीतिलकसूरिभिः ॥

(५३१) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१५ वर्षे वैशाख शु० १० गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रीपोमा भा० टीवू तयोः पुत्र देपाल भा० वड्चूनाम्न्यः सपतिआत्मश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं आगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरीणामपदेशेन प्रतिष्ठितं अम्बासन ।

(५३२) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ संवत् १५१५ वर्षे ज्येष्ठ वदि १ दिने श्रीश्रीमालज्ञातौ खारड गोत्रे सा० वाडा वहूरा सुश्रावकेण स्वपुण्यार्थे चन्द्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छेश श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिगुरुभिः ।

(५३३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ संवत् १५१५ वर्षे ज्येष्ठ वदि १ दिने श्रीमालज्ञातौ खारड-गोत्रे सा० वील्हा वयरा श्रावकेण संपरिवारेण श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छेश श्रीजिनभद्रसूरिपट्टालङ्कारसारगुरु-श्रीजिनचन्द्र-सूरिभिः श्रीसंघस्य भद्रं भूयात्

---

५२८ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
५२९ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
५३० नागोर चोसठियाजी का मन्दिर
५३१ करमदी आदिनाथ मन्दिर
५३२ चंदलाई शान्तिनाथ मन्दिर
५३३ जयपुर पंचायती मन्दिर

(५३४) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ संवत् १५१५ वर्षे ज्येष्ठ सु० ४ शुक्रे ऊकेशवंशे रांकाश्रेष्ठि-गोत्रे श्रे० नरसिंह पुत्र श्रे० महीपति भार्या भदू पुत्रेण श्रेष्ठि वच्छराजेन सपरिकरेण स्वश्रेयोर्थं श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजि-नभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरि सुगुली.......... ॥

(५३५) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१५ वर्षे ज्ये० शु० ५ प्राग्वाट व्य० ऊदा भा० पा...पुत्र जेसाकेन भा० लिक प्रमुखकुटुम्बयुतेन निजश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छनायक-श्रीसोमसुन्दरसूरिपट्टे श्रीमुनिसुन्दरसूरि-पट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः । हाथी........ ।

(५३६) नेमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ११ सोमे उकेशगच्छे श्रीकुकुदाचार्य-सन्ताने उ० श्रीआइचणागगोत्रे सा० रूपा पुत्र हरखा पु० फेल्हा पु० रेडा भार्या देवराजही पु० जावद भा० जिणश्री पु० साधारण भा० नथूही पुत्र-युते पिता जावदश्रेयसे श्रीनेमिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीककसूरिभिः ॥

(५३७) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१५ वर्षे ज्ये० शु० १२ दिने प्राग्वाट्ज्ञातीय सा० माला भार्या गांगी पुत्र सा० ऊदाकेन भार्या वीलही वृद्धभ्रातृ पेमा वला वेला राणा राजा, लखमण हेमा. सोमा पुत्र सिंहादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः । श्रीरस्तु ॥

(५३८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १५ दिने ऊकेशवंशे भणसालीगोत्रे सा० सायर भा० सिंगारदे पुत्र सा० शेपा श्रावकेण भार्या सलखणदे पु० सा० भीमा भ्रा० शिवदत्त पौत्र सा० पेथा चांपादिपरिवारयुतेन श्रीआदिनाथ-बिंबं कारितं स्वश्रेयोर्थं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्री-जिनचन्द्रसूरिभिः

---

५३४ चाडसू आदिनाथ मन्दिर
५३५ वरखेड़ा आदिनाथ मन्दिर
५३६ भिनाय केसरियानाथ मन्दिर
५३७ सांगानेर महावीर मन्दिर
५३८ मेड़तारोड़ पार्श्वनाथ मन्दिर

(५३९) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ ॥ सं० १५१५ वर्षे ज्येष्ठ सुदि⋯⋯प्राग्वाट वंशे आमगोत्रे सा० झगडा भा० धारलदे पुत्र सा० पूजा सा० काजाभ्यां भार्या हीरादे कामलदे पुत्र आंवा वयरसींह रूपा कूंपा डाहादिपरिवारयुताभ्यां श्रीसुमतिनाथ-बिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(५४०) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१५ वर्षे जेठ सुदि⋯⋯ऊकेशवंशे साधुशाखायां सा० पाल्हणसी भा० जइतू पुत्र धर्मसिंहेन सा० नरपति भा० धारलदे पुत्र सोहा प्रमुखपरिवारयुतेन श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(५४१) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१५ वर्षे आषाढ व० ८ ऊकेशज्ञातीय वहुरागोत्रे सा० खिमराज पुत्र सा० डूंगर भार्या करमाही पुत्रेण सा० श्रीमल्लेन श्रीअभिनन्दनबिंबं पितरनिमित्तं का० प्र० तपा० भ० श्रीपूर्णचन्द्रसूरिपट्टे श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

(५४२) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१५ वर्षे आषाढ व० ६ ऊकेशज्ञातीय वहुरागोत्रे सा० डूंगर भार्यया लखमश्रिपुण्यार्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० तपा० भ० श्रीपूर्णचन्द्रसूरिपट्टे श्रीहेमहंससूरिभिः ।

(५४३) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१५ आषाढ सुदि १ उपकेशवंशे पाटदडगोत्रे सा० गेला भा० अणपू⋯⋯पु० सा० संतोक भा० खेतलदे पु० कर्णादिपरिवारयुतेन श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० श्रीखरतर० श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

(५४४) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१५ वर्षे आषाढ सुदि ५ बुध उपकेशज्ञा० डेडाणगोत्रे सांढाशाखायां सा० महिराज भा० हीरादे पु० माल्हा भा० लाखू तयोः स्वश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं ब्रह्माणगच्छे श्रीउदयप्रभसूरिभिः । छ ॥

---

५३९ मेड़तासिटी महावीर मन्दिर
५४० कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर
५४१ सांगानेर महावीर मन्दिर
५४२ सांगानेर महावीर मन्दिर
५४३ नागोर बड़ा मन्दिर
५४४ जूनीआ

(५४५) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१५ वर्षे कार्तिक वदि १४ शुक्रे श्रीभावडारगच्छे श्रीश्रीमाल ज्ञा० व्य० राणा भा० रांभलदे पु० । वेलां भा० फत्तू पु० आल्हा सहितेन पित्रोः श्रे यसे भ्रातृ धीरा लीना श्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारि० प्रति० भ० श्रीजिनदेवसूरिभिः ॥

(५४६) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१५ वर्षे मार्ग सुदि ५ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० पुदा भा० झमकलदे सुत सेना भा० पूरि सुत भीमा नाम्ना भार्या द्वयी सहितया भर्तृ श्रेयोर्थं आत्मश्रे यसे श्रीपद्मप्रभबिंबं का० प्रति० ब्रह्माणगच्छे श्रीमुनिचन्द्रसूरिभिः लहीगा पडीवा (?)

(५४७) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१५ माघ वदि ६ बुधे श्रीश्रीवंशे श्रे० राउल भा० रूपिणि पुत्र मेलाकेन भा० मेलादे भ्रातृ देपा सहितेन श्रीअञ्चलगच्छे श्रीजयकेसरसूरि उपदेशेन पितुः पुण्यार्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन श्रीमेवतुः

(५४८) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१५ वर्षे फागुण वदि ४ शुक्रवारे ओशवालज्ञातीय वच्छशागोत्रे सा० धीना भा० फाई पु० देपा पद्मा मना वाला हरपाल धर्मसी आत्मपुण्यार्थं श्रीधर्म्मनाथबिं० का० प्र० श्रीमलधारगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(५४९) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१५ वर्षे फाल्गुन वदि १२ बुधे श्रीओशवंशे डुंबडगोत्रे सा० घोघु भा० पजेत्तमाल्ह पुत्र भुणा नापा अर्जुनादिभिः भुणा भार्या जयतु पु० गोइंद युतैः स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं बृहद्गच्छे श्रीहेमचन्द्रसूरिपट्टे श्रीज्ञानचन्द्रसूरिभिः ॥ श्रीः

(५५०) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१५ वर्षे फा० सु० २ सोमे वीसनगरवास्तव्य प्राग्वाटज्ञातीय मंत्रि नगराज भा० गांगी सु० खीमाकेन भा० जंगी भ्रातृ राजपाल प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीश्रीश्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

---

५४५ मुंडावा पार्श्वनाथ मन्दिर
५४६ रतलाम मोतीसा का मन्दिर
५४७ कोटा माणिक्यसागरजी का मन्दिर
५४८ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर
५४९ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
५५० मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(५५१) अनन्तनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५१६ वर्षे चैत्र वदि ५ गुरौ। श्रीकाष्ठासंघे। वागडगच्छे। नंदी० भ० श्रीधर्मसेन प्रतिष्ठितं। वाचणलीया गिरिलवगोत्रे सा० पाल्हा भा० देऊ सुत सा० भांभण भार्या श्रंधकूराणी। सा० भांभणकेन आत्मश्रेयोर्थं श्री-अनंतनाथबिंबं करापितं ॥ १

(५५२) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५१६ वर्षे वैशाख वदि ११ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय पितृ सं० रामा मातृ शाणी श्रेयोर्थं सुत सांगाकेन श्रीश्रीअभिनन्दननाथबिंबं कारितं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीसाधुरत्नसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं विधिना श्रीसंघेन। गोदूया वास्तव्य ॥

(५५३) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५१६ वर्षे वैशाख सुदि २ बुधे श्रीश्रीमाल श्रे० जइता भा० लाछू तयोः पुत्र यादवनिमित्तं लाछू आत्मश्रेयोर्थं श्रीशान्तिनाथबिंबं का० पिप्पलग० भ० श्रीविजयदेवसूरिमु० प्र० श्रीशालिभद्रसूरिभिः ॥

(५५४) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५१६ वर्षे वै० शु० ३ पूनानावासी प्राग्वाट् श्रे० धूअड भा० विलहु पु० भरमाकेन भा० शदु पु० चाहड धुरा प्रमुखकटुम्बयुतेन श्रीपद्मप्रभबिंबं कारितं प्र० तपा श्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः॥

(५५५) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५१६ वैशाख सुदि ५ जालोरा वहुरा व्य० के० कुसला पु० नपा भा० नायकदे पु० जिणदत्तेन भा० पद्मादे पु० चाचा चरडा रांमा डामर सहितेन स्वश्रेयसे श्रीपद्मप्रभबिं० का० प्र० चैत्रगच्छे श्रीगुणाकर-सूरिभिः ॥

(५५६) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थी:

॥ संवत् १५१६ वर्षे वैशाख सुदि १३ रवौ ऊसवालज्ञातौ पाल्हाउत-गोत्रे सा० देल्हा पुत्र सा० खीमराज भा० डाही पुण्यार्थं श्रीचन्द्रप्रभनाथबिंबं कारितं। प्रतिष्ठितं श्रीमलध(धा)रगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥ प्रतिष्ठितं ॥ श्री ॥ श्री ॥ श्री ॥

---

५५१ जयपुर पंचायती मन्दिर
५५२ अजमेर संभवनाथ मन्दिर
५५३ जयपुर पंचायती मन्दिर
५५४ किशनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर
५५५ सांगानेर महावीर मन्दिर
५५६ सांगानेर महावीर मन्दिर

(४५७) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ संवत् १५१६ वर्षे ज्ये० शु० ५ प्रा० ज्ञा० सा० धुंवा भा० देऊ पुत्र सा० नामसी भा० तारू पुत्र सा० राजाकेन भा० पूरी पुत्री रमाई भ० (?) धमकू प्र० कुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिबिंबं का० प्र० तपागच्छेश-श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य श्रीरत्नशेखरसूरिभिः । श्रीअवंतीस्थाने ॥

(४५८) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थी:

सं० १५१६ वर्षे ज्ये० शुदि ६ दिने प्रा० ज्ञातीय सा० साल्हा भा० लापा पुत्र सा० आल्हाकेन भा० कीकी सपराई प्रमुखकुटुम्बयुतेन स्व-श्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य-श्रीरत्न-शेखरसूरिभिः ॥

(४५९) सुमतिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १५१६ वर्षे आषाढ सु० ३ रवौ गिरिपुरवास्तव्य हुंबडज्ञाती० फोट पूना भा० साखी सुतयां सा० गोपा सा० मोजा भगिन्या पोमी सु० धृति ठ० धर्मा भार्यया मानूं नाम्न्या सुत सोमा तथा ठ० रामा भा० शिवा श्रद्धा देयसी जावड वेगडादियुतया स्वसुत देवा श्रेयोर्थं श्रीसुमति-नाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

(४६०) पद्मावती-पार्श्वनाथ:

सं० १५१६ आषाढ सुदि ५ श्रे घिगोत्रे नींवा भार्या रूपी पु० ताल्हा तेजा नेजा खीदा घहुरा पद्मावती प्रणमंति ।

(४६१) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ संवत् १५१६ कार्तिक व० २ रवौ श्रीश्रीवंशे लघुसन्ताने मं० माला भा० महिगलदे पुत्र मं० सामा भार्या रत्नादे पुत्र वाछाकेन भार्या अमरी पुत्र सीधर हांसा कीका-सहितेन श्रीअंचलगच्छगुरु श्रीश्रीजयकेसरिसू-रीणां उपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥श्रीः॥

(४६२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थी:

संव० १५१७ वर्षे चैत्र सु० १३ गु० प्राग्वाट ज्ञा० सा० लखमण भा० साधू पुत्र साह गोवलेन भा० राजू युतेन स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० तपागच्छेश श्रीमुनिसुन्दरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

---

४५७ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर
४५८ दाहोद पार्श्वनाथ मन्दिर
४५९ जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर. घाट
४६० अजमेर संभवनाथ मन्दिर
४६१ सेमलिया शान्तिनाथ मन्दिर
४६२ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

(५६३) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१७ वर्षे चैत्र शु० १३ गुरु प्राग्वाट सा० गोगन भा० संद्रू पुत्र सा० जताकेन भा० शाणी भ्रातृ जग्गा भा० हील प्र० कुटुम्बयुतेन स्वश्रे यसे श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे भ० श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

(५६४) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१७ वर्षे चै० शु० १३ गुरुवा० श्रीमालवंशे नडवीया गोत्रे सा० घोघर भा० कीता सुत वाल्हा-पाल्हाभ्यां ना० मडगू हांसु-पूताभ्यां सश्रेयोर्थं श्रीअजितबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपा श्रीरत्नशेखरसूरिभिः इवाग्रसी······।

(५६५) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१७ वर्षे चैत्र सु० १२ गु० प्राग्वाटज्ञा० सं० चूडा भा० चाहणदे पुत्र सं० उगमेन भा० साऊ पु० काला भा० चांपा भा० भला प्र० कुटुम्बयुतेन श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० तपा० श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ।

(५६६) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१७ वर्षे वैशाख सु० ३ बुधे श्रीउएसवंशे व्य० देपा भा० देल्हणदे पु० व्य० ऊदिरश्रावकेण भा० ऊमादे पु० देवा हापराजेन भ्रातृ सा० महिरा सहितेन मि···ई देवलदे पुण्यार्थं श्रीअंचलगच्छेश-श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ।

(५६७) श्रेयांसनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १५१७ वर्षे ज्येष्ठ शु० ६ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० मं० गोइंद भा० घरघति पुत्र थिरपाल सुश्रावकेण भ्रातृ देवा भा० रूपिणि पुत्र सहिसा चउथा केसव पौत्र रत्ना सहितेन श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेशरिसूरीणामुपदेशेन श्रा० सहजलदे श्रेयोर्थं श्रीश्रेयांसनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीसंघेन ॥ श्रीः ॥

---

५६३ नागोर बड़ा मन्दिर

५६४ सांगानेर महावीर मन्दिर

५६५ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

५६६ सांगानेर महावीर मन्दिर

५६७ सांगानेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

(५६८) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१७ वर्षे आ० व० ७ दिने सोमे सा० धरणा भा० मूली सुत सा० मंदिरवदेस (?) भा० समीरदे परि० देवादिकदेवयुतेन......श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥ श्रीरत्नशेखरसूरि......श्रीधर्मसागरसूरिभिः

(५६९) धर्मनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ ॐ ॥ संवत् १५१७ वर्षे मार्ग सुदि २ शनौ । मूलनक्षत्रे । लोढा गोत्रे सा० गोगा । गोरान्वये । सा । आसपालसन्ताने । सा० लाखा पुत्र सा । सोनपाल । तत्पुत्रेण । सा० डीडाकेन । निजपितामही लखसिरि पुण्यार्थं श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं । प्रतिष्ठितं । तपागच्छे । श्रीहेमहंससूरिपट्टे । श्रीहेमसमुद्रसूरिभिः

(५७०) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत १५१७ वर्षे माघ वदि ५ दिने उपकेशज्ञातौ दूगडगो० सा० सुहडा भा० गुणपालही पु० नगराज भा० नावलदे पु० नानिग मूला सोढल वीरदे हमीरदे सहितेन श्रीश्रेयांसबिंबंका० श्रीरुद्रपल्लीयगच्छे श्रीदेवसुन्दरसूरिपट्टे प्र० श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥

(५७१) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१७ वर्षे माघ वदि ६ गुरौ । उपकेशज्ञा० तातहड़गोत्रे सा० समदा भा० कालाही पुत्र सा० गऊरा सा० पद्मा सहितेन श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारापितं आत्मश्रेयोर्थं उप० ग० कुक० प्रतिष्ठितं श्रीककसूरिभिः॥

(५७२) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१७ वर्षे माघ सु० ५ शुक्रे प्राग्वाटज्ञा० श्रे० डउठा भा० हरखू सुत श्रे० नागा भा० आजी सुत श्रे० जिनदासेन स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं आगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरिगुरूपदेशेन कारितं प्रतिष्ठापितं च ॥

---

५६८ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर
५६९ किशनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर
५७० नागोर बड़ा मन्दिर
५७१ जयपुर पंचायती मन्दिर
५७२ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

(५८४) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१८ वर्षे माघ शु० ५ बुधे ऊ० ज्ञा० सा० चांपा भा० चांपलदे सु० सा० सालिग भा० जाऊ सु० ऊधादि कुटुम्बयुतेन श्रेयसे श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छेश श्रीश्रीश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः शांबलीयानगरे।

(५८५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५१८ वर्षे। माघ सुदि १० उकेशवंशे थूलगोत्रे सा० गूजरेण भा० गउरदे पुत्र वेदा अजाण दूला कुशलादिपरिवारसहितेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(५८६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१८ वर्षे माघ सुदि दशम्यां बुधे श्रीमालज्ञातीय सं० रूपा भार्या ढाली आत्मश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरि पदे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः श्रीमण्डपे ठाकुरगोत्रे ॥

(५८७) पद्मप्रभ-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १५१८ वर्षे फाल्गुण शुदि ५ गुरौ। श्रीमूलसंघे। आचार्यश्रीदेवेन्द्रकीर्ति-शिष्य-श्रीविद्यानन्दिदेव-तच्छिष्य ब्रह्मचारी-पद्माकर कारापितं हूंबडवंशे श्रेष्ठि कुंपा भार्या मेघी। तयोः पुत्र सांगा भार्या लहरू तयोः पुत्र अदा भार्या माणिकदे पुत्र संघराजा अदा भ्रातृ चंदा भार्या खेतादे श्रीपद्मप्रभचतुर्विंशति का०

(५८८) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१८ वर्षे फा० व० ६ गु० उकेशज्ञातीय सा० धांधा भा० धांधलदे पु० नाल्हाकेन भा० पउमादे पु० लूणादि कुटुम्बयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० श्रीधनेश्वरसूरिभिः ॥ नागगोत्रे। श्री ॥

(५८९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१९ वर्षे चै० व० ११ टींबानीवासी प्राग्वाटज्ञा० सा० केशव भा० भोली सुत सा० लाडणेन भा० मरगादि सुत जसनोर प्रमुखकुटुम्बयुतेन निजश्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छाधिराज श्रीश्रीश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः। श्रीः

---

५८४ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर
५८५ नागोर बड़ा मन्दिर
५८६ रायपुर चन्द्रप्रभ मन्दिर
५८७ बहियल पार्श्वनाथ मन्दिर
५८८ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर
५८९ नागोर बड़ा मन्दिर

(५६०) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१६ वर्षे वैशाख शुदि ३ शनौ ऊ० खटवडगोत्रे सा० कान्ह भा० नायी पु० गुजर मा० चांदियुतेन आत्मश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारापितं। प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीमहीतिलकसूरिणा।

(५६१) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५१६ वर्षे ज्येष्ठ वदि ६ शनौ प्रा० सा० पूना भार्या फदू पुत्र सा० वीरा भा० पूरी सा० वीरा पूरी पुत्र सा० डुंगरेण भा० जासू सुत सा० राणा पर्वत मेरा मण्डन वीरी पुत्र सा० खेता भा० वीजू प्रभृतिकुटुम्ब-युतेन श्रीसुविधिबिंबयुतश्चतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्री-लक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(५६२) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१६ वर्षे ज्येष्ठ वदि ६ शनौ प्रा० सा० सामन्त भा० सहजलदे पुत्र सा० ठाकुरसी भार्या खेतू नाम्न्या सा० समधर वेला भोजा कुंभल युत-या स्वपतिश्रेयोर्थं श्रीमुनिसुर(व्रत)बिंबं का० प्र० तपा० श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(५६३) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१६ वर्षे ज्येष्ठ वदि ११ शुक्रे उपकेशज्ञातीय चोरवेडियागोत्रे ऊएसगच्छे सा० सोमा भा० धन्नाई सु० साधु भार्या सुहागदे पुत्र इसर सहितेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं। श्रीककसूरिभिः ॥ सीणोर वास्तव्य ॥

(५६४) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५१६ वर्षे ज्येष्ठ वदि ११ शुक्रे उ० ज्ञा० भावगो० गोठी वीसल पु० हीरू पु० माला भा० सारू भ्रातृ हापाकेन भा० धारू सहितेन स्वपु-ण्यार्थं श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० वृहद्गच्छे। जीरापल्लीयाचार्य। प०। श्री-उदयचन्द्रसूरि।

---

५६० कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर
५६१ मंदसौर नयापुरा आदिनाथ मन्दिर
५६२ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर
५६३ अजमेर संभवनाथ मन्दिर
५६४ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

(५९५) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थी:

संवत् १५१९ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ६ शुक्रे श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीय व्यव० पूना भार्या देऊ सुत डाहाकेन भार्या लाखू सुत नरसिंह सींहा सहितेन मातृपितृश्रे० श्रीधर्मनाथबिंबं कारापितं। प्र० श्रीविमलसूरिभिः॥ तिलवडीग्रामवास्तव्यः॥

(५९६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५१९ आषाढ व० १ मंत्रिदलीय। श्रीकाणागोत्रे ठ० लाधू भा० धर्म्मिणि पु० सं० अचलदासेन पु० उग्रसेन लक्ष्मीसेन सूर्यसेन बुद्धिसेन देपालादियुतेन श्रीशान्तिबिंबं का. प्रति. श्रीजिनसुन्दरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः॥

(५९७) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५१९ व० आषाढ वदि १ मंत्रिदलीय श्रीकाणागोत्रे ठ० लाधू भा० धर्म्मिणि पु० सं० अचलदासेन पु० उग्रसेन लक्ष्मीसेन सूर्यसेन देवपाल वीरसेन पहिराजादियुतेन श्रीशान्तिबिंबं का० प्रति० श्रीख० श्रीजिनसुन्दरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः॥

(५९८) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थी:

। सं० १५१९ वर्षे आषाढ वदि ९ प्राग्वाट सा० चउहत्थ भा० सारू पुत्र सा० जसाकेन भा० तोली पुत्र खीमादिकुटुम्बयुतेन श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० तपा श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः॥ थीथिला

(५९९) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५१९ वर्षे मार्ग० शुदि ५ शुक्रे ऊकेश सा० हांसाकेन भा० हांसलदे। पु० भोजा भार्या भरमादे लघुभ्रातृ जावड कुटुम्बसहितेन श्रीअभिनन्दनबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः॥ शुभंभवतु ज्ञेयं॥

(६००) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५१९ वष माघ सुदि ४ रवौ उप० ज्ञातीय सा० राणा भा० लाछलदे पु० लोला भा० तेजू मेघा मना सहितेन। पितृश्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंडेरगच्छे श्रीईसरसूरिपट्टे श्रीशान्तिसूरिभिः।

---

५९५ अजबगढ़ बड़ा मन्दिर
५९६ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर
५९७ चोथ का बरवाड़ा महावीर मन्दिर
५९८ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर
५९९ जयपुर पंचायती मन्दिर
६०० जनीआ

(६०१) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत १५१६ वर्षे माघ सुदि ५ सोमे श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमाल-ज्ञातीय श्रेष्ठि देपा भार्या हरखू सुत चांपाकेन भार्या जइती सुत करणा कुम्भा युतेन पित्रोः श्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबुद्धिसागर-सूरिपट्टे श्रीविमलसूरिभिः ॥ सू द्रीयाणा वास्तव्य ।

(६०२) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५१६ ....गोत्रे सा० नाथा भार्या नाथ तदे सु० ......युतेन श्रेयोर्थं श्रीशान्तिनाथबिं० पूर्णिमा० चैत्रसूरिभिः ॥

(६०३) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२० वर्षे वैशाख सुदि ३ सोमे उप० ज्ञा० सा० आना पूरी पु० देपाकेन भा० देवलदे पु० वच्छा हर्षा नयणायुतेन श्रीशीतलनाथ-बिं० । का० । प्र० मडाहड० भ० । श्रीनयचन्द्रसूरिभिः ॥

(६०४) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२० वर्षे वैशाख सुदि ५ बुधे उपकेश० आदित्यनागगोत्रे सा० साधू पु० सं० श्रीवंत सं० सोनपाल सं० मिखाकैः भार्या-पुत्र-सहितैः पित्रोः श्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंबं का० उपकेशगच्छे ककुदाचार्यसन्ताने प्र० श्रीककसूरिभिः ॥

(६०५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२० वर्षे मार्ग व० ५ गुरौ प्राग्वाट व्य० वरसिंग भा० रतनू पु० सा० छाछा भा० सावी नाम्न्या । पुत्र सदापाल सहसा भा० आर्णदि कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीआदिबिंबं का० प्र० तपा० श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागर-सूरिभिः ॥ श्री

(६०६) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२० वर्षे मार्ग सुदि ११ सोमे प्राग्वाटज्ञातीय व्य० देवसी भार्या देल्हणदे पुत्र वपाकेन भार्या चांपू पुत्र लखमण रिड़ियुतेन स्वश्रेयसे-नमिबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरि०

६०१ नागोर बड़ा मन्दिर
६०२ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर
६०३ नागोर बड़ा मन्दिर
६०४ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर
६०५ जूनीया
६०६ सिरोही अजितनाथ मन्दिर

(६१७) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ संवत् १५२१ वर्षे आषाढ सुदि ३ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० नाथू भा० पार्वती पुत्र मं० वर्धमानेन भा० वानू पु० आसा मं० रूडा मं० आसा पु० धना मं० रूडा पु० शुभकर-मुख्यकुटुम्बसहितेन श्रीअंचल-गच्छे श्रीजयकेशरिसूरीणामुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं। प्रतिष्ठितं श्रीर्भवतु।

(६१८) नमिनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५२१ माघ सुदि १३ गुरौ प्रा० ज्ञातीय व्यव० नींबा पुत्र खीमा भार्या दूली पुत्र मोथा हेमा पाल्हा-सहितेन श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(६१९) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थी:

संवत् १५२२ वैशाख व० ३ सोमे ऊकेशज्ञातीय सा० धांधा भा० धांदलदे पुत्र सा० नरसिंह .... कुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीश्रेयांस-बिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

(६२०) नमिनाथ-पञ्चतीर्थी:

संवत् १५२२ माघ सु० १३ प्राग्वाटान्व० साजणसी भा० सुलेसरी पु० व्य० चांपा भा० जइती पु० व्य० गुणिआकेन भा० चांपू प्र० कुटुम्ब-युतेन स्वश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ अहम्मदावादतः ॥

(६२१) विमलनाथ-पञ्चतीर्थी:

संवत् १५२२ वष फा० वदि ५ बुध ऊकेशवंशे पाल्हाउत्रगोत्रे सा० जाटा भार्या तेजी पुत्र सा० वीराकेन भार्या सकतादे प्र० कुटुम्बयुतेन श्रीवि-मलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं। श्रीतपागच्छनायक-श्रीश्रीश्रीलक्ष्मीसागर-सूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(६२२) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ संव० १५२२ वर्षे फागुण वदि ११ उसवाल कठवलियागोत्रे सोढा भा० धात्री पु० सा० नाथा दूदा वैजराजाभ्यां आत्मश्रे० श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीधर्मसुन्दरसूरिप० प्र० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

---

६१७ मंदसौर नयापुरा आदिनाथ-मन्दिर

६१८ नागोर बड़ा मन्दिर

६१९ भिनाय महावीर मन्दिर

६२० डग ऋषभदेव मन्दिर

६२१ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर

६२२ सांगानेर महावीर मन्दिर

(६२३) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२२ वर्षे फा० सु० ३ सोमे नागपुरवास्तव्य ऊकेश सा० जगत भार्या सरसती पुत्र हंसाकेन भार्या लखी पुत्र परवत पहिराज हांसल नानिग छाजू प्रमुखकुटुम्बयुतेन निजश्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० मलधारीगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(६२४) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२२ वर्षे फा० सु० ८ चं० कहुरवासी गुर्जरज्ञातीय सा० जेसिंघ भा० हचू सुत सा० आसा भार्यया मं० अर्जुन भा० करणू पुत्र्या श्रा० मंजूनाम्न्या निजश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रति० तपागच्छ-नायक-श्रीलक्ष्मीसागरसूरिपुरन्दरैः ॥

(६२५) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२२ वर्षे .... श्रीकाष्ठासंघे स० गच्छे भट्टारक श्रीसोमकीर्त्तिभिः प्रतिष्ठितं नरसिंह दानीपतेगोत्रेण पानाराम पुत्र जग-मालकेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारापितं ॥

(६२६) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२३ वर्षे वैशाख वदि १ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० संघवी ठाकुरसी भा० तेजू सु० वाला भा० अमरी नाम्न्या स्वपुण्यार्थं जीवितस्वाम-श्रीवासु-पूज्यबिंबं कारितं पूर्णिमापक्षे घटपट्टीय-भट्टारक-श्रीसाधुरतनसूरिपट्टे श्री-साधुसुन्दरसूरीणामुपदेशेन प्रति० रेवडीवास्तव्य ॥

(६२७) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२३ वर्षे वैशाख शुदि ४ बुधे जालहराज्ञा० मं० घूणा भा० देऊ सुत पितृ पांचा मातृ तेजू श्रेयसे सुत गोयंकेन श्रीनमिनाथबिंबं कारितं पूनिमगच्छे श्रीसाधुसुन्दरसूरि उपदेशेन प्रतिष्ठितं ।

(६२८) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२३ वर्षे वैशाख सुदि १३ दिने मंत्रिदलीय सु दलेहगोत्रे सा० रतनसी भार्या वाऊँ पुत्र सा० देवराजेन भार्या रामति पुत्र सा० मेघ-राजयुतेन स्वपुण्यार्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीखरतरगच्छे श्री-जिनहर्षसूरिभिः ॥

---

६२३ जयपुर पंचायती मन्दिर
६२४ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर
६२५ जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर, घाट
६२६ सांगानेर महावीर मन्दिर
६२७ जयपुर पंचायती मन्दिर
६२८ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

(६२९) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२३ वर्षे आसाढ सुदि ६ रवौ मुथा सं० जादा भा० यसमादे पु० पुरसा भा० ऊधर ········ पु० करण पितृश्रेयसे श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्रति० श्रीधर्मघोषगच्छे भ० श्रीपद्माणंदसूरिपट्टे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ··········।

(६३०) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२३ वर्षे मार्गशिर व० २ शुक्रे उसवालज्ञातीय खटवडगोत्रे। श्रे० इसर भार्या रूअड। तत्पुत्र सा० सेयाकेन भार्या माणिकदे सहितेन। निजमातृ-पितृनिमित्तं। स्वश्रेयोर्थं च। श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं। प्रतिष्ठितं। श्रीमलधारिगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः॥ श्रीरस्तु॥ खीमसरा॥

(६३१) वासुपूज्यः

॥ सं० १५२३ वर्षे माघ वदि ३ शुक्रे उपके० प्र० कोचरगोत्रे सं० कर्मा भा० कमलादे पुत्र सं० माधव भा० मुक्तादेव्या० पु० गुणराज पुनसिंहादियुतेन निजपुण्यार्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीजीवदेवसूरिभिः॥

(६३२) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२३ वर्षे मा० शु० ३ उडथल वास्तव्य प्रा० व्य० मेला भार्या निमिणी पु० व्य० डूंगरेण भा० भाभू सुत देवा प्र० कु० युतेन श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० तपा श्रीसोमसुन्दरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः॥

(६३३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२३ वर्षे माघ सुदि ६ उके० व्य० लखमण भा० मचू पुत्री सोजी-नाम्न्या स्वमातृश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० तपा श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः॥

(६३४) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२३ मा० सु० ६ प्रा० व्य० हरीआ भार्या राणी पुत्र वेलाकेन भार्या पालदे कुटुम्बयुतेन श्रीशं(सं)भवबिंबं का० प्र० तपा श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः॥

---

६२९ भिनाय केसरियानाथ मन्दिर
६३० जयपुर पुंगलियों का मन्दिर, स्टेशन पर
६३१ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर
६३२ जयपुर पंचायती मन्दिर
६३३ जयपुर विजयगच्छ मन्दिर
६३४ सैंलाना मुनिसुव्रत मन्दिर

(६३५) शान्तिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १५२३ वर्षे माघ शु० १३ दिने मांडवदुर्गवासि प्राग्वाटज्ञा० सांटा भा० सेरू पु० सं० गांगा भा० गंगादे सुत सं०·········भा० हांसी भ्रा० सं० हीरा भा० लखमाई नाम्न्या निजश्रेयसे श्रीशान्तिनाथमूलनायकालंकृतश्रीचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः।

(६३६) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२३ वर्षे फागुण सुदि ५ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय सं० राजा भार्या राजू सुत कालू भार्या रतु सुत श्रे० नरपति श्रे० पदाकेन भार्या धर्मिणी सुत धन्ना तेजा खीमा सहितेन श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन शंमु श्रेयोर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं।

(६३७) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२४ वर्षे चैत्र सु० ५ शनौ श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० राजा भा० भोली काजा भा० कमांदे सुत वंगआकेन भा० धाऊ सुवादि कुटुम्बयुतेन पितृ-मातृश्रेयोर्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवीरसूरिभिः॥ चतुरिवास्तव्य॥ शुभंभवतु॥

(६३८) कुन्थुनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १५२४ वर्षे चै० शु० १२ ऊ० ज्ञा० सं० मेघा भा० तोल्ही पुत्र सं० गोपाकेन भार्या हेमाई पुत्र समधर अदीतादियुतेन श्रेयोर्थं श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं। अंचलगच्छे श्रीजयकेसरसूरिभिः।

(६३९) संभवनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १५२४ वर्षे वैशाख सुदि २ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय। दो। आंबड। साल्ह। षाच। (?) रानड। धनपाल। सु० दो। धाधा भार्या चंद्र सुत दोसी धदा भार्या वीकू सुत। जीवाई। हर्षाई एतैः स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितश्च आगमगच्छे श्रीअमररत्नसूरिभिः॥ श्रीः॥

---

६३५ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर
६३६ जयपुर पंचायती मन्दिर
६३७ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर
६३८ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर
६३९ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(६४०) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५२४ वर्षे वैशाख सुदि ३ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० मंत्रि माईआ भा० माणिकदे सुत सहसा समधा माला मूला गेला एतैः(:) पितृ न(नि)मित्तं रत्नमयं श्रीकुन्थुनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं पिप्पलगच्छे त्रिभवीआ श्रीश्रीधर्मसागरसूरिभिः वोटीलावास्तव्यः ।

(६४१) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ संवत् १५२४ वर्षे वैशाख सुदि ३ सोमे दिने प्राग्वंशे सा० आका भार्या ललतादे तयोः पुत्र धारा भार्या वीजलदे श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेशरिसूरीणामुपदेशेन निजश्रे० श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः जयतले कोट-वास्तव्यः ॥

(६४२) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५२४ वर्षे वैशाख सुदि ५ बुधे उ० सा० माल्ह भा० छाहणि पु० सोढा भा० गांगी पु० साता पाता सहितेन आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे भ० श्रीगुणाकरसूरिभिः ।

(६४३) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२४ वै० शु० १० प्राग्वाटज्ञाति० सं० नापा भार्या भीमिणि सुतया जनु नाम्न्या सुत आंउ सहसादिकुटुम्बयुतया श्रीनमिनाथबिंबं सुमातृश्रेयसे का० प्र० तपा श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ मंडपदुर्गनगरे ।

(६४४) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२४ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ५ उ० सा० लाखा भा० लखमादे सा० गुणराज धर्मपुत्री श्रा० धामा-नाम्न्या श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्र० तपागच्छनायक-श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ सा० गुणराज सुत सा० कालू सुत सा० सदराज ॥

(६४५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२४ ज्येष्ठ शुदि १३ शुक्रे । श्रीकोरंटगच्छे । श्रीनायडज्ञा० श्रेष्ठि जोगी भार्या फदू पुत्रेण श्रेष्ठि सीधर नाम्ना निजमातृपित्रोः पुण्यार्थं स्वश्रेयसे च श्रीआदिनाथबिं० का० प्र० श्रीककसूरिपट्टे श्रीसावदेवसूरिभिः॥ श्रे० सीधर भा० लाछी नित्यं प्रणमति ।

---

६४० रतलाम लालचंदजी का मन्दिर
६४१ नागोर बड़ा मन्दिर
६४२ भैंसरोड़गढ़ ऋषभदेव मन्दिर
६४३ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर
६४४ जयपुर नया मन्दिर
६४५ जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर, वाट

(६४६) नमिनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५२४ आषाढ सु० १० शुक्रे ऊकेशज्ञा० .... भा० संपूरी पु० जेसाकेन भा० धर्मिणी पु० माइआ पौत्र ईसर वीरपालादिकुटुम्बयुतेन पुत्र माइआ श्रेयसे श्रीनमिबिंबं का० प्र० तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ श्री ॥

(६४७) अजितनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५२४ वर्षे मार्गशिर वदि ३ दिने उपके० रांकगो० सं० सारंग पु० गदु भा० अमरी पु० हेमाकेन पितृपुण्यार्थे श्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं का० प्रति० उपकेशग० कुकदाचार्यसन्ताने प्रतिष्ठितं श्रीकक्कसूरिभिः ॥

(६४८) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थी:

॥ संवत् १५२४ वर्षे मागसिर वदि ४ रवौ उपकेशज्ञातौ सुचितिगोत्रे पट भंडारी राजा पु० सा० भोजा भा० भोजलदे पु० थीदा गोदा केदादिभिः स्वश्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीकृष्णर्षिगच्छे श्रीमलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(६४९) नमिनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५२४ वर्षे मार्ग० व० ५ उ० ज्ञा० व्य० धीरा भा० फतू पुत्र सा० करणाकेन भा० फत्तू भा० कोंकट भा० भाऊ प्र० कुटुम्बयुतेन श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥ श्रीसिरोही नगरे ॥

(६५०) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५२४ वर्षे मार्गशीर्ष सुदि १० शुक्रे उपकेशज्ञातौ । आदित्यनागगोत्रे । सा० मीवर पुत्र समारचन्द्र भा० नयणी पु० श्रीवंत-शिवदत्ताभ्यां मातृपुण्यार्थं श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीउपकेशगच्छे । ककुदाचार्यसन्ताने । श्रीकक्कसूरिभिः नागपुरे ॥ श्रीः ॥

(६५१) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थी:

संवत् १५२४ वर्षे फाग० सु० ८ दिने श्रीमालज्ञातीय । ठाकुरगोत्रे सा० जयता पु० सा० मांडण सुश्रावकेण पु० कान्हणादि सहि० श्रीश्रेयांसबिं० ११ कारितं प्रति० श्रीखरतरगच्छे । श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः मंडपदुर्गे ।

६४६ अजमेर संभवनाथ मन्दिर
६४७ भाडसू शान्तिनाथ मन्दिर
६४८ रानपुरा शान्तिनाथ मन्दिर
६४९ सिरोही अजितनाथ मन्दिर
६५० नागोर बड़ा मन्दिर
६५१ सिरोही भैरपोल जैन मन्दिर

(६५२) सुविधिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १५२५ वर्षे चैत्र वदि ६ सनि । प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० सोमा भार्य्या सहली सत्त शिवा भारज्या सोभागिणि । सत्त पद्मा भार्य्या पहती । श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं सुन्दगुर उपदेशेन प्रतिष्ठितं वंदणकगच्छे ।

(६५३) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संयत् १५२५ चै० ५ सो० श्रीभ० मलयकीर्तिदेवाः तदाम्नाः असर तत्पुत्र नाल्हा तत्पुत्र सा० राजू आत्मकर्मक्षय.........

(६५४) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२५ चैत्र वदि १० ओसवंशे भण० साल्हा भा० संसारदे सुत वस्ताही अमरादिभिः आत्मश्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभसा(स्वा)मिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं बृहत्खरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ।

(६५५) सुपार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२५ चैत्र व० १० गुरौ उसवंशे मांडलेचा बुहरा रूदा भा० मेहिणि सुत ताला भा० हांसू सुत माऊ दास भार्या वीरु रामा समरु । पु० श्रीसुपासबिंबं का० वडगच्छे प्र० कमलप्रभसूरि० ।

(६५६) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२५ वर्षे वैशाख वदि १ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय सं० पचा भा० राजू सुत सं० सहदेव भा० गुरी स्वभर्तृश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपूर्णिमापक्षीय श्रीसाधुरत्नसूरिपट्टे श्रीसाधुसुन्दरसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं विधिना मांडलिवा०

(६५७) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२५ वैशाख सुदि ६ प्राग्वाटज्ञातीय व्यव० सादूल भा० सिंगारदे पु० राणा भा० लूणी पु० ऊमा भा० सीतादे सहितेन श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० पूर्णिमादि० शाखायां श्रीकच्छोलीवालगच्छे श्रीविजयप्रभसूरिभिः ।

---

६५२ अजमेर गौडी पार्श्वनाथ मन्दिर
६५३ वरखेड़ा आदिनाथ मन्दिर
६५४ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर
६५५ पनवाड़ महावीर मन्दिर
६५६ जयपुर पंचायती मन्दिर
६५७ रामपुरा शान्तिनाथ मन्दिर

(६५८) शान्तिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १५२५ वर्षे वैशाख शुदि ६ दिने प्रा० व्य० सदा भार्या याहू सुत लखमाकेन भार्या मऊ भगिनी मापू प्रमुखकुटुम्बयुतेन निज-श्रेयोर्थं श्रीशान्तिनाथमूलबिंबश्चतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीलक्ष्मीसागर-सूरिभिः ॥ मरिजाग्रामे ॥

(६५९) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२५ वर्षे ज्येष्ठ वदि १ गुरौ उकेशज्ञातीय लावहीगोत्रे साह लूणा भा० लूणादे पुत्री बाई कपूरी आत्मपुण्यार्थं श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीकृष्णर्षिगच्छे तपाशाखायां भट्टारिक श्रीकमलचन्द्र-सूरिभिः ॥ शुभं ॥ श्रीरस्तु ॥

(६६०) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२५ वर्षे ज्येष्ठ वदि १ गुरौ उपकेशज्ञातीय विनायकीया-गोत्रे सा० कउरा भा० कपूरदे पुत्र सा० चाथा फेटा आत्मपुण्यार्थे श्रीधर्म-नाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥ शुभंभवतु ।

(६६१) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२५ वर्षे ज्येष्ठ वदि ३ उ० ज्ञातीय बहुरागोत्रे मं० खेमा भा० खेतलदे पु० वरपा नयणा साजण अमरा आसा सा० मोल्हा का० निमित्तं श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे श्रीसोमकीर्तिसूरिणा ॥

(६६२) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२५ वर्षे ज्येष्ठ वदि ८ शुक्रे श्रीमूलसंघे भ० श्रीभुवनकीर्ति उप० नागद्रहा ज्ञाति । श्रेष्ठि छांडा भा० सोनी भ्रातृ देया भा० सीता सुत धीरा धाधा रत्ना भा० राऊ सु० ।

(६६३) पित्तलमय चतुर्मुखः

सं० १५२५ का० सुदि १० गुरौ द० श्रे० रावव भा० नाऊं······त्म मणि सुत हीरा भ्रणमं० ।

६५८ रतलाम पार्श्वनाथ मन्दिर
६५९ नागोर बड़ा मन्दिर
६६० चंदलाई शान्तिनाथ मन्दिर
६६१ गोविंदगढ़ पार्श्वनाथ मन्दिर
६६२ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर
६६३ सायां पार्श्वनाथ मन्दिर

(६७६) प्रस्तरपट्टिकालेख:

ॐ संवत् १५ आषाढादि २५ वर्षे शाके १३५७ (?) प्रवर्त्तमाने फाल्गुन मासे शुक्लपक्षे नवम्यां तिथौ सोमवासरे श्रीगूर्ज्जर श्रीमालज्ञातीय सेथालगोत्रे श्रीखरतरपक्षीय मंत्रि विजपाल सुत मंत्रि मंडलिक तत्पुत्र मं० रणसिंह तत्पुत्र ४ प्रथमः सा० सायरः द्वितीय सा० खेटाभिधः तृतीयः सा० सामन्तः चतुर्थः सा० चाचिगः । तन्मध्यतः सा० सायर भा० बाई पल्ही तत्पुत्र ४ पुत्री ३ प्रथमः सा० पद्माभिधः द्वितीयः सा० रत्नाख्यः तृतीयः सा० आसाख्यः चतुर्थः सा० पाचाख्यः पंचम-धर्मपुत्रः सा० पूयाभिधानः तद्भगिनी बाई मल्हाई बाई रंगाई बाई लखीई एतन्मध्ये श्रीअर्बुदाचलमहातीर्थे यात्रार्थं समागतेन पूर्व-योगिनीपुरवास्तव्येन पश्चात् साम्प्रतं अहमदाबाद श्रीनगरनिवासिना श्रीक्षत्रपकुलप्रसिद्धेन साह आसाकेन प्रथम भा० माधी द्वितीय भा० हमीरदे तृतीय भा० टबकू पुत्र सा० जीवराम प्रभृतिसमस्तकुटुम्बसहितेन स्वभुजोपार्जितवित्तेन चित्तोल्लासतः श्रीमद्विष्णुदेवप्रासादजीर्णोद्धारः कारितः श्रीमद्देवगुरुप्रसादात् आचन्द्रार्क्कं जीयात् ॥

(६७७) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२५ वर्षे माघ········श्रीश्रीमालज्ञा० पितृ वेलाउला मातृ रत्नादे वि श्रेयोर्थं······वींभलेन श्रीविमलनाथबिंबं का० प्रति०. पिप्पलगच्छे त्रिभवीया श्रीधर्मसागरसूरिभिः ॥ मेवानगर वा०

(६७८) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२५ वर्षे के० शुभदिने प्राग्वाट व्य० आसा भा०······ कलाकेन भा० तेजु पुत्र मेहा भाणा राणादिकुटुम्बयुतेन निजश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे लक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥········॥

(६७९) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२५ वर्षे··············मलारणावासी महरोलगोत्रे सा० श्रीमालज्ञा० सा० जेसल भा० धनवै पु० सा० नगराज भा० विणहा नाम्न्या कुटुम्बयुतया श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० तपा० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

---

६७६ माउन्ट आबू. कुमारी कन्या मंदिर के पास द्वारिकानाथ मन्दिर में प्रवेश करने पर जमणी बाजू के गोखले के थंभे पर
६७७ सांगानेर महावीर मन्दिर
६७८ मुंडावा पार्श्वनाथ मन्दिर
६७९ किसनगढ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(६८०) वासुपूज्य-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १५२६ वर्षे वैशाख वदि ११ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय पितृ मना मातृ माणिकदे श्रेयोर्थं सुत उदसु श्रीसीधर-खेताभ्यां श्रीवासुपूज्यश्च-तुर्विंशतिपट्टः कारितः श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीसाधुरत्नसूरिपट्टे श्रीसाधुसुन्दर-सूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं विधिना श्रीसंघेन केदारवास्तव्य ।

(६८१) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२६ वर्षे ज्येष्ठ वदि ८ बृहस्पतिवारे । श्रोसवालज्ञातीय । श्रीबोरोदीयागोत्रे । सा० घडसी पु० सारंग । भा० राजी पु० साल्हा लख-मण खीमायुतेन स्व० श्रीवास (सु) पूज्यबिं० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीसालि-भद्रसूरिभिः ॥

(६८२) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२६ वर्षे मार्ग पक्षे सुदि ३ शनौ उप० बोहरागोत्रे सा० सूजा भा० लाकू पुत्र टेहा माता नरसिंघ मेहा भा० विपरादे पु० थाहरु सहितेन । परि० श्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० भ० श्रीजयभद्रसूरिभिः ।

(६८३) विमलनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत १५२७ वर्षे वैशाख वदि ६ शुक्रे श्रीमालज्ञातीय पितामह वीरा पितामहि नींणादे सुत पितृ डाहा मातृ जासू श्रेयोर्थं राजा भोजा ठाक-रसी एतैः श्रीविमलनाथमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः कारितः श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीसाधुरत्नसूरिपट्टे श्रीसाधुसुन्दरसूरीणामुपदेशेन प्रति० विधिना श्रीसंघेन आवराणीवास्तव्यः ॥

(६८४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२७ वर्षे ज्येष्ठ वदि ६ दिने प्रा० ज्ञातौ व्यव० महिपा भा० मुक्तादे पु० सोमा भा० सहजलदे पु० महणा हरखा केल्हा सहितेन आत्मश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० पूर्णिमापक्षीय कच्छोलीवालगच्छे श्रीविजयप्रभसूरिभिः ।

---

६८० जूनीश्रा

६८१ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

६८२ जयपुर पंचायती मन्दिर

६८३ मेड़तासिटी युगादीश्वर मन्दिर

६८४ टोडारायसिंह नेमिनाथ मन्दिर

(६८५) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२७ वर्षे ज्येष्ठ वदि ६ दिने श्री० ज्ञातीय व्य० नरसी भा० भावलदे पु० पोहट भा० पोमादे सहितेन आत्मश्रेयोर्थं श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० पूर्णिमापक्षीय कछोलीवालगच्छे श्रीविजयप्रभसूरिभिः मंगलं ।

(६८६) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२७ ज्ये० व० १० पालडीवासि प्राग्वाट व्य० अजेसि भा० गउरादे पु० सं० अजाकेन भा० जयतु पु० महणा जालादिकुटुम्बयुतेन श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(६८७) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५२७ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ८ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० वाछा भा० रूपी पित्रोः श्रेयसे सुत मं० भूठाकेन पुत्र मं० भरमा सहितेन श्री-पार्श्वनाथबिंबं कारितं वृद्धथिराद्रा(थारापद्र)गच्छे प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

(६८८) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२७ वर्षे आषाढ सुदि २ गुरौ उपकेशज्ञातीय व्यव० अजा भार्या अहिवदे पुत्र नींवा भार्या भानू सहितेन आत्मश्रेयोर्थं श्रीमुनिसुव्रत-बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं अंचलगच्छे श्रीजयकेशरिसूरिभिः ।

(६८९) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२७ वर्षे मार्ग शुदि ५ शुक्र दि० उ० ज्ञा० रोटागणगोत्रे सा० तेजा भा० तेजलदे पु० नयणा श्रीखेता नंदा चांपा पास चांद लघु कुंरपाल खेतलदे पितृ खेताश्रे० श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीधर्मघोषग० प्र० श्रीभ० विजयचन्द्रसूरिपट्टे श्रीधुरसूरिभिः (?) ॥

(६९०) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५२७ वर्षे पोष वदि १ सोमे करणपुरवासी प्राग्वाटज्ञा० श्रेष्ठि खीमसी भार्या लाछू श्रेयोर्थं पुत्र आंबा भार्या भोली पुत्र नरसिंह भा० वडघी भ्रात्रि धीराकेन भा० लाली नरसिंघ पुत्र माला खीदा कुटुम्ब-युतेन श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपा० श्रीश्रीश्रीलक्ष्मीसागरसूरिशिष्य-श्रीसुधानन्द(न)सूरिभिः ।

---

६८५ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
६८६ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर
६८७ जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर, घाट
६८८ नागोर चौसठियाजी का मदिन्र
६८९ जयपुर पंचायती मन्दिर
६९० दाहोद पार्श्वनाथ मन्दिर

(६६१) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२७ वर्षे पो० व० १ सोमे इंद्रीयवासि उकेश० मं० कान्हा भा० ऊमी सुत मं० कूपाकेन भा० सावित्री सुत तेजादिकुटुम्ब-युतेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥श्रीः॥

(६६२) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२७ पोष वदि ५ शुक्रे श्रीश्रीवंशे श्रे० जेसा भा० रत्‌ पु० श्रे० गुणीया भा० हीरू पु० श्रे० देवदत्त भा० मानू सुत श्रे० राणा सुश्रा-वकेण भार्या मांजी भ्रातृ धर्म-सहितेन श्रीअंचलगच्छेश श्रीजयकेसरिसूरि उप० श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥ श्रीः ॥

(६६३) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५२७ वर्षे पौष वदि ५ शुक्रे प्रा० श्रे० हरराज भा० अमरी पु० समधरेण भा० नाई प्रमुखस्वकुटुम्बसहितेन स्वश्रेयसे श्रीकुन्थुनाथ-बिंबं कारितं प्र० श्रीऊकेशगच्छे सिद्धाचार्यसन्ताने श्रीदेवगुप्तसूरिपट्टे श्री-सिद्धसूरिभिः ॥

(६६४) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थी

सं० १५२७ वर्षे पोष वदि ५ शुक्रे प्रा० श्रे० को० हरराज भा० अमरी पु० समधरेण भा० नाई प्रमुखस्वकुटुम्बसहितेन स्वश्रेयसे श्री-कुन्थुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं उपकेशगच्छे सिद्धाचार्यसन्ताने श्रीदेवगुप्त-सूरिपट्टे श्रीसिद्धसूरिभिः।

(६६५) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२७ वर्षे पोष सुदि ६ शुक्रे उप० गहिलडागो० सा० सेढा भा० सोल्ही पु० नायू। हाल् भार्या दाडिमदे प्रभृतिपुत्रादियुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीमलधारिगच्छे। श्रीविद्यासागर-सूरिपट्टे श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥ श्रीमसावास्तव्यः ॥

---

६६१ नागोर बड़ा मन्दिर

६६२ रायपुर चन्द्रप्रभ मन्दिर

६६३ गांगोलाव कुन्थुनाथ मन्दिर

६६४ नागोर चौसठियाजी का मन्दिर

६६५ नागोर बड़ा मन्दिर

(६९६) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२७ वर्षे माघ वदि ५ शुक्रे श्रीनागेन्द्रगच्छे उ० ज्ञातीय साह जाणा भा० जइतलदे पु० साह सारंग भा० सहजलदे पु० धरमा सहिते आत्मश्रेयसे श्रीकुन्थुनाथबिंबं का० श्रीपद्माणंदसूरिसन्ताने श्रीविजयप्रभसूरिपट्टे प्रतिष्ठितं श्रीक्षेमरत्नसूरिभिः ॥ १

(६९७) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२७ वर्षे माघ वदि ७ श्रीनाणकीयगच्छे उ० जोहाणेचा-गोत्रे सा० देल्हू भा० देल्हणदे नाह लाभा पौत्र नौहल भा० नाहकदे पु० जीवा खीमसी वकर सहतु............श्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीधनेश्वरसूरिभिः ।

(६९८) श्रेयांसनाथः

॥ सं० १५२७ वर्षे माघ सुदि ३ उकेशवंशे सुराणागोत्रे सा० आंबा धर्मपत्नी......जाटा......जुगराज......श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं धर्मघोषगच्छे श्रीपद्माणंदसूरिभिः ॥

(६९९) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५२७ वर्षे ओसवालज्ञातीय व्य० धन्ना भा० ताऊ पुत्र पेसा भा० सोनी लाला पेसा द्वितीय भार्या भोली पु० खेता महिराज चांदा करण स० आत्मश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्र० ब्रह्माणीयगच्छे भ० श्रीउदयप्रभसूरिभिः प्रतिष्ठितं च श्रीराजकीर्तिउपदेशेन का० ।

(७००) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० १५२८ वर्षे चैत्र वदि १० गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० भोजा भा० डाही पु० श्रे० धना भा० जीविणि पुत्र श्रे० वेलाकेन भार्या प्रिमी । अपर मात् लाडकी सहितेन श्रीअंचलगच्छेश्वर-श्रीजयकेसरिसूरिसुगुरूणामुपदेशेन श्रीश्रीश्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥ उहरनालाग्रामे ॥

६९६ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर
६९७ अजमेर चन्द्रप्रभ देरासर, वेद मुहतों का
६९८ वैंतेड़ विमलनाथ मन्दिर
६९९ जयपुर पंचायती मन्दिर
७०० आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर

(७०१) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२८ वर्षे वैशाख वदि ५ रवौ उपकेश ज्ञा० सा० महिपा भा० राजू पु० जेसा माईया भा० धरमिणी सहिते पित्रोः श्रेयसे श्रीवासुपूज्यविं० का० प्रतिष्ठि० श्रीवृह० श्रीवीरचन्द्रसूरि आ० श्रीधनप्रभसूरिसहितेन ॥

(७०२) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२८ वर्षे वैशा० वदि ५ ओसवाल ज्ञातीय सुराणागोत्रे सा० खेखर सहसवीरेण भा० भोजा पु० डीडा वरता रंगू रत्तु युक्तेन स्वभार्या पुण्यार्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्मानन्दसूरिभिः ॥

(७०३) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२८ वर्षे वैशाख वदि ६ चंद्रे उपकेशज्ञातौ छूगडगोत्रे। सा० शिखर भा० घेली पुत्र धनपालेन भा० पासू पु० नानिग सोनपाल प्रमुखसहितेन स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्रति० श्रीवृहद्गच्छे श्रीमेरुप्रभसूरिभिः।

(७०४) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२८ वर्षे वै० शु० ३ प्राग्वाटज्ञातीय सं० नाटा भा० नारिगदे सुत सं० कीताकेन भा० कुंतिगदे सुत सीहादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्र० तपापक्षे श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ मुंडाडा वास्तवेन ॥

(७०५) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५२८ वर्षे आषाढ सुदि द्वितीया दिने सोमवासरे ऊसवालज्ञातीय सुराणागोत्रे सं० समर तत्पुत्र सं० माणिक्य भा० जीवादे तत्पुत्र सोनपाल आत्मश्रेयोर्थं श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं। प्रतिष्ठितं श्री······

(७०६) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५२८ वर्षे आषाढ सुदि २ दिने ऊकेशवंशे संखवालगोत्रे सा० महिरा भार्या माल्हणदे तत्पुत्र सा० राउल श्रावकेण सा० देवा तद्भार्या रयणादे तत्पुत्र सा० लाखादिपरिवारयुतेन श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

---

७०१ जयपुर पंचायती मन्दिर
७०२ नागोर शान्तिनाथ मन्दिर
७०३ नागोर बड़ा मन्दिर
७०४ मेड़तासिटी युगादीश्वर मन्दिर
७०५ बूंदी पार्श्वनाथ मन्दिर
७०६ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(७१६) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३० वर्षे वईशाख सुदि ६ शाके (शनौ) श्रीश्रीमालज्ञा० से० आसा भा० रत्नादे सु० से० वाला भा० सुवंदे सु० हरखाकेन भा० लाखू स्वश्रेय[से] श्रीअय [जि]तनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीवृद्धतपागच्छे श्रीज्ञान-सागरसूरिभिः ॥

(७२०) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३० वर्षे वैशाख सुदि ६ श्रीमालज्ञा० डीडाउतगोत्रे। सा० कादा भा० गउरी पु० राणा भा० दामू पु० सा० नरगणेन श्रीश्रेयांसबिंबं का० आत्मश्रे० श्रीपल्लीवालगच्छे प्र० श्रीयशोदेवसूरिपट्टे श्रीनन्नसूरिभिः ॥ छः ॥

(७२१) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३० वर्षे वैशाख सुदि ६............श्री.........वालगच्छे............भउडु भा० महिणदे पु० सं० साताकेन। आत्मश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीयशोदेवसूरिपट्टे श्रीनन्नसूरिभिः ॥ छ ॥

(७२२) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत १५३० वर्षे ज्येष्ठ व० २ उ० डांगीगोत्रे माणिकसन्ताने सा० चाहड भा० लाडि पुत्र श्रीलोहटाभ्यां श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं श्रीकृष्णर्षि-गच्छे तपापक्षे आ० श्रीपुण्यवर्द्धनसूरिभिः प्रतिष्ठितं।

(७२३) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५३० वर्षे पोष वदि ६ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० मंत्रि समधर भा० श्रीयादे सुत वीकाकेन आत्मश्रेयोर्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रति-ष्ठितं श्रीपिप्पलगच्छे गुणदेवसूरिपट्टे श्रीचन्द्रप्रभसूरिभिः राजलग्रामे।

(७२४) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३० वर्षे माह व० २ सोमे श्रीमालज्ञा० व्य० वयजल राजा पदमा पासड खेता श्रेयो० श्रे० विजाकेन श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्री-जयप्रभसूरि उपदेशेन ॥

---

७१६ वहेलार अजितनाथ मन्दिर
७२० सांभर पार्श्वनाथ मन्दिर
७२१
७२२ किसनगढ़ खरतरगच्छ उपाश्रय
७२३ जयपुर श्रीमालों का मन्दिर
७२४ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

(७२५) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३० माह वदि २ बुधे उ० ज्ञातीय मंडोरेचा बुहरागोत्रे सा० सीमा भा० खेतलदे पु० चाचा भा० चाहिणदे पु० चांपा सहितेन। आत्मश्रेयोर्थं श्रीधर्म्मनाथबिं० का० प्र० श्रीवृहद्गच्छे वोंकडियावटंके भ० श्रीमलयचन्द्रसूरिभिः वडलीवास्तव्य।

(७२६) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३० व० माघ व० २ ला० ज्ञा० श्रे० कडुआ भा० धानू सु० ३ वइजा भा० वइजलदे द्वि० सु० धरणाकेन भा० रमकू हाही तृ० सु० वीशालेन श्रीवासुपूज्यबिंब प्र० श्रीवृ० तपा० श्रीमानसागरसूरिभिः ॥

(७२७) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३० वर्षे मा० व० १० बुधे प्राग्वाट सा० शिवा भा० संपूरी पुत्र सा० पाल्हा भा० पाल्हणदे सुत सा० नाथाकेन भ्रातृ ठाकुरसीयुतेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० तपा० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः धारनगरे।

(७२८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३० वर्षे माघ सुदि ४ प्रा० व्य० रादा भा० अरधू पु० सिरोहीवास्त० सा० मांडणेन भा० माणिकदे पुत्र लखमादियुतेन श्रीशांतिनाथबिंबं का० तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(७२९) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३० वं० माह सु० १० उपकेशज्ञातीय फोफलीयागोत्रे। सा० धना भार्या धांधलदे पु० सा० खेदा कुंभा चाचा सहितेन आत्मश्रेयसे। भ्रातृ सा पितृपुण्यार्थं श्रीविमलनाथबिंबं का० प्रतिष्ठि० श्रीधर्मघोषगच्छे भ० श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥

(७३०) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३० वर्षे। फा० सुदि ६ श्रीउपकेशगच्छे। सूरूआगोत्रे। सा० सहदेव पु० लूणा भार्या लाछि पु० खेता पानूकेन। श्रीश्रेयांसबिंबं का० कुकदाचार्यसन्ताने प्रतिष्ठितं। श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥ श्री

---

७२५ पनवाड़ महावीर मन्दिर
७२६ गागरडु आदिनाथ मन्दिर
७२७ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर
७२८ नागोर बड़ा मन्दिर
७२९ सांभर पार्श्वनाथ मन्दिर
७३० कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

(७३१) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

। सं० १५३० वर्षे फागुण सुदि ७ बुधे श्रीमालज्ञातीय सा० राजा भा० राजलदे भाग्नेय-स्वश्रेयोर्थं श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेशरिसूरीणामुपदेशेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

(७३२) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३१ वर्षे वैशाख वदि ५ बुधे श्रीमूलसंघे भ० श्रीभुवनकीर्तिस्त० भ० श्रीज्ञानभूषणगुरूपदेशात् ॥ हुं० श्रे० मांडण भा० हांसू सुत समधर भा० टबू सुत कर्मदास नित्यं प्रणमति ॥

(७३३) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३१ वर्षे वैशाख सुदि ३ शनौ उ० खवेहीगोत्रे सा० धम्मा भा० करमादे तत्पुत्र वीदा भा० सूरमदे पु० देवा रतना हरराजयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिं० का० प्र० .... गच्छे श्रीपुण्यरत्नसूरिपट्टे श्रीपुण्यवर्द्धनसूरिभिः ॥

(७३४) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३१ वर्षे ज्येष्ठ सुदि २ ऊकेशज्ञातीय सा० पूना भार्या पूनादे सुत सा० आवाकेन भा० नीरणू सुत राणा सांका कूपादिकुटुम्वयुतेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं खरतर० श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥ छ ॥ श्री ॥

(७३५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३१ वर्षे आषाढ सुदि २ सोमदिने श्रीओसवालज्ञातीय सुराणागोत्रे सं० हंसा भार्या संपूरी पुत्र हिल्ला-सोमाभ्यां सहितेन मातृस्वपुण्यार्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारा० प्रति० श्रीधर्मघोषगच्छे भ० श्री(पद्म)-शेखरसूरि तत्पट्टे भ० श्रीपद्मानन्दसूरिभिः ॥

(७३६) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३१ वर्षे मार्गशीर्ष वदि ८ बुधे श्रीभावडहरागच्छे उपकेशज्ञातीय साह्रेचागोत्रे सं० रत्ना भा० रत्नादे पु० हरा भा० हांसलदे पु० वीरा भा० वीभलदे पुत्र-पौत्राभ्यां युतेन स्वपुण्यार्थं श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीकालिकाचार्यसन्ताने श्रीजिनदेवसूरिपट्टे श्रीभावदेवसूरिभिः ॥ गोजा...

---

७३१ नागोर बड़ा मन्दिर
७३२ सागोदिया ऋषभदेव मन्दिर
७३३ मेड़तारोड़ पार्श्वनाथ मन्दिर
७३४ जयपुर पंचायती मन्दिर
७३५ किशनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर
७३६ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

(७३७) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३१ वर्षे मार्गशिर वदि ६ बुधे उपकेशज्ञातीय उढितवाल-गोत्रे सा० मन्ना पु० रूपा० भा० रूपादे पु० समदा अन्वायुतेन श्रीशान्ति-नाथबिंबं कारितं प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(७३८) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३१ वर्षे माघ सुदि पंचमी शुक्रवासरे पल्लीवालज्ञाती साह राज तत्पुत्र धर्मसी तत्पुत्र पियंवर। विमलनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीबृहद्गच्छे श्रीशालिभद्रसूरिभिः ॥ श्री ॥

(७३९) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३१ वर्षे फागुण सुदि सप्तमी सोमे सा साडन भार्या मानकदे पुत्र ऋषभवीर भार्या नन्नोदेव्या आत्मपुण्यार्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं खरतरगच्छे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥

(७४०) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३२ वर्षे चैत्र व० २ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० सं० जोगा भा० जीवणि श्रेयसे सं० गोला भा० कर्मी पु० नरवदेन श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं श्रीपूर्णिमापक्षीय श्रीसाधुसुन्दरसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं विधिना मलहरा।

(७४१) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३२ वर्षे चै० व० ३ रवौ उपकेशज्ञा० चणगीयागोत्रे सा० धादी भा० खीमाई सु० तिहुण श्रेयोर्थं सा० भावडेन श्रीचंत साजण प्र० कुटुम्बयुतेन श्रीपद्मप्रभस्वामिबिंबं कारितं रुद्रपल्लीयगच्छे श्रीदेवसुन्दरसूरि-पट्टे प्रतिष्ठितं श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(७४२) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३२ वर्षे चैत्र सुदि ११ दिने वरहडियागोत्रे सा० इसर भा० इहयदे पु० सालिग भा० सुण सा० देवा धर्म्मसी देवा भा० देवश्री पु० तारायुतेन श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्रति० श्रीबृहद्गच्छे भ० श्रीमेरुप्रभसू-रिपट्टे आचार्य श्रीराजरत्नसूरिभिः शुभंभवतु श्रेयस्तात् ॥

---

७३७ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर
७३८ बूंदी पार्श्वनाथ मन्दिर
७३९ रतलाम सेठजी का मन्दिर
७४० अजमेर संभवनाथ मन्दिर
७४१ जयपुर पार्श्वचन्द्रगच्छीय उपाश्रय
७४२ बेंतेड विमलनाथ मन्दिर

(७४३) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३२ वर्षे वैशाख वदि २ शुक्रे प्राग्वाटज्ञातीय व्य० सामल भा० काऊं सु० पाता भा० नाऊं सु० देवाकेन भा० देवलदे प्र० भ्रातृ सामंत भा० लाडी सु० समधर भा० अर्जी सु० मांडण भोजा राणा द्वि० भ्रा० ऊदा भा० वाई पु० साईश्रा भा० सहिज्यादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथचतुर्विंशतिपट्टः जीवितस्वामी पूर्णिमापक्षे श्रीपुण्यरत्नसूरीणामुपदेशेन का० प्र० सुविधिना साकरग्रामे ।

(७४४) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संव० १५३२ वर्षे वै० वदि ११ सोमे श्रीश्रीमा० प० मूला भा० सनकू पु० हरियाकेन भा० लखमाइयुतेन निजश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्रति० वृ० तपापक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिभिः ॥

(७४५) पार्श्वनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

सं० १५३२ वर्षे वै० शुदि ३ शनौ श्रीवायडज्ञातीय मं० माहव भा० हलू पु० मं० देवसेन भा० जीविणी पु० सिंहराज भ्रातृ हरदास डाही आसूरा पंचायण असीपालादिकुटुम्बयुतेन स्वपितृश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः कारितः आगमगच्छे श्रीअमररत्नसूरिगुरूपदेशेन प्रतिष्ठितं सुविधिना देकावाडावास्तव्यः ॥

(७४६) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३२ वर्षे वैशाख सुदि ५ शनौ उसवालगच्छे श्रे ष्ठिगोत्रे सालिग भा० संसारदे पुत्र आसाकेन स्वपुण्यार्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीकुकदाचार्य सन्ताने भ० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥ श्री ।

(७४७) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३२ वर्षे वैशाख सुदि १० शुक्रे श्रीश्रीवंशे मं० धन्ना भार्या धांधलदे पुत्र मं० सुचा सुश्रावकेण भार्या लाली भ्रा० गोइंद पुत्र सीपा नाखा सहितेन स्वश्रेयोऽर्थं । श्रीअंचलगच्छेश्वर श्रीजयकेशरिसूरीणामुपदेशेन श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं संघेन लोलाडाग्रामे ॥

---

७४३ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
७४४ नागोर बड़ा मन्दिर
७४५ नागोर सुमतिनाथ मन्दिर
७४६ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर
७४७ गागरडु आदिनाथ मन्दिर

(७४८) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३२ वर्षे वैशाख शुदि १० शु० श्रीउवएसवंशे चंडालिया-गोत्रे सा० नेमा भा० हीही पु० सा० सोहिल भार्या मह्हिरी पुत्र सा० पहिराज भा० पाल्हणदे पुत्र सा० रत्नपाल सुश्रावकेण पितृव्य सा० गोपालप्रमुख कुटुम्बसहितेन पितु-श्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमलधारगच्छे श्रीगुणनिधानसूरिभिः श्रे० पहिराज पुण्यार्थं ।

(७४९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३२ वर्षे ज्येष्ठ वदि १३ बुधे प्राग्वाट श्रीआसधर भा० गांगी सुत मदन पा० जिनदास जीवा पुत्रपौत्रादिसहितेन आत्मश्रेयोर्थं श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबृहत्तपापक्षे श्रीजिनरत्नसूरिभिः ।

(७५०) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३२ ज्येष्ठ सुदि १३ बुधे प्राग्वाटज्ञातीय व्य० महीआ भा० रागी सुत हीरा भा० मदनी स्वश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० तपा श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टालंकारेण श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(७५१) धर्मनाथः

॥ ॐ ॥ संवत् १५३२ वर्षे आषाढ सुदि ८ रवौ श्रीभावडारगच्छे सं० प्रा० चीपूगोत्रे सा० देवदत्त भा० जाल्हणदे पुत्र पासदत्त भा० पाल्हणदे पु० सं० पूरण भा० सरूपदेव्यायुतेन पितृ-मातृपुण्यार्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीरत्नप्रभपार्श्वसन्तानीय श्रीजिनदेवसूरिपट्टे श्रीभावदेवसूरिभिः॥ नागपुरे ॥

(७५२) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३२ वर्षे नीतोडक्वासि प्रा० व्य० वडुआ भा० फर्मी सुत व्य० धीरा वेन भा० माऊ प्रमुखकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिसद्गुरुभिः॥

---

७४८ नागोर बड़ा मन्दिर
७४९ मेड़तासिटी वासुपूज्य मन्दिर
७५० मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्व नाथ मन्दिर
७५१ नागोर हीरावाड़ी आदिनाथ मन्दिर
७५२ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

(७५३) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५३३ वर्षे चैत्र सु० ४ शुक्रे । उसवंशे वावेलगोत्रे सा० घेल्हा पु० सा० खेता भा० खेतश्री पु० सा० देदाकेन स्वपिताश्रेयसे श्रीअभिनन्दननाथबिंबं कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीमलधारिगच्छे श्रीगुणसुन्दरसूरिपट्टे श्रीगुणनिधानसूरिभिः ।

(७५४) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५३३ व० चैत्र सु० ८ .... घो० ग० वा० .... चरण पु० धणलाल पुण्यार्थं श्रीकुन्थुनाथबिंबं का० प्र० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(७५५) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५३३ वर्षे वै० शु० १२ गुरौ प्रा० व्य० रत्ना भा० रांभलदे पुत्र व्य० महिपा भा० धारी पुत्र जावडेन पितृश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० तपा श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ नांदिआग्रामे ॥

(७५६) संभवनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५३३ वर्षे वैशाख सुदि ५ शुक्रे श्रीप्राग्वाटज्ञातीय श्रे० धारा भार्या वाछू सुत श्रे० दूदा भार्या नीणू सुत श्रे० देथर भा० तेजू सुत पूजा मूंजा पितृ-मातृनिमित्तं श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीचैत्रगच्छे भ० श्रीरत्नदेवसूरिपट्टे भ० श्रीअमरदेवसूरिभिः ॥ हारीजग्रामे ॥

(७५७) सुपार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५३३ वर्षे वै० शुदि ६ दिने श्रीमालवंशे सं० जइता पु० सं० मांडण भा० लीलादे पु० जावड युतेन श्रीसुपार्श्वबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ।

(७५८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ संवत् १५३३ वर्षे ज्येष्ठ वदि ११ श्रीमालज्ञातीय मूसलगोत्रे सा० सिवराज भार्या णावू पु० सोना भा० देवलदे पु० रायपाल आत्मपुण्यार्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं धर्मघोषगच्छे श्रीपासरत्नसूरिपट्टे देमरत्नसूरिभिः शुभंभवतु ।

---

७५३ नागोर वड़ा मन्दिर
७५४ मेड़तासिटी युगादीश्वर मन्दिर
७५५ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर
७५६ जयपुर पंचायती मन्दिर
७५७ जयपुर पंचायती मन्दिर
७५८ जयपुर पंचायती मन्दिर

(७५६) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३३ वर्षे ज्येष्ठ मासे शुक्लपक्षे ५ शुक्रवासरे उपकेशज्ञातीय रोहिणेयगोत्रे साह जाणा भार्या अपू पुत्र चाहड भार्या चाहिणदेव्या चाहडेन स्वपुण्यार्थं श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपल्लीगच्छे श्रीउज्जोअणसूरिभिः ॥

(७६०) स्तम्भोपरि

॥ ॐ ॥ सं० १५३३ वर्षे श्रावण सुदि ५ शनौ सा० भीमा भा० चजू पु० दौला भार्या अर्मा भार्या गोमति निमित्तं पुत्रकेन स्तंभ प्राग्वाटज्ञातीय ॥

(७६१) श्रेयांसनाथः

॥ सं० १५३३ वर्षे मार्ग सुदि ६ श्रीमाल० फुफलियागोत्रे सा० चूहड भार्या चाउ पुत्र साह नरसिंघ भार्या जपू सिंघही स्वपुण्यार्थं श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्रति० भ० श्रीपद्मानंदसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(७६२) धर्मनाथः

॥ संवत् १५३३ वर्षे मार्ग० सुदि ६ उकेशज्ञातीय कालागोत्रे सा० देवदत्त पुत्र सा० फेरु भार्या पीलणदे पुत्र रावण सहितेन निज भार्या पुण्यार्थं श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीविधिपक्षीय अंचलगच्छे भट्टारक-श्रीजयकीर्तिसूरिपट्टे श्रीजयकेसरिसूरिभिः ॥

(७६३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३३ वर्षे मार्गशिर सु० ६ उकेशज्ञा० रांकागोत्रे सा० देवसी भार्या गवरदे पु० सारंग भार्या सकादे आत्मपुण्यार्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारापितं संडेरगच्छे प्रतिष्ठितं श्रीशान्तिसूरिभिः ॥

(७६४) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३३ वर्षे माघ सुदि ६ खांडलवालगोत्रे सा० लाखासन्ताने सं। चिराईत्र भा० सलखण पु० श्रीपाल वद्धराज पांचा सोनल श्रीपाल पुत्र ऊधरण मातृ सलखण पुण्यार्थं श्रीकुन्थुनाथबिंबं प्र० श्रीतपागच्छे भ० श्रीहेमसमुद्रसूरिपट्टे श्रीहेमरत्नसूरिभिः ॥

---

७५६ बूंदी पार्श्वनाथ मन्दिर
७६० सेमलिया शान्तिनाथ मन्दिर
७६१ नागोर हीरावाड़ी. आदिनाथ मन्दिर
७६२ नागोर हीरावाड़ी. आदिनाथ मन्दिर
७६३ किसनगढ़ यति स्वरूपचंदजी का उपाश्रय
७६४ बूंदी पार्श्वनाथ मन्दिर

(७६५) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३३ वर्षे माघ सुदि १३ सोमवासरे प्राग्वाटज्ञातीय सा० हेमा भा० मानू पु० संघवी वडूआ भार्या डाही पु० सं० वना भा० मचकू पु० डूंगर आत्मश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं कारितं साधुपूर्णिमापक्षे प्रतिष्ठितं श्रीजयशेखरसूरिभिः सारंगपुरे ।

(७६६) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३३ वर्षे फा० व० ६ दिने प्रा० सं० वरसा भा० गोमति नाम्न्या पु० थेरा भोलादिकुटुम्बयुतया श्रीपद्मप्रभबिंबं कारितं प्रति० तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(७६७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३३ वर्षे शाके १३९८ प्रा० वंभगोत्रे पु० श्रे० सारंग भार्या हरखूकेन पिता माता लाखा लाखणदे पुण्यार्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० मलधारिगच्छे प्र० श्रीगुणनिधानसूरिभिः ॥

(७६८) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३४ वर्षे चै० व० २ गुरौ लाटवासि प्रा० व्य० चांदू भा० सुंदरि पु० लुंटाकेन भा० लीलादे पु० धीसा हीरा ढाहादियुतेन स्वश्रेयसे श्रीशान्तिबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीरस्तु ।

(७६९) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

। सं० १५३४ वर्षे वैशाख सुदि २ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० हीरा भा० रूडी । पु० सहिजाकेन भार्या पूतलियुतेन मातृ-पितृश्रेयसे श्रीकुन्थुनाथबिंबं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगुणसमुद्रसूरिपट्टे श्रीगुणधीरसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं सुविधिना । गोरिजग्रामे ।

(७७०) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३४ वर्षे ज्येष्ठ सु० १० शुक्रे उपकेशवंशे सा० रूपा भा० शीलू पुत्र सा० हेमाकेन भा० चत्रु पुत्र देवा रत्नादिपरिवारयुतेन श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीकोमलगच्छे श्रीचन्द्रप्रभसूरिभिः ॥

---

७६५ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर
७६६ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर
७६७ दाहोद पार्श्वनाथ मन्दिर
७६८ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर
७६९ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर
७७० जड़ाउ पार्श्वनाथ देरासर

(७७१) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५३४ वर्षे ज्येष्ठ सित १० दिने सोमे ऊकेशवंशे कटारिया-गोत्रे सा० चांपा'''भार्या पाल्हणदे पुत्र सा० नरसिंह श्रावकेण श्रीश्रेयांस-नाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिन-चन्द्रसूरिभिः श्रेयसे।

(७७२) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५३४ वर्षे आषाढ सु० ११ गुरौ ऊकेसवंशे छाजुहडगोत्रे सा० ठाम पुत्र सा० खरहथेन भा० जीवीणी पु० माला थाला पासड सहितेन धर्मनाथबिंबं निजश्रेयोर्थं कारापितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः॥

(७७३) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३४ वर्षे आषाढ सुदि १ गुरौ उप० कटारीआगोत्रे सा० लखमण भा० लखमादे पु० देपा साभा भा० कील्हणदे स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्र० जाखडीयागच्छे श्रीकमलचन्द्रसू-रिभिः।

(७७४) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३४ वर्षे आषाढ सुदि १ गुरुवारे श्रीपल्हवडगोत्रे सं० घेल्हसन्ताने सं० छाहड पुत्र सा० शिवराज भार्या संसारदे पुत्र फल्हण-युतेन स्वश्रेयसे श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं बृहद्गच्छीय श्रीमेरु-प्रभसूरिभिः श्रीराजरत्नसूरिभिः।

(७७५) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३४ वर्षे आषाढ सु० २ दिने ऊकेसवंशे बोथिरागोत्रे सा० जेसा पु० वाहा सुश्रावकेण भा० सुहागदे देल्हा हांसा नींबादियुतेन माता लखी पुण्यार्थं श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्र-सूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः॥

---

७७१ नागोर बड़ा मन्दिर
७७२ नागोर बड़ा मन्दिर
७७३ नागोर बड़ा मन्दिर
७७४ बूंदी पार्श्वनाथ मन्दिर
७७५ नागोर बड़ा मन्दिर

(७७६) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३४ वर्षे आषाढ सुदि २ ऊकेशवंशे फोफलियागोत्रे सा० छरसी भा० ऊंजी पुत्र सा० सिवा भा० रत्नादे पुत्र सा० चउराकेन भा० लखमादे प्रमुखपरिवारेण श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीखरतर-गच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(७७७) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३४ वर्षे आषाढ सुदि २ दिने ऊकेशवंशे बापणागोत्रे सा० भावड भा० जसमादे पु० सा० सोमा सुश्रावकेण भा० सकतादे पु० अमर मेघा अमरा प्रमुखसहितेन श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्रति० श्रीखरतर-गच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(७७८) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५३४ वर्षे आषाढ सुदि १५ ऊकेशवंशे चोपडागोत्रे को० ठाकुरसी भार्या ऊमादे पुत्र को० शिखरा भा० साता सुश्रावकेण पुत्र सा० वीसल सा० अखयराज सा० नगराज प्रमुखपुत्रादिसहितेन श्रीसुमतिनाथ-बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसमुद्रसूरिभिः ॥

(७७९) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३४ वर्षे मार्गशिर वदि ५ सोमे । नागगोत्रे उपकेशज्ञातीय ना० मांडणेन भार्या माणिकदे पुत्र कामाकेन भा० लूणी कउतिगदे पुत्र करमा धरमा जगा रणमल्ल राइमल सहितेन । श्रीनमिनाथबिंबं कारितं । प्र० ज्ञानकीयगच्छे श्रीधनेश्वरसूरिभिः ।

(७८०) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३४ वर्षे माग वदि ५ तिथौ सोमे उकेशज्ञातीय राव्हीगोत्रे वल्ल आंबायां मं० कोल्हा भार्या गुणादे पुत्र सं० पौराउ-तिहुणाभ्यां स्वपित्रोः पुण्यार्थं श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं श्रीकन्हरसा तपागच्छे श्रीपुण्यरत्नसूरिपट्टे श्रीपुण्यहंससूरिभिः प्रतिष्ठितं ।

---

७७६ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
७७७ सांगानेर महावीर मन्दिर
७७८ हरसूली पार्श्वनाथ मन्दिर
७७९ सांगानेर महावीर मन्दिर
७८० नागोर बड़ा मन्दिर

(७८१) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३४ मा० शु० १० प्रा० व्य० नरसिंह भा० नामलदे पुत्र मेलाकेन भा० चीरणि पुत्र खेतादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः । पालणपुरे ।

(७८२) शान्तिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १५३५ वर्षे माघ शुक्लपक्षे ''शुक्रे '''भानक्षत्रे श्रीओशवंशे श्रीचिरोलियागोत्रे । संघपति समधर सं० गोसल सं० गुणधर सं० भाटल सं० नाजलसन्ताने । सं० पांडण पुत्र सा० लखमण भार्या गउरादे । पुत्र सं० हीरा भा० हीरादे । सा० भोला भार्या भमरादे । च । सभक्तिपूर्व पिता-पूर्वजपुण्यार्थं आत्मश्रेयोर्थं । सं० हीरा सं० भोलाभ्यां पुत्र-पौत्रादेः सपरिकराभ्यां श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं कहरिसागच्छे । भ० श्रीप्रसन्न-चन्द्रसूरि भ० श्रीनयचन्द्रसूरिभिः ॥

(७८३) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३४ वर्षे फागुण सुदि ५ सोमे उ० भेलड़ियागोत्रे सा० महणा भा० माल्हणदे पुत्र केला भा० कमलादे पु० देवराज स० श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीनाणावालगच्छे भ० श्रीधनेश्वरसूरिभिः ॥ छ ॥

(७८४) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५३४ वर्षे प्राग्वाटज्ञा० श्रे० सोमा भा० देऊ पु० भोटाकेन भा० यानरि भ्रा० भोजा प्रमु० कुटुम्बयुतेन श्रीसंभवनाथबिं० का० प्र० तपापक्षे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः वीसलनगरे ।

(७८५) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३५ वर्षे आषाढ वदि द्वितीया दिने उपकेशज्ञातीय आयरीगोत्रे लूणाउतशाखायां सा० जाजा पु० चउला भा० संपतलदि पु० मूलाकेन आत्मश्रेयसे श्रीपद्मप्रभबिंबं कारितं ककुदाचार्यसन्ताने प्रतिष्ठितं श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

---

७८१ नागोर बड़ा मन्दिर
७८२ भिनाय
७८३ जयपुर बड़ा मन्दिर
७८४ नागोर सुमतिनाथ मन्दिर
७८५ नागोर बड़ा मन्दिर

(७८६) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३५ वर्षे आषाढ वदि २ गुरौ भंडारीगोत्रे सा० वील्हा-सन्ताने भं० सायर भा० सूहवदे पुत्र सं० अक्खा भार्या लखमादे भ्रातृ चांपाकेन श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं स्वश्रेयसे प्रतिष्ठितं संडेरगच्छे श्री(ई)शिर-सूरिपट्टे श्रीशालिसूरिभिः ॥

(७८७) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३५ वर्षे मार्ग० व० ६ सोमे उप० ज्ञाती० साह्ला भा० अमरी पु० वरनाग भा० वानू पु० सासढ आत्मश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे श्रीवीरप्रभसूरिपट्टे श्रीवीराणंदसूरिभिः आ० श्रीदेव-सुन्दरसूरि मालवसिंगोवा०

(७८८) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३५ वर्षे माह वदि ५ भौमे प्राग्वाटज्ञातीय गुहिलवाल-गोत्रे सा० भांडा भा० वइजू सु० करमा जइता करमा भा० वानू जइता भा० पांचू आत्मश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं कारापितं श्रीमडाहडीयगच्छे श्रीवीरभद्र-सूरिपट्टे श्रीश्रीनयचन्द्रसूरिभिः ।

(७८६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३५ वर्षे माह सुदि ५ गुरु प्रा० ज्ञातीय सा० धना भा० वारी पु० जेसा भा० देल्हू पुत्र धना चाचा सामा सा० धना भा० अमरी पुत्र ठाकुर स० जसाकेन श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीमडाहडगच्छे श्री(र)विचन्द्रसूरि(भिः) ।

(७६०) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३५ वर्षे मा० शु० ५ गु० डीसा सं० काला भा० रती पु० सं० नाथा भा० सोही भ्रातृ पहिराज रत्नादिकुटुम्बश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिं० का० प्र० तपागच्छे श्रीश्रीश्रीरत्नशेखरसूरितत्पट्टे लक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

---

७८६ मेड़तासिटी आदिनाथ मन्दिर.

७८७ जयपुर पंचायती मन्दिर

७८८ केकड़ी चन्द्रप्रभ मन्दिर

७८६ साथां पार्श्वनाथ मन्दिर

७६० हरसूली पार्श्वनाथ मन्दिर

(७६१) संभवनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५३५ वर्षे माघ सुदि ५ गुरौ श्रीमूलसंघे भट्टारक श्रीभुवनकीर्ति तत्पट्टे भट्टारक श्रीज्ञानभूषणगुरो ... कासिएगोत्रे सा० सारंग भा० चांपू ... पु० अपू भ्रातृ ...... ताकी संभवनाथ।

(७६२) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थी:

॥ संवत् १५३५ वर्षे माह सुदि ६ प्राग्वाटज्ञातीय सांभरथागोत्रे सा० समरा भा० ह्यानी पु० आल्हा देवसी आल्हा भा० आल्ही पु० ऊधा पदमसी चांदा पंचायणयुतेन स्वश्रेयसे। श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्र० श्री-बृहद्गच्छीय भ० श्रीज्ञानचन्द्रसूरिभिः ॥

(७६३) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ ॐ ॥ सं० १५३५ वर्षे माह सुदि ६ दिने। श्रीओसवालज्ञातीय वंछितवालगोत्रे सं० चांपा पु० सं० मघा पु० सं० गणपतिकेन भा० गंगादे पु० रणवीर सा० करमायुतेन स्वश्रेयसे पितृपुण्यार्थं श्रीकुन्थुनाथ-बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीधर्मघोषगच्छे भ० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ शु० भं० ॥

(७६४) नमिनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५३६ व० ज्येष्ठ व० ५ रवौ उप० सीसोदीयागोत्रे सा० देवा-यन भार्या देवलदे पु० खेता भार्या खेतलदे पुत्र भास्तरयुतेन स्वपुण्यार्थे श्रीनमिनाथबिंबं कारापितं प्रति० संडेरवालगच्छे श्रीसालिसूरिभिः ॥

(७६५) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थी:

संवत् १५३६ वर्षे ज्ये० शु० ५ प्राग्वाट सा० हीरा भा० पाहूल पुत्र सा० सादाकेन भा० रानू युतेन श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(७६६) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५३६ वर्षे आषाढ सु० ५ गुरौ ब० ज्ञातीय सांडगोत्रे सहसा भा० वारू पु० धरम भार्या धाल्हादे आत्मपुण्यार्थं श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिं० का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे भ० श्रीजयप्रभसूरिपट्टे। भ० श्रीजयभद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं। ७४ उत्तमटां।

---

७६१ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर
७६२ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर
७६३ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर
७६४ जयपुर नया मन्दिर
७६५ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्व नाथ मन्दिर
७६६ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

(७९७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५३६ वर्षे का० सु० १५ बु० गोखरूगोत्रे सा० लोहट भा० संपई पुत्र सा० टिला भा० कउतिगदे भ्रातृ पारस भा० पाल्हणदे पु० छीता धर्मसी पितृ-आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथबिं० का० प्र० बृहद्गच्छे ज्ञानचन्द्रसूरिभिः ॥

(७९८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३६ वर्षे मार्गवदि ५ गुरु प्राग्वाटज्ञातीय सालीगो० सा० साजण भा० देऊ पु० छाजा भा० आत्मश्रेयसे स्वपुण्यार्थं श्रीआदिनाथ-बिंबं का० प्र० श्रीकोरंटकीयगच्छे श्रीनन्नाचार्यसन्ताने भ० श्रीसावदेव-सूरिभिः ॥

(७९९) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ संवत् १५३६ वर्षे मार्ग० शुदि ५ गुरौ खरतरगच्छे भ० बृ० भणसालीगोत्रे मं० चोहथ भा० लाछा पु० भादा भा० भरमादे पु० फूला खरहथ पितृश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं सा कारितं प्र० श्रीजिनहरषसूरिभिः॥ श्रीः ॥

(८००) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३६ वर्षे माह वदि ५ सोमे प्राग्वाटज्ञातीत नहुनेचागोत्रे सा० लीला भा० गउरी पु० जेसा भार्या यसमादे आत्मश्रेयसे श्रीसुमति-नाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितमुपदेशेन श्रीपूर्णिमापक्षीय श्रीभावदेवसूरिपट्टे श्रीहर्षसुन्दरसूरिभिः ।

(८०१) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३६ वर्षे । माघ सुदि ५ सोमे उपकेशज्ञातीय पोसालिया-गोत्रे सा० धूना भा० अमरी पु० सखता मेला तेजा भा० सापू सहितेन पितृ-मातृश्रेयोर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीकोरंटकगच्छे श्रीभाव-देवसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

(८०२) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३६ व० मा० शु० ५ प्रा० सा० पातल भा० सगकू पूना भा० पूरी थिरा भा० दलू पु० कर्मा नाम्न्या ऊदा भा० आतृकुटुम्बयुतेन श्री-वासुपूज्यबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

---

७९७ जयपुर पंचायती मन्दिर
७९८ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर
७९९ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
८०० कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर
८०१ सांगानेर महावीर मन्दिर
८०२ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

(८०३) पार्श्वनाथः

॥ ॐ ॥ संवत् १५३६ वर्षे फागुण सुदि ३ दिने श्रीऊकेशवंशे कूकड़ाचोपड़ागोत्रे सा० पांचा पु० सं० लाखण सुश्रावकेण पुत्रपौत्रादिपरिवारयुतेन भार्या किसनादे पुण्यार्थे श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीजिनभद्रसूरिशिष्य-श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(८०४) पार्श्वनाथः

॥ ॐ ॥ सं० १५३६ वर्षे फागु० सुदि ३ दिने श्रीऊकेशवंशे कुकड़ाचोपड़ागोत्रे स० पांचा कु० रूपादे पुत्र सं० लाखण.........कुंऊन भा० लखमादे पुत्रपौत्रादिपरिवारसहितेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिशिष्य-श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(८०५) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३६ फागुण सुदि ३ श्रीउपकेशज्ञातीय। नाथीयाडागोत्रे सा० महणा भा० माल्हणदे पुत्र सा० जोधा भा० लखमादे पुत्र। सा० जसवीर-रूदाभ्यां श्रीचन्द्रप्रभबिंबं कारितं। प्रतिष्ठि० श्रीचैत्रगच्छे श्रीगुणाकरसूरिपट्टे श्रीसोमकीर्तिसूरिभिः ॥

(८०६) मुनिसुव्रतः

सं० १५३६ वर्षे फागुण सुदि ५ दिने श्रीमाली.........गोत्रे सा० रांका भा० जीवी पुत्र धर्मसीकेन भा० वेगीपुण्यार्थे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० श्रीखरतर श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः।

(८०७) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३६ सोमे भटेडरा सा० रामा भा० मानू नाम्न्या श्रीपार्श्वनाथ का० प्र० सूरिभिः।

(८०८) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३७ वर्षे वै० व० ६ सींदरसीय प्रा० सा० देवा भा० हपूं पुत्र सा० रत्नाकेन भा० कर्मी सुत खीमा नरसिंघ भ्रातृ ठाकरसी प्र० युतेन निजश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपा० श्रीसोमसुन्दरसूरिशि० श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः।

---

८०३ रतलाम सेठ जी का मन्दिर. पाषाण
८०४ रतलाम सेठ जी का मन्दिर. पाषाण
८०५ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर
८०६ नागोर महात्मा जेठमल जी का उपाश्रय
८०७ सांभर पार्श्वनाथ मन्दिर
८०८ हिण्डोन श्रेयांसनाथ मन्दिर

(८०६) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३७ वर्षे ॥ वैशाख वदि ६ सोमवारे छाजहड़गोत्रे उस० ज्ञाती सा० हांसा भार्या तारू सु० जयता भा० वरजू सु० सखिराज देवराज पाल्हा युते० आत्मश्रे० श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० खरतर भ० श्रीजिनचन्द्रसूरि-पट्टे श्रीजिनसमुद्रसूरिभिः।

(८१०) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३७ वैशाख सुदि २ सोमे श्रीमूलसंघे सरस्वतीगच्छे भ० श्रीसकलकीर्तिस्त० श्रीभुवनकीर्तिस्त० भ० श्रीज्ञानभूषणगुरूपदेशात हुं० ठक्केश्वरगोत्रे श्रे० घत्ता भा० निलु सुत देवसी भा० कर्मी सुत आसा भा० पूरी भातृ वाछा भा० वीरी नाना भार्या नागलदे जीवा भा० जसमादे जाला भा०। जैतलदे श्रीआदिनाथबिंबं मांडण भा० माणिकदे मेला नांगा प्रणमति ॥

(८११) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५३७ वर्षे वै० सु० ५ बुधे प्राग्वाटज्ञातीय व्य० राउल भार्या कीकी सुत व्य० साजणेन भा० ललतू सु० नर्बद प्रमुखकुटुम्बयुतेन श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छनायक-श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः॥ कीडेत वास्तव्य।

(८१२) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३७ वर्षे ज्येष्ट वदि ४ भोमे वगलथिआण श्रीश्रीमालज्ञातीय सा० सोभिल भार्या सहजलदे द्वि० सोनलदे पु० सांगा।भर्या रतनादे पुत्र खेता खीमा पुण्यार्थं श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्रति० श्रीवृहद्गच्छे भ० श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः………..।

(८१३) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३७ वर्षे माघ सुदि २ सोमे श्रीमाल श्रे० सिंघा भा० रांभू सु० धना भा० काली मातृ-पितृश्रेयोर्थं श्रीनमिनाथबिंबं कारापितं प्र० पिप्पलक गच्छे श्रीअमरचन्द्रसूरिभिः॥ श्रीः॥

---

८०६ जयपुर पंचायती मन्दिर
८१० रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर
८११ मेड़तासीटी उप० शान्तिनाथ मन्दिर
८१२ चाड़सू आदिनाथ मन्दिर
८१३ सांगानेर महावीर मन्दिर

(८१४) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३७ वर्षे मा० शु० २ सोमे उसवालज्ञाती० सा० नरसिंघ भार्या नयणश्री पुत्र सा० महिराज भार्या महणश्री पुत्र मोकलसहितेन। श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीवासुपूज्यबिंवं कारापितं भ्रा० ठाकुरसी श्रेयोर्थं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन। श्री ॥

(८१५) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३७ व० फा० व० ८ बु० उ० खांटडगो० मं० पूना भा० अचू पु० राजाकेन भा० रयणादे पु० हरपति गुणपति तेजा हरपति भा० हमीरदे प्रमुखस्वकुटुम्बसहितेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं भावडारगच्छे श्रीभावदेवसूरिभिः खिरहाला नामकेन।

(८१६)·········पञ्चतीर्थीः

सं० १५३७ फागुण सुदि २ सहारणेन प्र० रविप्रभसूरिभिः॥

(८१७) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ सं० १५३८ वर्षे श्रा० सु० २ दिने ऊकेशवंशे फटारिया-गोत्रे सा० खीदा भा० खेतलदे पुत्र काजा हांसा जेता भा० हांसलदे पु० धरजा मनपणा (?) मेघा लक्ष्मादियुतेन श्रीविमलनाथबिंबं का। प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः॥

(८१८) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५३८ वर्षे मागसिर वदि ५ उकेशज्ञातीय नाहरगोत्रे सा० चाहड भा० हरखु पु० थीजाकेन भा० बीजलदे पु० केसवयुतेन स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीधर्मसुन्दरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः॥

(८१९) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५३९ वर्षे आषाढ सु० २ रवौ श्रीओसवालज्ञा० नाणावालगच्छे थामलेचागोत्रे सा० सादुल भा० मेघादे पु० भाखर भा० भावलदे पु० मोहणं हर्तायुतेन मातृ-मेघु-निमित्तं श्रीपद्मप्रभबिंबं कारितं प्र० भ० श्रीधनेश्वरसूरिभिः।

---

८१४ जयपुर पंचायती मन्दिर
८१५ जयपुर पंचायती मन्दिर
८१६ नागोर वड़ा मन्दिर
८१७ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
८१८ नागोर वड़ा मन्दिर
८१९ जयपुर पंचायती मन्दिर

(८२०)·········पञ्चतीर्थीः

संवत् १५३६ वर्षे··········गुर्जरज्ञातीय व्य० वना पुत्र तेजाकेन पुत्र झांझण··············श्रीबृहद्गच्छे प्र० श्रीगुणप्रभसू० प्रतिष्ठितं श्रेय-निमित्तं ॥

(८२१) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५४० व० वैशाख सु० १० बुधे भट्टेउराज्ञातीय अटकरगोत्रे सा० साल्हा भा० छपाई पुत्र सोमा भा० थरघू पुत्र ४ सा० हरराज मांडा मोका गोइंद हरराज भा० करमी मांडा भा० रूपणि सा० सोमाभिधः श्रीशंभवनाथं नित्यं प्रणमति ॥ संडेरगच्छे भ० श्रीशालि·········

(८२२) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५४० वर्षे वैशाख शुदि १० बुधे ओसवालज्ञा० सा० साजण पुत्र असीपाल भा० ऊमादे पु० झींवरेण भा० कील्हणदे पु० जीवा गंगा जिणदास जीवा भा० जसमादे पु० देवदासादिकुटुम्बयुतेन श्रीमुनिसुव्रत-स्वामिबिंबं का० प्र० उएसगच्छे सिद्धाचार्य० भ० श्रीधर्मसुन्दर-सिद्धसूरिभिः श्रीवीसलनगरे ।

(८२३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४० वर्षे आषाढ वदि १···गच्छे·····साडलेचा-गोत्रे सा० सोहा भा० नानी पु० सा० चणा फीदा पितृश्रेयसे श्रीआदिनाथ-बिंबं का० प्र० श्रीपलीवालगच्छे श्रीश्रीश्रीउजोअणसूरिभिः ।

(८२४) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४० वर्षे मार्गशिर सुदि आम ४ तिथौ व्य० प्राग्वाटज्ञा-तीय उहवडेचागोत्रे सा० केला भा० ऊमी पु० गुणराम भा० रतू पु० तुभ-हया(?)आत्मपुण्यार्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्र० पूर्णिमापक्षे भ० श्रीहर्षसु-न्दरसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

(८२५) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४१ वर्षे वैशाख वदि १३ गुरुवारे उकेशज्ञातीय सुचिंति-गोत्रे सा० सावंत भा०·········पु० मेधा पु०···वरत्न·····श्रीशा-न्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

---

८२० सांगानेर महावीर मन्दिर
८२१ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर
८२२ सैलाना मुनिसुव्रत मन्दिर
८२३ सरधना पार्श्वनाथ देरासर
८२४ सांभर पार्श्वनाथ मन्दिर
८२५ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(८२६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४१ वर्षे माघ सुदि २ दिने उसवालज्ञातीय श्रीचूंपडगोत्रे सा० हेमा भा० गमतादे पु० वच्छराज पुत्रेण सा० सीधरेण स्वपुण्यार्थं श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीमलयचन्द्रसूरिप० श्रीराजरत्नसूरिभिः ॥

(८२७) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० १५४१ वर्षे फा० सु० ३ गुरौ सामेरवासी प्रा० सं० कालू भा० दासी पुत्र सं० गोल्हाकेन भा० हीरू पु० महाकाल मना। ठाकरसी युतेन भ्रा० देऊ श्रीसुमतिबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरि-सन्ताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः।

(८२८) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४२ वर्षे वैशाख वदि ६ शुक्रे ऊकेशज्ञा० सिंघाडियागोत्रे सं० रेडा सं० सा० ऊदा भार्या ऊदलदे पु० सा० छाजू श्रीमल जिणदत्त पारसयुतेन श्रा० पु० श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० ॥ श्रीबृहद्ग० भ० श्रीमेरुप्रभसूरिभिः ॥ श्रीः ॥ श्रीः ॥

(८२९) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४२ वर्षे माघ सु० २ शनिवारे श्रीउसवालज्ञातीय सुचिंतीगोत्रे सा० सगर पुत्र सा० श्रीश्रीपाल भा० परयतदे पु० सा० सादा पु० नरदेवसहितेन पितृश्रेयसे सुमतिनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीउपके० श्रीकक्कसूरिपट्टे भ० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

(८३०) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४२ वर्षे माघ सुदि ५ दिने विनाइकीयागोत्रे सा० धना पुत्र सा० पीथा पुत्रेण सा० राजेन निजमाता-कोडापुण्यार्थं श्रीमुनिसुव्रत-स्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं रुद्रपल्लीयगच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिपट्टे श्रीहरिकलशसूरिभिः।

(८३१) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५४२ वर्षे फा० व० २ शनौ उ० पालडेचागोत्रे साह नाथ भा० नामलदे पुत्र मींदा भार्या राजू सहितैः पितृनिमित्तं श्रीपद्मप्रभबिंबं कारितं प्र० मडाहडगच्छे श्रीनयचन्द्रसूरिभिः। शुभंभवतु।

---

८२६ सांगानेर महावीर मन्दिर
८२७ मेड़तारोड़ पार्श्वनाथ मन्दिर
८२८ जयपुर नया मन्दिर
८२९ जोमनेर चन्द्रप्रभ मन्दिर
८३० जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
८३१ जयपुर पद्मप्रभ मन्दिर. घाट

(८३२) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४२ वर्षे फागु० वदि ७ सीतोरेचागोत्रे उस० सा० सूरा भा० सुरमदे पु० पर्वत सा० सहजा सिवा सा० पर्वत भा० देलू पु० माईआं समधर विजा सहजा भार्या चपलदे सहित भ्रा० सहजा पुण्यार्थं श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० श्रीनाणकीयगच्छे श्रीधनेश्वरसूरिभिः।

(८३३ आदिनाथ-एकतीर्थीः

संवत् १५४२ वर्षे फागुण सुदि ५ गुरौ। नीगा। पाचलेराजा श्रीमान-सिंहराउले श्रीकाष्ठासंघे माथुरान्वये पु० भ० श्रीकमलकीर्तिदेवाः तत्पट्टे भ० शुभचन्द्रदेवाः तत्पट्टे भ० श्रीहंससेनदेवाः भदान्वये अग्रोतकान्वये वासिलगोत्रे सा० गोल्हा भा० पाल्ही। पुत्र ड सा० पदमसी। जवणसी। सा० गेहला। पदमसी पु० अंगरूतिमलू। पु० १ अर्जुन सा० जवणसी। भा० जीवी। पुत्र २ सा० लाढम भा० देवीतारौ द्वि० पु० कोडम भा० तूल्ही। ठकुरसी। एतेषामहे सा० लाडम श्रीआदिनाथ कारापितं। प्रति-ष्ठितं। नित्यं प्रणमति। शुभंभवतु। कल्याणमस्तु।

(८३४) नेमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५४२ वर्षे प्राग्वाटज्ञातीय व्य० सलरा भा० ऊमी पु० कर्म-सिंहेन भा० आपू यु सहितेन स्वपितृव्य व्य० लूणा श्रेयोर्थं श्रीनेमिनाथ-बिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं तपा श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः॥

(८३५) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५४३ वर्षे वै० शु० १० गुरौ प्राग० सा० जैसा भा० उमादे पुत्र सा० पताकेन भा० जसू प्र० युतेन श्रेयसे श्रीशीतलबिंबं कारितं प्रति० श्रीसूरिभिः।

(८३६) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५४३ वर्षे ज्येष्ठ वदि ६ गुरौ श्रीउपकेशज्ञातीय बांभगोत्रे सा० नाल्हा भा० नायकदे पु० साह तोलाकेन भार्या कर्णादेव्या युतेन स्वपुण्यार्थं श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीमलधारिगच्छे श्रीगुणनिधान-सूरिपट्टे श्रीगुणसागरसूरिभिः॥

---

८३२ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर
८३३ हिन्डोन श्रेयांसनाथ मन्दिर
८३४ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर
८३५ सैलाना ऋषभदेव मन्दिर
८३६ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

(८३७) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४४ वर्षे वैशाख सु० ३ प्राग्वाट श्रे० मांडण भा० टबी सुत सहसाकेन भा० जालू सु० समधर सालिग पंचायणादि कुटुम्ब-युतेन सा० तेजा श्रे यसे श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्र० तपा-श्रीसोमसुन्दरसूरि-सन्ताने गच्छनायक-श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः ।

(८३८) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४४ वर्षे वैशाख शुदि १५ रवौ प० उ० उकेशज्ञाति सा० धीरा भा० गोरी पुत्र सा० गणपतिकेन भा० मेघू कउतिगदे भ्रा० भोला कान्हा भा० भावलदे कमलादे आसा भा० अहिवदेव्यादिकु० युते स्वभ्रातृ आसा श्रेयोर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० तपा श्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः श्रीरस्तु ।

(८३९) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४५ वर्षे जे० व० ११ दिने धीरवाडावासी प्राग्० ज्ञाति सा० रला भा० माधू पुत्र सा० भीमाकेन भा० हेमी कुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीश्रीश्रीसूरिभिः श्रिये ।

(८४०) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५४५ व० ज्येष्ठ सुदि १२ गुरौ श्रीमालज्ञा० चोपडागोत्रे पं० हरिराण भा० गई पुत्र करणा भा० खेतू पु० पाल्हा कील्हाभ्यां धर्मनाथबिं० प्र० रुद्रपल(पल्लीय)गछे श्रीहेमप्रभसूरिभिः ।

(८४१) संभवनाथ पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४६ वर्षे आषाढ वदि २ उसवालज्ञातौ श्रेष्ठिगोत्रे वैदशाखायां । सा० सिणा भा० सिंगारदे पु० धीजा भा० छाजू ताभ्यां पुत्र-पौत्र-युताभ्यां श्रीचन्द्रप्रभबिंबं सा० सिंघापुण्यार्थं कारापितं । प्र० श्रीदेवगुप्त-सूरिभिः ॥

(८४२) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४६ वर्षे माघ वदि ८ सोमे ओस० थामलेचागोत्रे श्रे० केलहन सुत धोगट भा० मानु पुत्र तोल्हा भा० तोल्हणदे पुत्र चान्दा सहजा स्वमातृपुण्यार्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीनाणकीयगच्छे भ० श्री··········· ।

---

८३७ जयपुर पंचायती मन्दिर
८३८ सांभर पार्श्वनाथ मन्दिर
८३९ नागोर शान्तिनाथ मन्दिर
८४० कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर
८४१ नागोर बड़ा मन्दिर
८४२ भिनाय महावीर मन्दिर

(८४३) संभवनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १५४७ वर्षे वैशाख शु० ३ सोमे हुंबडज्ञा० श्रे० तिला भा० हर्पू पु० श्रे० लाला भीमा नाथादयस्तेषु लालाकेन भा० रुक्मिणी पु० सिंघा वाघादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीमूलसंघे भ० श्रीज्ञानभूषण मूडहिटीग्राम वास्तव्यः ॥ श्रीः ॥ पूज्य भ० श्रीधर्मसुन्दर सिद्धसूरिगुरुप्रसादात् श्रीकक्कसूरिभिः ॥

(८४४) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५४७ वर्षे मा० वदि ८ दिने प्राग्वाटज्ञातीय व्य० रूपा भा० देपू पुत्र मेरा भा० हीरू श्रेयोर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ।

(८४५) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४७ वर्षे माघ शुदि ३ गुरौ श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० जोगा भा० सोनाई सुत जिणदास-गुणपालाभ्यां स्वपित्रोः श्रेयोर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीविमलसूरिपट्टे श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः शीवापुरवास्तव्यः ॥

(८४६) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५४७ वर्षे माह सुदि ५ शुक्रे श्रीसंडेरगच्छे उ०.........
सा० खीमा भा० सांपू पु० सुरतान भा० पहपू पु० ऊरण चोखा आत्मश्रेयसे श्रीकुन्थुनाथबिंबं का० प्र० श्रीयशोभद्रसूरिसन्ताने श्रीसुमतिसूरिभिः ।

(८४७) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४७ वर्षे माघ सु० १३ शनौ श्रीमंडपे श्रीमालज्ञातीय सं० ऊदा भा० हर्पू पु० सं० खीमा भा० पूंजी पु० जगसी भा० साऊ पु० सं० गोदा भा० पु० सं० सामा पु० सं० मेघा पुत्री शाणी लघं...ट सं० राजा भा० सांगी पु० सं० जावड भा० धनाई जीवादे सुहागदे सक्कादे विनादे पु० सं० हीरा भा० रमाई मं० लालादिकुटुम्बयुतेन १०४ बिंबं कारापितं निजश्रेयसे श्रीपतसर्वत्र (पार्श्वनाथ) बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरि-श्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः ॥

---

८४३ जयपुर पुंगलियों का मन्दिर. स्टेशन
८४४ अजमेर संभवनाथ मन्दिर
८४५ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर
८४६ भिनाय महावीर मन्दिर
८४७ मेड़तासिटी उपा० ग० शान्तिनाथ मन्दिर

(८४८) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५४७ वर्षे माघ सुदि १३ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० शिवा भार्या हेली सुत दो० धाईयाकेन भा० सलखु सु० दो० दासां राणा कर्ण सा गांगा पौत्र कमलसीह भा० पोता द्याहिया प्र० कुटुम्बयुतेन प्र० श्रीमधुकरीय-खरतर श्रीमुनिप्रभसूरिभिः ॥ श्रीशीतलबिंबं कारितं ।

(८४९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५४७ वर्षे फागुण सुदि ३ उस० ज्ञा० सा० महीपा भा० तेजू पु० लोला भा० लोलादे सहितेन पित्रोः श्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० बृमाणया (ब्रह्माणीय) श्रीउदयप्रभसूरिभिः ॥

(८५०) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४८ वर्षे वैशाख सुदि ४ सं० डूंगरपत्न्या श्रीदूलहदेव श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं ।

(८५१) पार्श्वनाथ-एकतीर्थीः

॥ संवत् १५४८ वर्षे वैशाख सु० ५ श्रीमूलसंघे सरस्वतीगच्छे श्रीसोम-सेणसला खंडेलवालान्वये मवसारि पु० साधु० सला भा० नेमु मय पुत्र नमिदास············ ।

(८५२) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४८ वर्षे कार्तिक सुदि १२ दिने श्रीऊकेशवंशे रांकागोत्रे मांजउत्रशाखायां सा० सिंघा पुत्र सालिग भा० सामू पुत्र सा० करणाकेन भा० कुहिमदे कमलादेव्यादियुतेन श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्रति श्रीखरतर-गच्छे श्रीजिनसागरसूरिपट्टे श्रीजिनसुन्दरसूरयस्तत्पट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः।

(८५३) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५४८ वर्षे वैशाख शुदि ५ रवौ उपकेशज्ञा० चोपलदगगोत्रे सा० साजा भा० तेजसरू पु० रूप काना सहिसा सोधर कुटुम्बयुतेन स्वपुण्यार्थं श्रीनमिनाथबिं० का० प्र० श्रीमलयचन्द्रसूरिपट्टे श्रीमणिचन्द्र-सूरिभिः ॥

---

८४८ मेड़तासिटी धर्मनाथ मन्दिर
८४९ मेड़तासिटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर
८५० अजमेर चन्द्रप्रभ देरासर. वेदगुदतों का
८५१ किसनगढ़ शान्तिनाथ मन्दिर
८५२ रतलाम सुमतिनाथ मन्दिर
८५३ जयपुर पंचायती मन्दिर

(८५४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० १५४९ वर्षे ज्येष्ठ वदि १० शुक्रे हुंवडज्ञा० श्रे० धर्मा भा० धर्मादे पुत्र खेतसी धना खेतसी भा० २ गुरी माणिकदे पु० वस्ता ताभ्यां धनाकेन भा० लाडिकि पु० हर्षादिकुटुम्बयुतेन स्वमातृश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीउपकेशगच्छे श्रीसिद्धाचार्यसन्ताने भ० श्रीधर्मसुन्दरसिद्धसूरिपट्टे भ० श्रीकक्कसूरिभिः ॥ ईटाढी ॥

(८५५) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५४९ वर्षे ज्येष्ठ वदि १ शुक्रे उपके० ज्ञातीय गोची पाल्हा भा० पोइणि पु० जाल्हा भा० असरा मेहा सा० नाकी सकुटुम्बयुतेन पितृश्रेयोर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं श्रीजीराउलागच्छे भ० श्रीउदयचन्द्रसूरिपट्टे श्रीदेवरत्नसूरिभिः । प्रतिष्ठितं ॥

(८५६) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५४९ वर्षे माह सुदि ... य० बोरदियागोत्रे सा० सारंग सा० लालण भा० विमलादे पु० खेता भा० सोनी सहितेन आत्मश्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभबिंबं कारा० श्रीकोरंटगच्छे...... भ० श्रीनन्नसूरिभिः प्रतिष्ठितं ।

(८५७) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५४९ फा० सु० ११ भौ० श्रीमू० त्रिभुवनकीर्तिदेवाः तत्पट्टान्व० सा० पची भा० वरम्हा पु० सा० जनु । भा० चांदगदे पु० वडुआ नपा त्रि० पु० सा० भेदा भा० धानसिरि पु० अजित भा० नैनाकके (?) विजसी...... ।

(८५८) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५४.............. उएसज्ञा० गांधीगोत्रे साह ऊदा भार्या मेघी पुत्र ३ सा० श्रीरंग चूंहड तोलचूहड भार्या सोहागदे पुत्र समरण चोखा श्रीपाल रत्नपालादियुतेन श्रीअजितनाथबिंबं स्वपुण्यार्थं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीअंचलगच्छे श्रीसिद्धान्तसागरसूरीणामुपदेशेन ।

(८५९) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५० वर्षे माह सुदि ५ गुरु उ० ज्ञातीय धनाणेचागोत्रे सा० वीसल भा० नायबदे पु० सा० वणा भा० वाल्हादे पु० रायमल आत्म० श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० श्रीबृहद्गच्छे श्रीजयमङ्गलसूरिसन्ताने भ० श्रीपुण्यप्रभसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

---

८५४ वीबड़ोद ऋषभदेव मन्दिर
८५५ सांगानेर महावीर मन्दिर
८५६ जड़ाउ पार्श्वनाथ देरासर
८५७ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
८५८ जयपुर विजयगच्छीय मन्दिर
८५९ रामपुरा शान्तिनाथ मन्दिर

(८६०) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५५१ वर्षे वैशाख सुदि ११ सोमे उपकेशज्ञातीय मादडेचागो० सा० मेलात्मज । सा० भांभा भा० पदी पु० मूदावर स्वनिम(मि)त्तं विंबं मुनिसुव्रत । प्र० वृह० भ० श्रीधनप्रभसूरि ।

(८६१) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ स्वस्ति सं० १५५१ वर्षे वैशाख सुदि १३ गुरु श्रीपत्तनवास्तव्य श्री-मोढज्ञातीय ठा० धना भार्या रूड़ी पुत्र ठा० गोना भार्या कांउ सुत ठाकर थावरेन भार्या गोरी सुत ठा० कु० राजसिंग जइ···प्र० कुटुम्बयुतेन श्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे भट्टा० श्रीउदयसागरसूरिभिः ॥

(८६२) विमलनाथः

सं० १५५१ आषाढ वदि ८ श्रीश्रीमालज्ञाती० सा० पूणा भा० खिम-सिरि पुत्र देवधरेण श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० तपा० श्रीसोमसुन्दरसू-रिभिः श्रीमुनिसुन्दरसूरिभिः ॥ विमल का० देवधरेण ।

(८६३) नमिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ ॐ ॥ सं० १५५१ वर्षे पोष सुदि १० उ० पीपाडागोत्रे सा० केला भा० कपूरदे सुत सा० करमाकेन भा० कसमीरदे पु० रणधीर ऊदा वण-वीरप्रमुखपौत्रपरिवारयुतेन श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० पल्लीगच्छे श्रीउज्जो-अणसूरिभिः ॥

(८६४) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५५१ वर्षे माह वदि २ सोमे श्रीमावड··········भा० धारलदे पु० सा० अमरा भा० इंद्रवदे पु० भारमल्ल रतनाकेन आत्मश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्रतिष्ठितञ्च उ० कक्कसूरिभिः ॥

(८६५) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५५१ व० मा० व० २ सोमे उ० ज्ञा० सोनीगोत्रे सा० चांपा भा० चांपलदे पु० हया रामा ह्रदा पितृनि० श्रा० श्रे० श्रीशीतलना० विं० कारि० प्रति० नागुरी तपाग० भ० सोमरत्नसूरिभिः ॥

---

८६० कोटा सेठजी का घर देरासर
८६१ कोटा सेठजी का घर देरासर
८६२ चोथ का बरवाड़ा महावीर मन्दिर
८६३ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर
८६४ परनेड़ा आदिनाथ मन्दिर
८६५ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

(८६६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

संवत् १५५२ वर्षे वैशाख सुदि ३ शनौ ओसवालज्ञातीय सं० सहीजा भा० केल्ही सु० ठाकुरसीकेन भार्या गिरजू सहितेन आत्मश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं श्रीबृहत्तपापक्षे भ० श्रीजिनसुन्दरसूरिभिः प्रतिष्ठितं सविधिना ।। श्री

(८६७) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५५२ वर्षे आषा० शु० २ र० प्रा० ज्ञातीय व्य० जेसा भा० मारु पुत्र थावरकेन भार्या पूरी प्रमुखकुटुम्बयुतेन निजश्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेश भट्टारक श्रीहेमविमलसूरिभिः ।

(८६८) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५५२ मागसिर सुदि ५ रवौ श्रीकोरंटगच्छे ओसवंशे संखवालेचागोत्रे सा० आंबा भा० सोनलदे पु० महणाकेन भा० सीतादे पु० वणवीरयुतेन श्रीकुन्थुनाथबिंबं का० प्र० श्रीनन्नसूरिभिः ।

(८६९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

संवत् १५५२ वर्षे माघ सु० ५ प्रा० ज्ञा० सा० पेमा भार्या रमकू पुत्र सा० सोनाकेन भा० गोरी पुत्र सा० हर्षादिकुटुम्बयुतेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीहेमविमलसूरिभिः श्रीइन्द्रनन्दिसूरि-श्रीकमलकलशसूरिभिः युतेन ।।

(८७०) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थी:

। संवत् १५५२ वर्षे फागुण वदि ८ सोमे सोनगोत्रे सा० नाथू पु० सा० सधारण पु० सा० देदा भा० देवलदे नाम्न्या स्वपुण्यार्थं कुटुम्बश्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबृहद्गच्छे श्रीज्ञानचन्द्रसूरिभिः श्रीछल्ली वास्तव्यम् ।।

(८७१) संभवनाथः

सं० १५५३ माहे वदि ५ श्रीदेवसेनसंघे प्राग्वाट पास आंब दीप पु० मांगाकेन कारितं श्रीसंघसहितेन श्रीसंभवजिनबिंबमिदम् ।।

---

८६६ नागोर बड़ा मन्दिर

८६७ रतलाम सुमतिनाथ मन्दिर

८६८ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

८६९ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

८७० जयपुर विजयगच्छीय मन्दिर

८७१ नागोर आदिनाथ मन्दिर हीरावाड़ी

(८७२) संभवनाथः

सं० १५५३ माह वदि ५ श्रीदेवसेनसंघे प्राग्वाट संघवी सोगाकेन कारितं श्रीसंघसहित श्रीसंभवजिनबिंबमिदम् ॥

(८७३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५५३ वर्षे फा० व० ३ श्रीभरदवगोत्रे । व्य० साह समरा-सन्ताने सा० साजण पुत्र सा० हरिराजेन भार्या हीरादे पुत्र देवकरण सरवण माला सहितेन स्वपुण्यार्थे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीरुद्रपल्लीय-गच्छे भ० श्रीगुणसुन्दरसूरिभिः ॥

(८७४) शीतलनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १५५३ वर्षे फागुण वदि ३ रविदिने डहगोत्रे सा० सूवा भार्या संसारदे पु० जीवराज सहितेन जीवा भा० जीवादे पु० राजा नेमा जयवंत राजा भा० राजलदे पु० महिरा पहिरा सहितेन श्रीशीतलनाथबिंबं चतुर्विंशतिपट्टकः प्र० श्रीनाणकीयगच्छे श्रीधनेसरसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

(८७५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५४ वैशाख वदि ५ शनौ हुंवडवंशे सतिशलिगच्छे(?)पितृ गंगा भार्या रतनश्री पु०······सिंहेन श्रीआदिनाथबिंबं कारापितं प्र० श्रीपासड-सूरिभिः ॥

(८७६) चतुर्मुख-पार्श्वनाथः

सं० १५५४ वर्षे आषाढ वदि १० दिने श्रीपार्श्वनाथप्रासादे श्रीसंघेन समवसरण का० प्रति० श्रीउदयसागरसूरिभिः वृद्धतपापक्षे·········।

(८७७) आदिनाथः

॥ सं० १५५४ वर्षे माघ वदि २ बुधवासरे। सीहावास्तव्य प्राग्वाट-ज्ञातीय व्य० । धीरा भार्या मीतु पुत्र व्य० गांगा चूहाकेन भार्या देऊ पुत्र हरखा जयत पाटलप्रमुखकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिसाधुसूरिपट्टे··· विजयसूरि······आदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छनायक-लक्ष्मी-सागरसूरितत्पट्टे श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु ।

---

८७२ नागोर आदिनाथ मन्दिर हीरावाड़ी
८७३ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर
८७४ जयपुर पंचायती मन्दिर
८७५ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर
८७६ रतलाम सुमतिनाथ मन्दिर
८७७ भिनाय केसरियानाथ मन्दिर, मूलनायक.

(८८८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५५६ वर्षे माघ वदि ७ दिने दोसीगोत्रे सा० मांडण भार्या निपुनी पुत्र सा० लखमण रादा वेलाकेन कारितं श्रीआदिनाथबिंबं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

(८८९) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५६ वर्षे० फा० व० १० दिने प्रा० ज्ञातीय व्य० दुला भार्या सोहिणी पुत्र व्य० हुंतलेन भा० हसीरदे पु० व्य० रतनादिकुटुम्बयुतेन वा० भोजार्थं श्रीअजितबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

(८९०) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५७ वर्षे वैशाख सुदि ५ गुरौ उसवाल गदहीयागोत्रे सा० आंबा भा० रूपी पुत्र कचरा भा० रामा। पूर्वज लखमा निम (मि)त्तं वास(सु)पूज्यबिं० का० प्रति० ऊकेशगच्छे श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

(८९१) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५५७ वै० सु० ११ गुरौ उस० लघु० श्रे० सहिसा भा० देमति पुत्र देवदास हरखा हरदास तेजायुतेन पित्रोः श्रेयसे श्रीआदिनाथबिं० का० प्र० मडाहडगच्छे रत्नपुरीय श्रीपूर्णचन्द्रसूरिभिः। उ० श्रीआणंदमेरु उपदेशेन ॥ शुभंभवतु। जाखडिया।

(८९२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५७ वर्षे वैशाख सुदि ३ सोमे श्रीजीराउलागच्छे वा० आणंद मेरु कारापितं श्रीपार्श्वनाथबिंबं प्र० श्रीउदयचन्द्रसूरिभिः।

(८९३) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५५७ वर्षे वैशाख सुदि ३ दिने मंगलवासरे उ० ज्ञातीय छिंछोडीगोत्रे सा० खीमा सु० नाल्हा भा० नारिंगदे अमसभणदे पु० पल्ह स्वश्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंडेरगच्छे श्रीशान्तिसूरिभिः तत्० इसरसूरिभिः ॥

---

८८८ सांगानेर महावीर मन्दिर
८८९ जयपुर ऋषभदेव मन्दिर, मोहनवाड़ी
८९० जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
८९१ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
८९२ कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर
८९३ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

(८६४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५५७ वर्षे वैशाख शु० ४ गुरौ पहाणेचागोत्रे सा० वडुआ भा० वडुआदे पु० सा० सानंत भार्या सुहागदे पु० लाला भा० चतुरी लाला पु० देवा नगा प्रमु० परिवारयुतेन श्रीआदिनाथबिंबं कारि० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसुन्दरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः प्रतिष्ठितं।

(८६५) नमिनाथ-पञ्चतीर्थी:

संवत् १५५७ वर्षे ज्येष्ठ शुदि १० गुरौ श्रीपत्तन श्रे० गडाकवंशे प्राग्० ज्ञातीय व्य० राजड सुत व्य० खीमसी साहि सा० खीमसीह सुत देया भा० धानकाई नान्या पु० सोना रूपा पुत्री हीराई कीकी सोना भा० टबकू सुत नियतसिंहादिकुटुम्बिन्या श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छनायक-श्रीनिगमादिभविकपरमगुरु-श्रीइन्द्रनन्दिसूरिभिः॥श्रीः॥

(८६६) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५५७ पोष सु० १५ प्रा० ज्ञा० सा० वरसिंग भा०। धामादे पुत्र सा० समधरण भा० उमादे पुत्र खीमा सीधर गांगा भागा सोनादिकुटुम्ब-युतेन निजश्रेयसे॥ श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे सुमति-साधुसूरिपट्टे श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥श्रीः॥

(८६७) चारित्रभूपणपादुका

॥ सं० १५५७ वर्षे फागुण सुदि द्वितीया शुक्रवारे रेवतीनक्षत्रे······ श्रीचारित्रभूपणवराः स्वर्गं जग्मुः॥ तत्पादपद्मयुगलमिदम्॥ चिरं नंदतात् तावधरन्तु ॥ व ॥

(८६८) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थी:

सं० १५५८ वर्षे माह शुदि १३ गुरौ प्राग्वाटज्ञातीय पंचुली योहा भार्या रांभू पुत्र पंचुली पाल्हा भार्या मालो भ्रातृ पं० धर्मा पुत्र डूंगर हादि प्रमुखादिकुटुम्बयुतेन सं० पाल्हाकेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीश्रीश्रीहेमविमलसूरिभिः॥

---

८६४ मुंडाया पार्श्वनाथ मन्दिर
८६५ सोद चन्द्रप्रभ मन्दिर
८६६ जयपुर पंचायती मन्दिर
८६७ नागोर बड़ा मन्दिर
८६८ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

(८९९) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५८ वर्षे माह शुदि १२ गुरौ गोलवासि प्राग्वाटज्ञातीय पंचुली वोडा भार्या रांभू पुत्र पंचुली पाल्हा भार्या झाली भ्रातृ पंचुली कर्मा पुत्र डूंगर डाहि आदिकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीसुमतिसाधुसूरिपट्टे श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

(९००) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५९ वर्षे वैशाख सुदि १३ सोमे श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रेष्ठि धांईआ भार्या माणिक सुत सामल भार्या सारू सु० धर्मण धाराकेन स्वपितृपूर्वज श्रेयोर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं कारापितं प्र० 'श्रीविमलसूरिपट्टे श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः वणद्रवास्तव्यः ॥

(९०१) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५५९ वर्षे आषाढ सुदि १० बुधे ओसवालज्ञातीय छाजहड गोत्रे सं० वहुरा भा० सूहवदे पु० श्रीवंत भार्या सुहागदे कुटुम्बपुत्रपौत्रादियुतेन आत्मपुण्यार्थं श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीपल्लिकीयगच्छे भ० उज्जोअणसूरिभिः ॥

(९०२) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५५९ आषाढ सुदि १० बुधे । श्रीपल्हुवडगोत्रे । सा० तोलासन्ताने कुंवर पालहण साधुकेन भा० देवल पु० पासु रूपचन्द युतेनात्मश्रेयसे श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्र० बृहद्गच्छे भ० श्रीमेरुप्रभसूरिपट्टे श्रीमुनिदेवसूरिभिः ॥ श्री ।

(९०३) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

। सं० १५५९ वर्षे आषाढ सु० १० आइचणागगोत्रे तिजारीशाखायां सा० सूरजन भा० सूहवदे पु० सहस्समल्लेन भा० सीतादे पु० संडा ठाकुर भाटा पदा पौ० कर्मसी पीथा श्रीवंतयुतेन स्वपुण्यार्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीउपकेशगच्छे भ० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥ श्री ।

(९०४) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५५९ वर्षे आषाढ सु० १० सुराणागोत्रे सं० शिवराज भा० सीतादे पुत्र सं० हेमराज भार्या हेमसिरि पु० पूंजा काजा नरदेव श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्मानंदसूरिपट्टे नंदीवर्द्धनसूरिभिः।

८९९ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर
९०० जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
९०१ सांगानेर महावीर मन्दिर
९०२ नागोर बड़ा मन्दिर
९०३ अजमेर संभवनाथ मन्दिर
९०४ अजमेर संभवनाथ मन्दिर

(९०५) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ सं० १५५९ वर्षे आषाढ सुदि १० बुधे ओसवालज्ञातौ तातहड़-गोत्रे। सा० आद्दू भा० गौपाही पु० सुललित। भा० संगारदे स्वकुटुम्ब-युतेन श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं ककुदाचार्यसन्ताने उपकेशगच्छे भ० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः।

(९०६) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५५९ वर्षे मार्गश० शु० १५ सोमे श्रीश्रीमाल म० वरसिंग भा० हेमी सु० हेमा सु० हरराज सु० जयता पोमा सु० पांचाकेन आत्म-श्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीमनसिंहसूरिभिः प्रति-ष्ठितं मोरवीमा०।

(९०७) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५५९ माह सुदि १० दिने शनिवारे उपकेशवंशे शंखवाल-गोत्रे। सा० गुणदत्त भार्या गङ्गादे पुत्र सा० धणदत्त भार्या धनश्री पुत्र सा० हीरादिपरिवारयुतेन शीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसमुद्रसूरिपट्टे श्रीजिनहंससूरिभिः कल्याणमस्तु ॥ श्रीः ॥

(९०८) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६० वर्षे वै० शु० ३ दिने सोजतिवास्तव्य उकेशज्ञातीय सा० भाणा भा० भावलदे पुत्र आसाकेन भा० हांसू सुत चांपा धीदा कुटु-म्बयुतेन श्रेयोर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्रतिष्ठितं तपागच्छनायक-श्रीहेम-विमलसूरिभिः।

(९०९) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५६० वर्षे वै० शु० ३ दिने उस० गहिलडागोत्रे सा० खिमराज भा० खिमादे पु० रुदाकेन भा० हरसनदे पु० रत्नपाल भा० रत्नादे कुटुम्ब-यु० श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे।

---

९०५ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
९०६ जयपुर नया मन्दिर
९०७ नागोर बड़ा मन्दिर
९०८ नागोर बड़ा मन्दिर
९०९ किशनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(६१०) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५६० वर्षे वै० शु० ३ बुधे उकेशज्ञा० सं० मेला भा० माल्हणदे पुत्र सं० वनाकेन भा० वइजलदे पुत्रयुतेन पितृव्य सं० खेटा अर्जुन वृद्धभ्रातृ सं० डूंगर प्र० परिवृतेन भ्रातृ धर्मसिंघ श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्य-विजयमान-गच्छनायक श्री-कमलकलशसूरिभिः।

(६११) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५६० वर्षे ज्ये० व० ८ रवौ स्तंभतीर्थे ऊकेशज्ञा० सा० महीपाल भा० मल्हाई नाम्न्या पु० रत्नपाल युतया श्रेयोर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥ तपागच्छे ॥

(६१२) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

ॐ संवत् १५६० वर्षे श्रीश्रीमालवंशे आववाडीयागोत्रे मं० भरु पु० भोला भार्या मानू पु० सहजाकेन स्वपितृश्रेयोर्थं श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनहंससूरिभिः।

(६१३) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६१ वर्षे पौष वदि १२ शुक्रे श्रीमालज्ञातीय मं० तिहुणा भा० हर्षा पु० ऊदा भा० काऊ पु० चांपाकेन स्वपितृ-मातृश्रेयोर्थं श्रीमुनि-सुव्रतबिंबं कारापितं श्रीचित्रावालगच्छे श्रीधारण(थारा ?)पद्रेय भ० श्रीसो-मदेवसूरिभिः प्रतिष्ठितं काकरीवास्तव्यः ॥

(६१४) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६१ वर्षे फागुण सु० ८ श्रीनाणकीयगच्छे उप० अपहा-ज्ञा (?) भा० रोहिणि पु० भांडा सांडा भांडा पु० चाहड राजा सांडा भा० सहजदे पु० डीडायुतेन पूर्वजपुण्यार्थं स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीशान्तिसूरिभिः ॥ नडुलाइ ।

---

६१० कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

६११ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

६१२ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

६१३ नागोर महात्माजेठमल जी का उपाश्रय

६१४ रतलाम सुमतिनाथ मन्दिर

(६१५) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६२ ॥ वर्षे वैशाख सुदि २ उपकेशज्ञातीय श्रीसुराणागोत्रे सं० चांपा पुत्र सधुरु भार्या जोजी पु० सं० सांडा भार्या धणपालही पु० सहस्रमल्ल-आदाभ्यां युतेन आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीधर्मघोषगच्छे । भ० । श्रीपद्माणंदसूरिपट्टे । भट्टारक श्रीश्रीनन्दीवर्द्धनसूरिभिः ॥ शुभंभवतु ॥ श्रीवेरोजपुर वास्तव्य ॥ प्रतिष्ठितं ॥

(६१६) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५६२ व० माघ० सु० १५ गु० ऊ० थोकगोत्रे सा० जेसा भा० जिसमादे पुत्र राणा भा० रूपा पु० अडपाल तेजा आ० श्रे० श्रेयांसबिं० कारि० बोकडी० श्रीमलयचन्द्रपट्टे मुणिचन्द्रसूरिभिः ।

(६१७) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६३ वर्षे माह सुदि १५ उ० ऊच्छित्तवालगोत्रे सा० देया भा० देवलदे पु० सा० थील्हा भा० थील्हणदे पु० तेजा वस्ता धन्नाआत्मपुण्यार्थ श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीधर्मघोपगच्छे भ० श्रीश्रुतसागरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

(६१८) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

सं० १५६३ माह सु० १५ गुरौ श्रीसंडेरगच्छे ऊसवाल पूगलियागोत्रे सा० काजा भा० रानू पु० नरवद भा० राणी पु० तिहुण करमा कुशला सहसा प्र० आत्मपु० श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारापितं प्रति० श्री ४ शान्तिसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(६१९) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६३ वर्षे फागुण सुदि २ रवौ ऊकेशवंशे बूघडागोत्रे कोठारी ठोला भार्या माणिकदे पुत्र सा० मेघा भा० मेलादे पुत्र को० साल्हाकेन भा० सिरियादे सरुपदे युतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीश्रीश्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे भ० श्रीजिनहंससूरिभिः ॥ शुभंभवतु ॥ श्रीः ॥

---

६१५ हिण्डोन श्रेयांसनाथ मन्दिर
६१६ जयपुर पंचायती मन्दिर
६१७ नागोर बड़ा मन्दिर
६१८ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
६१९ खजवाना धर्मनाथ मन्दिर

(६२०) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५६४ वर्षे ज्येष्ठ वदि ८ शनौ ऊकेशवंशे दोसी वोहडगोत्रे सा० सादूल पुत्र सा० सदयवच्छ भा० वजूं पुण्यार्थं पुत्र सा० ऊमा सा० टालाभ्यां ऊमा पुत्र शिवराज प्रमुखसपरिवाराभ्यां श्रीवासुपुज्यबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसागरसूरिपट्टे श्रीजिनसुन्दरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥ शुभंभवतु ॥

(६२१) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५६४ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १२ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० सहिसा भार्या रंगादे सुत व्य० श्रीवत्स व्य० साऊ व्य० सीपाकैः व्य० राणा प्रमुखकुटुम्बयुतैः स्वश्रेयसे श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपापक्षे श्रीउदयसागरसूरि तत्पट्टे पूज्यश्रीलब्धिसागरसूरिभिः ॥ स्तंभतीर्थ वास्तव्य ॥ भार्या सिंगारदे सीरियादे............।

(६२२) विमलनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ संवत १५६५ वर्षे फागुण वदि ११ दिने उसवालज्ञातीय सोनी-गोत्रे सा० फमण भार्या फमणादे पु० ३ श्रीवंत । राजपाल । गढमल्ल श्री-फमणादे पुण्यार्थं श्रीविमलनाथबिंब कारितं श्रीककुदाचार्यसन्ताने प्र० श्री-सिद्धसूरिभिः ।

(६२३) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ संवत् १५६५ वर्षे फा० व० ११ गुरौ वापणागोत्रे सा० सीहड पुत्र सहजा भा० कपूरी पुण्यार्थे तद्भ्राता सा० सुहडाकेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं कुकदाचार्यसन्ताने प्रतिष्ठितं श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ।

(६२४) शान्तिनाथः

यात्र । सराज । श्रीशान्तिनाथ संवत् १५६५ वर्षे ।

(६२५) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १५६६ ज्येष्ठ वदि १ शुक्रे श्रीउकेशगच्छे श्रीसिद्धाचार्यसन्ताने श्रे० पाल्हण भा० गांगश्री.....श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्री-देवगुप्तसूरिभिः ॥

---

६२० कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर
६२१ मन्दसौर नयापुरा ऋषभदेव मन्दिर
६२२ सांगानेर महावीर मन्दिर
६२३ चंदलाई शान्तिनाथ मन्दिर
६२४ नागोर शान्तिनाथ मन्दिर, मूलनायक.
६२५ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(९२६) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६६ वर्षे ज्येष्ठ शुक्ल पंचम्यां । श्रीमालान्वये महतागोत्रे सा० हाल्हा-तस्य भार्या हीरा तयोः पुत्र । सकतन साध्वेति । तस्य भार्या । तेनेदं धर्मनाथबिंबं कारापितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनराजसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं ।

(९२७) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६६ वर्षे आषाढ सुदि ३ श्रीश्रीमालवंशे चन्डालियागोत्रे सा० जेल्हा भार्या गोरी पुत्र सा० खेमा सुश्रावकेण भार्या भाऊ पुत्र सा० हेमा सा० तिलोगचन्द सधारण अमीपाल कुलचन्द प्रमुखपरिवार सश्रीकेण श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं खरतरगच्छेश श्रीजिनहंससूरिभिः ।

(९२८) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६६ वर्षे आषाढ सुदि ३ श्रीश्रीमालवंशे चन्डालियागोत्रे सा० जोल्हा भार्या गोरी पुत्र सा० देगू सुश्रावकेण भार्या नाथी पुत्र सा० भूपति भार्या खेमाई पुत्र गोरा भयरव प्रमुखपरिवार सश्रीकेण श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छेश श्रीजिनहंससूरिभिः ।

(९२९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६६ वर्षे माह वदि ८ शुक्रे प्राग्वाटज्ञातीय व्य० उजल भा० नर्मद-पु० व्य० मांभण भा० अच्यूत पु० व्य० साल्हा रिहाकेन पु०............हाम डाडी कुटुम्बयु० वृषभ०............तपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीजयकल्याणसूरिभिः ॥

(९३०) विमलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६६ वर्षे फागुण सुदि ३ सोमे श्रीनाणाडवालगच्छे उसभगोत्रे को० चूहय भा० चाणिगदे पुत्र वीदा थणा । थाया टोहा थणा । पुण्यार्थं श्रीविमलनाथबिं० का० प्र० श्रीशान्तिसूरिभिः मेडतानगरे ॥

(९३१) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संव० १५६६ वर्षे फागुण सुदि ३ सोमे उप० बु० श्रीपा भार्या सूरमदे पुत्र हमीर भार्या यानू भ्रातृपुत्रआत्मश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीहेमहंससूरिवरैः ॥

---

९२६ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर
९२७ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर
९२८ पापड़दा शान्तिनाथ मन्दिर
९२९ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर
९३० नागोर शान्तिनाथ मन्दिर
९३१ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(६३२) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६६ वर्षे फागुण सुदि ३ सोमे श्रीनाणावालगच्छे उसभ-गोत्रे को० चुहथ भार्या सुगुणादे पुत्र सधरेण रणधीर भा० रिवणादे पु० धर्मा नेता खीमा भा० सुगुणादे पुण्यार्थं श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीशान्ति-सूरिभिः ॥

(६३३) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६६ वर्षे फागुण सुदि ३ सोमवारे उपकेशवंशे रांकागोत्रे सा० श्रीरंग भा० वेऊ पु० करमा भा० रूपादे स्वश्रेयसे आत्मपुण्यार्थं नमिनाथबिंबं कारितं प्र० उपकेशगच्छे भ० श्रीसिद्धसूरिभिः ॥ श्री

(६३४) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६७ वर्षे । वैशाख सु० ४ श्रीनाणावालगच्छे उ० परिघल-गोत्रे श्रे० भादा भा० नामलदे पु० जेसाकेन भा० यसमादे पु० खीमा धर्मा तेजा तोल्हा युतेन स्वश्रेयसे पितृ-मातृपुण्यार्थं ॥ श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीशान्तिसूरिभि [:] ॥ डायलाणा

(६३५) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६७ वर्षे आषाढ सुदि ५ बुधे गोठी मातृ सा०······तत्पुत्र रायमल्ल भा० स० वीरा धी···········पु० सिरोहत इत्यादिपरिवार-युतेन श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० खरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

(६३६) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६८ वर्षे आषाढ सुदि ४ चन्द्रवासरे । हुंबगोत्रे । उसवाल-ज्ञातीय साह सोमा भा० सुहागदे पु० गांगा चोथा गांगा भा० कपूरदे पितृनिमित्तं श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीकोरंटगच्छे श्रीनन्नसूरिभिः ।

(६३७) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६८ वर्षे माघ शुदि ५ शुक्रे हूँब० मंत्रीश्वरगोत्रे । दोसी चांपा भा० चांपलदे सु० दिनकर वना निव्रतगच्छे । श्रीमुनिसुव्रतबिंबं प्रतिष्ठितं श्रीसंघदत्तसूरिभिः ॥

---

६३२ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर
६३३ नागोर बड़ा मन्दिर
६३४ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर
६३५ अजमेर संभवनाथ मन्दिर
६३६ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर
६३७ रतलाम शान्तिनाथ मन्दिर

(६३८) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६८ वर्षे माघ सुदि ५ दिने श्रीमालवंशे भांडियागोत्रे सा० साल्हा पुत्र सा० मरहा सुत सा० नरपाल भार्या नामलदे स्वपुण्यार्थं श्रीश्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं ॥ श्रीजिनहंससूरिभिः खरतरगच्छे ॥

(६३९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६८ वर्षे माह सु० ५ दिने ऊकेशवंशे साहुसाखगोत्रे सा० समउरा भार्या ललतादे पुत्र सा० सोना भार्या सोनलदे भ्रातृ सोना युत पुत्र मांडण भार्या सोमलदे पुत्र हरखादिपरिवारसहितेन श्रीआदिनाथ-बिंबं कारितं प्रति० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसमुद्रसूरिपट्टे श्रीजिनहंससूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(६४०) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६८ वर्षे माह सुदि ५ गुरौ उपकेशज्ञातीय सा० भावड भार्या जांजणदे पु० सा० पदा भा० पदमदे परिवारयुतेन शीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनहंससूरिभिः ॥

(६४१) अरनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५६८ वर्षे मा० शु० ५ दिने प्राग्वाटज्ञातीय सा० परवत भा० धाऊ पुत्र सा० केल्हाकेन भा० सीऊ पुत्र रामसीयुतेन श्रीअरनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

(६४२) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५६६ वर्षे वैशाख सुदि ६ दिने सुराणागोत्रे सं० धांधासन्ताने सं० सधारु पु० सं० गांदा भा० धणपालही पु० सं० सहसमल्ल भ्रातृ आढा पु० सोमदत्तयुतेन पितृपुण्यार्थं श्रीशान्तिनाथबिंबं का० श्रीधर्मघोषगच्छे प्र० भ० श्रीनन्दीवर्द्धनसूरिभिः ॥

---

६३८ मेड़ता सिटी धर्मनाथ मन्दिर
६३९ मेड़ता रोड शान्तिनाथ मन्दिर
६४० नागोर बड़ा मन्दिर
६४१ मेड़ता सिटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर
६४२ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

(६४३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५७० वर्षे । माघ सुदि ३ रवौ उपकेशज्ञातीय ॥ ठाकुरगोत्रे सा० दल्ला भा० दूलहदेवि पु० सा० श्रीवंतेन निजपितृमातृपुण्यार्थं श्रीआदिनाथविंबं कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीनाणावालगच्छे श्रीमहेन्द्रसूरिपट्टे भ० श्रीशान्तिसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(६४४) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५७० वर्षे माह मासे शुक्लपक्षे । सप्तम्यां । रविवारे । ऊकेशवंशे । पारिखगोत्रे सा० सीहा भार्या श्रा० सिहादे पुत्र सा० राजा सा० तेजा पूंजा । रतना पासु प्रमुखैर्स्वपितुः श्रेयोर्थं श्रीसुविधिनाथविंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनहंससूरिभिः ।

(६४५) सुमतिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १५६६ वर्षे माघ सुदि १३ दिने बुधवारे स्तंभतीर्थवासि ऊकेशज्ञातीय सा० पानल भा० पानलदे पुत्र सा० जइता भार्या फदू पुत्र सा० सींहा सहिजा भा० गुरी पुत्र सा० मंडलीक भा० कमला पुत्र सा० जीराकेन भा० पूनी पितृव्य सा० सोमा हापा विजा कुटुम्बयुतेन पितृव्यवचनात् स्वसन्तानश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथविंबं कारितं प्रति० तपागच्छे श्रीसोमसुन्दरसूरिसन्ताने श्रीसुमतिसाधुसू० पट्टे श्रीहेमविमलसूरिभिः महोपाध्याय श्रीअनन्तहंसगणि प्र० परिवृतैः ॥

(६४६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५७० वर्षे माघ सुदि १३ बुधे श्रीप्राग्वाट सा० राजा भा० सहजलदे पुत्र हरखा रूपा हरखा भा० लाडकि मातृ-पितृ-भ्रातृ प्रभृ० श्री(स्व)-श्रेयोर्थं श्रीश्रीश्रीआदिनाथविंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीनागेन्द्रगच्छे भट्टा० श्रीहेमसिंघसूरिभिः ।

(६४७) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५७१ वर्षे माह वदि पंचमी दिने शुक्रे सुराणागोत्रे सा० शेखर पुत्र सं० सीपा भार्या भोजी पुत्र विजा सारंग सहसायुतेन सा० सीपाख्येन आत्मश्रेयसे श्रीअजितनाथविंबं कारितं श्रीधर्मघोपगच्छे भ० श्रीपद्माणंदसूरि तत्पट्टे श्रीनन्दीवर्द्धनसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥ शुभंभूयात ॥ श्री ॥ छ ।

---

६४३ किसनगढ़ खरतरगच्छ उपाश्रय
६४४ भिनाय महावीर मन्दिर
६४५ मेड़ता सिटी युगादीश्वर मन्दिर
६४६ जयपुर गुलाबचन्दजी ढड्ढा का देरासर
६४७ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

(६४८) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५७१ वर्षे वैशाख सुदि ३ सोमे श्रीमालज्ञातौ खारडगोत्रे ठ० सरवण भार्यया विधिश्राविकया ठ० कुंरपाल ठ० सोनपाल सहितया चुवीसीबिंबमध्ये अजितनाथबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसमुद्रसूरिपट्टे श्रीजिनहंससूरिभिः ॥

(६४९) नमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५७१ वर्षे माह सुदि १० सोमे श्रीसंडेरगच्छे उपकेशज्ञा० साह कालू भार्या वाल्ही पुत्र कान्हा भार्या सारू पितृ-मातृश्रेयोर्थं श्रीनमिनाथबिंबं कारापितं प्रति० श्रीशान्तिनाथसूरिभिः । श्री ॥

(६५०) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

। संवत् १५७२ वैशाख सुदि २ सोमवारे खटवडगोत्रे सा० खाइर पुण्यार्थं सा० कथरा श्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारापितं श्रीमलधारीगच्छे भ० श्रीगुणकीर्तिसूरिभिः ॥ भट्टा० लक्ष्मीसागरसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

(६५१) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५७२ वर्षे वैशाख सुदि ५ सोमे श्रीवंशे मं० सिवा-भा० रही पु० मं० करणा भा० रमादे पु० मं० अजा सुश्रावकेण भा० अहिवदे पु० राणा तथा पितृव्य पु० मं० गोगद प्रमुखसहितेन मातृ-साधुपुण्यार्थं नागेन्द्रगच्छे सुगुरूणां उपदेशेन श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन । बीठलापुरे ॥

(६५२) नेमिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५७२ वर्षे वैशा० सु० ६ सोमे श्रीइलाचलवास्तव्य दो० धाढा भा० डाही नाम्न्या सुत मीकारेण युतया श्रीवड नेमबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपापक्षे······सौभाग्यसागरसूरिभिः ।

(६५३) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५७२ वर्षे फागुण सुदि ६ श्रीउपकेशगच्छे श्रेष्ठिगोत्रे सा० सांगा भा० सिंगारदे पु० हरपाल माता-पिता-पितृ-भ्रा० श्रे० आत्मश्रे० श्रीआदिनाथबिंबं कारा० प्र० कुक० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥ श्री

---

६४८ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर
६४९ जयपुर पंचायती मन्दिर
६५० मेड़ता सिटी धर्मनाथ मन्दिर
६५१ नागोर बड़ा मन्दिर
६५२ चाटसू शान्तिनाथ मन्दिर
६५३ कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर

(६६५) कुन्थुनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ ॐ ॥ संवत् १५७७ वर्षे कार्तिक सुदि १२ दिने ऊकेशवंशे साहुसाखगोत्रे सा० तोल्हा पुत्र सा० सांगा भार्या सुहागदे पु० सा० सूदा-गोइंद शिवकर सच्चा तत्पुत्र सगरा रत्नराजयुता सा० शिवकर भा० सक्तादे पु० सा० श्रीधरेण धर्मादिसपरिवारयुतेन स्वपुण्यार्थं श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं बृहत्खरतरगच्छे श्रीजिनहर्षसूरिपट्टे संप्रति श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥ प्रतिष्ठितं ॥

(६६६) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५७६ वर्षे वैशाख सुदि ७ बुधे श्रीउसवंशे वृद्धशाखीय सा० हेमा रंगादे पु० मांका । श्रीसुमतिनाथबिंबं कारापितं श्रीसाधुसूरिभिः प्रतिष्ठितं । अहमदावादवास्तव्य ।

(६६७) शत्रुंजयतीर्थपट्टः

[१] ॥ ॐ ॥ स्वतिश्री संवत् १५८० वर्षे चैत्र सुदि १२ गुरौ श्रीस्तम्भतीर्थवास्तव्य उसवालज्ञातीय सा० देवा भा० देवलदे

[२] पुत्र सा० राजा भा० रमाई पुत्र सा० हेमा खीमा लाखाकेन भा० लाखणदे भ्रातपुत्र सा० जगमाल जिणपाल महीपाल

[३] अट्टू विद्याधर रतनसी जगसी पदमसी·················

[४]··························· ···(शत्रु) ञ्जयतीर्थपट्टः ५४ श्रीसंघेन वन्द्यमानश्चिरंनंदतात् ।

(६६८) शत्रुञ्जयतीर्थपट्टः

॥ ॐ ॥ स्वस्तिश्री संवत् १५८१ वर्षे आसो सुदि १० दिने श्रीस्तंभतीर्थनगरवासि श्रीऊकेशज्ञातीय सा० देवा भा० देवलदे पुत्र सा० राजा भा० रमाई पुत्र सा० हेमा खीमा लाखा भा० गोई पुत्र जयंतपाल भ्रातृ पुत्र जगमाल जिणपाल महीपाल उदयकिरण विद्याधर रत्नसी जगसी पद्मसी पुत्री लाभी भगिनी सरचाई प्रमुखकुटुम्बयुतेन तपागच्छाधिराज-श्रीहेमविमलसूरीणामुपदेशेन पं० लब्धिश्रुतगणिवारके सा० लाखाकेन कारिताः १०८ पित्तलमयाः चिरं तिष्ठतु ॥

---

६६५ मेड़ता सिटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर
६६६ नागोर बड़ा मन्दिर
६६७ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
६६८ बून्दी पार्श्वनाथ मन्दिर

(९६९) संभवनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५८१ वर्षे पोह सुदि ५ गुरौ ऊ० साउलगोत्रे सा० जिए-दास भा० गांगी पु० सा० डूंगर स्वरहथ योमुचायादिकुटुम्बेन सा० पोमा भार्या वरजू सा० पोमाकेन श्रीसंभवनाथबिंबं कारापितं श्रीसंडेरगच्छे प्र० श्रीईसरसूरिभिः ।

(९७०) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५८१ वर्षे श्रीविक्रमनगरे ऊकेशवंशे वोहिथिरागोत्रे सा० नेम सुत सा० नींवा सुश्रावकेण भार्या नींबडदे पुत्र जोवा काजा वाल्हण पञ्चायण भारमल्ल भादा नरसिंह सहितेन श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीजिनहंससूरिभिः श्रीखरतरगच्छे ॥

(९७१) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ ॐ ॥ संवत् १५८३ वर्षे ज्येष्ठ वुदि ६ शुक्रवारे साहुलागोत्रे सा० गूंगा भा० दूलहदे पु० सा० चोखा थेजा भार्या धरमादे पु० वोहिथ धूचा श्रे० पुण्यार्थं श्रीसंडेरगच्छे भट्टारक श्रीसालिसूरिभि(:) प्रतिष्ठितं श्रीसुमतिनाथबिंबं इति नामं सुभंभवतु ॥ श्री ॥

(९७२) श्रेयांसनाथः

॥ सं० १५८३ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ६ शुक्रे मडाहडीगच्छे श्रीगुणकीर्तिसूरि म० श्रीदयासूरिपट्टे श्रीभावसुन्दरसूरिशिष्य-मनकसूरि करापितं स्वपुण्यार्थं श्रीश्रेयांसनाथबिंबं ।

(९७३) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५८३ वर्षे फागुण वदि १ शुक्रे छाजहडगोत्रे सा० परवत भा० पदमलदे पु० वीदाकेन पार्श्वनाथबिंबं कारापितं श्रीपल्लीवालगच्छे भ० श्रीमहेश्वरसूरिभिः ।

(९७४) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५८४ वैशाख वदि ५ ओशवंशे वरहडियागोत्रे सा० लाला पुत्र सा० हर्षा भार्या हीरादे पुत्र सा० टोहरश्रावकेण स्वश्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च अंचलगच्छे श्रावकेन ॥ श्रेयोस्तु ॥

---

९६९ सैलाना मुनिसुव्रत मन्दिर
९७० मेड़ता सिटी धर्मनाथ मन्दिर
९७१ भैंसरोड़गढ़ ऋषभदेव मन्दिर
९७२ नागोर हीरावाड़ी आदिनाथ मन्दिर
९७३ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर
९७४ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर

(६८७) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६१ वर्षे पौष वदि ११ गुरौ ॥ अहिमनगरवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीय फडीआ समधर भार्या हीरू सु० फ० जसा भा० पूतलि सुत फ० राणा भा० रंगादे सुत फ० जगमाल जयतमाल चांपाकेन श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारापितं श्रीबृहत्तपापक्षे श्रीधनरत्नसूरिभिः प्रतिष्ठितं शुभंभवतु ॥

(६८८) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५६२ वर्षे आषाढ सुदि ६ दिने आदित्यनागगोत्रे तेजाणीशाखायां सा० सुहडा पु० हांसा पुत्र सधारणदास नरपाल सधारण भार्या सूहवदे पुत्र ४ श्रीकरण रंगा समरथ अमीपाल। सधारण स्वपुण्यार्थं कारितं श्रीउपकेशगच्छे भ० श्रीसिद्धसूरिभिः श्रीअभिनन्दनबिंबं प्रतिष्ठितं स्वपुत्रपौत्राय श्रेयसे अस्तु ॥

(६८९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १५६२ वर्षे माघ वदि ३ दिने ....श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० बृहत्तपागच्छे श्रीललितप्रभसूरिपट्टे श्रीपासचन्द्रसूरिभिः ॥ श्री ॥

(६९०) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १५६५ व० वै० शु० ६ शु० आञ्जलीवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० नारुण भार्या लीला स० श्रे० आसा० भा० रूपा भा० रंगादे समस्तकुटुम्बश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० तपा० सूरी० ॥

(६९१) श्रेयांसनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १५६५ वर्षे मा० व० [ ] दलुलिवास्तव्य हुंवडज्ञाति मुहडासीया श्रे० वीरपाल भा० मानूं पुत्र श्रे० नीसल भा० जीविणी पुत्र श्रे० लहूआकेन भा० ललतादे वृद्धभ्रातृ दो० आसा चांपा पोपट लखमादिकुटुम्बयुतेन श्रेयोर्थं श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्र० तपा श्रीहेमविमलसू० तत्पट्टे श्रीसौभाग्यहर्षसूरिभिः ॥ श्रीः ॥ मातरगोत्रे लहूआ

---

६८७ मेड़ता सिटी महावीर मन्दिर
६८८ नागोर बड़ा मन्दिर
६८९ मेड़तासिटी धर्मनाथ मन्दिर
६९० आंतरसूबा वासुपूज्य मन्दिर
६९१ कोटा माणकसागरजी का मन्दिर

(६६२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १५६६ वर्षे ज्ये० शु० २ दिने प्रा० ज्ञातीय सा० कचरा भा० कोडिमदे पुत्र सुश्रावक साह खीमा भा० विमलादे भ्रातृ सा० भीमा भा० भावलदे सा० सोना भा० सुगनादे पु० सल्हू कान्हा कर्मसी प्र० कुटुम्बयुतेन साह खीमाकेन निजपुण्यार्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीआणंदविमलसूरिपट्टे श्रीविजयदानसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(६६३) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १५६६ वर्षे ज्येष्ठ सुदि २ द्वितीया शनौ उ० लिंबोड़ियागोत्रे मं० जावड भा० पादू पु० जगा जयवंत अचला मं० जगा भा० लाछलदे पु० याघा मं० जयवंत भा० जवणादे पु० जाला जावा लघु वृद्धि समस्त राजधर लीला हीरा प्रमुखकुटुम्बयुतेन श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंबं कारापितं श्रीखरतरगच्छे प्रतिष्ठितं श्रीजिनशीलसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

(६६४) शिलापट्ट-प्रशस्तिः

॥ ॐ ॥ स्वस्तिश्रीसंवत् १५६६ वर्षे फाल्गुन मासे शुक्ल पक्षे नवमी तिथौ सोमवारे नागपुरकोटे श्रीमालवंशे संकियाव्य (?) गोत्रे सं० नोल्हा पु० सं० चूहड सं० लक्ष्मीदास सं० भवानी सं० लक्ष्मीदास भार्या सं० सरूपदे नाम्नी हे.................... श्रीराजरत्नसूरिपट्टे सं० श्रीरत्नकीर्त्तिसूरि प्रतिष्ठता ॥....................

(६६५) आदिनाथः

॥ ॐ ॥ सं० १५६६ वर्षे फाल्गुन सुदि नवम्यां तिथौ............ गोत्रे............ सं० नोल्हा पु० सं० तेजा पु० सं० चूहड भा० सं० रमाई पुत्र सं० लक्ष्मीदास सं० भवानी सं० लक्ष्मीदास भा०... .... कल्याणमल्ल तत्र लक्ष्मीदास भार्या सं० सरूपदेव्यो कर्मनिर्जरार्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं.................... भ० श्रीसोमरत्नसूरिपट्टे भट्टारिक श्रीश्रीराजरत्नसूरयस्तत्पट्टे श्रीरत्नकीर्तिसूरि.................... ....श्रीसंघस्य ॥ छः ॥ ॥ छः ॥ ॥ श्रीः ॥

---

६६२ सवाई माधोपुर विमलनाथ मन्दिर

६६३ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

६६४ नागोर हीरावाडी आदिनाथ मन्दिर

६६५ नागोर हीरावाडी आदिनाथ मन्दिर. मूलनायक

(९९६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५९७ वर्षे वैशाख सुदि ३ सोमे श्रीकाष्ठा० वैरी वि० सा० श्र० श्रीसोमकीर्ति आ० श्रीविमलसेन नरसिंहजातीय वोटेचागोत्रे सा० खेइपभा० खेई पुत्र सा० भीमा भा० मही श्रीअजितनाथ कारापितं नित्यं प्रणमति श्रीआदिनाथ आ० श्रीविमलसेन प्रतिष्ठितं ॥

(९९७) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

संवत १५९७ वर्षे पोष। वदि ५ शुक्रे सहूवालावास्तव्य प्राग्वाट वृद्ध-शाखायां दो० वीरा भा० चांगी सुत दो० माणा भा० भरमादे तेन स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीजिनसाधुसूरिभिः ॥

(९९८) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ संवत् १५९८ वर्षे वैशाख सुदि ५ गुरुवारे। उकेशवंशे। पुण्य-पवित्रे। श्रीलोढागोत्रे श्रा० डाहा भार्या श्रा० नानू। तत्पुत्र रत्न। सा० भवा-नीदास। लघुबन्धव सा० श्रे० रायदास। तत्पुत्र सं० साहयादा। सं० श्री-भवानीदास भार्यया। भरमादे श्राविकया॥ श्रीआदिनाथबिंबं कारितं। प्रतिष्ठितं श्रीविजयदानसूरिभिः॥ श्रीतपागच्छे॥ श्रीरस्तु। सू० पहिराज। सू० हरराज। कृतः श्रीः॥

(९९९) आदिनाथ-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १५९८ वर्षे वैसाख सुदि ५ गुरू श्रीपत्तने श्रीवीरवज्ञातीय भीमाउ पु० हर्षा भार्या लखपत सुत पु० देवा भार्या धनदासश्रेयसे श्रीआ-दिनाथबिंबं कारापितं श्रीसिद्धांतीगच्छे भ० श्रीभावसुन्दरसूरिपट्टे श्रीपद्मा-नन्दसूरि प्रतिष्ठितं॥

(१०००) अभिनन्दन-पञ्चतीर्थी:

संवत् १५ . . वर्षे सोढवालगोत्रे श्रीमालज्ञा० सं० खीमधर भा० सामली पुत्र हरराज भा० जोगी भ्रा० मणसी धर्मादि कु० युतेन सा० हरराज स्वश्रे० श्रीअभिनन्दनबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः।

---

९९६ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर
९९७ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
९९८ मेड़तासिटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर
९९९ पीपलिया शान्तिनाथ मन्दिर
१००० पनवाड़ महावीर मन्दिर

(१००१) आदिनाथः

॥ संवत् १६०१ वर्षे वैशाख सुदि ३ शनौ रोहिणीनक्षत्रे आगरा वास्तव्योसवालज्ञातीय लोढागोत्रे गावसे सं० कुंरपाल सं० सोनपालैः स्वभृत्य हरदासकस्य पुण्यार्थं श्रीअंचलगच्छे पूज्यश्री ५ श्रीकल्याणसागरसूरीणामुपदेशात् श्रीआदिनाथबिंबं प्रतिष्ठापितं ।

(१००२) धर्मनाथ-एकतीर्थीः

श्रीधर्मनाथ श्रीविजयदानसूरि सा० आदिकरण बेटी वा० रंभा श्रीश्रीमालीज्ञाती सं० प० १६०१ ।

(१००३) पञ्चतीर्थीः

संवत् १६०२ वर्षे फागुण शुदि ४ गुरौ श्रीमूलसंघे भ० लाभचन्द्रोपदेशात् सं० पं० विरा भा० लाली सु० धीरा भा० वहलादे सु० लखमा ॥

(१००४) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १६०३ वर्षे वैशाख सुदि ३ शुक्रे दिने उपकेशज्ञातीय । देवासंदाशाखायां शा० वरसंघ । भा० वरजू पु० हांसा तेजा तोल्हा वीदा वीसा हांसा भा० हांसलदे पूर्वजनिमित्तं श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीअंचलगच्छे श्रीधर्मसूरिभिः ।

(१००५) धर्मनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १६०४ वर्षे वैशाख वदि ७ वार सोमदिने सुन्दरसीनगरवास्तव्य प्राग्वाटज्ञातीय साह-सोमा भार्या चंदू सुत सा० जीवाकेन भार्या लाली पुत्र. चन्द्रराजादिकुटुम्बयुतेन स्वश्रीश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीविजयदानसूरिभिः ॥

(१००६) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६०४ वर्षे वैशाख सुदि ६ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय मधशाखायां श्रे० नागसी भा० चमकु सु० दूदा भा० झीथी सुत करणा भा० पुहती सु० झांझण भा० अहवादे सु० सिंघा भा० सिंगारदे । श्रीपूर्णिमागच्छे श्रीगुणमेर(रु)सूरि प्र० श्रीकुन्थुनाथबिंबं प्रतिष्ठ(ष्ठि)तं ॥

१००१ जयपुर नया मन्दिर
१००२ आमेर चन्द्रप्रभ मन्दिर
१००३ किसनगढ़ यति स्वरूप चन्द जी का उपासरा
१००४ गागरडू आदीश्वर मन्दिर
१००५ मेड़तासिटी महावीर मन्दिर
१००६ मन्दसौर नयापुरा ऋषभदेव मन्दिर

(१००७) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १६०५ माहा वद ११ ऊकेशज्ञातीय वृद्धशाखायां मोहणेचा-गोत्रे साह भमशी । भार्या लाछलदे । सुत साह जूठा भार्या गूजरदे । पुत्र साह नेतसी । डूंगरसी श्रेयसे श्रीशीतलनाथविंबं कारितं । प्रतिष्ठितं । श्रीतपागच्छे सुविहितसाधुसामाचारीशृङ्गारश्रीविजयदानसूरिभिः ॥ आछ-त्रदेव्या प्रसादात् चिरं नंदतात् ॥ श्रीः ॥

(१००८) ·········चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १६०६ वर्षे पोष सुदि १५ शुक्रे उसवालज्ञातीय सा० खीमा-न्वये सा० गिरसल तत्पुत्र सा० राणा तत्पुत्र सा० करणा तत्पुत्र श्रीपार्श्व-चन्द्रप्रतिबोधित संघपति मन्नाकेन भार्या मन्नादे माणिकदे पुत्र कमलसीह प्रमुखपरिवारसहितेन श्रीचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्र० श्रीसंघेन श्रेयो भूयात् ॥

(१००९) पार्श्वनाथः

॥ ॐ ॥ संवत् १६११ वर्षे वृहत्खरतरगच्छे । श्रीजिनमाणिक्यसूरि-विजयिराज्ये ॥ श्रीमालज्ञातीय ॥ पापडगोत्रे ठाकुर रावण सुत ठा० गढमल तद्भार्या नयणी । तत्पुत्र जीवराजेन श्रीपार्श्वनाथपरिगृहकारापितं ॥ वा० धर्मसुन्दरगणिना प्रतिष्ठितं ॥ शुभंभवतु ॥ छ ॥

(१०१०) अनन्तनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १६१२ वर्षे फागुण सुदि २ तिथौ श्रीओसवालवंशे सा० आढत सा० रणमल्लेन सा० चउहथेन कारापितं श्रीछहितरागच्छे भ० श्रीभाव-सागरसूरि त० श्रीधर्म्ममूर्तिसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीअनन्तनाथ ।

(१०११) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १६१२ वर्षे फागुण सुदि २ तिथौ श्रीउसवालवंशे गांधीगोत्रे सा० आढू पुत्र भीखणमल पु० सा० । चौहथ अजितविंबं कारापितं । सुविहितपक्षगच्छे भावसागरसूरि तत्पट्टे धर्ममूर्तिसूरि प्रतिष्ठितं सुविधिनाथ ।

१००७ कोटा सेठजी का गृहदेरासर
१००८ गागरडू आदीश्वर मन्दिर
१००९ मेड़तासिटी युगादीश्वर मन्दिर
१०१० जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
१०११ कोटा माणिकसागरजी का मन्दिर

(१०१२) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १६१३ शा० १४७८ प्रव० वैशाख सुदि ६ बुधे । श्रीउसवाल-ज्ञातीय श्रीवृद्धशाखायां लंडिकागोत्रे । सा० गणीया सु० सा० ऋषभदास सा० अमरदत्त भा० आह्वदे इत्यादिसमस्तकुटुम्बेन श्रीमुनिसुव्रतस्वामि-पंचतीर्थीपट्टः कारितः प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीविजयदानसूरिभिः ॥ श्रेयोर्थं ।

(१०१३) आदिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ संवत् १६१५ वर्षे । वैशाख वदि ६ दिने श्रीओसवंशज्ञातीय अध-साजन्य (वृद्धशाखायां) संखवालगोत्रीय सा० राजा भार्या वाई चोली सुत सा० पंचायण भा० लाछी सुत सा० पदमसी भ्रा० तेजसी पुण्यार्थं श्रीआदि-नाथबिंबं कारितं श्रीखरतरमाणसालीअगच्छे श्रीय(जि)नचन्द्रसूरि प्रतिष्ठितं जेसलमेरवास्तव्य ।

(१०१४) पद्मप्रभ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १६१५ वर्षे वैशाख वदि ११ भौमे जवालवास्तव्य हुंबडज्ञातीय मंत्रीश्वरगोत्रे दोसी श्रीपाल भार्या सिरियादे सुत दोसी रुडाकेन भा० राणी-युतैः श्रीपद्मप्रभबिंबं तपा श्रीतेजरत्नसूरिभिः प्र० ।

(१०१५) शान्तिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

संवत् १६१६ वर्षे माघ वदि १ सोमे श्रीमूलसंघे सरस्वतीगच्छे बलात्कारगणे श्रीकुन्दकुन्दाचार्यान्वये भ० श्रीसकलकीर्तिदेवास्त० भ० श्री-श्रीभुवनकीर्तिदेवास्त० भ० श्रीज्ञानभूषणदेवास्त० भ० श्रीविजयकीर्ति-देवास्त० भ० श्रीशुभचन्द्रदेवास्तत्पट्टे भ० श्रीसुमतिकीर्तिगुरूपदेशात् उव-खलवास्तव्य हुंवडज्ञातीय बुधगोत्रे सा० पोपट भा० चपकु सुत सं० हरपति भा० हीरादे सु० सं० वीठा भा० रत्नादे भ्रा० वेणा भा० रंगादे भ्रा० ककुमा भा० कनकादे एते श्रीशान्तिनाथबिंबं नित्यं प्रणमंति । इसना-पुरवास्तव्य सा० कमा भा० लाली सु० सा० वलीआ भा० हरखादे एते श्रीशान्तिनाथ नित्यं प्रणमंति ॥ श्रीरस्तु ॥

१०१२ जयपुर स्टेशन मन्दिर. पुंगलियों का

१०१३ बून्दी ऋषभदेव मन्दिर

१०१४ नागौर का बड़ा मन्दिर

१०१५ दाहोद पार्श्वनाथ मन्दिर

(१०२८) श्रेयांसनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः

॥ सं० १६३२ वर्षे फागुण वदि २ शुक्रे मूलसंघे हुंबडज्ञातीय। कांकडेश्वरगोत्रे। श्रे० रामा भा० पासरमू सुत नरपाल भा० साल्हणदे भ्रातृ वस्ता भा०.........श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्रतिष्ठापितं श्री.....नंदिभिः॥

(१०२९) कुशलसूरिपादुका

॥ नागपुर संघस्य ॥ संवत १६३३ वर्षे माह वदि ५ दिने.......... खरतरगच्छे श्रीजिनकुशलसूरि।

(१०३०) शान्तिनाथः

संवत् १६३३ श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिभिः॥

(१०३१)

॥ संवत १६३५ वर्षे वैशाख वदि ११ बुधे कोटनगरे वृद्धहुंबडज्ञातीय। गां० साका भा० नारिंगदे सुत गा० सांगा भा० सोभागदे सु० गा० सिंघराज देवराज वीरदास गंगदास नित्यं प्रणम० श्रीदेवसुन्दरसूरिभिः॥

(१०३२)

॥ संवत् १६३७ वर्षे फागुण सुदि ५ बुधे वागडदेशे राउलश्री सहसमल श्रीविजयराज्ये। श्रीगिरपुरवास्तव्य हुंबडज्ञातीय वृद्धशाखीय मढासाश्रा जीवां भार्या जीवादे सुत गुढसीश्रा भार्या भाखणदे मू.......भार्या जूढिश्रा समस्तकुटुम्बयुतेन श्रीकोटनगरमध्ये श्रीसंभवनाथचैत्यालये देवकुलिकाकारी(रि)ता मध्ये श्रीसुविधिनाथबिंबं स्वस्य श्रेयसेः श्रीवृद्धतपागच्छे भट्टारिक श्रीधनरत्नसूरिभिस्तत्पट्टे भट्टारिक श्रीतेजरत्नसूरिभिस्तत्पट्टे भट्टारिक श्री ५ श्रीदेवसुन्दरसूरिभिः प्रतिष्ठितं शुभंभवतु ॥ पं० विनयचारित्र पं० विमलरत्न पं० जयसिंह पं० ज्ञानरत्न पं० वीररत्न शि० आणंदरत्नेनलिखितं॥

१०२८ हरसूली पार्श्वनाथ मन्दिर

१०२९ नागौर दादावाडी

१०३० नागोर बड़ा मन्दिर

१०३१ रतलाम चन्द्रप्रभ देरासर, महात्मा कन्हैयालालजी

१०३२ गलियाकोट संभवनाथ मन्दिर के एक चैत्यालय की प्रशस्ति

(१०३३) शिलापट्टप्रशस्तिः

॥ ॐ ॥ संवत् १६३७ वर्षे माह सुदि ५ वागडदेशे राउल श्रीसहस-मलजी विजयराज्ये श्रीकोटनगरवास्तव्य हुंबडज्ञातीय वृद्धशाखायां गांधी··········श्रीपाल भ्रातृ गां० धीहर जयपाल भार्या सरूपदे सुत गांधी गांगा भार्या मेलादे ह०·······भार्या खीमदे सुत गांधी सांगा गांधी जेवंतया भार्या स०······· मदि सुत गांधी बल गांधी जेवंत भार्या भगादे सुत गांधी भारिमल्ल भार्या मिलापदे समस्तकुटुम्बयुतेन श्रेयसे श्रीसंभवनाथचैत्यालये देवकुलिका कारापिता श्रीवृद्धतपापच्छे भट्टारिक श्री-धनरत्नसूरिभिस्तत्पट्टे भ० श्रीतेजरत्नसूरिभिस्तत्पट्टे भ० श्रीदेवरत्नसूरिभिः प्रतिष्ठितं शुभंभवतु ॥

(१०३४) शिलापट्टप्रशस्तिः

॥ ॐ ॥ संवत् १६३७ वर्षे माह सुदि ५ सोमे वागडदेशे राउल श्री-सहसमलजी विजयराज्ये श्रीकोटनगरवास्तव्य हुंबडज्ञातीय वृद्धशाखायां। गां० श्रीउदयसिंह सुत गां० नाभा सु० गां० दाखा सुत गां० आणंद भार्या दाडिमदे सुत गां० घीसकर भार्या कनकादे अमरी सुपराणदे रूपादे। सुपराणदे सुत गां० धीरू माऊ धीला भा० कनकादे सुत गां० घीसकरा भार्या कल्याणदे रूपा भार्या केसरदे गां० घीसकर वि। हेनीबाई रङ्गाबाई चगा। समस्त कुटुम्बश्रेयसे श्रीसंभवनाथचैत्यालये देवकुलिका कारिता। श्रीचन्द्रप्रभबिंबं स्थापितं श्रीवृद्धतपागच्छे भट्टारिक श्रीधनरत्नसुरिभिस्तत्पट्टे भट्टारिक श्रीतेजरत्नसूरिभिस्तत्पट्टे भट्टारिक श्रीदेवसुन्दरसूरिभिः प्रतिष्ठितं। श्रेयसे। शुभंभवतु ॥ यात्रा शुभंभवतु। श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्री पं० विनयचा-रित्र पं० विमलरत्न पं० जयसिंह पं० वीसल चेला आणंदरत्न लिखितम् ॥

(१०३५) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६३८ वर्षे माघ सुदि १३ सोमे। श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्य श्री-श्रीमालज्ञातीय सा० वस्ता भार्या विमलादे सुत सा० थावरयच्छी आ० श्रीशान्तिनाथबिंबं कारापितं। श्रीमत्तपागच्छे भट्टारक श्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं शुभंभवतु ॥

(१०३६) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६३८ वर्षे माह सुदि १३ सोमे श्रीमालज्ञातीय·····पुरदासा भा० रमा सुत भायसिंह भा० अमा सहितेन आत्मश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीश्रीतपग० श्रीहीरविजयसूरिभिः ॥ वास्तव्य सारंगपुरि उजेण ॥

१०३३ गलियाकोट संभवनाथ मन्दिर के एक चैत्यालय की प्रशस्तिः
१०३४ " " " "
१०३५ जयपुर नया मन्दिर
१०३६ रामपुरा शान्तिनाथ मन्दिर

(१०३७) अजितनाथः

संवत् १६३६ माह सुदि ५ तिथौ गुरुवारे .... उसवाल-ज्ञातीय लोढागोत्रे सं० मेघराज पुत्र सं० हरषा पुत्र पं० समावरा आदि-युतेन श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनदेवसूरिपट्टे श्रीजिनसिंहसूरिपट्टालंकार श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ।। शुभंभवतु ॥श्रीः।।

(१०३८) आदिनाथः

संवत् १६४० वर्षे माघ वदि ३ सोमे श्रीमूलसंघे भ० श्रीशुभचन्द्र-देवाः तत्पट्ट श्रीसुमतिकीर्तिदेवाः तत्पट्ट भ० श्रीगुरूपदेशात् ......दि जातीय नन्दकेरतरगोत्रे सा० हरषा भा० हर्षमदे पु० सरुदमा भा० हमीरदे सा० भा० देहा मनले सा० मेघा हेमा नेमराज सा० कहा श्रीविमलचन्द भा० वीमलादे सा० वीली वृषभासर नित्यं प्रणमति ।

(१०३९) एकतीर्थीः

वा० इंदा श्रीदारु पूजाल प्र० श्रीहीरविजयसूरिभिः ।। सं० १६४० माह सुदि ७ ।

(१०४०) सुपार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

।। संवत् १६४० वर्षे माघ सुदि ७ दिने गुरौ वाफणागोत्रे ओसवाल-ज्ञातीय । सा० चउथकेन श्रीपार्श्वबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं । च तपागच्छाधिप श्रीहीरविजयसूरिभिः ।। श्रीरस्तु ।।

(१०४१) कुन्थुनाथ-एकतीर्थीः

सं० १६४२ काति ११ श्रीकुन्थुबिंबं कारितं प्र० श्रीहीरविजयसूरिभिः।। दूगडगोत्रे ।

(१०४२) आदिनाथ-पञ्चतीर्थीः

।। सं० १६४३ वर्षे फाल्गुन सित ११ अहम्मदावादवास्तव्य प्राग्वाट० सेठि मूला । भा० राजलदे । पुत्री बाई कोडकी संज्ञया कारितं श्रीआदि-नाथबिंबं प्रतिष्ठितं श्रीविजयसेनसूरिभिः । श्रीतपागच्छे ।।

१०३७ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर
१०३८ अजमेर म्युजियम
१०३९ नागोर बड़ा मन्दिर
१०४० सांगानेर चन्द्रप्रभ मन्दिर
१०४१ नागोर बड़ा मन्दिर
१०४२ नागोर बड़ा मन्दिर

(१०४३) अनन्तनाथ-पञ्चतीर्थी:

संवत् १६४४ वर्षे फागुन सुदि २ दिने उसवालज्ञातीय पाल्हाउतगोत्रीय साह पांचा भार्या नगराजी सुत साह मांगा भार्या सोहागदे सुत कुवेर भा० सामी श्रीअनन्तनाथबिंबं तपागच्छाधिराज श्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं।

(१०४४) अनन्तनाथ-पञ्चतीर्थी:

संवत् १६४४ वर्षे फागुण सुदि २ महिमवास्तव्य उसवालज्ञातीय छाजहड़गोत्रे विसलदास सा० अमीपाल भा० अमृतदे सुत सामीदास सुत धीरदास हरदास। कारापितं श्रीअनन्तनाथबिंबं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिभिः॥

(१०४५) सुमतिनाथ-एकतीर्थी:

॥ संवत् १६४५ वर्षे श्रा० रंगादे कारितं श्रीसुमतिनाथबिंबं प्रतिष्ठितं श्रीहीरविजयसूरिपट्टालङ्कार-श्रीविजयसेनसूरिसिंहैः स्तंभतीर्थे नगरे।

(१०४६) मुनिसुव्रत-एकतीर्थी:

संवत् १६४७ वैशाख सुदि ७ सा० नानजी का० मुनिसुव्रतबिं० प्र० श्रीहीरविजयसूरिभिः॥

(१०४७) पद्मप्रभः

सं० १६५० वर्षे माघ कृष्ण ४ बु० वसा० निटेके सा मघा प्रति साया भं० जोडमदे सुत श्रीकर्णस्य शृङ्गारदे कमद प्रमुखकुटुम्बयुतेन श्रीपद्मप्रभबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीनन्दिवर्द्धनसूरिभिः।

(१०४८) विमलनाथः

॥ सं० १६५१ वर्षे पोष सु० १० शनौ श्रीविमलनाथबिंबं को० केसव पु० भोजा कजा रावल कुलधर का० प्र० तपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिभिः॥

(१०४९) शान्तिनाथ-एकतीर्थी:

सं० १६५१ माह सु० १० श्रीमूलसंघे भ० श्रीचन्द्रकीर्ति तदाम्नाये मायड़गोत्रे सा० दमोदेच प्रणमति।

१०४३ जयपुर श्रीमालों की दादावाडी पार्श्वनाथ मन्दिर
१०४४ सांगानेर महावीर मन्दिर
१०४५ जयपुर प्रतापमलजी ढड्ढा का गृहदेरासर
१०४६ नागोर बड़ा मन्दिर
१०४७ अजमेर म्युजियम
१०४८ थेतड विमलनाथ मन्दिर. मूलनायक
१०४९ चन्दलाई शान्तिनाथ मन्दिर

(१०५०) शान्तिनाथः

सं० १६५३ वर्षे चै० सु० ४ बुधे श्रीशान्तिनाथबिंबं गादहीआगोत्रे सं० सुरताण भार्या हर्षसदे पु० सं० दासा भा० लाडमदे पु० सं० पद्मेन कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिपट्टे श्रीविजयसेनसूरिभिः॥ पं० विनयसुन्दरगणि प्रणमति॥ श्रीरस्तु॥

(१०५१) धर्मनाथः

सं० १६५३ वै० शु० ४ बु० श्रीधर्मनाथबिंबं सा० सुरताण······· जीया का० प्र० श्रीविजयसेनसूरिभिः पं० विनयसुन्दरगणि प्रणमति।

(१०५२) कुन्थुनाथः

संवत् १६५३ वै० शु० ४ बुधे श्रीकुन्थुनाथ सं० सूति कुमारदे का० प्र० श्रीविजयसेनसूरिभिः॥ पं० विनयसुन्दरगणिः प्रणमति।

(१०५३) शीतलनाथः

सं० १६५३ व० वै० शु० ४ बु० शीतलनाथ सा० रायसिंघ भा० सोभागदे पु० व० ४ का० प्र० श्रीतपा० श्रीविजयसेनसूरिभिः पं० विनयसुन्दरगणिः प्रणमति॥

(१०५४) हीरविजयसूरिमूर्तिः

सं० १६५३ वर्षे वै० शु० ४ बुधे श्रीहीरविजयसूरिमूर्तिः मं० मेरु चपराघेन(?)कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीविजयसेनसूरिभिः॥ पं० विनयसुन्दरगणिः प्रणमति श्रीगुरुपादुका (मूर्ति)।

(१०५५) कुन्थुनाथः

संवत् १६५३ वर्षे वै० शु० ४ बुधे श्रीकुन्थुनाथबिंबं गाद० गोत्रे श्री सं० सुरताण भा० हर्षमदे पु० सं० सादूलेन प्र० श्रीतपागच्छे श्रीविजयसेनसूरिभिः। पं० विनयसुन्दरगणिः प्रणमति॥

१०५० मेड़तासिटी महावीर मन्दिर
१०५१ मेड़तासीटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर
१०५२ मेड़तासीटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर
१०५३ मेड़तासीटी महावीर मन्दिर
१०५४ मेड़तासीटी कुंथुनाथ मन्दिर तपाउपाश्रय
१०५५ मेड़तासीटी कुंथुनाथ मन्दिर तपा उपाश्रय० मूलनायक

(१०५६) शीतलनाथः

सं० १६५३ चै० शु० ४ बुधे श्रीशीतलनाथबिं० सा० भेऊ हासा सा० पद्मा·························प्र० तपागच्छे श्रीविजयसेनसूरिभिः पं० विनयसुन्दरगणिः प्रणमति ॥

(१०५७) अरनाथः

सं० १६५३ चै० शु० ४ बुधे श्रीअरनाथबिंबं कारापितं··························· ·················प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीविजयसेनसूरिभिः पं० विनयसुन्दरगणिः प्रणमति ॥

(१०५८) महावीरः

सं० १६५३ वर्षे चै० शु० ४ बु० श्रीमहावीरबिं० सा० खेतसी सा० देदाभ्यां का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिपट्टे श्रीविजयसेनसूरिभिः॥ पं० विनयसुन्दरगणिः प्रणमति ॥

(१०५९) महावीरः

सं० १६५३ व० चै० शुदि ४································ श्रीमहावीरबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीविजयहीरसूरिपट्टे श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु पं० विनयसुन्दरगणिः प्रणमति ॥ छः ॥

(१०६०) सिंहासने

संवत् १६६४ वर्षे वैशाख सि० ७ श्रीश्रीमालज्ञातीय सं० भोजराज भा० भोजल सुत शा०खेतसींग चतुरंगदे सादा-चतुरंगभ्यां चास्य परिकरः कारितः प्रतिष्ठितं·········विनयचन्द्रसूरिजि० पं० मेरुविजय प्रणमतितरां ॥

(१०६१) जिनदेवसूरिपादुका

॥ संवत् १६६५ वर्षे मार्गशीर्ष वदि ३ दिने सोमवारे श्रीखरतरगच्छीय भट्टारक श्रीजिनदेवसूरयः कृतानशनाः सुरालयमलंचक्रुः तेषां पादपद्मस्थापनेयं ॥ श्रीसंघस्य श्रेयसे ॥

१०५६ मेड़तारोड़ पार्श्वनाथ मन्दिर
१०५७ मेड़तारोड़ पार्श्वनाथ मन्दिर
१०५८ मेड़तारोड पार्श्वनाथ मन्दिर
१०५९ मेड़तासीटी महावीर मन्दिर. मूलनायक
१०६० मेड़तासीटी महावीर मन्दिर. मूलनायक
१०६१ मेड़तासीटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(१०७२) पार्श्वनाथ-एकतीर्थीः

... सं० १६५८ व० मीती आ० व० ५ सि० श्रीमूलसंघे सीडाल प्रति राउंप।

(१०७३) पार्श्वनाथ-एकतीर्थीः

सं० १६५८ वर्षे आषाढ व० १० रवौ श्रीमूलसंघे भ० चन्द्रकीर्त्ति खंडेलवाल बाकल वाला सा० राम पु० ४ ईगा वला मेहा राणा पुत्र श्रीवंत नित्यं।

(१०७४) अजितनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६५८ वर्षे माह सुदि ५ सोमे श्रीसुधर्मगच्छे भ० श्रीविनयकीर्तिसूर(रि) नामादिसेन श्रीसाल० नायण वीरपाल श्रीअजितनाथबिंबं।

(१०७५) कुन्थुनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६६० वर्षे वै० शु० १३ दि० सो० मांडण तत्पुत्री वीनू सुराईना कुन्थुनाथबिंबं का० पं० नयविजय प्रतिष्ठितं च भ० श्रीविजयसेनसूरि तपा०।

(१०७६) जिनकुशलसूरि पादुका

संवत् १६६० वर्षे माह सुदि १३ दिने प्र०। बृहत्खरतरगच्छे युगप्रधान-श्रीजिनचन्द्रसूरिविजयराज्ये श्रीजिनकुशलसूरिपादुके प्रतिष्ठितं कनकसोमेन ग। चामरधान कारिते पादुके।

(१०७७) शान्तिनाथः

॥ संवत् १६६१ वर्षे वैशाख वदि ८ सोमे ओसवालज्ञातीय लोढागोत्रे सं० खींवराज पुत्र पेमराज त० चांपसी मदनसी गोसा प्रमुखपुत्रयुतेन श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनदेवसूरिपट्टे श्रीजिनसिंहसूरि-पट्टालङ्कार-श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः॥ श्रीमेडतानगरे।

१०७२ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
१०७३ जयपुर सुमतिनाथ मन्दिर
१०७४ भैंसरोडगढ़ ऋषभदेव मन्दिर
१०७५ किसनगढ़ शान्तिनाथ मन्दिर
१०७६ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर
१०७७ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(१०७८) मूलनायक-पद्मासने

॥ संवत् १६६१ वर्षे.................................
श्रीमेडतानगरे श्रीबृहत्खरतरगच्छे भ० श्रीश्रीजिनमाणिक्यसूरिपट्टप्रभाकरैः। श्रीअकब्बरसाहिप्रदत्तयुगप्रधानपदप्रवरैः। प्रतिवर्षापाढाद्याष्टाहिकादिषाण्मासिकामारिप्रवर्तकैः। श्रीस्तंभतीर्थीय.........मीनादिजीवरक्षकैः। श्रीशत्रुञ्जयादितीर्थकरमोचकैः। सर्वत्रगोरक्षाकारकैः। पञ्चनदीपीरसाधकैः। युगप्रधान-श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः। आचार्य श्रीजिनसिंहसूरिसूरिः। श्रीसमयराजोपाध्यायः॥ वा० हंसप्रमोद वा० समयसुन्दर वा० पुण्यप्रधानादिसाधुयुतैः॥

सिंहासनोपरि

॥ ॐ॥ श्रीसंघेन॥ प्रतिष्ठितं श्रीश्रीबृहद्खरतरगच्छैः॥ श्रीजिनमाणिक्यसूरिपट्टपूर्वाचलसहस्रकरावतार-श्रीअकब्बरपातिसाहिप्रतिबोधक। श्रीशत्रुञ्जयादितीर्थकरमोचक। सर्वमण्डल। षण्मासजीवदयाप्रतिपालक..............निमन्त्रनिराकरण-युगप्रधानविरुदधारक। भट्टारकप्रधान श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीजिनचन्द्रसूरिभिः सश्रीजिनसिंहसूरिभिः॥ श्रीचतुर्विध श्रीसंघयुतैः॥ शा०......णी कुञ्जरवादि हर्षनन्दनगणिना॥

(१०७९) परिकरे

॥ ॐ॥ संवत् १६६६ वर्षे शाके १५३४॥ मार्गशीर्ष मासे॥ श्रीपातिसाही नूरदीन महम्मद जहांगीर विजयिराज्ये। श्रीमेडतामहाकोटैः॥ महाराजाधिराज महाराज श्रीसूर्यसिंहजी महाराजकुमर श्रीगजसिंहजी। राजश्री गोयिन्ददासजी वचनात्॥ श्री॥..गोलवेच्छागोत्रीय। सा० देवसी तत्पुत्र सा० रायमल्ल तत्पुत्र सा० कला सा० अमरसी तत्पुत्र सा० खेता पौत्र सा० राजसी सा० नरसिंघ। रायसिंघ उदयसिंघ वल्लभराजा नारायणादिसत्परिवारयुतेन। श्रीवासुपूज्यनाथ निजन्यायोपार्जितदेवद्रव्येन। परिकरेण प्रतिष्ठापिता॥

(१०८०) नमिनाथः

॥ संवत् १६६१ वर्षे। श्रीबृहत्खरतरगच्छे॥ प्रतिवर्षषाण्मासिकाभयदानदायकैः सकलगोरक्षाकारकैः श्रीशत्रुञ्जयमहातीर्थकरनिवारकैः पञ्चनदीपतिपीरसाधकैः। युगप्रधान-श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः। आ० श्रीजिनसिंहसूरि ... । प्रतिष्ठितं का० नमि- ...यः॥ वा० पुण्यप्रधानगणिभिर्लिखितम्॥

१०७८ मेड़तासिटी वासुपूज्य मन्दिर
१०७९ ,, ,, ,,
१०८० ,, ,, कुन्थुनाथ मन्दिर

(१०६२) मूलनायकः

॥ संवत् १६६७ फागुन कृष्णा ६ गुरौ .... उसवालज्ञातीय दूगडगोत्रे सा० सालिग पुत्र साह राजपाल पुत्र सा० खीमाकेन भार्या कुशलदे पुत्र गिरिधर सा० मानसिंवयुतेन श्रीश्रेयांसनाथविंवं कारितं प्र० नागौरी तपागच्छे श्रीचन्द्रकीर्तिसूरिपटटे श्रीसोमकीर्तिसूरिपट्टे श्रीदेवकीर्तिसूरि श्रीअमर .... ॥ प्रतिष्ठितं नागौरी तपागच्छे श्रीआगरानगरे मानसिंहेन लिपीकृतं ॥

(१०६३) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १६६७ व० फा० व० गहिलडागो० सा० टोडर जसाकोरूकेन श्रीपार्श्वनाथबिवं कारितं प्र० तपा० श्रीविजयसेनसूरिभिः ।

(१०६४) पद्मप्रभः

॥ सं० १६६६ वर्षे आषाढ मासे ...... गुरुवारे .... श्रीओसवालज्ञातीय लोढागोत्रे सं० डाहा भार्या तेजलदे पुत्र रायमल्ल भार्या रङ्गादे पुत्र .... भीमराज धारावत भार्या जशवंतदे ....पु० सं० आसराज पुत्रयुतेन श्रीपद्मप्रभबिंवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनदेवसूरिपट्टे श्रीजिनसिंहसूरिपट्टालङ्कार-श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः .... ॥

(१०६५) शान्तिनाथः

॥ संवत् १६६६ वर्षे माह सुदि ५ दिने शुक्रवारे महाराजाधिराज महाराज श्रीसूर्यसिंहजी विजयिराज्ये उसवालज्ञातीय लोढागोत्रे संघवी डाहा तत्पुत्र सं० रायमल्ल भार्या रङ्गादे तत्पुत्र सं० लाखाकेन भार्या लाडिमदे पुत्र वस्तुपाल सहितेन श्रीशान्तिनाथबिंवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबृहत्खरतरगच्छे श्रीआद्यपक्षीय श्रीजिनसमुद्रसूरिपट्टे श्रीजिनदेवसूरिपट्टे श्रीजिनसिंहसूरिपट्टालङ्कार-श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥ शुभंभवतु ॥ छः ॥ श्रीः ॥

१०६२ हिन्डोन श्रेयांसनाथ मन्दिर

१०६३ नागोर मुकनसुन्दरजी का उपाश्रय

१०६४ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

१०६५ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर

(१०९६) मूलनायकः

॥ संवत् १६६६ वर्षे माह सुदि ७ शुक्रवारे महाराजाधिराज श्रीसूर्यसिंहजी विजयराज्ये श्रीउपकेशज्ञातीय लोढागोत्रे सा० डाहा तत्पुत्र सं० रायमल्ल भार्या रङ्गादे तत्पुत्र सं० भीमाकेन भार्या लाडिमदे-॥ पुत्र वस्तुपाल युतेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं-श्रीमद्बृहत्खरतरगच्छे श्रीआद्यपक्षीय श्रीजिनसमुद्रसूरिपट्टालङ्कार श्रीजिनदेवसूरितत्पट्टालङ्कार श्रीजिनसिंहसूरितत्पट्टोदयाद्रिशृङ्गभानु-श्रीजिनचंद्रसूरिभिः॥ शुभंभवतु।

(१०९७) सुमतिनाथ-पञ्चतीर्थीः परिकरे

संवत् १६७० वर्षे वैशाख सित पंचमी तिथौ सोमवासरे स्तम्भतीर्थवास्तव्य ऊकेशज्ञातीय वृद्धशाखीय देसलहरागोत्रीय सा० श्रीमल्ल नाम्ना भ्रातृव्य सा० सोमा तत्सुत सूरजी रामजी प्रमुखकुटुम्बयुतेन श्रीसुमतिनाथ परिकरः कारितः प्रतिष्ठिश्च तपागच्छे श्रीअकब्बरसुरत्राणपाण्मासिकजंतुजाताभयदान-श्रीशत्रुञ्जयादितीर्थकरमोचनस्फुरमान्प्रदानप्रभृति-बहुमान भ० श्रीहीरविजयसूरिपट्टालङ्कार श्रीअकब्बरपरिषल्लब्धजयवाद भ० श्रीविजयसेनसूरिभिः।

(१०९८) संभवनाथ-एकतीर्थीः

सं० १६७० वर्षे सावण व० श्रीसंभवबिं० का० प्र० तपागच्छे श्रीविजयसेनसूरि।

(१०९९) यु० जिनचन्द्रसूरिपादुका

॥ संवत् १६७० वर्षे मार्गशीर्ष सुदि १० दिने। श्रीजेसलमेरुसंघेन कारिते। पा० सवाईयुगप्रधान-श्रीजिनचंद्रसूरिणा प्र० श्रीजिनसिंहसूरिभिः॥

(११००) सुपार्श्वनाथः

॥ संवत् १६७१ वर्षे वैशाख सुदि ३ शनौ रोहिणीनक्षत्रे आगरावास्तव्योसवालज्ञातीय लोढागोत्रे गावंसे सा० पेमल भार्या सक्तादे पुत्र सा० खेतसी-नेतसीकाभ्यां स्वपितृयु० श्रीमदंचलगच्छे पूज्यश्रीकल्याणसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीसुपासजिनबिंबं प्रतिष्ठापितं।

१०९६ मेड़तासिटी चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर
१०९७ जयपुर प्रतापमलजी ढड्ढा गृहदेरासर
१०९८ अजमेर संभवनाथ मन्दिर
१०९९ मेड़तासिटी शान्तिनाथ मन्दिर
११०० जयपुर सुपार्श्वनाथ मन्दिर. मूलानायक

(१११२)

सं० १६७४ माह वद १ दिने उसवालज्ञातीय ग्रामेचागोत्रे सं० नेता भार्या नवरंगदे तत्पुत्र संघवी हर्षा भार्या हीरादे पुत्र सं० जीवा भार्या रङ्गादे नाम्न्या सं० जिणदास पु० प्रईसर युक्तया का० प्रतिष्ठितं जहांगीर-महातपा भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(१११३) शान्तिनाथः

संवत् १६७४ व० मा० व० १ सं० सुरताण भार्या सोभागदे······ युक्तया श्रीशान्तिनाथविंबं का० प्र० तपा० श्रीविजयदेवसूरिभिः ।

(१११४) आदिनाथः

॥ संवत् १६७४ वर्षे मा० सु० ६ दि० गुरु पुष्ययोगे उपकेश-ज्ञातीय सुराणागोत्रे सा० रायसिंघ पु० रायचन्देन स्वश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथ-विंबं कारितं प्र० तपागच्छे गुरुजहांगीरतपाविरुदधारक-भट्टारक श्रीविजय-देवसूरिभिः ।

(१११५) सुविधिनाथः

संवत् १६७४ मा० व० १ दि० उप·········लाडाला० स्वश्रेयसे श्रीसुविधिविंबं प्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(१११६) मूलनायकः

॥ संवत् १६७४ वर्षे माघ वदि १ दिने गुरु पुष्ययोगे श्रीश्रीजहांगीर-पातिसाहसलेमसाहिविजयवंतराज्ये उसवालज्ञातीय उच्छित्तवालगोत्रे सं० सहसवीर तत्पुत्र सं० समरा भार्या संगतादे तत्पुत्र सं० नींवा भार्या नवलादे तत्पुत्र सं० रायरत्न भा० के लाडिमदे सं० मूला भार्या महिमादे सं० रायमल्ल पुत्र वच्छराज महावल सं० मूला पुत्र वर्द्धमान रामजी सपरिकरेण श्रीधर्मनाथविंबं कारितं श्रेयोर्थं प्रतिष्ठितं श्रीजगद्गुरु······ विरुदधारी हीरविजयसूरितत्पट्टालङ्कार श्रीविजयसेनसूरि० ज·········

(१११७) मूलनायकः

····संवत् १६७४ वर्षे माघ वदि ६ दिने गुरु पुष्ययोगे ओसवालज्ञातीय चोरडियागोत्रे सा० सिंघा भार्या नवलादे तत्पुत्र नगदास भार्या भरमादे नाम्ना श्रीनमिनाथविंबं का० प्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारक श्रीविजयदेव-सूरिभिः ।

१११२ मेड़तासिटी महावीर मन्दिर
१११३ ,, ,, उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर
१११४ नागोर चौसठिया जी का मन्दिर. मूलनायक
१११५ ,, ,, ,, ,, ,,
१११६ खजवाना धर्मनाथ मन्दिर. मूलनायक
१११७ जयपुर पार्श्वचन्द्रगच्छीय उपाश्रय. मूलनायक

(१११८) सुविधिनाथः

॥ संवत् १६७४ वर्षे मा० व० १ दिने गुरु पुष्ययोगे सं० देवदत्त.........गोत्रे सं० देवसी...............श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(१११९) मुनिसुव्रतः

॥ संवत् १६७४ वर्षे माह वदि १ दिने गुरु पुष्ययोगे ओसवालज्ञातीय चोरडिआगोत्रे सं० पोहू पुत्र देवदत्त तत्पुत्र सं० सोमल भार्या सोभागदे नाम्नी श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे जहांगीरमहातपाविरुदधारक भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११२०) शान्तिनाथः

॥ संवत् १६७४ वर्षे माह वदि, १ दिने गुरु पुष्ययोगे ओसवालज्ञातीय चोरडिआगोत्रे सा० देवदत्त भार्या नीआरदे तत्पुत्र भोजा भार्या भोजलदे नाम्नी श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११२१) सुमतिनाथः

॥ संवत् १६७४ वर्षे माह वदि १ दिने ललवाणीगोत्रे सा० नानिगकेन कारितं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११२२) सुपार्श्वनाथः

॥ सं० १६७४ वर्षे मा० व० १ गुरु पुष्ययोगे उ० चोरडिआगो० सं० पोहू भा० देवलदे पुत्र सं० वीरदास भा० वीरादे श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११२३) नमिनाथः

॥ संवत् १६७४ वर्षे माह वदि १ दिने गुरु पुष्ययोगे ओसवालज्ञातीय चोरडिआगोत्रे.................दे नाम्नी श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

१११८ नागोर वड़ा मन्दिर
१११९ ,, ,, ,,
११२० ,, ,, ,,
११२१ ,, ,, ,,
११२२ ,, ,, ,,
११२३ ,, ,, ,,

(११२४)

सं० १६७४ वैशाख वदि १ दिने ॥ तपागच्छे भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः ।

(११२५) मूलनायकः

राजाधिराज-श्रीरायसिंहजी राज्ये ॥ श्रीजिनमाणिक्यसूरिपट्टे युगप्रधान श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः शिष्य-आचार्य-श्रीजिनसिंहसूरि-श्रीसमयराजोपाध्याय वा० पुण्यप्रधान प्र० सा० युतैः ।

(११२६) यु० जिनसिंहसूरिपादुका

॥ संवत् १६७५ वर्षे माघ वदि १३ रवौ बृहद्खरतरगच्छाधीश्वर-युगप्रधान श्रीजिनचन्द्रसूरिशिष्य-श्रीजिनसिंहसूरिपादुके श्रीसंघेन कारिते । प्रतिष्ठिते । श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

(११२७) मूलनायकः

॥ संवत् १६७७ वर्षे । वैशाखमासे शुक्लपक्षे तृतीयातिथौ शनि रोहिणीयोगे श्रीमेडतानगरवास्तव्य श्रीमालज्ञातीय पाताणीगोत्रीय सं० भोजा भार्या भोजलदे पुत्रेण संघपति खेतसीकेन स्वभा० चतुरङ्गदे पुत्र डूंगरसी प्रमुखकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयसे स्वकारितं रङ्गदुत्तुंगशिखरबद्धश्रीऋषभदेवविहारमण्डनं सपरिकरं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठापितं च तपागच्छे श्रीमदकब्बरसाहिप्रतिबोधक श्रीशत्रुञ्जयादिकरमोचक भट्टारक श्रीहीरविजयसूरिराजपट्टोदयपर्वतसहस्त्रकिरणायमान युगप्रधान भट्टारक श्रीविजयसेनसूरिपट्टप्रभावक श्रीजहांगीरसाहिप्रदत्त श्रीजहांगीरमहातपाविरुद्धारक श्रीमहावीरतीर्थंकरप्रतिष्ठितश्रीसुधर्मस्वामिपट्टधरसकलसुविहितसूरिसभाशृङ्गारभट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११२८) महावीरः

॥ सं० १६७७ वर्षे वैशाखमासे शुक्लपक्षे तृतीयायां तिथौ शनि रोहिणियोगे साहिश्रीजहांगीरविजयमानराज्ये श्रीमेडतानगरवास्तव्य श्रीमालज्ञातीय पाताणीगोत्रीय संघपति खेतसी भार्या चतुरङ्गदे नाम्न्या श्रीमहावीरबिंबं कारितं प्रतिष्ठापितं च स्वप्रतिष्ठायां प्रतिष्ठितं च श्रीतपागच्छे श्रीमदकब्बरसुरत्राणप्रदत्तजगद्गुरुविरुदधारक षण्मासाभयदान-

---

११२४ नागोर हीरावाड़ी आदिनाथ मन्दिर,

११२५ सांगानेर चन्द्रप्रभ मन्दिर. मूलनायक

११२६ मेड़तासिटी शान्तिनाथ मन्दिर

११२७ मेड़तासिटी आदिनाथ मन्दिर

११२८ „ „ „

प्रवर्त्तक श्रीशत्रुञ्जय जगाति-जीजी-आदिकरमोचक भट्टारकप्रभुश्री ५ श्रीहीरविजयसूरिराजपट्टोदयपर्वतसहस्रकिरणायमान साहिश्रीअकब्बरसुरत्राणसभालब्धविजयलक्ष्मीसन्मान युगप्रधानसमान सकलसूरिसामन्तचक्रसार्वभौमोपमान भट्टारक श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्रीविजयसेनसूरीश्वरपट्टप्रभावक श्रीमंडपाचले श्रीदीपालिकापर्वणि श्रीमद्जहांगीरसाहिप्रदत्त श्रीजहांगीरमहातपाविरुदधारक श्रीमन्महावीरतीर्थकरप्रतिष्ठित श्रीसुधर्मस्वामिपट्टपरंपरानुक्रम-परिपाटीप्रौढसकलसुविहितसूरिसभाशृङ्गारभट्टारक श्री ५ श्रीविजयदेवसूरीश्वरैः ॥

(११२६) अजितनाथः

प्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारक श्री ५ श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥ संवत् १६७७ वर्षे वैशाख सुदि ३ दिने । शनौ । श्रीबृहत्खरतरगच्छे श्रीमेडतानगरे । श्रीमालज्ञातीय चंडालियागोत्रे । टङ्कशालीय नेखसात् श्रीमल्ल पुत्र पासु । पद्दू । पासु पुत्र सुखु पद्दू पुत्र कला सुखू पुत्र वीरदासेन कल्ला पुत्र रायसिंह वीरदास पुत्र सूजा पञ्चायण जिणदास प्रमुखपुत्रपौत्रादिपरिवारसहितेन श्रीअजितनाथबिंबं कारितं श्रीखरतरगच्छाधीश श्रीजिनमाणिक्यसूरितत्पट्टपूर्वाचलसहस्रकरावतार युगप्रधान श्रीजिनचन्द्रसूरिपट्टप्रभाकर श्रीजिनसिंहसूरिपट्टप्रभाकर वर्तमानभट्टारक श्रीजिनराजसूरिविजयराज्ये आ० श्रीजिनसागरसूरि यौवराज्ये ॥ श्रीरस्तु ॥ आचंद्रार्कं चिरं नन्दतु ॥ श्रीः ॥

(११३०) महावीरः

॥ संवत १६७७ वर्षे वैशाखमासे शुक्लपक्षे तृतीयायां तिथौ शनि रोहिणीयोगे साहिश्रीजहांगीरविजयमानराज्ये श्रीमेडतानगरवास्तव्य श्रीमालज्ञातीय मुमलगोत्रीय सा० छाजू भा० कुसुमा पुत्र सा० सींहमल्लकेन भार्या सुखमल्लदे पुत्र सामीदास नेमीदास सुन्दरदास प्रमुखपरिवारयुत्तेन स्वश्रेयसे श्रीमहावीरबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीमद्कब्बरसुरत्राणप्रदत्तजगद्गुरुविरुदधारक श्रीशत्रुञ्जयाद्यमोद्धारक भट्टारकश्री ५ श्रीहीरविजयसूरिराजपट्टोदयपर्वतसहस्रकिरणायमान युगप्रधान भट्टारक श्री ५ श्रीविजयसेनसूरीश्वरपट्टप्रभावक.......................
महातपाविरुदधारि सकलज्ञातिसुविहितसूरिसभाशृङ्गार भट्टारक श्री ५ श्रीविजयदेवसूरिराज्यैः ॥

११२६ मेड़तासिटी आदिनाथ मन्दिर
११३० " " "

(११३१) धर्मनाथः

॥ संवत् १६७७ वर्षे वैशाखमासे शुक्लपक्षे तृतीयायां तिथौ शनि रोहिणीयोगे साहिश्रीजहांगीर विजयमानराज्ये मेडतानगरवास्तव्य उसवालज्ञातीय बुहरागोत्रीय सा० जयवन्त भा० जयवन्तदे पुत्र सा० दासराज भा० वदरङ्गदे पुत्र सा० पुना सा० चांपसीकेन स्वभार्या चांपलदे पुत्र लच्छी प्रमुखपरिवारपरिवृत्तेन श्रीधर्मनाथविंवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीमदकब्बरसुरत्राणप्रदत्तजगद्गुरु भट्टारक श्रीशत्रुञ्जया ·· ·· ·· ··· ·········श्री ५ श्रीहीरविजयसूरि············ श्रीविजयसेनसूरिपट्ट-प्रभावक······ ······ जहांगीरप्रदत्तमहातपाविरुदधारक ····· ···· ·················· श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११३२) सुमतिनाथः

प्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥ स्वस्तिश्रीः ॥ संवत् १६७७ वर्षे वैशाख सित ३ तिथौ सार्वभौमजहांगीरपातिसाहि-विजयिराज्ये उसवालज्ञातीय चोरवेडियागोत्रे सा० खिनुधा सा० जाल्हा पु० दत्ता पु० डूङ्गरसी भा० डूङ्गरदे पुत्र नेतसी भार्या नवरङ्गदे द्वि० नवलादे भ्रा० जीवराज भूपति भाण नैतसी पुत्र जयवन्त प्रमुखपरिवारयुतेन श्रीसुमतिनाथविंवं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबृहत्खरतरगच्छे आद्यपक्षीय भट्टारक श्रीजिनचन्द्रसूरिपट्टे·······························॥

(११३३) धर्मनाथः

संवत् १६७७ वर्षे वैशाख मासे शुक्लपक्षे अक्षत ३ दिने श्रीमेडतानगरवास्तव्य उसवालज्ञातीय सं० जीवा भार्या यशोदानाम्न्या श्रीधर्मनाथ-विंवं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छाधिराजभट्टारक श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीविजय-देवसूरिभिः ॥

(११३४) सुमतिनाथः

॥ खरतरगच्छे श्रीजिनकुशलसूरिः ॥ संवत् १६७७ वर्षे वैशाख-मासे अक्षयतृतीया दिने शनि रोहिणीयोगे मेडतानगरवास्तव्य श्रीमाल-ज्ञातीय पाताणीगोत्रीय सा० हेमा भार्या धूरी तत्पुत्ररत्न वोहित्थेन सुत रागदास सपरिवारयुतेन श्रीसुमतिनाथविंवं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छा-धिराज भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

११३१	मेड़तासिटी आदिनाथ मन्दिर		
११३२	,,	,,	,,
११३३	,,	,,	,,
११३४	,,	,,	,,

(११३५) वर्द्धमानः

॥ संवत् १६७७ वर्षे वैशाखमासे शुक्लपक्षे तृतीयायां तिथौ शनि रोहिणीयोगे श्रीमालज्ञातीय वहकटागोत्रीय सा० राजपाल भा० राजलदे पुत्र नेमिदास भा० चंपू नाम्नी श्रीमहावीरबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे भट्टारकप्रभुश्री ५ श्रीविजयसेनसूरीश्वरपट्टप्रभाकर श्रीमद्जहांगीरसाहिप्रदत्तश्रीजहांगीरमहातपाविरुदधारक सकलसुविहितसूरिसभाशृङ्गारसंरक्षक श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्रीविजयदेवसूरिराजैः ॥ श्रीः ॥

(११३६) मुनिसुव्रतः

॥ संवत् १६७७ वर्षे वैशाखमासे अक्षयतृतीया दिवसे श्रीमेडतावास्तव्य उ० ज्ञा० समदडीआगोत्रीय सा० मना भा० महिमादे पुत्र सा० रामाकेन भ्रातृ रायमलद्धान भा० केसरदे पुत्र जयदत्त सा० लखमीदास प्रमुखकुटुम्बयुतेन श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० तपागच्छे भट्टारकश्री ५ श्रीविजयसेनसूरिपट्टालङ्कार भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११३७) मुनिसुव्रतः

॥ संवत १६७७ वर्षे अक्षततृतीयादिने शनि रोहिणियोगे मेडतानगरवास्तव्य सा० लाखा भा० सरूपदे नाम्न्या श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं भट्टारक श्रीविजयसेनसूरीश्वरपट्टप्रभाकर जहांगरमहातपाविरुदविख्यात युगप्रधानसमान संकलसुविहितसूरिसभाशृङ्गारभट्टारक श्रीविजयदेवसूरिराजेन्द्रैः ॥

(११३८)

॥ सं० १६७७ वर्षे वैशाखमासे शुक्लपक्षे तृतीयायां तिथौ दिने शनि रोहिणीयोगे मेडतानगर वास्तव्य उसवालज्ञातीय सा० पालहड गोत्रे सा० खेमा भा० खेतलदे पुत्र सा० चाचाकेन बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छाधिराज भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११३९) वासुपूज्यः

सं० १६७७ वर्षे अक्षत ३ दिने मेडतावा० उ० ज्ञा० गु० गो० सा० जदू भार्या जइतलदे नाम्न्या श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

११३५ जयपुर पञ्चायती मन्दिर
११३६ मेड़तासिटी महावीर मन्दिर
११३७ ,, पार्श्वनाथ मन्दिर, बगीची
११३८ ,, आदिनाथ मन्दिर
११३९ ,, कुन्थुनाथ मन्दिर

(११४६) मूलनायकः

प्र० भट्टारकप्रभु श्रीजिनराजसूरिभिः ॥ संवत् १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ श्रीओसवालज्ञातीय गणधरचोपडागोत्रीय सं० कचरा भार्या कउडिसदे चतुरंगदे पुत्र सं० अमरसी भा० अमरादे पुत्ररत्न सं० अमीपालेन-पितृव्य चांपसी वृद्धभ्रातृ सं० आसकरण लघुभ्रातृ कपूरचन्द स्वभार्यापि अपूरबदे पु० गरीबदासादिपरिवारेण श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० बृ० खरतरगच्छाधीश्वर श्रीजिनराजसूरिचक्रचक्रवर्तिभिः ॥

(११४७) धर्मनाथः

प्र० श्रीजिनराजसूरिसूरिचक्रवर्तिभिः । सं० १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ श्रीओसवालज्ञातीय गणधरचोपडागोत्रीय सं० अमरसी भार्या अमरादे पुत्र सं० आसकरणेन भा० अजाइवदे पु० ऋषभदास भा० रत्नावती श्रेयोर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीबृहत्खरतरगच्छाधिराज युग० श्रीजिनसिंहसूरिपट्टोत्तंस-श्रीजिनराजसूरिसूरिः ।

(११४८) सुमतिनाथः

प्र० श्रीजिनराजसूरिसूरिसार्वभौमैः । सं० १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ श्रीओसवालज्ञातीय गणधरचोपडागोत्रीय सं० अमरसी भा० अमरादे पुत्ररत्न सं० आसकरण भा० अजाइवदे पु० ऋषभदास कपूरदास प्रवरया श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबृहत्खरतरगच्छाधिप युगप्रधान श्रीजिनसिंहसूरिपट्टालङ्कारक भट्टारकपुण्डरीक श्रीजिनराजसूरिसूरिदिनकरैः ॥

(११४९) चन्द्रप्रभः

सं० १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ श्रीओसवालज्ञातीय गणधरचोपडागोत्रीय सं० अमरसी भार्या अमरादे पुत्ररत्न सं० कपूरचन्द्रेण भार्या महिमादे श्रेयोर्थं श्रीचन्द्रप्रभबिं० का० प्रतिष्ठितं श्रीबृहत्खरतरगच्छनायक श्रीशत्रुञ्जयाष्टमोद्धारप्रतिष्ठापक प्रतिष्ठितभाणवडनगरप्रवरसुधाभरवर्षकश्रीपार्श्वदेव भट्टारकशिरोरत्न श्रीजिनराजसूरिभिः ॥

(११५०) मूलनायकः

॥ सं० १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ सं० अमरसी भा० अमरादे पु० सं० आसकरण अमीपाल कपूरचन्द्रेण श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं स्वपरिवार-श्रेयोर्थं प्र० बृहत्खरतरगच्छे भट्टारक श्रीजिनराजसूरिभिः ॥

११४६ मेड़तासिटी अजितनाथ मन्दिर
११४७ ,, शान्तिनाथ मन्दिर
११४८ ,, ,, ,,
११४९ ,, ,, ,,
११५० अजमेर संभवनाथ मन्दिर

(११५१) श्रेयांसनाथः

सं० १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ सं० आसकरणेन भार्या अजायबदे पुत्र सूरदासश्रेयोर्थं श्रीश्रेयांसबिंबं का० प्र० श्रीजिनराजसूरिभिर्बृहत्खरतरगच्छे ॥

(११५२) शान्तिनाथः

॥ सं० १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ ओसवालज्ञातीय गणधरचोपड़ागोत्रीय सं० लासा भार्या लाडिमदे पु० वीरपाल भार्या वील्हादे .... श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीबृहत्खरतरगच्छाधिप श्रीजिनराजसूरिसूरिभिः ॥

(११५३) जिनदत्तसूरिमूर्त्तिः

सं० १६७७ वर्षे ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ सं० आसकरणेन पितृव्य चांपसी भ्रातृ अमीपाल कपूरदास .... श्रीजिनदत्तसूरिमूर्त्तिः कारिता प्र० भ० श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

(११५४) जिनकुशलसूरिमूर्तिः

सं० १६७७ वर्षे ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ सं० आसकरणेन भ्रातृ अमीपाल कपूर-प्रभृतिभिः .... श्रीजिनकुशलसूरिमूर्तिः कारिता प्र० श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

(११५५) मूलनायकः

॥ सं० १६७७ ज्येष्ठ वदि ५ गुरौ सं० आसराज भार्या अपूरवदे पुत्र गरीबदासादिश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीजिनराजसूरिभिः सूरितिलकैः ।

(११५६) चन्द्रप्रभ-पञ्चतीर्थीः

सं० १६७७ व० जे० शु० १३ मेडतापुर वा० ऊ० ज्ञा० मांगा पुत्र सा० भैरा भा० विमलादे सा० मेहाकेन श्रीचन्द्रबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीतपागच्छे भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः स्वपदस्थापिताचार्य श्रीविजयसिंहसूरिभिः ॥

(११५७) कुन्थुनाथः

सं० १६७७ व० ... ... वदि ३ दिने पींपराज वा० सा० तीलोकसी भा० सन्नादे नाम्ना श्रीकुन्थुनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

११५१ जयपुर पञ्चायती मन्दिर
११५२ मेड़तासिटी शीतलनाथ मन्दिर
११५३ „ शान्तिनाथ मन्दिर
११५४ „ „ „
११५५ जयपुर स्टेशन मन्दिर
११५६ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्व नाथ मन्दिर
११५७ मेड़तासिटी उप० ग० शान्तिनाथ मन्दिर

(११५८)

॥ संवत् १६७८ वर्षे मिगसर सुदि १४ प्राग्वाट श्री............ ....तपापक्षीय पातसाहिश्रीअकब्बरप्रतिबोधक तद्दत्तषाण्मासिजीवाभयदानदायक भट्टारकपुरंदर श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीहीरविजयसूरि भ० श्रीविजयसेनसूरि भ० श्रीविजयदेवसूरिराद्यैः ॥

(११५९) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीपरिकरे

॥ ॐ ॥ स्वस्तिश्रीमन्नृपविक्रमार्कसमयातीत संवत् १६७८ वर्षे माघ मासे शुक्लपक्षे पञ्चमीतिथौ श्रीस्तम्भतीर्थे वेलाकुलवास्तव्य वृद्धशाखीय प्राग्वाटज्ञातीय दोसी वस्ता भा० वल्हादे पुत्ररत्न दोसी वाच्छा नाम्ना स्वपितृश्रेयोर्थे भार्या वाई वीरादे पवित्रपुत्र दो० अमरसी दो० देवसी दो० चांपसी दो० मोहनसी प्रमुखपुत्रपौत्रादिसकलपरिवारयुतेन श्रीमत्॥ श्रीपार्श्वनाथविंबं कारितं प्रतिष्ठितं च श्रीतपागच्छे भट्टारकपुरन्दर भ० श्रीहीरविजयसूरिपट्टोदयाचलसहस्रकिरण भट्टारक श्रीश्रीश्रीविजयसेनसूरीश्वरपट्टालङ्कार भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥ महोपाध्याय श्रीधर्मसागरगणिशिष्यमुख्यपंडितोत्तम श्रीश्रुतसागरगणयः प्रणमन्ति ॥ नित्यं श्रीः स्तात् ।

(११६०) शान्तिनाथः

संवत् १६७९ वर्षे वै० शुदि २ शनौ अहिनगरवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीय वृद्धशाखीय सं० जेठा भार्या दातविहा (?) राणा भा० रंगादे सं० जयतमाल भा० जसमादे सं० जोधा सं० गाम......केन श्रीशान्तिनाथविंबं कारितं तपागच्छनायक भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः प्रतिष्ठितं च शुभंभवतु ।

(११६१) पार्श्वनाथः

.........सार्वभौमराजेश्वर राजाधिराज महाराज श्रीराजसिंहविजयराज्ये.........वर्षे वैशाखमासे सितपक्षे......भापहणसन्तानीय ऊकेशवंशे भांडागारिकगोत्रे भंडारी नगराज पुत्र भं० अमरा तत्पुत्र माना... ...रत्नचन्द नारायण नरसिंह सोमचन्द संगार अचलदास कपूरदासादिपरिवार.........के श्रीपार्श्वनाथविंबं कारितं प्रतिष्ठितं आद्यपक्षीय श्रीबृहत्खरतरगच्छे भ० श्रीजिनसमुद्रसूरिपट्टे श्रीजिनदेवसूरिपट्टे श्रीजिनसिंहसूरिभिः श्रीमज्ज..................।

११५८ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

११५९ जयपुर प्रतापमलजी ढड्ढा गृहदेरासर

११६० मसूदा पार्श्वनाथ मन्दिर

११६१ जयपुर पञ्चायती मन्दिर

(११६२) पार्श्वनाथ-पञ्चतीर्थीः

संवत् १६७६ वर्षे आषाढ सुदि १३ गुरौ मेडतानगरवास्तव्य .... भं० । ऊ० । सदे पुत्र को० दीपलुनेकेन श्रीपार्श्वबिं० का० प्र० तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः स्वपदस्थापित-श्रीविजयसिंहसूरिपरिवृतैः ।

(११६३) संभवनाथः

संवत् १६८३ ज्येष्ठ वदि ३ सोमे । कडुआमतिगच्छे । श्रीश्रीमाली राईधन पुरा बा० कीकीकेन संभवबिंबं । कारिता तेजपालेन प्रतिष्ठितं ।

(११६४) संभवनाथः

॥ सं० १६८३ जेठ सुदि ३ सोमे कडुआमतगच्छे ॥ श्रीश्रीमाल० राइधन भार्या । बा० कीकीके० संभवबिंबं कारिता तेजपालेन प्रतिष्ठितं ॥

(११६५) वासुपूज्य-पञ्चतीर्थीः

सं० १६८३ वर्षे आषाढ वदि ४ गुरौ भिन्नमालवास्तव्य देवसी भा० दाडिमदे पुत्र मानसिंघ भ्रा० खेतसीयुतेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिं० का० प्र० त० गच्छे भ० श्री ५ श्रीविजयदेवसूरिभिः ।

(११६६) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थीः

संवत ८२ वर्षे फागण वदि ८ सोमे उकेशज्ञातीय चो । नरसिंघ भार्या नवलादे पुत्र । चो । अगरसी । धर्मसी प्रमुखकुटुम्बयुतेन श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे । श्रीविजयसेनसूरिभिः संवत् १६८२ वर्षे—

(११६७) सुमतिनाथः

सं० १६८३ वर्षे सं० जयराज भा० मनोहरदे नाम्ना सुमतिबिं० का० प्र० तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११६८) ऋषि-पादुका

संवत् १६८४ वर्षे वैशाख वदि ७ गुरौ श्रीविजयगच्छे भ० श्रीउदयसागरसूरितत्पट्टे भ० श्रीज्ञानसागरसूरि । ऋषि श्रीपदार्थजीपादुके प्रतिष्ठितं माघ सुद सं० ५ ।

११६२ अजमेर गौड़ी पार्श्वनाथ मन्दिर
११६३ जयपुर पञ्चायती मन्दिर
११६४ जयपुर पञ्चायती मन्दिर
११६५ अजमेर आदीश्वर मन्दिर
११६६ पादरू आदीश्वर मन्दिर
११६७ मेड़तासिटी युगादीश्वर मन्दिर
११६८ मालपुरा ऋषभदेव मन्दिर

(११६९) कुन्थुनाथः

॥ सं० १६८४ वर्षे माघ वदि १० सोमे सं० हरपा भा० रंगादे पु० सं० जीवराज भा० राजदे पु० सं० जिणदासकेन श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्री ६ भट्टारिक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११७०) धर्मनाथः

॥ सं० १६८४ वर्षे माघ वदि १० सोमे श्रामेचागोत्रे उकेशज्ञातीय सं० हर्षा भा० रंगादे पुत्र सं० जीवराज भा० राजदे तत्पुत्र जिणदासकेन श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारिक श्रीविजयदेवसूरिभिः।

(११७१) कमलबन्ध

संवत् १६८४ वर्षे मा० सुदि ८ सोमे श्रीमेडतावास्तव्य उकेशज्ञातीय भं० भयरव भार्या सुहागदे पुत्र भं० प्रवर नवीरदास भा० हर्षसदे पुत्र ऋषभदास अखयराज भ्रा० श्रे० भा० वीरादे पुत्र अमरसी पुनो ... प्रमुख-परिवारयुतेन स्वश्रेयसे चतुर्विंशतिजिनप्रतिमा कारितं कमलबंध ...... प्रतिष्ठितं तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः। आ० श्रीविजयसिंहसूरियुतैः।

(११७२) कुन्थुनाथः

॥ सं० १६८४ वर्षे माघ सुदि १० सोमे सं० जशवंत भा० जशवंतदे नाम्न्या श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं प्र० तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः॥

(११७३) वासुपूज्यः

॥ संवत् १६८४ वर्षे माघ सुदि १० सोमे मे ... वरचाभृग ...... गोत्रे सं० हरपा भा० वीरादे पुत्र सं० जीवराज भार्या सूरजदे पु० जिण-दास भार्या जीवनदे पुत्र सं० इसरदास नाम्ना श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीविजयदेवसूरिभिः॥

(११७४) शीतलनाथः

॥ सं० १६८४ वर्षे माह सुदि १० सोमे श्रामेचागोत्रे ऊकेशज्ञातीय सं० जीवराज भार्या राजा नाम्न्या श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारक श्री ५ श्रीश्रीविजयदेवसूरिभिः॥

११६९ मेड़तासिटी वासुपूज्य मन्दिर
११७० ,, ,, ,,
११७१ अजमेर संभवनाथ मन्दिर
११७२ मेड़तासिटी अजितनाथ मन्दिर
११७३ ,, महावीर मन्दिर
११७४ ,, ,, ,,

(११७५) मूलनायकः

॥ संवत् १६८४ माघ सुदि १० सोमे .... श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११७६) आदिनाथः

श्रीआदीश्वर ॥ संवत १६८४ वर्षे माघ सुदि १० सोमे सं० हरषा भा० मीरादे तत्पुत्र सिंघवी जशवंत भा० जशवंतदे तत्पुत्र सं० अचलदास अचिचलः सं० आसकर्ण कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे भट्टारिक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११७७) शान्तिनाथः

॥ संवत १६८४ वर्षे माघ सुदि १० सोमे संव्रहारया सा० मन तत्पुत्र सं० नेमीदास भा० अमनदे श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे भट्टारक श्री ६ श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११७८) अभिनन्दनः

॥ ॐ ॥ संवत् १६८६ वै० शुदि ४ नागोरवास्तव्य ऊकेश........ हादो पु० साजाकेन भा० पूरादे पुत्र तपात्रयली (?)...... श्रीअभिनन्दनबिं० प्र० भ० श्री .... ॥

(११७९) कुन्थुनाथः

॥ सं० १६८६ वैशा० सु० ८ पालीवास्तव्य उके० बांठियागोत्रे सा० सारंग भा० सोहीलालदे पु० सा० जयमल आत्मश्रेयसे कुन्थुनाथबिंबं का० प्र० तपा० भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११८०) सुमतिनाथः

॥ सं० १६८६ वैशा० सु० ८ महाराज श्रीगजसिंहविजयमानराज्ये श्रीमेडतानगरवास्तव्य ओसवालज्ञातीय सुराणागोत्रे बाई पूरी नाम्न्या पु० सं० कर्मणादिसपरिवाराय श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छाधिराज भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः स्वपदप्रतिष्ठाचार्य श्रीश्रीश्रीश्रीविजयसिंहसूरिप्रमुखपरिकर-परिकरिभिः ॥

११७५ मेड़तासिटी धर्मनाथ मन्दिर
११७६ „ „ „
११७७ „ „ „
११७८ नागोर चोसठियाजी का मन्दिर
११७९ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर
११८० मेड़तासिटी वासुपूज्य मन्दिर

(११८१) आदिनाथः

॥ ॐ ॥ संवत् १६८६ वर्षे वैशा० सु० ८श्रीमेडतानगरवास्व्य ओसवालज्ञातीय सुराणागोत्रे सा० तेजा भा० तेजलदे पुत्र वस्ता नाम्ना भा० विमलादे पुत्र विमलचन्द्रेणादिसपरिवारेण श्रीआदिनाथबिंबं स्वश्रेयोर्थं कारितं प्रतिष्ठितं पालीनगरे तपागच्छाधिराज भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः स्वपदप्रतिष्ठिताचार्य श्रीविजयसिंहसूरिप्रमुखपरिकरपरिकरितैः ॥

(११८२) चिन्तामणि-पार्श्वनाथः

संवत् १६८७ वर्षे ज्येष्ठ सु० ४ गुरौ सं० हर्षा भार्या मनरंगदे पुत्र सं० नेसीदास सं० सामीदास सं० विमलदासप्रमुखैः श्रीचिन्तामणिपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० च श्रीतपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः। आचार्य श्रीविजयसिंहसूरियुतैः ॥

(११८३) जगवल्लभ-पार्श्वनाथः

॥ संवत् १६८७ वर्षे ज्येष्ठ शुदि १३ गुरौ मेडता वा० सं० हर्षा भा० मीरादे पुत्ररत्न सं० जयवंत भार्या सोहागदे नाम्ना स्वश्रेयसे श्रीजगवल्लभपार्श्वनाथबिंबं का० प्रतिष्ठापितं स्वप्रतिष्ठितायां प्र० तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११८४) मनमोहन-पार्श्वनाथः

संवत १६८७ वर्षे ज्येष्ठ सुदि त्रयोदशी गुरौ सं० हर्षा भा० मीरादे पुत्र सं० जशवन्तकेन श्रीमनमोहनपार्श्वनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः। स्वपदस्थापिताचार्य श्रीविजयसिंहसूरिपरिवृतैः ॥

(११८५) मूलनायकः

॥ सं० १६८७ व० ज्येष्ठ सु० १३ गुरौ सं० जसवंत भा० जशवन्तदे पु० अचलदासकेन श्रीविजयचिन्तामणिपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० तपा० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥ श्रीविजयसिंहसूरिपरिवृतैः ॥

(११८६) हीरविजयसूरिमूर्तिः

॥ संवत् १६६० वर्षे जेठ वदि ११ दिने गुरुवारे ॥ श्रीहीरविजयसूरिबिंबं कारितं श्रीसंघेन। पातस्याहिश्रीजहांगीरप्रदत्तमहातपाविरुदधारक भट्टारक श्री १६ श्रीविजयदेवसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

११८१ मेड़तासिटी वासुपूज्य मन्दिर

११८२ „ „ „

११८३ मेड़तासिटी युगादीश्वर मन्दिर

११८४ „ अजितनाथ मन्दिर

११८५ „ पार्श्वनाथ मन्दिर

११८६ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(११८७) मुनिसुव्रतः

संवत् १६६१ वर्षे वैशाख शुदि १० गुरुवारे प्रतिष्ठितं भ० वीजापतिगच्छे पूज्य श्रीगुणसागरसूरिजी श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीकल्याणचंदसूरि आचार्य श्रीकल्याणसागरगुरु उपदेशात् मालपुरवास्तव्य श्रीमालज्ञातीय वृद्धशाखायां मुसलगोत्रे साह सींहा भार्या प्रतापदे सुत साह। नयण भार्या नवरंगदे भ्रातृव्य सा० हरिकरण भा० हर्षमदे सुत सा। पीथा भा० जसमादे सुत सा। दमादर······ सु। गोपाल सा० नेमिदास स्वश्रेयसे श्रीजिनभवनसह श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीविजयदेवसूरि········पंडित लब्धिचन्द्रगणि प्रणमति साह मुसलेन सूत्रधार डाहा

(११८८) आदिनाथ-एकतीर्थी:

सं० १६६३ व० भ्रप० ना० बिं। का। श्रा० लाख। नाम्नी तपागच्छे भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिभिः

(११८९) धर्मनाथ-एकतीर्थी:

सं० १६६३ व० धर्मबिंबं का। वेलाकेन श्रीतपागच्छे १२ श्रीराघव श्रीविजयदेवसूरिभिः

(११९०) पार्श्वनाथः

सं० १६६४ वर्षे माघ सित ६ गुरौ श्रीपार्श्वनाथबिं० श्रा० गांगवार का० प्र० श्रीविजयदेवसूरिभिः

(११९१) पद्चरणपादुका

॥ ॐ ॥ संवत् १६६५ वर्षे भाद्र वदि १० दिने रविवारे पुष्यनक्षत्रे सोनीगोत्रे संघवी रायसिंघ भार्या सूरमदे तत्पुत्र सं० माहण संघवी वर्धमान अमरसिंघ श्रीआदिनाथ पादुका कारितं प्रतिष्ठितं पं० तेजहंसगणिभिः। श्रमणसंघाय कल्याणमस्तु। श्रीचन्द्रप्रभपादुका श्रीरस्तु श्री। श्रीशांतिनाथ पादुके सातन (?) कल्याणमस्तु। श्रीनेमनाथ पादुकेभ्यो नमः। श्रीपार्श्वनाथपादुकेभ्यो नमः। श्रीमहावीरपादुका कल्याणं।

११८७ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर, मूलनायक

११८८ जयपुर प्रतापचन्दजी ढढ्ढा गृहदेरासर

११८९ ,, ,, ,, ,, ,,

११९० ,, ,, ,, ,, ,,

११९१ मालपुरा मुनिसुव्रत मन्दिर

(११६२) कुन्थुनाथ पञ्चतीर्थीः

॥ संवत् १६६६ वर्षे मृगशिर सुदि १० रवौ उपकेशज्ञातीय लघुशाखायां बुरागोत्रे फुमाणगोत्रे बाई जेलमदे पुत्र ठाकुरसी राइसिंघ श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारापितं श्रीतपागच्छे गुरु श्रीविजयदेवसूरितत्पट्टे विजयशिवसूरि प्रति० ।

(११६३) संभवनाथ-एकतीर्थीः

सं० १६६७ वर्षे माघ सित ६ गुरौ । संभवनाथबिंबं । श्रा० धर्माई का० प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

(११६४) पार्श्वनाथ-एकतीर्थीः

सं० १६६७ फा० सु० ५ वृद्ध० श्रीमाली श्रीचेतन । दि० नव श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० भ० श्रीविजयदेवसूरि

(११६५) मूलनायकसिंहासने

॥ सं० १६६८ वर्षे भा० शु० पूर्णमासी तिथौ कृष्णगढ वा० मोहनोत रायचंद त्रैलोक्यप्रसादपरिकरयुतेन श्रीपार्श्वनाथमूर्तिः सपरिकरः कारितः श्रीतपागच्छे भट्टारक श्रीविजयदेवसूरिपट्टालङ्कारहार भट्टा० आचार्य श्रीविजयसिंहसूरीणामुपदेशेन नित्यमंगलं ॥ शु० ॥

(११६६) शान्तिनाथ-पञ्चतीर्थीः

सं० १६६६ व० वै० सु० ६ दि० सर..................
श्रीशान्तिनाथबिं० का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसिंहसूरिभिः ॥

(११६७) सुविधिनाथ-पञ्चतीर्थीः

॥ सं० १६६६ व० माघ व० १ गुरौ द नगर (?) वीचुहसगो० श्रीय सा० तेजाकेन ......णेन श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्र० भ० श्रीतपागच्छे श्रीविजयदेवसूरि आचार्य श्रीविजयसिंहसूरियुतैः ।

११६२ नागोर बड़ा मन्दिर

११६३ जयपुर प्रतापमलजी ढड्ढा गृहदेरासर,

११६४ मसूदा पार्श्वनाथ मन्दिर

११६५ किसनगढ़ चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर. मूलनायक

११६६ नागोर बड़ा मन्दिर

११६७ जयपुर पार्श्वचन्द्रगच्छ उपाश्रय

(११६८) शीतलनाथ-पञ्चतीर्थी:

सं० १६६६ व० फा० व० २ तिथौ सा० पुरुषाकेन शीतलनाथबिंबं प्रतिष्ठितं गच्छे आचार्य श्रीविजयशान्तिसूरिभिः ॥

(११६६) मुनिसुव्रत-पञ्चतीर्थी:

॥ सं० १७०० व० द्वि० चै० सित ८ गुरौ गुलकुंडावा० सा० मेघा भा० मोहणादि सुत सा० नानजी नाम्ना श्रीमुनिसुव्रतविंबं का० प्रतिष्ठितं तपागणाधिपति परमगुरु भट्टारक श्रीविजयसेनसूरिपट्टालंकार श्रीपातिसाहिश्री-जहांगीरप्रदत्तमहातपाविरुदधारि श्रीविजयदेवसूरिभिः॥ श्रीतिलंगदेशे॥

(१२००) कुंथुनाथः

संवत् १७०० वर्षे माघ सित द्वादशी बुधे योधपुरवास्तव्य वृहदुकेश-ज्ञातीय मुहणोत सा० डूंगरसी भार्या कोडिमदे पु० सा० सकर्मणकेन जिणदास अखयराज सुतयुतेन श्रीकुन्थुनाथबिंबं कारितं। प्रतिष्ठितं तपा-गच्छे भट्टारक श्रीविजयदेवसूरि आचार्य श्रीविजयसिंहसूरिनिर्देशात्। उपाध्याय श्रीधर्मचन्द्र............



११६८ नागोर बड़ा मन्दिर

११६६ मेड़तासिटी युगादीश्वर मन्दिर

१२०० लछमणगढ़ ऋषभदेव मन्दिर

परिशिष्ट १

सम्बन्धित लेखों के आधुनिक प्राप्ति स्थान—



६७९, ७०६, ७३५, ७९५, ७९८, ८३४, ९०९, ९२९, ९३१, ९६२, ९९३, १०१८, १०६२, १०८६, १०८७, ११५६, ११७९, ११९५।

किसनगढ़ आदिनाथ मन्दिर ३१८, ३६९।

किसनगढ़ शान्तिनाथ मन्दिर ८५१, १०७५।

किसनगढ़ खरतरगच्छ उपाश्रय १३९, १६०, २५४, २६४, ४१८, ४४८, ७२२, ९४३।

किसनगढ़ यति स्वरूपचंद जी का उपाश्रय ११, १४४, ७६३, ९५७, १००३।

कुचेरा (जोधपुर) चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर १०६४।

केकड़ी (मेरवाड़ा) चन्द्रप्रभ मन्दिर ५७, २१७, ४२७, ५१२, ७८८।

कोटा खरतरगच्छ आदिनाथ मन्दिर ६८, ९१, १००, १०१ १५७, २४०, २४४, ३३४, ३७८, ३८७, ३९८, ४०९, ४३१, ४४६, ४८१, ५०६, ५५७, ५७९, ६४३, ६६५, ६६९, ७६८, ८००, ८२१, ८४०, ८८०, ८९९, ९२७, ९३४, ९५३, १०२१।

कोटा चन्द्रप्रभ मन्दिर ९७, १३७, १४६, ३४५, ३५६, ४११, ५२२, ५४०, ५८४, ५९०, ६२१, ६३५, ७९२, ८०५, ८९२।

कोटा माणिकसागर जी का मन्दिर १२९, २१२, २३४, २३७, २४८, २६५, २८९, ३७१, ३८४, ४००, ४४४, ४७१, ४८७, ५०२, ५०३, ५४७, ६०४, ६३८, ६६२, ६९६, ७३०, ७३६ ७५५, ८६८, ९१०, ९२०, ९२६, ९९१, १०११।

कोटा सेठजी का गृहदेरासर ३००, ८६०, ८६१, १००७।

खजवाना (जोधपुर) धर्मनाथ मन्दिर ४३०, ९१९, १११६।

खोह (जयपुर) चन्द्रप्रभ मंदिर ६७४, ८९५।

——x:o:x——

परिशिष्ट २

—लेखों में आये हुए गच्छों के नाम—

अञ्चलगच्छ	१६०, १७१, १७४, १९४, २८३, २८०, २८१, २८७, २९६, ४५०, ४९०, ५१०, ५४७, ५६१, ५६६, ५६७, ६१७, ६३६, ६३८, ६४१, ६८८, ६९२, ७००, ७३१, ७४७, ७६२, ८१४, ८५८, ८८६, ९७४, १००१, १००४, १०६५, १०८२. ११००, ११०१, ११०२।
आगमगच्छ	२१५, ४२०, ५३१, ५७२, ६३९, ७४५, ८८७।
उपकेशगच्छ	९४, १२६, १३१, १३७, २०४, २०५, २२०, २२९, २५४, २७२, २९४, २९९, ३१९, ३२०, ३२७, ३४३, ३४४, ३६२, ३७१, ३९३, ४१०, ४१७, ४२४, ४३२, ४३५, ४३७, ४३९, ४७९, ४८१, ४८७, ४८८, ४९२, ४९७, ४९९, ५१५, ५३६, ५७१, ५८२, ५९३, ६०४, ६०७. ६४७, ६५०, ६७१. ६९३, ६९४, ७३०, ७४६. ८२२, ८२९. ८५४, ८९०, ९०३, ९०५, ९२५, ९३३, ९५३, ९८८।
कडुआमतिगच्छ	११६३, ११६४।
कृष्णर्षिगच्छ	२११, ३५१, ६४८, ७८२।
कृष्णर्षितपापक्ष	२४१ ४१६, ६५९, ७२२, ७८०।
कोमलगच्छ	७७०।
खडायथगच्छ	५६।

सिद्धान्तीगच्छ	६६६।
सीतरगच्छ	१८६।
सुविहितपक्ष	१०११।
सौधर्मगच्छ	१०७४।
संडेरगच्छ	४६, ७६ ६७, ६८, १४०, १६६, १६८, २२७, २६३, २६५, ३०३, ३०४, ३११, ३१८, ३४७, ३५०, ३६५, ४४०, ४६४, ४६१, ५२४, ५२८, ६००, ६७४, ७६३, ७८६, ७६४, ८२१, ८४६, ८८५, ८६३, ६१८, ६४६, ६६१, ६६६, ६७१, ६८३।
हर्षपुरीयगच्छ	८७६।
हारीजगच्छ	१७०।

—लेखस्थ दिगम्बर संघों के नाम—

काष्ठासंघ	७३, १३३, १४१, २७६, ३८३, ८३३, ५५१, ६२५, ६६६, १०८४।
देवसेनसंघ	८७१, [illegible]।
नन्दितटगण	२७६, [illegible]।
नन्दिसंघ	२०७, २७८।
बलात्कारगण	२०७, २७८, १०१५।
बागडगच्छ	३८३, ५५१।
माथुरसंघ	३४, ३८ ८३३।
मूलसंघ	३७, ४५, ७४, ११७, १२०, १८७, २०७, २२६, २७८, ३३१, ६६२, ७३२, ७६१, ८५१ ६५७, १००३, १०१५, १११७, १०१६, १०२४, १०२५, १०२८, १०३८, १०४६, १०७२, १०७३।
लाडबागडसंघ	३६, १३३ [illegible]
सरस्वतीगच्छ	२०७, २२६, २७८, ८५१, १०१५।

—:o:—

परिशिष्ट ४

—लेखस्थ ग्रामानुक्रमणिका—

परिशिष्ट ५

—लेखस्थ राजाओं के नाम—

——:o:——

परिशिष्ट ६

लेखस्थ ज्ञातियों के नाम—

—दिगम्बर ज्ञातियाँ—

—:o:—

परिशिष्ट ७

—लेखस्थ गोत्रों की सूची—

—दिगम्बर गोत्रों की सूची—

—:o:—

परिशिष्ट ८

लेखस्थ श्रावक-श्राविकाओं के नामों की तालिका

—:❀:—

——:०:——